



**राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम**  
**National Institute of Technology Sikkim**

**वार्षिक प्रतिवेदन**  
**2024-2025**



वार्षिक प्रतिवेदन  
**2024-2025**



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम  
**National Institute of Technology Sikkim**

# विषय सूची

संस्थान का ध्येय	4
संस्थान का लक्ष्य	4
निदेशक का संदेश	6
<b>1. परिचय</b>	<b>8</b>
स्थान	12
परिसर	13
प्रशासन	15
प्रशासनिक पदानुक्रम	15



<b>2. बीओजी और अन्य प्रशासनिक समितियाँ</b>	<b>16</b>
शासक मंडल	16
वित्त समिति	17
भवन एवं निर्माण समिति	17
शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण	18
कुलसचिव	18
अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष	18
संकाय-प्रभारीगण (एफआईसी)	19



संकाय सदस्यों की सूची	20
कर्मचारी सदस्यों की सूची	21
<b>3. शैक्षणिक कार्यक्रम एवं उपाधि प्रदान</b>	<b>23</b>
शैक्षणिक कार्यक्रम	24
डिग्री प्रदान	31
अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ	33



दीक्षांत समारोह	39
<b>4. प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ</b>	<b>41</b>
वेबिनारस	43
वर्षवार नियुक्ति सांख्यिकी:	45
विस्तृत नियोजन सांख्यिकी 2024-25	48
प्रशिक्षण (इंटरशिप)	48
<b>5. विद्यार्थी कल्याण पहल</b>	<b>52</b>



गतिविधियाँ एवं आयोजन	53
एनआईटी सिक्किम का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव:	53
विश्व पर्यावरण दिवस	54
स्वतंत्रता दिवस:	56
वार्षिक खेल समारोह	58
राष्ट्रीय खेल सप्ताह – एनआईटी सिक्किम	60
विद्यार्थियों के लिए वित्तीय सहायता:	63
छात्रावास आवास	64
<b>6. अस्थायी परिसर में अवसंरचना विकास</b>	<b>66</b>
<b>7. केंद्रीय पुस्तकालय</b>	<b>70</b>
<b>8. अनुसंधान एवं परामर्श</b>	<b>73</b>



<b>9. चिकित्सा इकाई</b>	<b>75</b>
<b>10 सूचना का अधिकार (आरटीआई) प्रकोष्ठ</b>	<b>77</b>
<b>11. शैक्षणिक विभाग</b>	<b>89</b>
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	90
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग	118
विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग	135
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	149



सिविल इंजीनियरिंग विभाग	179
गणित विभाग	197
भौतिकी विभाग	200
रसायन विज्ञान विभाग	203
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग	212
<b>12. लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं वार्षिक लेखा</b>	<b>219</b>

## डाक पता:

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम  
रावंगला, दक्षिण सिक्किम  
सिक्किम, भारत - 737139  
टेलीफोन: +91 7479013180

## संपादक मंडल:

प्रो. एम. सी. गोविल  
निदेशक, एनआईटी सिक्किम  
डॉ. धनंजय त्रिपाठी  
एसोसिएट प्रोफेसर  
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

डॉ. ऋचा मिश्रा  
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग  
श्री साहिल मिंडा  
सहायक कुलसचिव (वित्त / लेखा)  
श्री विष्णु शर्मा  
अधीक्षक



## संस्थान का ध्येय

- (i) वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के माध्यम से समाज के उत्थान में योगदान देना।
- (ii) उद्योग और समाज के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में सेवा प्रदान करना।



## संस्थान का लक्ष्य

- (i) अत्याधुनिक अनुसंधान के माध्यम से नवीन ज्ञान का सृजन करते हुए स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डॉक्टरल कार्यक्रमों द्वारा शैक्षणिक उत्कर्ष को प्रोत्साहित करना।
- (ii) भारतीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक आवश्यकताओं की सूक्ष्म समझ के आधार पर उन विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान करना, जिन पर संस्थान अपने प्रयास केंद्रित कर सके।
- (iii) शिक्षा जगत एवं उद्योग के साथ दीर्घकालिक सहभागिता को सुदृढ़ करने हेतु सहयोगात्मक परियोजनाओं का संवर्धन करना।
- (iv) मानव क्षमता का पूर्ण विकास कर ऐसे बुद्धिमान एवं सृजनशील नेतृत्व का निर्माण करना जो विविध क्षेत्रों में समाज का मार्गदर्शन कर सके।





## निदेशक का संदेश

वित्तीय वर्ष 2024-2025 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना मेरे लिए परम सौभाग्य और गौरव का विषय है। यह वर्ष नवाचार, धैर्य और सृजनशीलता से प्रेरित उल्लेखनीय प्रगति का द्योतक रहा है। दूरस्थ क्षेत्र में स्थित अस्थायी परिसर से कार्य करने की चुनौतियों के बावजूद, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने उन्नत शिक्षण पद्धतियाँ अपनाकर और उत्कृष्टता की संस्कृति को संवर्धित करते हुए शिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता बनाए रखी है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम में छह शाखाओं में चार वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम, दो वर्षीय एम.टेक. और एम.एससी. पाठ्यक्रम तथा अभियांत्रिकी, विज्ञान और मानविकी में पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। वैश्विक शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, संस्थान स्टडी इन इंडिया (एस.आई.आई., आई.सी.सी.आर.) तथा डी.ए.एस.ए. जैसी पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेता है, जिससे विविध पृष्ठभूमियों से आने वाले विद्यार्थियों का स्वागत किया जाता है। वर्ष के दौरान कुल 204 नए विद्यार्थी नामांकित हुए, जिससे विद्यार्थियों संख्या लगभग 800 तक पहुँच गई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के अनुरूप, संस्थान ने बहु-प्रवेश एवं निर्गम नीति को समर्थन देने के लिए अपने पाठ्यक्रम में संशोधन किया है। आई.आई.टी. गांधीनगर और डी.आर.डी.ओ. जैसे संस्थानों के साथ सहयोग ने अनुसंधान और शैक्षणिक समन्वय को और सुदृढ़ किया है।

संस्थान ने अपने सातवीं दीक्षांत समारोह का आयोजन 17 नवम्बर 2024 को तथागत त्सल (बुद्ध पार्क), रवंगला में किया, जिसमें वर्ष 2024 के स्नातक विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का विवरण किया गया। समारोह की गरिमा सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर की उपस्थिति से और बढ़ गई, जिन्होंने दीक्षांत वक्तव्य दिया। समारोह में सेवानिवृत्त वायु सेना प्रमुख श्री अरूप राहा सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री रमेश कुमार सरावगी, शासक मंडल के अध्यक्ष, ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर 144 बी.टेक. स्नातकों, 4 पीएच.डी. शोधार्थियों, 1 एम.टेक. स्नातक, 9 एम.एससी. स्नातकों तथा 1 स्नातकोत्तर डिप्लोमा धारक को उपाधियाँ प्रदान की गईं। उत्कृष्ट शैक्षणिक

प्रदर्शन के सम्मान में कुल 8 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जिनमें विभागीय स्वर्ण पदक, संस्थान स्वर्ण पदक और निदेशक स्वर्ण पदक शामिल थे।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इस वर्ष योग्य विद्यार्थियों के लिए 86.6% का सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट रिकॉर्ड दर्ज किया गया, साथ ही बी.टेक. विद्यार्थियों के लिए 100% इंटरशिप भागीदारी सुनिश्चित की गई। यह उपलब्धि संस्थान की बढ़ती औद्योगिक पहचान और विद्यार्थियों की वैश्विक करियर अवसरों के प्रति तत्परता को दर्शाती है। वर्ष के दौरान कई विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट व्यक्तिगत प्लेसमेंट प्राप्त किए, जिनमें एनवीडिया (31.45 लाख प्रति वर्ष), एंग्लो-ईस्टर्न शिप मैनेजमेंट (24 लाख), प्लेटफॉर्म9 (18 लाख), ग्लोबलाइजेशन पार्टनर्स (15 लाख), कर्मिस इंडिया (13 लाख), इन्फोसिस (13 लाख), टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स (12 लाख) तथा एक्सचर इंडिया (11.89 लाख) में चयन शामिल हैं। ये ऐतिहासिक उपलब्धियाँ एन.आई.टी. सिक्किम के स्नातकों की उच्च गुणवत्ता और प्रशिक्षण एवं नियुक्ति प्रकोष्ठ की प्रभावी रणनीतियों का सशक्त प्रमाण हैं।

वर्ष के दौरान कई शैक्षणिक और विद्यार्थी-केंद्रित पहलों की गईं। इंडक्शन कार्यक्रम नए बी.टेक. विद्यार्थियों को शैक्षणिक वातावरण में सहज रूप से समाहित होने में सहायता करता है, जबकि पीयर ग्रुप लर्निंग कार्यक्रम वरिष्ठ विद्यार्थियों के माध्यम से मार्गदर्शन समर्थन सुनिश्चित करता है। संस्थान के शैक्षणिक अभिलेखों का डिजिटलीकरण राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार (एन.ए.डी.) के माध्यम से किया गया है, और शैक्षणिक क्रेडिट बैंक (ए.बी.सी.) के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों के बीच क्रेडिट स्थानांतरण की सुगम प्रक्रिया सुनिश्चित की गई है।

वर्ष 2024 की शुरुआत एक प्रेरणादायक उपलब्धि के साथ हुई, जब अप्रैल माह में सिक्किम के पहले डॉप्लर वेदर रडार (डी.डब्ल्यू.आर.) का स्थापन एवं उद्घाटन किया गया। यह परियोजना रक्षा भू-सूचना अनुसंधान स्थापना (डी.जी.आर.ई.), डी.आर.डी.ओ. के सहयोग से सम्पन्न हुई। यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, बल्कि इसने राष्ट्रीय अनुसंधान अवसंरचना को सुदृढ़ करते

हुए पूर्वी हिमालय क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान की क्षमताओं को एक नई ऊँचाई प्रदान की है।

मई 2024 में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम (एन.आई.टी. सिक्किम) ने उद्यमिता विकास केंद्र एवं आई-हब स्पोक सेंटर के तत्वावधान में “उद्यमिता और कौशल विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम” का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में शिक्षाजगत, उद्योग और स्टार्ट-अप क्षेत्र से अनेक प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया। इस पहल ने संकाय सदस्यों को नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों का अन्वेषण करने तथा तेजी से विकसित हो रहे उद्यमिता पारितंत्र से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। इसी अवधि के दौरान संस्थान ने विभिन्न प्रमुख संस्थानों और संगठनों के साथ कई समझौता ज्ञापनों (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए, जिससे अनुसंधान सहयोग, शैक्षणिक आदान-प्रदान, तथा छात्र प्रशिक्षण अवसरों को सुदृढ़ किया जा सके। ये प्रयास राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर एन.आई.टी. सिक्किम की शैक्षणिक एवं अनुसंधान के प्रयासों को विस्तार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

संस्थान ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान, जागरूकता व्याख्यान, और छात्रों द्वारा संचालित सतत विकास अभियानों का आयोजन किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रातःकालीन योग सत्रों ने समग्र स्वास्थ्य एवं सजगता के महत्व को रेखांकित किया। योग गतिविधियों के पश्चात “मादक द्रव्यों के दुरुपयोग एवं मानसिक स्वास्थ्य” विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और नशा मुक्ति के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना था।

अगस्त 2024 में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम में 76वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत “हर घर तिरंगा” अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रभात फेरी से हुई, जिसमें विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी तिरंगा लेकर परिसर में देशभक्ति गीतों के साथ मार्च करते हुए एकता और स्वतंत्रता के आदर्शों को पुनः स्मरण कर रहे थे। इसी माह में वार्षिक क्रीड़ा समारोह 2024 (एनुअल स्पोर्ट्स मीट 2024) का भी सफल आयोजन किया गया, जिसमें

सभी विभागों के विद्यार्थियों ने एथलेटिक स्पर्धाओं, खेलों और टीम इवेंट्स में भाग लेकर टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और धैर्य का परिचय दिया। सितंबर 2024 में संस्थान ने हिंदी पखवाड़ा मनाया, जिसमें निबंध लेखन, वाद-विवाद, कविता पाठ तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन आयोजनों के माध्यम से शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करते हुए, भाषाई और सांस्कृतिक समावेशन के प्रति एन.आई.टी. सिक्किम की प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम ने द्वितीय इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आई.एस.ए.आई.-2025) का सफल आयोजन किया। इस संगोष्ठी में भारत तथा विदेशों से आए प्रख्यात शोधकर्ताओं और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डेटा-आधारित नवाचारों में हो रही प्रगति पर विचार-विमर्श किया। एन.ई.पी. सारथी पहल के अंतर्गत संस्थान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर जनजागरूकता बढ़ाने हेतु किज, हस्ताक्षर अभियान आदि कार्यक्रम आयोजित किए। इसके साथ ही संस्थान ने आई.टी.आई. केवजिंग को डेस्कटॉप कंप्यूटर भेंट किए, जो डिजिटल सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, और समावेशी विकास की परिकल्पना के अनुरूप है।

इन विविध उपलब्धियों पर विचार करते हुए, मुझे हमारे शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की निष्ठा एवं उत्साह से गहरा प्रोत्साहन प्राप्त होता है, जिन्होंने सदैव संस्थान के श्रेष्ठता, सत्यनिष्ठा और नवाचार के मूल्यों को बनाए रखा है। भविष्य की ओर अग्रसर होते हुए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम अपनी इस प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ करता है कि वह ज्ञान को समृद्ध करेगा, सृजनशीलता को प्रोत्साहित करेगा, और शिक्षा, अनुसंधान तथा सेवा के माध्यम से राष्ट्र की प्रगति में सार्थक योगदान देगा। इसी गहन संतोष और प्रसन्नता के साथ, मैं आपके समक्ष संस्थान का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता हूँ।

प्रो. एम सी गोविल  
निदेशक

# परिचय

सिक्किम पूर्वी हिमालय की गोद में स्थित एक अद्भुत पूर्वोत्तर राज्य है। सत्रहवीं शताब्दी में तिब्बती बौद्ध धर्म की च्यिंगमा परंपरा के लामाओं द्वारा बौद्ध साम्राज्य के रूप में स्थापित, सिक्किम अपनी समृद्ध और विशिष्ट सांस्कृतिक धरोहर पर गर्व करता है।

अपने प्रारंभिक काल में सिक्किम में मुख्य रूप से वे भूटिया लोग बसे जो तिब्बत से यहाँ प्रवासित हुए थे, साथ ही लेपचा समुदाय, जो सिक्किम के मूल निवासी माने जाते हैं और जिन्हें विश्व की सबसे प्राचीन जनजातियों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है। सिक्किम नाम की व्युत्पत्ति लिम्बू भाषा के दो शब्दों से हुई है, सु जिसका अर्थ है 'नया' और खिम जिसका अर्थ है 'महल' या 'घर'। आज सिक्किम विश्वभर में इस गौरव के लिए प्रसिद्ध है कि वह विश्व का प्रथम शत-प्रतिशत जैविक राज्य है। "जैविक राज्य" की उपाधि प्राप्त कर और वैश्विक स्तर पर प्रशंसा अर्जित कर, सिक्किम ने न केवल अपनी पहचान को सुदृढ़ किया है, बल्कि देश का गौरव भी बढ़ाया है। साल 2004 की राज्य जैविक कृषि नीति और 2010 के सिक्किम ऑर्गेनिक मिशन के सफल क्रियान्वयन के माध्यम से, सिक्किम ने 50 से अधिक नामांकित नीतियों को पीछे छोड़ते हुए गोल्ड अवार्ड प्राप्त किया, जिससे वह विश्व का प्रथम पूर्णतः जैविक राज्य बन सका। परंपरागत कृषि पद्धतियों को जीवित रखते हुए उन्हें आधुनिक कृषि तंत्र के साथ संतुलित कर वैश्विक स्तर पर पहचान प्राप्त करने का सिक्किम का प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय है। जैविक खेती को उस कृषि प्रणाली के रूप में माना जाता है जो पारंपरिक सिक्किमी कृषि पद्धति के सबसे अधिक अनुरूप

है, जो कि वर्षा पर निर्भर रहती है, बाहरी संसाधनों का न्यूनतम उपयोग करती है, और रासायनिक पदार्थों के प्रयोग को पूर्णतः निषिद्ध करती है। सिक्किम की कला, साहित्य, अनुष्ठान, संस्कृति और नृत्य की विविधता एवं भव्यता अपने आप में अद्वितीय और अनुपम है। 'सिक्किम' शब्द मानो एक ऐसे रहस्यमयी प्रदेश का प्रतीक है, जहाँ विविध संस्कृतियों और बहुजातीय समुदायों का सहअस्तित्व एकता और शांति के वातावरण में संभव हुआ है, जिसका मूल आधार इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और समान बौद्धिक विकास है। राज्य की संपर्क भाषा नेपाली है, यद्यपि विभिन्न समुदाय अपनी-अपनी भाषाएँ बोलते हैं। सिक्किम में ग्यारह आधिकारिक भाषाएँ नेपाली, भूटिया, लेपचा, तामांग, लिम्बू, नेवारी, राई, गुरुंग, मंगर, सुनुवार और अंग्रेज़ी हैं। सिक्किम में प्रमुख धर्म हिन्दू और बौद्ध हैं; तथापि यहाँ ऐसे लोग भी हैं जो ईसाई, इस्लाम और जैन धर्म का पालन करते हैं। लेपचा समुदाय अपने पारंपरिक धर्म 'मुनिज़्म' को मानता है, जो बौद्ध धर्म और ईसाई धर्म के साथ सह-अस्तित्व में है। संभवतः सिक्किम अपने विशिष्ट सांस्कृतिक और पारंपरिक मूलचेतना को आत्मसात करते हुए सांस्कृतिक भिन्नताओं के सीमित अनुष्ठानों से ऊपर उठकर "विविधता में एकता" की अवधारणा को साकार रूप प्रदान करता है।

सिक्किम लम्बे समय तक एक साम्राज्य रहा और भारत में 1975 में 22वें राज्य के रूप में विलय से पूर्व यह भारत का संरक्षित राज्य था। भारत

सरकार ने देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों में नवाचार और सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया। इसी उद्देश्य से भारत सरकार ने इस क्षेत्र में अन्य राज्यों के साथ-साथ उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थापना का महत्वपूर्ण निर्णय लिया। एन.आई.टी. सिक्किम इसी प्रयास का परिणाम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना और उन्नत शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) सिक्किम राज्य का एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है, जो उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। यह संस्थान वर्ष 2010 में ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत स्थापित किया गया था और यह भारत सरकार द्वारा संसद के अधिनियम के माध्यम से स्थापित दस नव स्वीकृत राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में से एक है। इस संस्थान की स्थापना का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करना तथा अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को प्रोत्साहित कर कुशल मानव संसाधन का निर्माण करना है। भारत सरकार ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्च कौशल और क्षमता वाले मानव संसाधन के विकास में इसकी

भूमिका को ध्यान में रखते हुए इसे "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" का दर्जा प्रदान किया है। एनआईटी परिषद के संरक्षण में संचालित यह संस्थान चार वैधानिक निकायों से युक्त है, जिसमें शासक मंडल, वित्त समिति, भवन एवं कार्य समिति तथा सीनेट शामिल है। यह संस्थान भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित है। संस्थान को पूर्ण वित्तीय एवं शैक्षणिक स्वायत्तता प्राप्त है।

अगस्त 2010 में स्थापना के बाद से एनआईटी सिक्किम अस्थायी परिसर रावंगला (दक्षिण सिक्किम) से संचालित हो रहा है। अनेक चुनौतियों जैसे प्रतिकूल जलवायु, अपर्याप्त परिवहन सुविधा और सीमित अस्थायी परिसर के बावजूद संस्थान ने प्रारंभिक कठिनाइयों को पार कर शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में धीमी परंतु निरंतर प्रगति की है। संस्थान का विश्वास है कि ग्रामीण विकास राष्ट्र के संतुलित विकास के लिए अत्यावश्यक है; इसी दृष्टिकोण से संस्थान ज्ञान के निर्बाध आदान-प्रदान तथा विज्ञान और

प्रौद्योगिकी के लाभों को समाज के गरीब एवं वंचित वर्गों तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी राज्य के अन्य शैक्षणिक संस्थानों को सहयोग प्रदान करते हुए सामाजिक विकास की गतिविधियों में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। संस्थान की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि यह अपने सभी सदस्यों में सामाजिक उत्तरदायित्व और आत्मीयता की भावना विकसित करने का प्रयास करता है। इसी भावना ने एनआईटी सिक्किम के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को प्रेरित किया है कि वे समाज के वंचित वर्गों को शक्ति एवं जागरूक नागरिक के रूप में रूपांतरित करने हेतु निरंतर प्रयास करें।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने अपनी यात्रा तीन (3) स्नातक कार्यक्रमों संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी, तथा विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी के साथ प्रारंभ की, और प्रत्येक में तीस (30) विद्यार्थियों का प्रवेश था। वर्तमान में लगभग एक हजार (1000) विद्यार्थी एनआईटी सिक्किम में नामांकित हैं। संस्थान सिविल अभियांत्रिकी, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी, और यांत्रिकी अभियांत्रिकी में स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है। स्नातकोत्तर कार्यक्रम संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी (नियंत्रण, शक्ति और विद्युत ड्राइव्स), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी, और

रसायन विज्ञान में संचालित हैं। संस्थान अभियांत्रिकी की सभी शाखाओं, मूल विज्ञानों तथा मानविकी में विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.) कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

संस्थान अपने विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ उन्हें साहित्यिक, सांस्कृतिक, तकनीकी तथा खेलकूद जैसी सह-पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों में रुचि विकसित करने का ज्ञान प्रदान किया जाता है। संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों के मार्गदर्शन और सक्षम नेतृत्व में अभियंत्रण (वार्षिक तकनीकी आयोजन), उद्गम (वार्षिक सांस्कृतिक आयोजन) तथा वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन

किया गया है। ये आयोजन संस्थान के ऊर्जावान छात्र समुदाय की विविध प्रतिभाओं को प्रदर्शित करते हैं और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीन विचारों के उद्भव को प्रोत्साहित करते हैं, वह भी एक ऐसे वातावरण में जो नवाचार के माध्यम से सीखने की भावना को बढ़ावा देता है। तकनीकी आयोजन के दौरान एक प्रदर्शनी आयोजित की जाती है, जिसमें विद्यार्थी अपने प्रोटोटाइप कार्यशील मॉडलों का प्रदर्शन करते हैं। इस अवसर पर नई तकनीकों पर कार्यशालाएँ और उद्योग एवं अकादमिक क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं। एनआईटी सिक्किम शिक्षा के माध्यम से देश के युवाओं को सशक्त बनाता है और उन्हें राष्ट्र के समग्र विकास में सहभागिता के लिए प्रेरित करता है, जो समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

एक उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में, तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ संस्थान अपने विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का भी संचार करता है, ताकि वे स्नातक होने के पश्चात समाज और राष्ट्र के हित में योगदान देने वाले श्रेष्ठ नागरिक और श्रेष्ठ मानव बन सकें। यह उल्लेखनीय है कि राज्य की सांस्कृतिक विविधता तथा पारंपरिक और धार्मिक बहुलता विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता के विकास पर गहरा प्रभाव डालती है। ऐसी विविधताओं को अपनाना नवाचार और उत्कृष्टता के बीज बोया जा सकता है तथा समग्र विकास के माध्यम से विद्यार्थियों की बुद्धि और दृष्टि को और अधिक प्रखर बना सकता है।

संस्थान के विद्यार्थियों ने अद्भुत आत्मविकास का परिचय दिया है क्योंकि उन्होंने सिक्किम की भौगोलिक परिस्थितियों, उसकी प्रतिकूल जलवायु और बहुरंगी सांस्कृतिक विविधता के साथ स्वयं को सहजता से समायोजित किया है। संस्थान नए परिवेश के साथ सौहार्दपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना विकसित कर समग्र शिक्षा की अवधारणा को साकार करता है। यहाँ की सांस्कृतिक विविधता विद्यार्थियों को प्रकृति के जीवंत संसार, वनस्पतियों और जीव-जंतुओं से परिचित कराती है, जिससे उनमें प्रकृति के प्रति संवेदना, सौंदर्यबोध और उसके संरक्षण की चेतना का विकास होता है। यह इस युग के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक गुण है। तीव्र गति से बदलती तकनीकी दुनिया और आधुनिकीकरण के प्रवाह में विद्यार्थियों में यह विवेक विकसित करना कि वे हमारी समृद्ध जैव विविधता के साथ संतुलित जीवन जीना सीखें, वास्तव में प्रशंसनीय है। इस प्रकार संस्थान यह धारणा मिटा देता है कि तकनीकी संस्थान प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण से विमुख हैं, बल्कि यह उन्हें शिक्षा के साथ-साथ प्रकृति के प्रति श्रद्धा और संरक्षण की भावना का अमूल्य पाठ पढ़ाता है।



## स्थान

सिक्किम अपनी मोहक प्राकृतिक सुंदरता के लिए सदैव आकर्षण का केंद्र रहा है। यहाँ के हिमाच्छादित पर्वत, सघन वन, दुर्लभ वनस्पतियाँ और जीव-जंतु, निर्मल जलप्रपात, पवित्र झीलें, पावन गुफाएँ, औषधीय गर्म झरने और कल-कल करती कोमल धाराएँ इसकी शोभा को अद्वितीय बनाती हैं। कोहरा और बादलों से घिरी हिमाच्छादित हरियाली इस राज्य की मनोहरता को और भी प्रखर बनाती है। यहाँ विश्व की तीसरी सबसे ऊँची चोटी माउंट कंचनजंघा स्थित है, जिसे राज्य का रक्षक देवता माना जाता है। वर्ष 2010 में स्थापना के बाद से एनआईटी सिक्किम अस्थायी परिसर रावंगला, दक्षिण सिक्किम से संचालित हो रहा है।

रावंगला सिक्किम राज्य के नामची ज़िले में समुद्र तल से 2100 मीटर की ऊँचाई पर स्थित एक छोटा सा नगर है। इस क्षेत्र की जलवायु उप-अल्पाइन प्रकार की है, जो ठंडे तापमान, ऊँचाई के अनुसार बदलते मौसम और ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में हिम एवं बर्फ की उपस्थिति से परिभाषित होती है। रावंगला में शीत ऋतु के दौरान हिमपात होता है, जिससे तापमान शून्य से नीचे तक गिर जाता है। यह शांत, लघु अर्ध-शहरी क्षेत्र सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह नगर 'बुद्धा पार्क' में स्थापित एक सौ तीस (130) फुट ऊँची भगवान गौतम बुद्ध की भव्य प्रतिमा के निर्माण के लिए प्रसिद्ध है।

परिसर के सबसे निकट स्थित रेलवे स्टेशन न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन, पश्चिम बंगाल है, जो परिसर से लगभग एक सौ अठारह (118) किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। हवाई संपर्क बागडोगरा और पाक्योंग हवाई अड्डों से उपलब्ध है, जो क्रमशः लगभग एक सौ बत्तीस (132) किलोमीटर और चौहत्तर (74) किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। अपनी भौगोलिक संरचना और अन्य विविध चुनौतियों के बावजूद संस्थान ने अस्थायी परिसर से शैक्षणिक और अनुसंधान संबंधी गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन किया है।

## परिसर

रावंगला स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम उस परिसर में स्थापित है, जो प्रारंभ में सिक्किम के नागरिकों के लिए एक "शेल्टर होम (आश्रय गृह)" के रूप में उपयोग किया जाता था। इस गृह को "राष्ट्रीय महत्व के संस्थान" के परिसर के रूप में रूपांतरित करना अनेक प्रारंभिक चुनौतियों से भरा हुआ था। तथापि, संस्थान ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपने प्रयासों से एक विशिष्ट पहचान और प्रतिष्ठा स्थापित की है। संसाधनों की कमी, स्थान की कठिनाइयों और प्राकृतिक परिस्थितियों जैसी बाधाओं को दृढ़ संकल्प और सुधारात्मक प्रयासों के माध्यम से पार करते हुए, एनआईटी सिक्किम ने अपने विकास और प्रतिष्ठा में निरंतर वृद्धि की है और आज यह निःसंदेह प्रेरणा का प्रतीक बन चुका है।

एनआईटी सिक्किम ने अत्यंत परिश्रमपूर्वक मौजूदा संरचनाओं का रूपांतरण शिक्षण भवनों, प्रशासनिक खंडों, छात्रावासों तथा संकाय और कर्मचारियों के आवासों में किया है, जहाँ सीमित स्थान में विभिन्न शिक्षण शाखाओं को समायोजित करने हेतु भवनों के आकार से समझौता करना पड़ा। यह उल्लेखनीय है कि भौगोलिक स्थिति की सीमाओं, अपर्याप्त आधारभूत सुविधाओं तथा परिसर

और रावंगला नगर में न्यूनतम आवश्यक जीवन सुविधाओं जैसे उचित आवास, चिकित्सकीय सेवा, विद्यालय और अन्य मूलभूत आवश्यकताओं के अभाव के कारण संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को बनाए रखना संस्थान प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। वर्षों के दौरान संकाय और कर्मचारियों के संस्थान छोड़ने की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई है। तथापि, हाल के समय में संस्थान ने मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराकर गुणवत्तापूर्ण संकाय और कर्मचारियों को बनाए रखने के लिए गंभीर और समन्वित प्रयास किए हैं, यद्यपि ये सुविधाएँ अभी तक अपेक्षित न्यूनतम मानकों तक नहीं पहुँच सकी हैं।

संस्थान के सीमित परिसर क्षेत्र में खेल के मैदान, चिकित्सीय इकाई, छात्र एवं छात्राओं के लिए व्यायामशाला तथा अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि के कारण वर्तमान अस्थायी परिसर में सभी विद्यार्थियों को संस्थान परिसर के भीतर समायोजित करना संभव नहीं है। इसलिए संस्थान ने रावंगला नगर में कई सुसज्जित एवं अर्ध-सुसज्जित भवन किराये पर लेकर उन्हें छात्रावास के रूप में उपयोग में लिया है। वर्तमान में संस्थान के पास कुल चौदह भवन खंड हैं, जिनमें एक सौ तिहत्तर कक्षों में छह सौ सत्ताईस विद्यार्थी छात्र एवं छात्रा

छात्रावासों में निवास करते हैं। इसके अतिरिक्त चार भवन खंड, जिनमें चौबीस आवासीय इकाइयाँ हैं, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों के आवास के रूप में प्रयुक्त किए जा रहे हैं।

परिसर में एक पृथक एवं सुसज्जित शैक्षणिक भवन स्थित है, जिसमें कक्षाएँ, संगणक प्रयोगशाला, संकाय कक्ष, डीन छात्र कल्याण तथा डीन अकादमिक के कार्यालय शामिल हैं। सिक्किम का प्रथम सुपरकंप्यूटर "परम कंचनजंघा" भी इसी पुराने शैक्षणिक भवन में स्थापित है। इसी भवन में संस्थान की प्रशिक्षण एवं नियुक्ति प्रकोष्ठ (ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल) भी स्थित है। तथापि, सुपरकंप्यूटर केंद्र अब पुराना हो चुका है और इसके उन्नयन की आवश्यकता है। वर्तमान में कक्षाओं को स्मार्ट कक्षाओं में परिवर्तित किया गया है, जिनमें रूम हीटर और प्रोजेक्टर जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

संस्थान के प्रशासनिक भवन का हाल ही में नवीनीकरण किया गया है, जिसमें निदेशक का कार्यालय एवं सचिवालय, कुलसचिव कार्यालय, डीन प्रशासन का कार्यालय, लेखा अनुभाग, सम्मेलन/बैठक कक्ष, परीक्षा प्रकोष्ठ तथा एक पेंटी कक्ष शामिल हैं। प्रशासनिक भवन के समीप केंद्रीय



भंडार तथा अधिशासी अभियंता, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) और कनिष्ठ अभियंता (इलेक्ट्रिकल) के कार्यालय पूर्ण रूप से क्रियाशील हैं।

संस्थान पूर्व में मूल प्रयोगशाला सुविधाएँ भी प्रदान करने में सक्षम नहीं था, जिसके कारण विद्यार्थियों को अपने प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम पूरे करने हेतु दूरस्थ शैक्षणिक संस्थानों की यात्रा करनी पड़ती थी। किसी भी तकनीकी संस्थान के पाठ्यक्रम की आधारशिला प्रयोगशालाएँ होती हैं; इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने अस्थायी परिसर में शोध निर्माण कर प्रयोगशालाओं और कक्षाओं के लिए उपलब्ध स्थान में वृद्धि की है ताकि स्थान की कमी की समस्या को आंशिक रूप से दूर किया जा सके। तथापि, तीव्र गति से हो रहे समग्र विकास और मंत्रालय की दृष्टि के अनुरूप संस्थान की शाखाओं एवं विभागों के विस्तार की आवश्यकता को देखते हुए ये अस्थायी व्यवस्थाएँ अपर्याप्त सिद्ध हो रही हैं। वर्तमान अस्थायी परिसर संस्थान की प्रगति में प्रमुख बाधा बन गया है। इन दीर्घकालिक समस्याओं का एकमात्र स्थायी समाधान संस्थान के स्थायी परिसर की स्थापना है। अत्याधुनिक सुविधाओं और विश्वस्तरीय अवसंरचना से युक्त स्थायी परिसर न केवल संस्थान को नई ऊँचाइयों पर पहुँचा सकेगा, बल्कि मानव संसाधन विकास में भी सहायक सिद्ध होगा तथा हमारे विद्यार्थियों को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में अग्रसर करेगा।

वर्तमान में सिक्किम सरकार द्वारा एनआईटी सिक्किम के स्थायी परिसर के निर्माण हेतु आवंटित 100 एकड़ भूमि में से 98.97 एकड़ भूमि ढुंग ढुंग ब्लॉक, खामदोंग, जिला गंगटोक, सिक्किम में संस्थान को हस्तांतरित

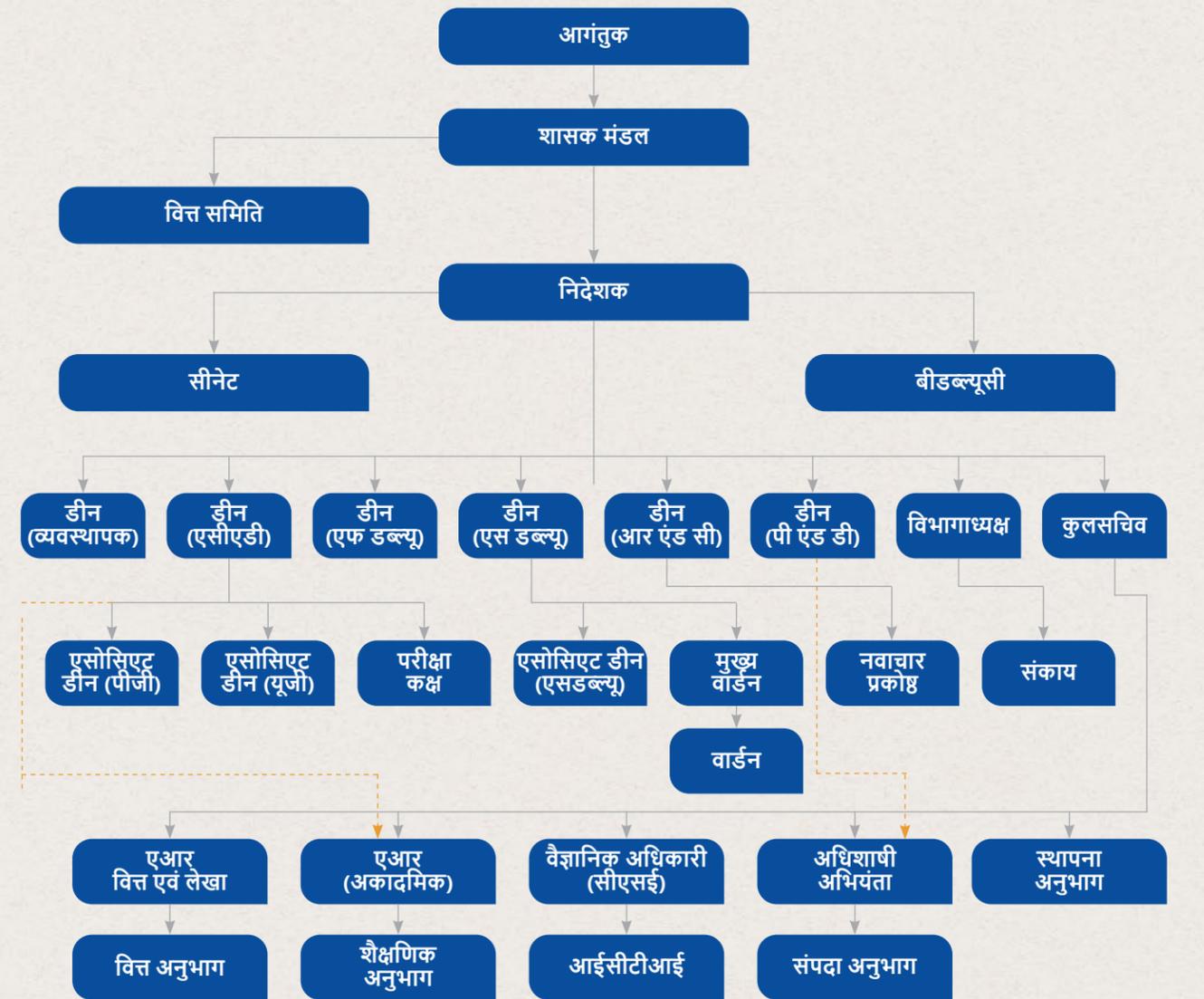
की जा चुकी है। संस्थान के शासक मंडल (बीओजी) ने स्थायी परिसर के निर्माण के लिए एनबीसीसी को परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में चयनित किया है। संस्थान पूर्ण रूप से विकसित स्थायी परिसर की प्रतीक्षा कर रहा है ताकि वह तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक योगदान दे सके तथा देश के विकास में अपनी पूर्ण क्षमता से सहभागिता कर सके, जो वर्तमान अस्थायी परिसर की सीमाओं के कारण संभव नहीं हो पा रहा है। तथापि, शिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विद्यार्थियों को पर्याप्त सुविधाएँ प्रदान करने हेतु सतत और गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं।

रावंगला नगर परिसर से मात्र 2.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यद्यपि नगर में बैंक, डाकघर और एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैसी आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध हैं, किन्तु इसका सीमित आकार सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को सीमित कर देता है। संस्थान प्राकृतिक सौंदर्य और मनोहर दृश्यों से परिपूर्ण एक रमणीय स्थान पर स्थित है। रावंगला से कंचनजंघा, माउंट पांडिम, माउंट सिनियोलचू और माउंट काब्रू जैसी अनेक प्रसिद्ध पर्वत चोटियाँ स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। इस स्थान की जलवायु अत्यंत कठोर और परिवर्तनशील है, जिसका मुख्य कारण ऊँचाई में भिन्नता है। इसके अतिरिक्त, संस्थान का दूरस्थ स्थान और अपर्याप्त आधारभूत संरचना अस्थायी परिसर से संस्थान के प्रबंधन के लिए गंभीर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती हैं।

# प्रशासन

एनआईटी सिक्किम वर्ष 2010 से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान के रूप में कार्यरत है। एनआईटीएसईआर अधिनियम 2007 के अनुसार, संस्थान का संचालन एक निदेशक के नेतृत्व में होता है और इसका प्रशासन शासक मंडल (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) द्वारा किया जाता है। इस मंडल में भारत सरकार, सिक्किम सरकार, उद्योग जगत, अन्य संस्थानों तथा संकाय सदस्यों के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं। निदेशक संस्थान के प्रमुख शैक्षणिक और कार्यकारी अधिकारी हैं। उनके दैनिक कार्यों में डीन, विभागाध्यक्ष, रजिस्ट्रार, अन्य अधिकारीगण तथा विभिन्न समितियाँ सहयोग प्रदान करती हैं।

## प्रशासनिक पदानुक्रम



संस्थान विद्यार्थियों को सह-पाठ्यक्रमिक, आवासीय और मनोरंजन संबंधी गतिविधियों के संचालन हेतु स्वप्रशासन के कुछ अवसर प्रदान करता है। इसके लिए विभिन्न समितियाँ गठित की गई हैं, जैसे कि संस्थान कैटीन समिति, छात्र सहायता एवं कल्याण समिति, छात्रावास एवं मेस समिति आदि।

## बीओजी और अन्य प्रशासनिक समितियाँ

बीओजी संस्थान की सर्वोच्च वैधानिक निकाय है। इसका गठन एनआईटी अधिनियम 2007 की धारा 14 के अंतर्गत किया गया है। प्रशासनिक मामलों से संबंधित सभी प्रमुख निर्णय बीओजी द्वारा विचारित और अनुमोदित किए जाते हैं। बीओजी की संरचना निम्नानुसार है:

### शासक मंडल

सदस्यगण	
<b>श्री रमेश कुमार सरावगी</b> अध्यक्ष, निदेशक, सरावगी उद्योग प्राइवेट लिमिटेड (एसयूपीएल), कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत	ई-मेल: chairman@nitsikkim.ac.in ramesh@sarogiudyog.com
<b>प्रो. महेश चंद्र गोविल</b> निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम पदेन सदस्य रवंगला, दक्षिण सिक्किम - 737139	ई-मेल: director@nitsikkim.ac.in govilmc@gmail.com
<b>श्री जी. पी. उपाध्याय, आईएएस (सेवानिवृत्त)</b> सलाहकार, खनन एवं भूविज्ञान विभाग, सिक्किम सरकार राज्य नामांकित सदस्य-1	ई-मेल: gpupadhyaya@gmail.com
<b>श्री उग्येन चोपेल</b> निदेशक, युक्सोम ब्रेवरीज़ लिमिटेड राज्य नामांकित सदस्य-2	ई-मेल: ugyenchopel@gmail.com
<b>डॉ. अरबिंद पांडा</b> असिस्टेंट प्रोफेसर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम	ई-मेल: aurobind.panda@nitsikkim.ac.in
<b>डॉ. अनिद्य बिस्वास</b> एसोसिएट प्रोफेसर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम	ई-मेल: anindya@nitsikkim.ac.in
<b>संयुक्त सचिव</b> या उनके नामांकित प्रतिनिधि, भारत सरकार माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय	ई-मेल: nit.edu@nic.in
<b>संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार</b> , माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय	ई-मेल: jsfa.edu@gov.in
<b>एनआईटी परिषद नामांकित सदस्य - 1</b>	ई-मेल:
<b>एनआईटी परिषद नामांकित सदस्य (महिला) - 2</b>	ई-मेल:
<b>निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी / उनके नामांकित प्रतिनिधि</b> निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी	ई-मेल: निदेशक@iitg.ac.in
<b>डॉ. रंजन बसाक</b> कुलसचिव (प्रभारी) एवं सचिव, एनआईटी सिक्किम, रवंगला, दक्षिण सिक्किम	ई-मेल: registrar@nitsikkim.ac.in

सत्र 2024-25 के दौरान शासक मंडल (बीओजी) की बैठकें निम्नलिखित तिथियों पर संपन्न हुईं:

<b>41<sup>st</sup></b> शासक मंडल की बैठक 24 जून 2024 को आयोजित की गई।	<b>42<sup>nd</sup></b> शासक मंडल की बैठक (परिपत्र के माध्यम से) 13 सितंबर 2024 को आयोजित की गई।	<b>43<sup>rd</sup></b> शासक मंडल की बैठक 01 अक्टूबर 2024 को आयोजित की गई।	<b>44<sup>th</sup></b> शासक मंडल की बैठक 17 मार्च 2025 को आयोजित की गई।
-----------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------

## वित्त समिति

नाम	सम्पर्क विवरण
<b>श्री रमेश कुमार सरावगी</b> अध्यक्ष, निदेशक, सरावगी उद्योग प्राइवेट लिमिटेड (एसयूपीएल), कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत	ई-मेल: chairman@nitsikkim.ac.in ramesh@sarogiudyog.com
<b>प्रो. महेश चंद्र गोविल</b> निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम पदेन सदस्य-सह-अध्यक्ष	ई-मेल: director@nitsikkim.ac.in govilmc@gmail.com
<b>श्री जी. पी. उपाध्याय, आईएएस (सेवानिवृत्त)</b> संचालक मंडल (बीओजी) नामांकित सदस्य सलाहकार, खनन एवं भूविज्ञान विभाग, सिक्किम सरकार	ई-मेल: gpupadhyaya@gmail.com
<b>डॉ. अनिद्य बिस्वास</b> शासक मंडल (बीओजी) नामांकित सदस्य एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम	ई-मेल: anindya@nitsikkim.ac.in
<b>संयुक्त सचिव</b> भारत सरकार, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001	ई-मेल: nit.edu@nic.in
<b>संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार</b> माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001	ई-मेल: jsfa.edu@gov.in
<b>डॉ. रंजन बसाक</b> कुलसचिव (प्रभारी) एवं सचिव, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम रवंगला, दक्षिण सिक्किम - 737139	ई-मेल: registrar@nitsikkim.ac.in

सत्र 2024-25 के दौरान वित्त समिति (एफसी) की बैठकें निम्नलिखित तिथियों पर आयोजित की गईं:

<b>30<sup>th</sup></b> वित्त समिति की बैठक 24 जून 2024 को आयोजित की गई।	<b>31<sup>st</sup></b> वित्त समिति की बैठक 01 अक्टूबर 2024 को आयोजित की गई।	<b>32<sup>nd</sup></b> वित्त समिति की बैठक 17 मार्च 2025 को आयोजित की गई।
-------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------

## भवन एवं निर्माण समिति

नाम	संपर्क विवरण
<b>प्रो. महेश चंद्र गोविल</b> निदेशक, एनआईटी सिक्किम पदेन सदस्य-सह-अध्यक्ष	ई-मेल: director@nitsikkim.ac.in

नाम	संपर्क विवरण
<b>श्री मनीष कुमार जिंदल</b> मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), भारतीय गुणवत्ता परिषद	ई-मेल: manishjindal.hsbt@gmail.com
<b>श्री राज कमल मित्रल</b> संयुक्त महानिदेशक, मुख्य अभियंता (केंद्रीय कमान), लखनऊ (सेवानि.)	ई-मेल: rkmittal123@gmail.com
<b>श्री रोडेन थापा</b> मुख्य अभियंता, ऊर्जा एवं विद्युत विभाग, सिक्किम सरकार	
<b>डॉ. अरबिंद पांडा</b> अधिष्ठाता, योजना एवं विकास, एनआईटी सिक्किम	ई-मेल: dpd@nitsikkim.ac.in
<b>डॉ. रंजन बसाक</b> कुलसचिव (प्रभारी) एवं सचिव, एनआईटी सिक्किम रवंगला, दक्षिण सिक्किम - 737139	ई-मेल: registrar@nitsikkim.ac.in

## शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण

क	निदेशक	अध्यक्ष
क	<b>प्रो. महेश चंद्र गोविल</b> निदेशक, एनआईटी सिक्किम, पदेन अध्यक्ष	अध्यक्ष
ख	<b>प्रो. वीरेन्द्र सिंह</b> प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे	सदस्य
	<b>प्रो. आद्रिजित गोस्वामी</b> गणित विभाग, आईआईटी खड़गपुर	सदस्य
ग	<b>प्रो. ललित के. अवस्थी</b> कुलपति, एस. पी. विश्वविद्यालय, मंडी	सदस्य
	<b>प्रो. नूपुर टंडन</b> मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, एमएनआईटी जयपुर	सदस्य
घ	सभी विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, एनआईटी सिक्किम	सदस्य
ङ	<b>डॉ. रंजन बसाक</b> कुलसचिव (प्रभारी), एनआईटी सिक्किम	सचिव

## कुलसचिव

<b>डॉ. रंजन बसाक</b> कुलसचिव (प्रभारी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) सिक्किम, रवंगला, नामची ज़िला, सिक्किम - 737139	ई-मेल: registrar@nitsikkim.ac.in
--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------

## अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष

अधिष्ठाता (शैक्षणिक)	डॉ. रंजन बसाक
अधिष्ठाता (प्रशासन)	डॉ. अचिंतेश नारायण बिस्वास
अधिष्ठाता (शिक्षक कल्याण)	डॉ. धनंजय त्रिपाठी
अधिष्ठाता (छात्र कल्याण)	डॉ. सौरव मल्लिक
अधिष्ठाता (अनुसंधान एवं परामर्श)	डॉ. प्रत्यय कुइला
अधिष्ठाता (योजना एवं विकास)	डॉ. अरबिंद पांडा

सहयोगी अधिष्ठाता (शैक्षणिक - स्नातकोत्तर)	डॉ. मोले राँथ
सहयोगी अधिष्ठाता (छात्र कल्याण)	डॉ. देबाजीत साहा
विभागाध्यक्ष, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. प्रत्यय कुइला
विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. संजय कुमार जाना
विभागाध्यक्ष, विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. अरबिंद पांडा
विभागाध्यक्ष, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. अनिल लाल एस
विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. जॉय पाल
विभागाध्यक्ष, गणित विभाग	डॉ. रवि श्रीवास्तव
विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग	डॉ. एम.डी. नूरुज्जमां
विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग	डॉ. अचिंतेश एन. बिस्वास
विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग	डॉ. धनंजय त्रिपाठी

## संकाय-प्रभारीगण (एफआईसी)

क्रम सं.	समिति / प्रकोष्ठ / अनुभाग का नाम	संकाय / अधिकारी-प्रभारी
1	परीक्षा प्रकोष्ठ	डॉ. सुमित साहा
2	स्वास्थ्य सेवा	डॉ. ओम प्रकाश
3	खेल एवं क्रीड़ा गतिविधियाँ	डॉ. शंभूनाथ बर्मन
4	सांस्कृतिक गतिविधियाँ	डॉ. रिचा मिश्रा और डॉ. कीर्ति तिवारी
5	केंद्रीय पुस्तकालय	डॉ. तारकनाथ कुइ
6	उद्यमिता एवं नवाचार प्रकोष्ठ	डॉ. हेमंत कुमार कथानिया
7	बाह्य संबंध एवं संपर्क गतिविधियाँ	डॉ. अनिद्य बिस्वास
8	प्रशिक्षण एवं नियुक्ति प्रकोष्ठ	डॉ. धनंजय त्रिपाठी
9	भंडार एवं क्रय अनुभाग	श्री साहिल मिंडा
10	पूर्व छात्र प्रकोष्ठ	डॉ. मोहम्मद सरफराज आलम अंसारी
		डॉ. प्रत्यय कुइला, समन्वयक, कंप्यूटिंग डिवाइस
		डॉ. मो. सरफराज आलम अंसारी, समन्वयक, कैम्पस वाइड नेटवर्किंग
11	आईसीटीआई (एफ.आई.आई.सी.टी.आई संयोजक / मुख्य समन्वयक होंगे)	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी, सलाहकार, इंस्टीट्यूट वेबसाइट डेवलपमेंट एवं मेंटेनेंस श्री गजेंद्र एस. शेखावत, कोऑर्डिनेटर, इंस्टीट्यूट वेबसाइट डेवलपमेंट और मेंटेनेंस
12	प्रकाशन एवं मुद्रण अनुभाग	डॉ. धनंजय त्रिपाठी
13	सामुदायिक विकास एवं जागरूकता कार्यक्रम (सी.डी.ए.पी.)	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
14	भारतीय भाषा संवर्धन प्रकोष्ठ	डॉ. धनंजय त्रिपाठी
15	वाहन एवं परिवहन प्रबंधन प्रकोष्ठ	डॉ. सौरव मल्लिक
16	भू-दृश्य, उद्यान एवं पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ	डॉ. अंजन कुमार रे
17	मुख्य वार्डन	डॉ. रवि श्रीवास्तव
18	स्वच्छ भारत अभियान एवं फिट इंडिया मूवमेंट	डॉ. ओम प्रकाश
19	फिट इंडिया मूवमेंट एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम	डॉ. संजय कुमार जाना डॉ. प्रत्यय कुइला
20	आउटसोर्स श्रमबव	डॉ. निमाई चरण पटेल
21	संपदा अनुभाग-विद्युत	डॉ. अंकित भारद्वाज
22	संपदा अनुभाग-सिविल	डॉ. प्रदीप कुमार
23	वार्षिक प्रतिवेदन	श्री रीवा नाथ शर्मा डॉ. धनंजय त्रिपाठी

## आंतरिक शिकायत समिति

### समिति सदस्यगण

1.	डॉ. रेशमी धारा	पीठासीन अधिकारी
2.	डॉ. नुपुर टंडन	बाह्य सदस्य
3.	श्री जसलाल प्रधान	बाह्य सदस्य
4.	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	सदस्य
5.	अधिष्ठाता, संकाय कल्याण	सदस्य
6.	सुश्री चंद्र कुमारी राय	सदस्य
7.	श्रीमती निशिता छेत्री	सदस्य

### संकाय सदस्यों की सूची

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	विभाग
1	डॉ. जॉय पाल	
2	डॉ. अनिबर्न बनिक	सिविल अभियांत्रिकी विभाग
3	डॉ. अंकित भारद्वाज	
4	डॉ. कृष्ण कुमार मौर्य	
5	डॉ. प्रत्यय कुइला	
6	डॉ. संग्राम रे	
7	डॉ. मो. सरफराज आलम अंसारी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
8	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी	
9	डॉ. कृष्ण कुमार	
10	डॉ. बम बहादुर सिन्हा	
11	डॉ. संजय कुमार जाना	
12	डॉ. हेमंत कुमार कथानिया	
13	डॉ. रेशमी धारा	विद्युत एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग
14	डॉ. जितेंद्र सिंह	
15	डॉ. विशाल विश्रोई	
16	डॉ. वरुण गुप्ता	
17	डॉ. अंजन कुमार राय	
18	डॉ. सौरव मलिक	
19	डॉ. अरबिन्द पांडा	
20	डॉ. निमाई चरण पटेल	विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग
21	डॉ. प्रदीप कुमार	
22	डॉ. मोलय राय	
23	डॉ. अभिषेक राजन	
24	डॉ. विवेक कुमार	

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	विभाग
25	डॉ. अनिल लाल एस	
26	डॉ. रंजन बसाक	
27	डॉ. शंभूनाथ बर्मन	यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
28	डॉ. जय गोपाल गुप्ता	
29	डॉ. देबाजीत शाहा	
30	डॉ. बिस्वजीत राय	
31	डॉ. अचिंतेश एन. बिस्वास	
32	डॉ. तारकनाथ कुंडू	रसायन विज्ञान विभाग
33	डॉ. सुमित साहा	
34	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
35	डॉ. रवि श्रीवास्तव	गणित विभाग
36	डॉ. ओम प्रकाश	
37	डॉ. एम.डी. नूरुजमां	गणित विभाग
38	डॉ. अनिंद बिस्वास	

### कर्मचारी सदस्यों की सूची

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम
1	श्री राम प्रसाद नेपाल	सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक, छात्र कल्याण एवं स्थापना)
2	श्री साहिल मिंडा	सहायक कुलसचिव (वित्त एवं लेखा तथा भंडार एवं क्रय)
3	श्री गजेंद्र सिंह शेखावत	वैज्ञानिक अधिकारी
4	श्री रेवा नाथ शर्मा	अधिशासी अभियंता, एस्टेट – सिविल
5	श्री अमृत शर्मा	सहायक अभियंता, एस्टेट – विद्युत
6	श्री अमित तमांग	वरिष्ठ तकनीकी सहायक, ईसीई विभाग
7	सुश्री दीपिका छेत्री	वरिष्ठ तकनीकी सहायक, ईईई विभाग
8	श्री भास्कर भट्टाराई	वरिष्ठ तकनीकी सहायक, संपदा अनुभाग-सिविल
9	श्री राहुल कुमार ब्याहुत	वरिष्ठ अधीक्षक, वित्त एवं लेखा
10	सुश्री चंद्र कुमारी राय	वरिष्ठ अधीक्षक, वित्त एवं लेखा
11	श्री विष्णु कुमार शर्मा	अधीक्षक, निदेशक का कार्यालय
12	श्री अनिल गुर्जर	तकनीकी सहायक, ईईई विभाग
13	श्री पवन कुमार कथानिया	तकनीकी सहायक, ईईई विभाग
14	श्री सुमित कुमार	तकनीकी सहायक, सीई विभाग
15	श्री सुनील कुमार कुशावाहा	तकनीकी सहायक, एमई विभाग
16	श्री बापी मंडल	वरिष्ठ सहायक, निदेशक कार्यालय
17	श्री भरत प्रधान	वरिष्ठ सहायक, वित्त एवं लेखा तथा भंडार एवं क्रय
18	श्रीमती निशिता छेत्री	वरिष्ठ सहायक, छात्र कल्याण
19	श्रीमती शेरिंग जंगमो भूटिया	वरिष्ठ सहायक, स्थापना एवं कुलसचिव का कार्यालय

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम
20	श्रीमती चंदा मोक्तान	वरिष्ठ तकनीशियन, सीई विभाग
21	श्री तपन छेत्री	वरिष्ठ तकनीशियन, सीएसई विभाग
22	श्री सिद्धार्थ प्रधान	वरिष्ठ तकनीशियन, ईसीई विभाग
23	श्री मनीष कुमार	वरिष्ठ तकनीशियन, ईईई विभाग
24	श्री अमित मैती	वरिष्ठ तकनीशियन, एमई विभाग
25	श्री सुमन पाठक	वरिष्ठ तकनीशियन, रसायन विज्ञान विभाग
26	श्रीमती चंद्रमा मजूमदार	वरिष्ठ तकनीशियन, रसायन विज्ञान विभाग
27	श्री हैप्पी मंडल	वरिष्ठ तकनीशियन, भौतिकी विभाग
28	श्री राजेश कुमार गुप्ता	कनिष्ठ सहायक, कुलसचिव का कार्यालय एवं स्थापना
29	श्रीमती सोनम चोडेन तमांग	कनिष्ठ सहायक, शैक्षणिक अनुभाग
30	श्री महावीर गुर्जर	तकनीशियन, ईईई विभाग
31	श्री सैकत मिस्त्री	तकनीशियन, ईईई विभाग
32	श्रीमती पूनम सिंह	वरिष्ठ कार्यालय परिचर, कुलसचिव का कार्यालय
33	श्री अरविंद गुप्ता	वरिष्ठ कार्यालय परिचर, वित्त एवं लेखा
34	श्री भावेश छेत्री	वरिष्ठ कार्यालय परिचर, निदेशक कार्यालय
35	सुश्री दिल कुमारी छेत्री	वरिष्ठ कार्यालय परिचर, सीएसई विभाग

# शैक्षणिक कार्यक्रम एवं उपाधि प्रदान



## शैक्षणिक कार्यक्रम

संस्थान पाँच विषयों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है, जो प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.) उपाधि की ओर ले जाते हैं। इसी प्रकार, अभियांत्रिकी और विज्ञान के विशिष्ट क्षेत्रों में दो वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं, जो प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम.टेक.) तथा विज्ञान स्नातकोत्तर (एम.एससी.) उपाधियों की ओर ले जाते हैं। इसी प्रकार, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में पूर्णकालिक/अंशकालिक अनुसंधान कार्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं, जो विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करते हैं।

### सारणी-1: विभागवार प्रस्तुत कार्यक्रम

क्र. सं.	विभाग	स्नातक कार्यक्रम (यूजी)	स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजी)	विद्या वाचस्पति कार्यक्रम (पीएच.डी.)
1	सिविल अभियांत्रिकी	सिविल अभियांत्रिकी में बी.टेक.		सिविल अभियांत्रिकी में पीएच.डी.
2	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	<ul style="list-style-type: none"> <li>संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बी.टेक.</li> <li>कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग में बी.टेक.</li> </ul>	कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग में एम.टेक.	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में पीएच.डी.
3	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी में बी.टेक.	<ul style="list-style-type: none"> <li>वीएलएसआई एंड एम्बेडेड सिस्टम में एम.टेक.</li> <li>कम्प्युनिकेशन एंड सिग्नल प्रोसेसिंग में एम.टेक.</li> </ul>	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी में पीएच.डी.
4	विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग	विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में बी.टेक.	<ul style="list-style-type: none"> <li>विद्युत अभियांत्रिकी (पावर एंड एनर्जी सिस्टम्स) में एम.टेक.</li> <li>विद्युत अभियांत्रिकी (पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइव्स) में एम.टेक.</li> </ul>	विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में पीएच.डी.
5	यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी.टेक.		यांत्रिक अभियांत्रिकी में पीएच.डी.
6	रसायन विज्ञान विभाग		रसायन विज्ञान में एम.एससी.	रसायन विज्ञान में पीएच.डी.
7	गणित विभाग			गणित में पीएच.डी.
8	भौतिकी विभाग			भौतिकी में पीएच.डी.
9	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग			Ph.D. in English/ Economics

सीनेट की सहायता सीनेट स्थायी समिति (एसएससी), सीनेट स्नातक बोर्ड (एसयूजीबी) तथा सीनेट स्नातकोत्तर बोर्ड (एसपीजीबी) द्वारा की जाती है, जो सीनेट के निर्णयों के कार्यान्वयन में भी सहायक हैं। कार्यक्रमों की समय-समय पर समीक्षा विभागों द्वारा सीनेट द्वारा गठित विशेषज्ञ समितियों के परामर्श से की जाती है। विशेषज्ञ समितियाँ पाठ्यक्रम, पाठ्य-सामग्री, मूल्यांकन प्रक्रिया आदि की समीक्षा और संशोधन करती हैं। सभी कार्यक्रमों के शिक्षण और मूल्यांकन का माध्यम अंग्रेज़ी है। सभी शैक्षणिक गतिविधियाँ सीनेट द्वारा अनुमोदित शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार संचालित की जाती हैं।

सामान्य परिस्थितियों की तुलना में स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों में नए प्रवेश की प्रक्रिया में दो से तीन महीने की देरी हुई, जो कि एम.टेक. हेतु केंद्रीय परामर्श (सीसीएमटी), एम.एससी. हेतु केंद्रीय परामर्श (सीसीएमएन) तथा केंद्रीय सीट आवंटन बोर्ड (सीएसएबी) 2022 के माध्यम से संपन्न हुई।



## प्रवेश प्रक्रिया

प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.): बी.टेक. कार्यक्रमों में प्रवेश भारत सरकार की सामान्य नीति के अनुसार सीएफटीआई / एनआईटी संस्थानों में किया जाता है। यह प्रवेश राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई मेन) में प्राप्त अंकों के आधार पर होता है, जिसे राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित किया जाता है। सीटों का आवंटन संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण (जोसा)/सीएसएबी द्वारा किया जाता है। कुल स्वीकृत सीटों में से 50 प्रतिशत सीटें सिक्किम राज्य के छात्रों के लिए होम स्टेट कोटा के अंतर्गत और शेष 50 प्रतिशत सीटें अन्य राज्यों के छात्रों के लिए आरक्षित रहती हैं। यह आवंटन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित केंद्रीकृत परामर्श प्रणाली के अंतर्गत केवल जेईई मेन परीक्षा में प्राप्त योग्यता / रैंकिंग के आधार पर किया जाता है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार की नीतियों के अंतर्गत विदेशी नागरिकों / एनआरआई छात्रों के लिए कुछ सीटें डीएसए, आईसीसीआर, एसआईआई आदि योजनाओं के अंतर्गत प्रथम वर्ष में प्रत्यक्ष प्रवेश हेतु आरक्षित रहती हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तथा दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) उम्मीदवारों के लिए सीटें शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आरक्षित की जाती हैं।

प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम.टेक.): गेट परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए एम.टेक. कार्यक्रमों में प्रवेश केंद्रीय परामर्श प्रक्रिया (सीसीएमटी) के

माध्यम से किया जाता है। सरकारी संगठनों, उद्योगों या सीएफटीआई से प्रायोजित उम्मीदवारों के लिए परीक्षा / साक्षात्कार / गेट स्कोर के आधार पर पूर्णकालिक प्रवेश की सुविधा भी उपलब्ध है। एम.टेक. कार्यक्रमों में प्रायोजित उम्मीदवार, भले ही गेट परीक्षा उत्तीर्ण हों, छात्रवृत्ति के पात्र नहीं होते। सीसीएमटी आवंटन के बाद रिक्त रह जाने वाली सीटें संस्थान प्रवेश परीक्षा (आईएटी) के माध्यम से भरी जाती हैं, जो सीसीएमटी द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुरूप होती हैं।

विज्ञान स्नातकोत्तर (एम.एससी.): एम.एससी. पाठ्यक्रम में प्रवेश आईआईटी-जैम परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर केंद्रीय परामर्श प्रक्रिया (सीसीएमएन) के माध्यम से किया जाता है। सीसीएमएन आवंटन के बाद रिक्त रह जाने वाली सीटें संस्थान प्रवेश परीक्षा (आईएटी) द्वारा भरी जाती हैं, जो सीसीएमएन द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुरूप होती हैं।

विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.): पीएच.डी. कार्यक्रमों (नियमित / अंशकालिक / प्रायोजित) में प्रवेश संबंधित विभागों द्वारा आयोजित संस्थान स्तरीय परीक्षा / व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से किया जाता है।

विदेशी छात्रों का प्रवेश : एनआईटी सिक्किम निम्नलिखित योजनाओं के अंतर्गत विदेशी छात्रों के आवेदन स्वीकार करता है:

क. स्टडी इन इंडिया (एसआईआई): <https://www.studyinindia.gov.in/>

ख. भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर): <https://www.iccr.gov.in/>

ग. विदेशी छात्रों का प्रत्यक्ष प्रवेश (डीएसए): <https://dasanit.org/dasa2023/>

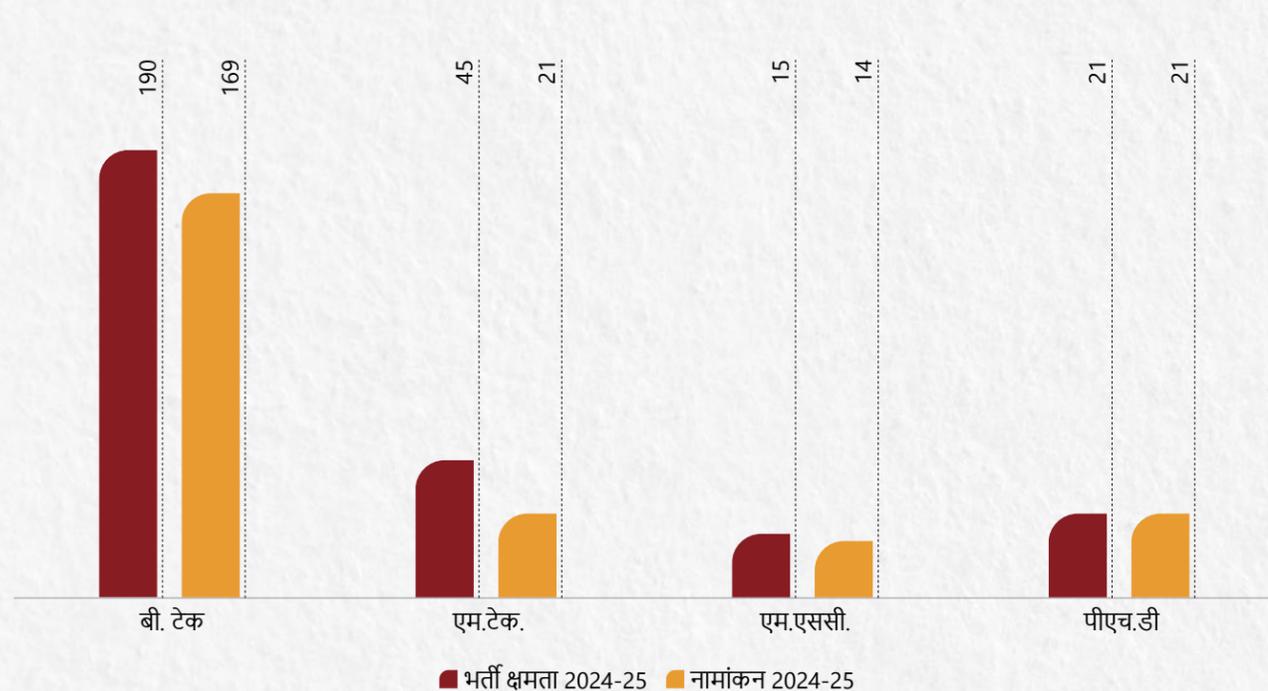
सत्र 2023-24 में 1 छात्र को डीएसए योजना के माध्यम से प्रवेश दिया गया, जबकि सत्र 2022-23 में 3 छात्रों को आईसीसीआर योजना के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त हुआ।

### 1.1 प्रवेश संबंधी आँकड़े 2024-25:

सारणी-2: शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में प्रवेशित विद्यार्थीगण

क्र. सं.	विभाग	बी. टेक.		एम.टेक.		एम.एससी.		पीएच.डी.
		स्वीकृत क्षमता	वास्तविक प्रवेश	स्वीकृत क्षमता	वास्तविक प्रवेश	स्वीकृत क्षमता	वास्तविक प्रवेश	वास्तविक प्रवेश
1	सिविल अभियांत्रिकी विभाग	30	23					1
2	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	40	36	15	12			4
3	कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग (सीएसई विभाग में)	30	28					
4	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग	30	28	15	3			4
5	विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग	30	28	15	6			4
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	30	26					0
7	रसायन विज्ञान विभाग					15	14	5
8	भौतिकी विभाग							1
9	गणित विभाग							1
10	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग							1
	<b>कुल</b>	<b>190</b>	<b>169</b>	<b>45</b>	<b>21</b>	<b>15</b>	<b>14</b>	<b>21</b>

चार्ट-1: यह रेखा-चित्र शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में स्वीकृत क्षमता एवं वास्तविक प्रवेश को दर्शाता है

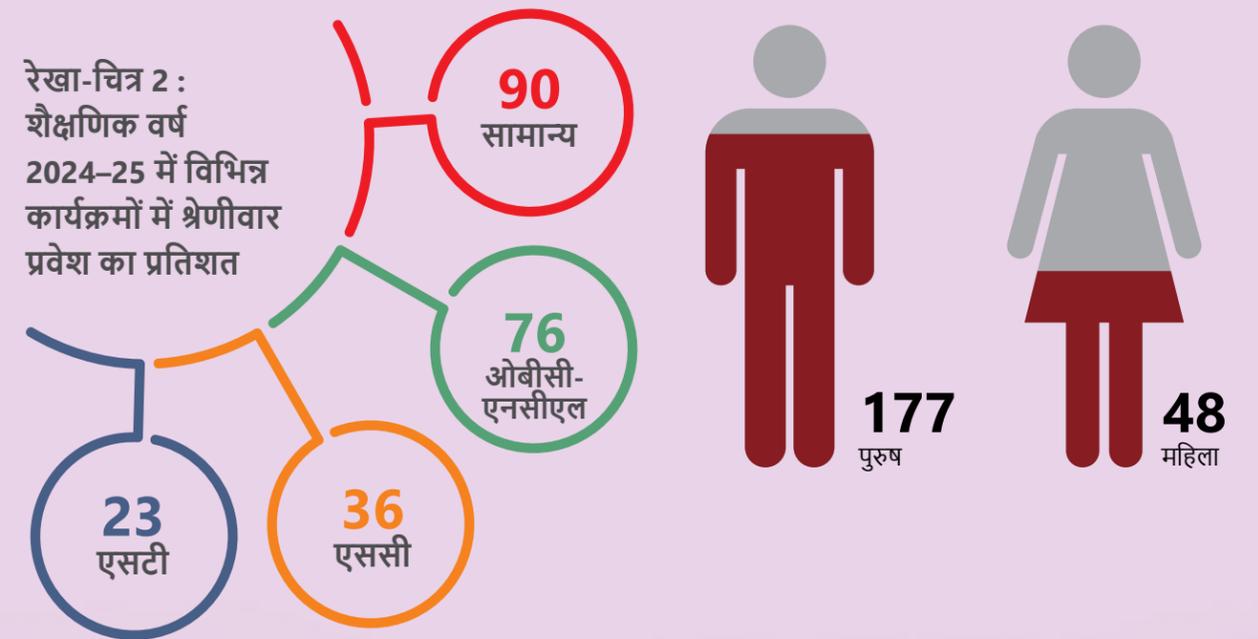


सारणी-3: शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में श्रेणी एवं लिंग के अनुसार प्रवेश का विवरण

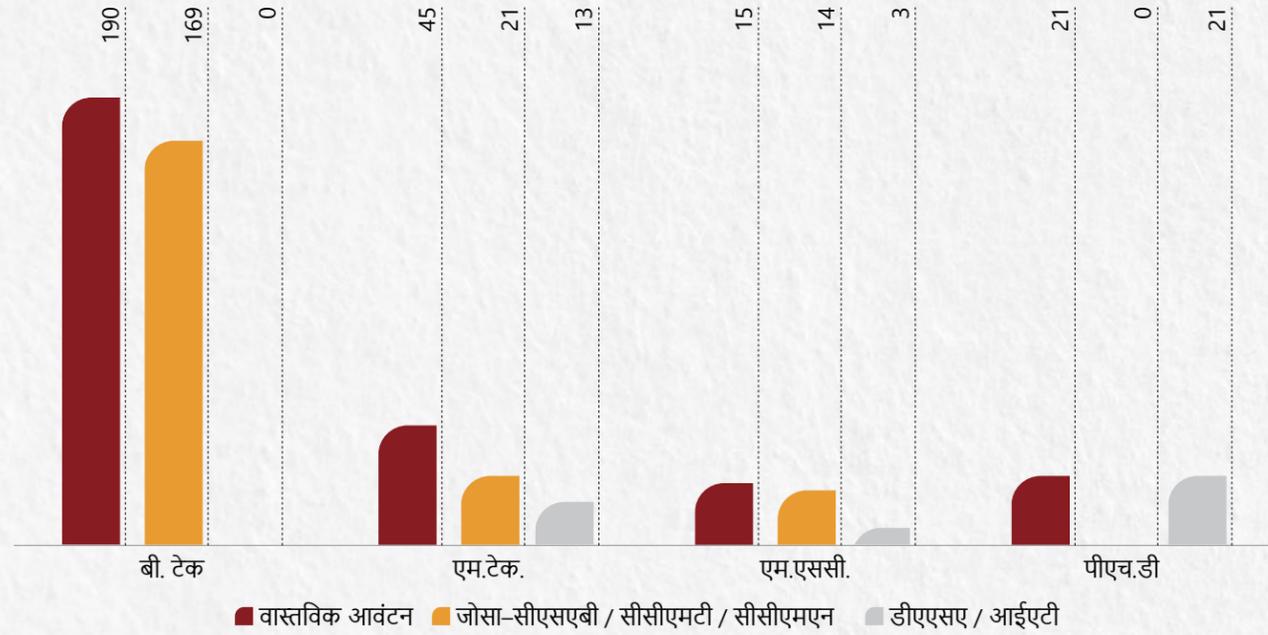
कार्यक्रम	विभाग	2024-25 में वास्तविक प्रवेश		श्रेणी			लिंग		विशेष श्रेणी पीडब्ल्यूडी		
		अजा	अजजा	अपिव एनसीएल	ईडब्ल्यूएस*	सामान्य	कुल	पुरुष		महिला	
बी. टेक.	सीई	23	3	4	9	अप्रयोज्य	7	23	19	4	0
	सीएसई	36	5	4	15	अप्रयोज्य	12	36	29	7	0
	एआईएमएल	28	4	2	12	अप्रयोज्य	10	28	24	4	0
	ईसीई	28	5	3	11	अप्रयोज्य	9	28	22	6	0
	ईईई	28	5	3	11	अप्रयोज्य	9	28	23	5	0
एम.टेक.	एमई	26	4	2	10	अप्रयोज्य	10	26	22	4	0
	सीएसई	12	3	0	3	अप्रयोज्य	6	12	11	1	0
	ईसीई	3	2	0	0	अप्रयोज्य	1	3	2	1	0
एम.एससी.	ईईई	6	2	2	0	अप्रयोज्य	2	6	4	2	0
	रसायन विभाग	14	2	1	3	अप्रयोज्य	8	14	5	9	0
पीएच.डी.	कुल विभाग	21	1	2	2	अप्रयोज्य	16	21	16	5	0
	<b>कुल</b>	<b>225</b>	<b>36</b>	<b>23</b>	<b>76</b>	<b>अप्रयोज्य</b>	<b>90</b>	<b>225</b>	<b>177</b>	<b>48</b>	<b>0</b>

\*शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में बी.टेक., एम.टेक. एवं एम.एससी. कार्यक्रमों में ईडब्ल्यूएस श्रेणी हेतु आरक्षण पर विचार नहीं किया गया, क्योंकि शिक्षा मंत्रालय द्वारा एनआईटी सिक्किम को इससे छूट प्रदान की गई है।

रेखा-चित्र 2 : शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में विभिन्न कार्यक्रमों में श्रेणीवार प्रवेश का प्रतिशत



रेखा-चित्र-4: विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के प्रकार

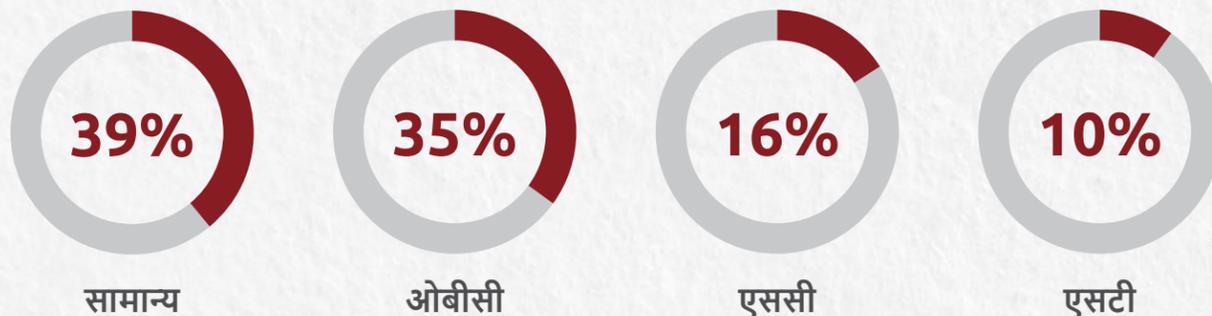


### 1.2. शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में कुल नामांकित छात्र

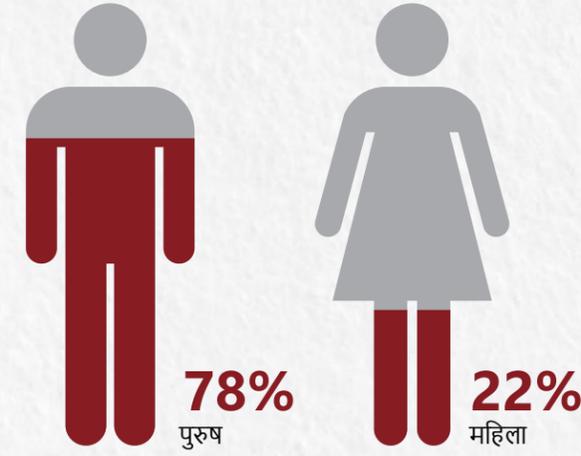
सारणी-4: शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान छात्रों की संचयी संख्या

कार्यक्रम	श्रेणी				कुल	लिंग		पीडब्ल्यूडी
	अजा.	अजजा.	अपिव.	सामान्य		पुरुष	महिला	
बी.टेक.	95	65	223	206	589	475	114	4
एम.टेक.	10	4	8	14	36	30	6	0
एम.एससी.	3	2	7	9	21	7	14	0
पीएच.डी.	13	5	22	60	100	75	25	0
<b>कुल</b>	<b>121</b>	<b>76</b>	<b>260</b>	<b>289</b>	<b>746</b>	<b>587</b>	<b>159</b>	<b>2</b>

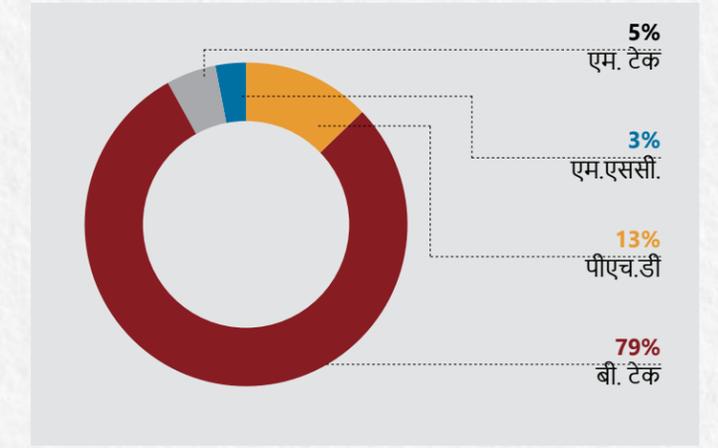
### श्रेणी



### लिंग



### कार्यक्रम



### 1.3. शैक्षणिक कैलेंडर

शैक्षणिक कैलेंडर इस प्रकार तैयार किया जाता है कि सभी पाठ्यक्रमीय, सह-पाठ्यक्रमीय तथा छात्र संबंधित अन्य गतिविधियाँ / कार्यक्रम सत्र अवधि में सुव्यवस्थित रूप से वितरित रहें।

शैक्षणिक कार्यालय द्वारा तैयार किए गए शैक्षणिक कैलेंडर को सीनेट द्वारा अनुमोदित किया जाता है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के विषम सत्र की प्रमुख गतिविधियाँ निम्न सारणी में दी गई हैं:

सारणी-5: विषम सत्र 2024-25 का शैक्षणिक कैलेंडर

क्र. सं.	गतिविधियाँ	बी.टेक. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ वर्ष (III/IV/VII सेम.), एम.टेक. एवं एम.एससी. द्वितीय वर्ष (III सेम.)	बी.टेक., एम.टेक. एवं एम.एससी. प्रथम वर्ष
1	अभिमुखीकरण / परिचय कार्यक्रम	—	15 अगस्त (गुरुवार) – 23 अगस्त (शुक्रवार), 2024
2	कक्षाओं का प्रारंभ	29 जुलाई, 2024	26 अगस्त, 2024
3	प्रथम मध्यावधि परीक्षा	9 – 11 सितंबर, 2024	16 – 18 अक्टूबर, 2024
4	सत्र अवकाश	7 – 11 अक्टूबर, 2024	—
5	द्वितीय मध्यावधि परीक्षा	23 – 25 अक्टूबर, 2024	25 – 27 नवंबर, 2024
6	शिक्षण का अंतिम दिवस	20 नवंबर, 2024	6 दिसंबर, 2024
7	अंतिम सत्र सिद्धांत परीक्षा	25 नवंबर – 7 दिसंबर, 2024	12 – 20 दिसंबर, 2024
8	प्रायोगिक / सत्रीय परीक्षा	9 – 14 दिसंबर, 2024	23 – 27 दिसंबर, 2024
9	परिणाम की घोषणा	20 दिसंबर, 2024	26 दिसंबर, 2024
10	अनुपूरक परीक्षा	20 – 25 जनवरी, 2025	20 – 25 जनवरी, 2025
11	भौतिक रिपोर्टिंग	22 – 23 जनवरी, 2025	22 – 23 जनवरी, 2025
12	सम सत्र का प्रारंभ	24 जनवरी, 2025	24 जनवरी, 2025

**सारणी-6: सम सत्र 2024-25 का शैक्षणिक कैलेंडर**

क्र. सं.	गतिविधियाँ	बी.टेक. प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ वर्ष (II, IV, VI, VIII सेम.) एम.टेक. एवं एम.एससी. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष (II एवं IV सेम.)
1	कक्षाओं का प्रारंभ	24 जनवरी, 2025
2	प्रथम मध्यावधि परीक्षा	5 - 7 मार्च, 2025
3	सत्र अवकाश	10 - 14 मार्च, 2025
4	द्वितीय मध्यावधि परीक्षा	14 - 16 अप्रैल, 2025
5	शिक्षण का अंतिम दिवस	15 मई, 2025
6	अंतिम सत्र सिद्धांत परीक्षा	19 - 30 मई, 2025
7	प्रायोगिक / सत्रीय परीक्षा	2 - 5 जून, 2025
8	परिणाम की घोषणा	9 जून, 2025
9	ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम एवं अनुपूरक परीक्षा	9 जून - 26 जुलाई, 2025
10	भौतिक रिपोर्टिंग	28 - 29 जुलाई, 2025
11	विषम सत्र का प्रारंभ	28 जुलाई, 2025

**1.4 शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए संस्थान शुल्क (प्रति सत्र)**

**सारणी-7**

कार्यक्रम	सामान्य / अपिव (वार्षिक पारिवारिक आय ₹5 लाख या उससे अधिक)	सामान्य / अपिव (वार्षिक पारिवारिक आय ₹1 लाख से ₹5 लाख के बीच)**	सामान्य / अपिव (वार्षिक पारिवारिक आय ₹1 लाख से कम)**	अजा. / अजजा. / पीडब्ल्यूडी**
बी.टेक.	70,945.00	29,279.00	8,445.00	8,445.00
एम.टेक.	43,201.00	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	8,201.00
एम.एससी.	15,701.00	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	8,201.00
पीएच.डी.	16,154.00 (FT) / 15,184.00 (PT)	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	7,850.00 (एफटी) / 7,684.00 (पीटी)

(एफटी=पूर्णकालिक, पीटी= अंशकालिक)

टिप्पणी: उपरोक्त शुल्क में छात्रावास / मेस शुल्क शामिल नहीं है।

\*\* शुल्क माफी / रियायत: शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के दिशा-निर्देशों के अनुसार एससी, एसटी और पीडब्ल्यूडी श्रेणी के बी.टेक. छात्रों की ट्यूशन फीस पूरी तरह माफ की जाती है।

इसके अतिरिक्त, सामान्य / अपिव वर्ग के वे छात्र जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय ₹1 लाख से कम है, उन्हें पूर्ण ट्यूशन फीस माफी दी जाती है, और जिनकी आय ₹1 लाख से ₹5 लाख के बीच है, उन्हें दो-तिहाई (2/3) ट्यूशन फीस में रियायत प्रदान की जाती है। यह नीति वर्ष 2016 से शिक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 33-4/2014-TS.III के तहत लागू है। एम.टेक. (GATड) उत्तीर्ण छात्रों को फेलोशिप प्रदान की जाती है, जैसे कि पीएच.डी. छात्रों को भी। संस्थान के शेष विद्यार्थियों में से एक उल्लेखनीय संख्या को एनएसपी, राज्य सरकारों तथा अन्य एजेंसियों से छात्रवृत्तियाँ प्राप्त होती हैं।

**1.5 विभिन्न कार्यक्रमों के अनुसार ट्यूशन शुल्क से मुक्त, पूर्ण माफी एवं दो-तिहाई शुल्क रियायत के अंतर्गत आने वाले छात्रों की संख्या (**

**सारणी-8**

कार्यक्रम	पूर्ण ट्यूशन शुल्क मुक्त		पूर्ण ट्यूशन शुल्क माफी	दो-तिहाई ट्यूशन शुल्क रियायत	पूर्ण ट्यूशन शुल्क देय
	अजा/अजजा विद्यार्थियों की संख्या	पीडब्ल्यूडी विद्यार्थियों की संख्या	अपिव-एनसीएल/सामान्य विद्यार्थियों की संख्या (वार्षिक पारिवारिक आय ₹1 लाख से कम)	अपिव-एनसीएल/सामान्य विद्यार्थियों की संख्या (वार्षिक पारिवारिक आय ₹1 लाख से ₹5 लाख के बीच)	अजा/अजजा विद्यार्थियों की संख्या
बी.टेक.	169	04	188	103	133
एम.टेक.	14	00	NA*	NA*	22
एम.एससी.	05	00	NA*	NA*	16
पीएच.डी.	18	00	NA*	NA*	82

**1.6 परीक्षा एवं मूल्यांकन**

संस्थान के सभी स्नातक, स्नातकोत्तर परीक्षाएँ तथा पीएच.डी. कोर्स वर्क संबंधित विभागों द्वारा संचालित किए जाते हैं, जिनकी केंद्रीय निगरानी शैक्षणिक अनुभाग / परीक्षा प्रकोष्ठ द्वारा की जाती है। सभी परीक्षाओं, शोध प्रबंध एवं थीसिस का माध्यम अंग्रेज़ी होता है।

किसी विद्यार्थी के प्रदर्शन का मूल्यांकन दो सूचकों के आधार पर किया जाता है, सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट एवरेज (एसजीपीए) और क्यूमुलेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज (सीजीपीए)। एसजीपीए किसी एक सेमेस्टर में अर्जित अंकों के आधार पर गणना की जाती है, जबकि सीजीपीए अब तक पूर्ण किए गए सभी सेमेस्टर्स में प्राप्त ग्रेड प्वाइंट्स का औसत होता है।

प्रत्येक पाठ्यक्रम में ग्रेड का निर्धारण सतत आंतरिक मूल्यांकन, मध्यावधि परीक्षा तथा अंतिम सत्र परीक्षा के आधार पर किया जाता है, जिनका भारक्रम क्रमशः 20%, 30% और 50% होता है। विभाग के संबंधित पाठ्यक्रम अध्यापक द्वारा प्रश्नपत्र तैयार किए जाते हैं तथा मूल्यांकन कार्य किया जाता है। सभी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएँ संबंधित पाठ्यक्रम अध्यापक द्वारा विद्यार्थियों को दिखाए जाने के पश्चात परीक्षा प्रकोष्ठ को ग्रेड जमा किए जाते हैं।

**डिग्री प्रदान**

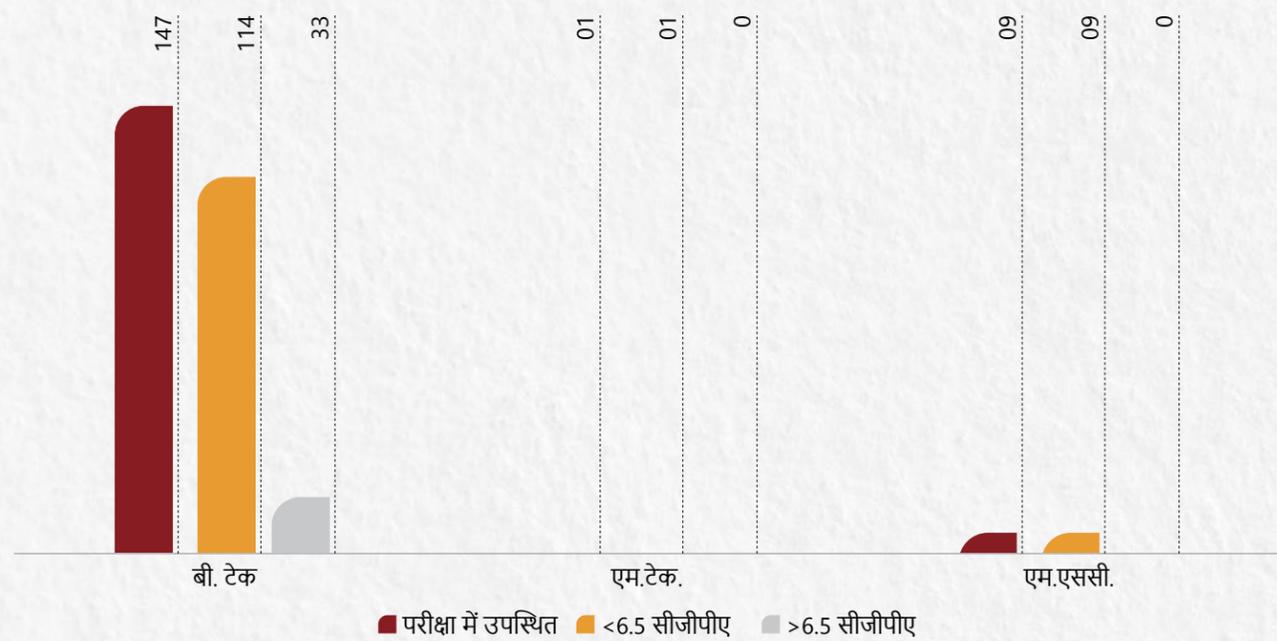
**2.1. अंतिम वर्ष का परिणाम (जून 2024)**

**सारणी-9**

क्रम सं.	कार्यक्रम एवं विभाग	परीक्षा में सम्मिलित	6.5 सीजीपीए से अधिक अंक प्राप्त	6.5 सीजीपीए से कम अंक प्राप्त	कुल उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
1	सिविल अभियांत्रिकी में बी.टेक.	24	16	8	24	97.28%
2	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बी.टेक.	40	34	6	39	
3	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी में बी.टेक.	27	21	6	27	
4	विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में बी.टेक.	28	21	7	26	
5	यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी.टेक.	28	22	6	27	
<b>बी.टेक. कुल</b>		<b>147</b>	<b>114</b>	<b>33</b>	<b>143</b>	

क्रम सं.	कार्यक्रम एवं विभाग	परीक्षा में सम्मिलित	6.5 सीजीपीए से अधिक अंक प्राप्त	6.5 सीजीपीए से कम अंक प्राप्त	कुल उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
6	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक.	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	
7	माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स एवं वीएलएसआई डिजाइन में एम.टेक.	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	
8	विद्युत अभियांत्रिकी (कंट्रोल, पावर एंड इलेक्ट्रिक ड्राइव्स) में एम.टेक.	1	1	0	1	100%
<b>एम.टेक. कुल</b>						
9	रसायन विज्ञान में एम.एससी.	9	9	0	9	100%
<b>एम.एससी. कुल</b>						

रेखा-चित्र 6: 2024 में परीक्षा में सम्मिलित और उत्तीर्ण परिणाम



## 2.2 अप्रैल 2024 – मार्च 2025 के बीच प्रदान की गई पीएच.डी. उपाधियाँ

क्र. सं.	विभाग	नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक
1	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	श्री विवेक कुमार	डिजाइन ऑफ इन्फिनिट एंड सिक्वोर ऑर्थोटिकेशन स्कीम यूज़िंग आइडेंटिटी बेस्ड क्रिप्टोग्राफी (आईबीसी) एंड बिहेवियरल बायोमेट्रिक।
2	भौतिकी	श्री सृजन नारायण चौधरी	होमोजीनियस एंड मॉलिक्यूलर कैटालिस्ट्स फॉर डायऑक्सीजन रिडक्शन।
3	रसायन विज्ञान	श्री पांजो लेप्चा	मॉलिक्यूलर कैटालिस्ट्स बेस्ड ऑन अबंडेंट फस्ट-रो ट्रांज़िशन मेटल्स फॉर वाटर ऑक्सिडेशन।
4	यांत्रिक अभियांत्रिकी	श्री आदित्य कुमार सिंह	एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टिगेशन टू फाइंड द इफेक्ट ऑफ ब्लेंडिंग ऑफ बायोडीज़ल एंड अल्कोहल विथ डीज़ल ऑन वीसीआर इंजन।
5	विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	श्री रजनीकांत साहू	डिजाइन, इम्प्लीमेंटेशन एंड कंट्रोल ऑफ एडवांस्ड मल्टीलेवल इन्वर्टर टोपोलॉजीज़ फॉर इंडस्ट्रियल एप्लिकेशंस।

## अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

### 3.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 का कार्यान्वयन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जिसे भारत सरकार के मंत्रिमंडल ने 29 जुलाई 2020 को अनुमोदित किया था, भारत की नवीन शिक्षा प्रणाली की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। संस्थान, भारत सरकार द्वारा परिकल्पित इस नीति के कार्यान्वयन हेतु पूर्णतः समर्पित है। वर्ष 2022 से अब तक निम्नलिखित कार्य किए गए हैं :

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों को परिभाषित करते हुए विषयगत क्षेत्रों की पहचान की गई तथा एक विस्तृत प्रतिवेदन तैयार किया गया।
- स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में बहु-प्रवेश और बहु-निर्गमन नीति लागू की गई।
- स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम तथा अध्ययन-सामग्री में संशोधन किया गया।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं यांत्रिक अधिगम विषय में स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, दिल्ली, रुड़की, बॉम्बे, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना विकास निगम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग स्थापित किया गया।
- शिक्षकों के कौशल संवर्धन हेतु संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए।



- पारंपरिक कलाओं के संवर्धन के उद्देश्य से 'द आर्ट ऑफ लिविंग' संस्था द्वारा प्रारंभ 'लोक विद्या' की अवधारणा पर आधारित एक पाठ्यक्रम अपनाया गया।
- स्नातक पाठ्यक्रम में उद्यमिता तथा नवाचार (स्टार्ट-अप) विषय पर एक ऋणांक पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया।
- स्नातक कार्यक्रमों में व्यावसायिक अभ्यास विषयों को सम्मिलित किया गया।
- शैक्षणिक ऋण भंडार तथा एएपीएआर प्रणाली के अंतर्गत शैक्षणिक ऋण अंतरण की प्रक्रिया लागू की गई।
- कंचनजंगा राज्य विश्वविद्यालय, सिक्रिम के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रसार हेतु एक संयुक्त कार्यशाला आयोजित की गई।
- एनईपी सारथी मंच के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहित किया गया।



### 3.2 परिचय कार्यक्रम

वर्ष 2024 का परिचय कार्यक्रम 15 अगस्त 2024 को एनआईटी सिक्किम के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार सारावगी द्वारा उद्घाटित किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रो. एम. सी. गोविल, सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य तथा कर्मचारी उपस्थित रहे। कुल 168 नव-प्रवेशित स्नातक विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। 15 अगस्त से 23 अगस्त तक नौ दिनों तक चलने वाला यह परिचय कार्यक्रम नवागंतुक विद्यार्थियों का संस्थान में स्वागत करने और उन्हें शैक्षणिक यात्रा के लिए तैयार करने हेतु एक महत्वपूर्ण आयोजन है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच आपसी संबंधों को प्रगाढ़ करना, संकाय सदस्यों से परिचय कराना, उनमें उद्देश्य की भावना जगाना तथा आत्म-अन्वेषण को प्रोत्साहित करना है।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों की साहित्यिक योग्यता का परीक्षण, विभागीय परिचय, साधियों के बीच दबाव से निपटने तथा सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर व्याख्यान शामिल थे। इसके अतिरिक्त, योग एवं ध्यान जैसी सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित उद्योगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और उद्यमियों द्वारा भी प्रेरणादायक व्याख्यान दिए गए।

सिक्किम सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री श्री राजू बस्नेत ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर आयोजित समापन समारोह में भाग लिया और नव-प्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित किया।



### 3.3 सहपाठी समूह शिक्षण

संस्थान ने सहपाठी समूह शिक्षण की एक नवीन पहल प्रारंभ की है, जिसके अंतर्गत वरिष्ठ विद्यार्थी या पूर्व छात्र कनिष्ठ विद्यार्थियों को शिक्षण या मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इस पहल का उद्देश्य छात्र अध्यापकों में व्यावसायिकता के गुणों का विकास करना, नियमित शिक्षण प्रक्रिया को सशक्त बनाना और छात्र समुदाय में सहयोग एवं सौहार्द की भावना को प्रोत्साहित करना है।

### 3.4 व्यावसायिक अभ्यास

व्यावसायिक अभ्यास, स्नातक बी.टेक. पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग है। विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने हेतु विभिन्न व्यावसायिक संगठनों के विशेषज्ञों को इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। यह पहल विद्यार्थियों की व्यावसायिक संगठनों में रोजगार क्षमता को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी।

### 3.5 समझौता ज्ञापन (एमओयू)

संस्थान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विविध क्षेत्रों में शैक्षणिक और अनुसंधान के विकास एवं विस्तार के लिए अपने क्षितिज को निरंतर विस्तृत करने का प्रयास कर रहा है। इसी दिशा में संस्थान ने अतीत में अनेक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों और संगठनों के साथ शैक्षणिक अनुसंधान एवं सहयोग हेतु कई समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें प्रमुख हैं • आईआईटी बॉम्बे, • आईआईटी भिलाई, • आईआईटी गुवाहाटी, • आईआईटी दिल्ली, • आईआईटी रुड़की, • आईआईटी गांधीनगर, • एमएनआईटी जयपुर, • द चैटर्जी ग्रुप (टीसीजी) लाइफसाइसेज, कोलकाता, • एनएचआईटीसीएल, डीआरडीओ, • एसआईएसटी (SIST), एनआईपीईआर कोलकाता, • वीएनआईटी नागपुर तथा भारतीय मानक ब्यूरो।



### 3.6 राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार (एनएडी) के अंतर्गत शैक्षणिक उपाधियों का डिजिटलीकरण

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के उत्तीर्ण विद्यार्थियों तथा वर्ष 2024 तक के वर्तमान विद्यार्थियों की ग्रेडशीट्स और उपाधि प्रमाणपत्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत डिजीलॉकर मंच के माध्यम से राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार (एनएडी) पर प्रकाशित किया गया है। इस पहल से विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की प्रमाणित डिजिटल प्रतियाँ किसी भी समय प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध हो गई है। एनआईटी सिक्किम ने एनएडी, डिजीलॉकर और एबीसी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें सिक्किम राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों को डिजिटल सशक्तिकरण, डिजिटल रूपांतरण तथा शैक्षणिक भंडार की आवश्यकताओं के प्रति जागरूक किया गया, जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित है। वर्ष 2024 से 2025 के मध्य कुल 8786 शैक्षणिक उपाधियाँ प्रदान की गईं और 2366 एबीसी डेटा सेट्स एएपीएआर आईडी के माध्यम से निर्मित किए गए।



### 3.7 विद्यालयी विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक अनुभव

संस्थान सिककिम राज्य के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु आमंत्रित करता है। इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान और अभियांत्रिकी के उच्च अध्ययन के प्रति रुचि और प्रेरणा उत्पन्न करना है। संस्थान के तकनीकी कर्मचारी उन्हें परिसर का मार्गदर्शित भ्रमण कराते हैं, जिसमें प्रयोगशालाएँ, कार्यशालाएँ, सुपर कंप्यूटर केंद्र तथा स्मार्ट कक्षाएँ शामिल होती हैं। संकाय सदस्य भी विद्यार्थियों से संवाद करते हैं और विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न अवसरों तथा प्रवेश परीक्षाओं के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।



### 3.8 विज्ञान प्रदर्शनी, जागरूकता अभियान और करियर परामर्श – एसटीईएम अध्ययन एवं जेईई (मुख्य) परीक्षा के लिए

विद्यालयी विद्यार्थियों की रुचि और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, एनआईटी सिककिम ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई), उच्च तकनीकी शिक्षा में प्रवेश प्रक्रिया तथा सीएफटीआई/विश्वविद्यालयों में प्रवेश संबंधी जानकारी से युक्त पोस्टर, बैनर और पुस्तिकाएँ सिककिम के सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में वितरित कीं।

इन सामग्रियों में विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन, योग्यता और रुचि के आधार पर करियर मार्गदर्शन से संबंधित सुझाव भी दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित) क्षेत्रों में अध्ययन हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से संस्थान ने विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों को पोस्टर और प्रोटोटाइप मॉडल प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने रुचिकर विषयों में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करना और उनके भविष्य की संभावनाओं को समझने में सहायता प्रदान करना है, जिससे वे अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए उचित दिशा में अग्रसर हो सकें।





### 3.9 शैक्षणिक परिषद बैठक

शैक्षणिक परिषद संस्थान की सर्वोच्च शैक्षणिक निकाय है, जिसका गठन एनआईटी अधिनियम 2007 की धारा 14 के अंतर्गत किया गया है। शैक्षणिक मामलों से संबंधित सभी प्रमुख निर्णय शैक्षणिक परिषद द्वारा विचारित एवं अनुमोदित किए जाते हैं। संस्थान के निदेशक शैक्षणिक परिषद के अध्यक्ष होते हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान शैक्षणिक परिषद की बैठकें निम्नलिखित तिथियों पर आयोजित की गईं :

<b>28<sup>th</sup></b> शैक्षणिक परिषद बैठक - 20 जून 2024	<b>29<sup>th</sup></b> शैक्षणिक परिषद बैठक - 27 जुलाई 2024	<b>30<sup>th</sup></b> शैक्षणिक परिषद बैठक - 24 सितंबर 2024	<b>31<sup>st</sup></b> शैक्षणिक परिषद बैठक - 22 जनवरी 2025
----------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------



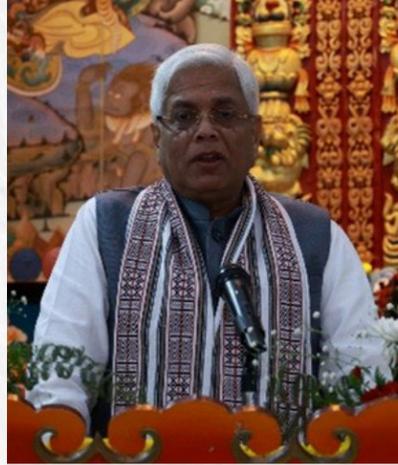
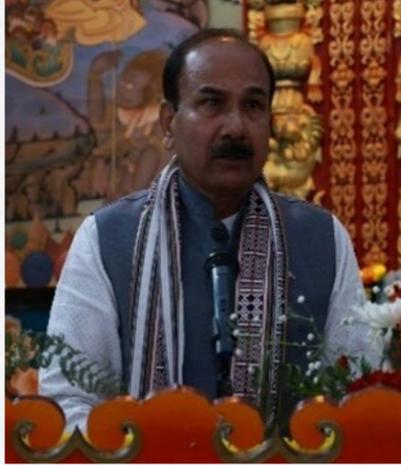
### 3.10 दीक्षांत समारोह

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान संस्थान ने वर्ष 2024 के स्नातक विद्यार्थियों के लिए अपना सातवाँ दीक्षांत समारोह आयोजित किया।

सातवाँ दीक्षांत समारोह 17 नवंबर 2024 को ताथागत स्थल (बुद्ध पार्क), रावंगला में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सेवानिवृत्त वायु सेनाध्यक्ष श्री अरुण राहा समारोह के सम्मानित अतिथि रहे तथा संचालन मंडल के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार सारावगी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

144 B.Tech., 1 M.Tech., 9 M.Sc., 1 PG डिप्लोमा, और 4 PhD पाने वालों को डिग्री दी गई। टॉप ऑनर्स में मिस्टर अनिरुद्ध घिल्लियाल को इंस्टीट्यूट गोल्ड मेडल और मिस्टर अर्पित पॉल को डायरेक्टर गोल्ड मेडल के साथ-साथ एकेडमिक एक्सीलेंस के लिए छह डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल शामिल थे।





# प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ

## प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) सिक्किम का प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ (टी एंड पी प्रकोष्ठ) वर्षभर सक्रिय रूप से कार्य करता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य संस्थान और औद्योगिक क्षेत्र के बीच एक सशक्त और दीर्घकालिक संबंध स्थापित करना है। यह महत्वपूर्ण सेतु दोहरी भूमिका निभाता है, जैसे विद्यार्थियों को अग्रणी संगठनों की आवश्यकताओं के अनुरूप ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करना तथा उन्हें वैश्विक रोजगार बाजार की बदलती चुनौतियों के लिए तैयार करना।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए, टी एंड पी प्रकोष्ठ विभिन्न कंपनियों के साथ निरंतर और सक्रिय संवाद बनाए रखता है। यह विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उन्हें व्यापक वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करने पर केंद्रित है। प्रकोष्ठ सावधानीपूर्वक योजना बनाकर औद्योगिक प्रशिक्षण, करियर विकास और विद्यार्थियों की रुचियों के अनुरूप संस्थानों में रोजगार सुनिश्चित करने हेतु विविध गतिविधियों का आयोजन करता है।

इन गतिविधियों में उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के साथ रणनीतिक साझेदारी स्थापित करना, विशेषज्ञ व्याख्यान, व्यावहारिक कार्यशालाएँ, पूर्व छात्रों से संवाद सत्र, समूह चर्चाएँ तथा संगोष्ठियाँ आयोजित करना शामिल है। ये आयोजन विद्यार्थियों की तकनीकी तथा व्यावहारिक दोनों प्रकार की क्षमताओं के विकास में सहायक सिद्ध होते हैं, जिससे उनका सर्वांगीण व्यावसायिक विकास होता है।

टी एंड पी प्रकोष्ठ विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने हेतु अपनी रणनीतियों का सतत मूल्यांकन और सुधार करता रहता है। इसके परिणामस्वरूप अनेक विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित कंपनियों में स्थान प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों, शिक्षकों और उद्योग विशेषज्ञों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करता है, जिससे एक सक्रिय और सहायक व्यावसायिक नेटवर्क विकसित होता है।



अपने समर्पित प्रयासों के माध्यम से टी एंड पी प्रकोष्ठ एनआईटी सिक्किम में विद्यार्थी सफलता का आधारस्तंभ बन चुका है। यह शैक्षणिक उत्कृष्टता और करियर तत्परता के बीच सेतु का कार्य करता है, जिससे विद्यार्थी न केवल वर्तमान औद्योगिक मानकों के अनुरूप तैयार होते हैं बल्कि अपने-अपने क्षेत्रों में नवाचार को भी गति देते हैं।

## विद्यार्थियों के करियर अवसरों का सशक्तीकरण

वर्ष 2024-25 के दौरान प्रकोष्ठ द्वारा करियर विकास और व्यावसायिक अवसरों से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण पहलों पर कार्य किया गया, जिनमें प्रमुख हैं:

- उद्योग और संस्थान के बीच मजबूत सहयोग स्थापित करना ताकि बाजार की नई प्रवृत्तियों, भर्ती करने वालों की अपेक्षाओं और बदलती रोजगार आवश्यकताओं की जानकारी बनी रहे।
- करियर परामर्श और कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन, जिनमें कार्यशालाएँ, वेबिनार और प्रशिक्षण सत्र शामिल हैं, ताकि विद्यार्थी पेशेवर सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और दक्षताओं से लैस हों।
- विद्यार्थियों को उनके चयनित क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव और गहन समझ प्रदान करने के लिए उपयुक्त इंटरशिप प्राप्त करने में सहयोग देना।
- प्रतिष्ठित कंपनियों और संगठनों को आमंत्रित कर परिसर में भर्ती अभियानों का संचालन करवाना, जिससे विद्यार्थियों और नियोक्ताओं के बीच सार्थक संवाद और अवसर उत्पन्न हों।



## वेबिनारस:

प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने वर्ष 2024-25 के दौरान प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ अनेक वेबिनार और संवाद सत्र आयोजित किए।

## सशस्त्र बलों में करियर की तैयारी पर वेबिनार:

एनआईटी सिक्किम के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने भारतीय नौसेना के सहयोग से एक संवाद सत्र आयोजित किया। यह सत्र सर्जन कैप्टन मराक पर्दिन द्वारा संचालित किया गया, जिन्होंने विद्यार्थियों को सशस्त्र बलों में उपलब्ध विविध करियर अवसरों के बारे में बताया। उन्होंने चयन सेवा बोर्ड (एसएसबी) प्रक्रिया, भू-राजनीति और भारतीय नौसेना में जीवन से संबंधित प्रश्नों पर चर्चा की।

इस सत्र ने विद्यार्थियों को न केवल जानकारी प्रदान की बल्कि उन्हें नौसेना अधिकारी के रूप में करियर अपनाने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने इस सेवा के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास, नौकरी की स्थिरता तथा राष्ट्र सेवा के सम्मान जैसे लाभों को भी रेखांकित किया।





### कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं मशीन लर्निंग पर वेबिनार:

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा 14 अप्रैल 2024 को एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिष्ठित वक्ता श्री ऋत्विक् जोशी और श्री उत्तरण नायक ने अपने विचार साझा किए। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वभर की बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अपनाई जा रही नवीनतम बाजार प्रवृत्तियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग के तीव्र विकास, और आधुनिक व्यावसायिक परिवेश में उभरते उद्यमियों के लिए सफलता रणनीतियों से अवगत कराना था। इस संवाद से प्रतिभागियों ने वक्ताओं के अनुभव और विशेषज्ञता से अमूल्य प्रेरणा एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बाजार की गतिशीलता और उद्यमिता के मार्गों की समझ को बढ़ाने का एक सशक्त मंच सिद्ध हुआ। सत्र में विचारोत्तेजक चर्चाओं और व्यावहारिक दृष्टिकोणों ने सभी प्रतिभागियों पर गहरा प्रभाव डाला और उन्हें अपने करियर लक्ष्यों के प्रति केंद्रित और प्रेरित किया।

### एचसीएल टेक्नोलॉजीज़ द्वारा संवाद सत्र:

एनआईटी सिक्किम के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने 24 अक्टूबर 2024 को सुबह 8:30 बजे बहुउद्देश्यीय प्रेक्षागृह में एचसीएल टेक्नोलॉजीज़ का संवाद सत्र आयोजित किया। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को एचसीएल टेक्नोलॉजीज़ में करियर अवसरों, भर्ती प्रक्रिया तथा विकास की संभावनाओं से परिचित कराना था। कंपनी के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें नौकरी की भूमिकाओं, आवश्यक कौशलों और करियर विकास से संबंधित जानकारी दी। सत्र में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही, जो प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ के इस निरंतर प्रयास का हिस्सा था कि

विद्यार्थियों को उद्योग के अग्रणी संगठनों से जोड़कर उनकी रोजगार क्षमता को सुदृढ़ किया जा सके।

### एक्सेंचर इंडिया द्वारा संवाद सत्र:

एनआईटी सिक्किम के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने 29 सितंबर 2024 को दोपहर 1:00 बजे बहुउद्देश्यीय प्रेक्षागृह में एक्सेंचर इंडिया के साथ एक संवाद सत्र आयोजित किया। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को एक्सेंचर में उपलब्ध विविध रोजगार अवसरों की समग्र जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे अपने करियर संबंधी निर्णय अधिक सूचित रूप से ले सकें। कंपनी के प्रतिनिधियों ने भर्ती प्रक्रिया, अपेक्षित कौशल और करियर विकास से संबंधित जानकारी साझा की तथा विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह सत्र प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ के उन सतत प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा था जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों को अग्रणी औद्योगिक संस्थानों से जोड़ना और उनकी प्लेसमेंट तैयारी को सशक्त बनाना है। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरणीय जागरूकता के लिए प्रेरित किया गया और उन्हें प्लास्टिक थैलों के उपयोग से बचने की सलाह दी गई।

### नवीकरणीय ऊर्जा एवं परिदृश्य पर टीसीई द्वारा संवाद सत्र:

एनआईटी सिक्किम के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने 12 दिसंबर 2024 को प्रातः 11:00 बजे टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स (टीसीई) द्वारा "नवीकरणीय ऊर्जा एवं परिदृश्य" विषय पर टीसीई एसीई व्याख्यान सत्र आयोजित किया। सत्र का संचालन श्री अनुपम रॉय, वरिष्ठ महाप्रबंधक, टीसीई द्वारा किया गया, जिन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में नवीनतम

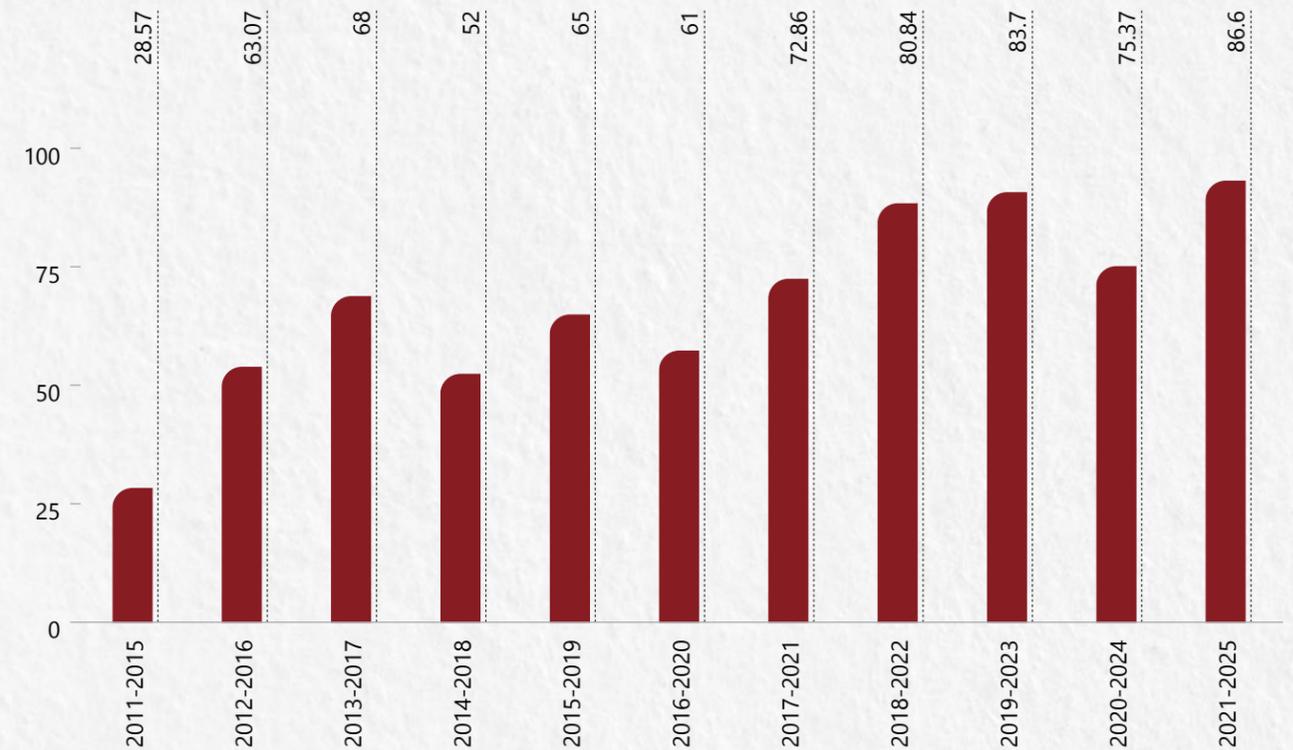
प्रौद्योगिकियों और प्रगतियों पर अपने विचार साझा किए। विद्यार्थियों ने सत्र में सक्रिय भागीदारी की और सतत ऊर्जा समाधान तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। यह सत्र प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ की एसीई व्याख्यान श्रृंखला की पहल का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को वर्तमान औद्योगिक प्रवृत्तियों से अवगत कराना और सतत अभियांत्रिकी प्रथाओं को बढ़ावा देना है। ऑनलाइन आयोजित यह सत्र उन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी रहा जो हरित ऊर्जा, अवसंरचना नियोजन और भविष्य उन्मुख अभियांत्रिकी क्षेत्रों में करियर बनाना चाहते हैं।



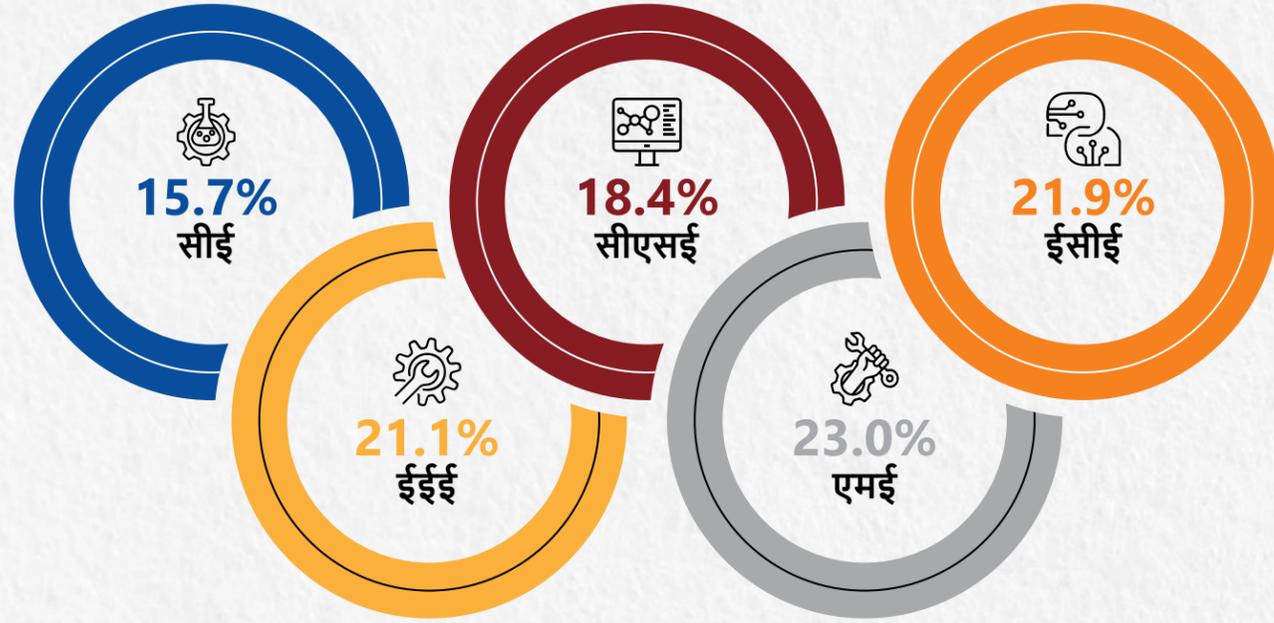
### पियरसन पीटीई परीक्षा पर वेबिनार:

एनआईटी सिक्किम के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने 22 जून 2024 को दोपहर 2:00 बजे से 2:45 बजे तक पियरसन इंडिया के सहयोग से "पियरसन पीटीई टेस्ट" पर एक वेबिनार आयोजित किया। सत्र का संचालन श्री जोसेफ ऑगस्टिन, क्लाइंट रिलेशनशिप मैनेजर, पियरसन इंडिया द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को पीटीई परीक्षा की प्रक्रिया, नवीनतम अद्यतन जानकारी और एक इंटरैक्टिव क्विज़ के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की। यह पहल विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं करियर तैयारी को सुदृढ़ करने हेतु प्रकोष्ठ के निरंतर प्रयासों का हिस्सा थी। साथ ही, प्रकोष्ठ द्वारा 12 दिसंबर 2024 को प्रातः 11:00 बजे "नवीकरणीय ऊर्जा एवं परिदृश्य" विषय पर टीसीई एसीई संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें श्री अनुपम रॉय ने सतत अभियांत्रिकी प्रथाओं और औद्योगिक प्रवृत्तियों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिससे विद्यार्थियों को वास्तविक औद्योगिक चुनौतियों और समाधानों की गहन समझ प्राप्त हुई।

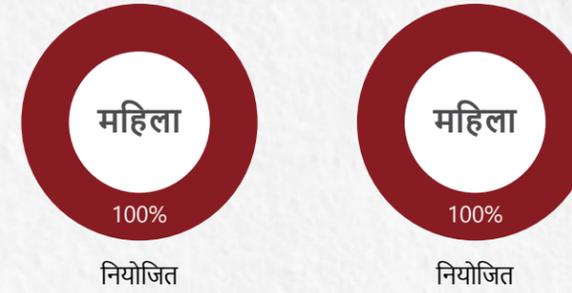
### वर्षवार नियुक्ति सांख्यिकी



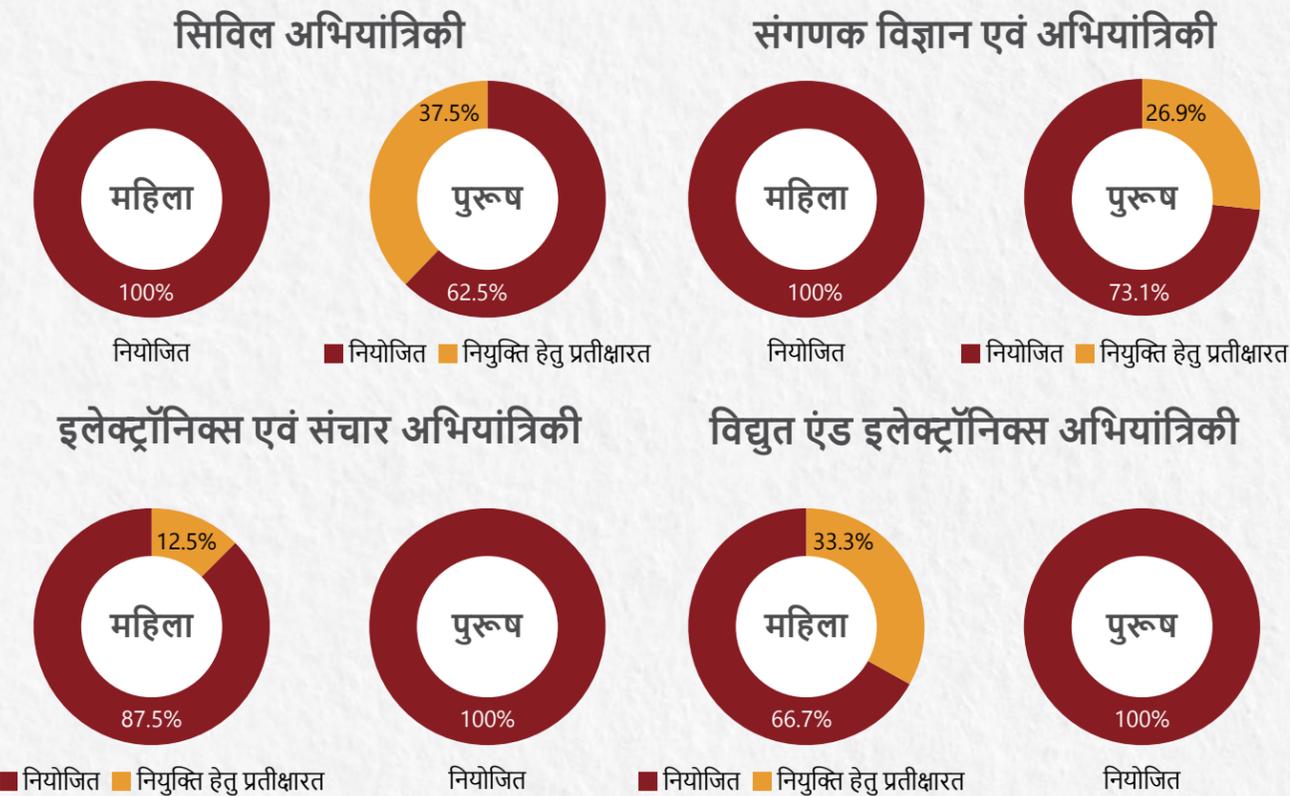
प्रतिशत बनाम शाखा:



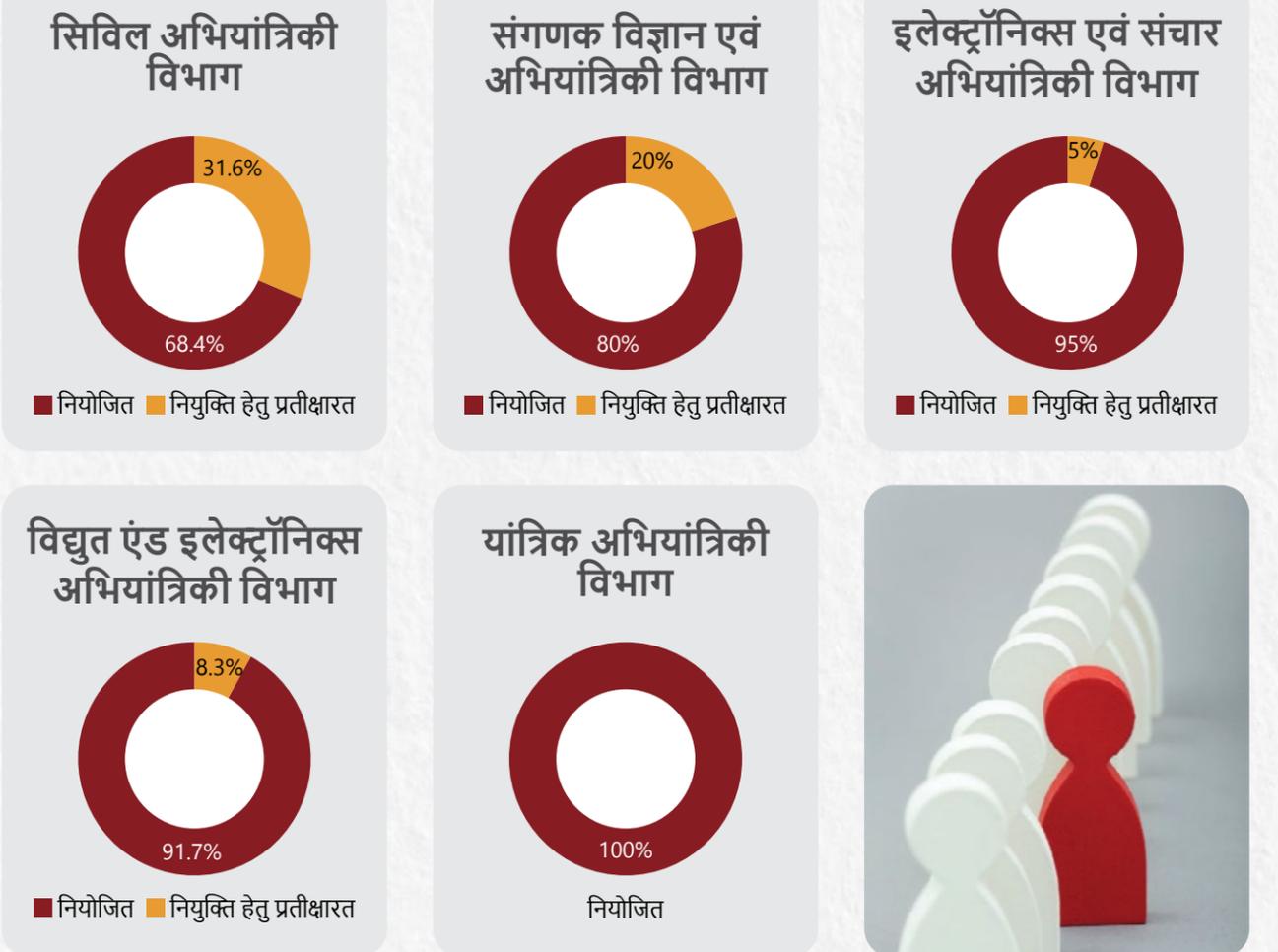
यांत्रिक अभियांत्रिकी



लिंगवार नियुक्ति सांख्यिकी:



बी. टेक नियोजन सांख्यिकी



## विस्तृत नियोजन सांख्यिकी 2024-25

पाठ्यक्रम	शाखा	विद्यार्थियों की कुल संख्या	नियुक्त विद्यार्थियों की संख्या
बी.टेक.	सिविल अभियांत्रिकी	19	13
बी.टेक.	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	35	28
बी.टेक.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	21	20
बी.टेक.	विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	24	22
बी.टेक.	यांत्रिक अभियांत्रिकी	21	21
एम.टेक.	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	8	0
एम.टेक.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	2	0
एम.टेक.	विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	3	0
<b>कुल</b>		<b>133</b>	<b>104</b>

विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों, जिनमें कोर इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, परामर्श एवं गैर-तकनीकी क्षेत्र की संस्थाएँ शामिल हैं, ने संस्थान के विद्यार्थियों को नियुक्त किया। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 142 नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त हुए तथा औसत वार्षिक पैकेज 8.85 लाख रुपये प्रति वर्ष (एलपीए) दर्ज किया गया।

## शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट नियुक्ति उपलब्धियाँ

1. एक विद्यार्थी को एनवीडिया में 31.45 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर चयनित किया गया।
2. सात विद्यार्थियों का चयन कमिस इंडिया में 13 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर हुआ।
3. एक विद्यार्थी को एक्सेंचर इंडिया में 11.89 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर नियुक्ति मिली।
4. दो विद्यार्थियों को ग्लोबलाइजेशन पार्टनर्स में 15 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर चयनित किया गया।
5. एक विद्यार्थी को इन्फोसिस में 13 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर नियुक्ति मिली।

क्रम सं.	कंपनी का नाम	शाखा(एँ)	विद्यार्थियों की संख्या
1	स्लिस सॉल्यूशन्स	सीएसई, ईसीई, ईईई	3
2	एस्केयर इफोटेक प्रा. लि.	सीई, ईसीई, ईईई, एमई	20
3	एम्बेडेड माइक्रोसिस्टम्स	ईसीई, ईईई	3
4	धरक्षा ईकोसॉल्यूशन्स प्रा. लि.	एमई	3
5	यांति इनोवेटिव इलेक्ट्रोमोटिव सॉल्यूशन्स	ईसीई, ईईई	1
6	मार्मग इंफ्रा प्रा. लि.	सीई	3
7	डीवाई इंफ्रा एंड प्रोजेक्ट्स	सीई, ईसीई, ईईई	4
8	दूरस्थ एनालिटिक्स	ईसीई, ईईई	2
9	करकरे डिस्प्लेज	ईसीई, ईईई	4
10	प्रोटोमोट टेक्नोलॉजीज़	एमई	2

6. दो विद्यार्थियों को प्लेटफॉर्म नाइन में 18 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर चयनित किया गया।
7. दो विद्यार्थियों को टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में 12 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर नियुक्ति मिली।
8. तीन विद्यार्थियों को एंग्लो ईस्टर्न शिप मैनेजमेंट में 24 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर चयनित किया गया।

## प्रशिक्षण (इंटरशिप)

प्रशिक्षण विद्यार्थियों को उद्योग में कार्य करने का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करता है। यह उन्हें अपने शैक्षणिक ज्ञान को व्यावहारिक रूप से लागू करने, अपने कौशल और समझ को विकसित करने तथा वास्तविक कार्य परिवेश को जानने का अवसर देता है। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थी व्यावसायिक जगत की बारीकियों को समझते हैं और अपनी कार्यकुशलता में सुधार लाते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में बी.टेक. (सत्र 2022-26, पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर) के कुल 244 विद्यार्थियों ने ग्रीष्म एवं शीत अवकाश के दौरान विभिन्न संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

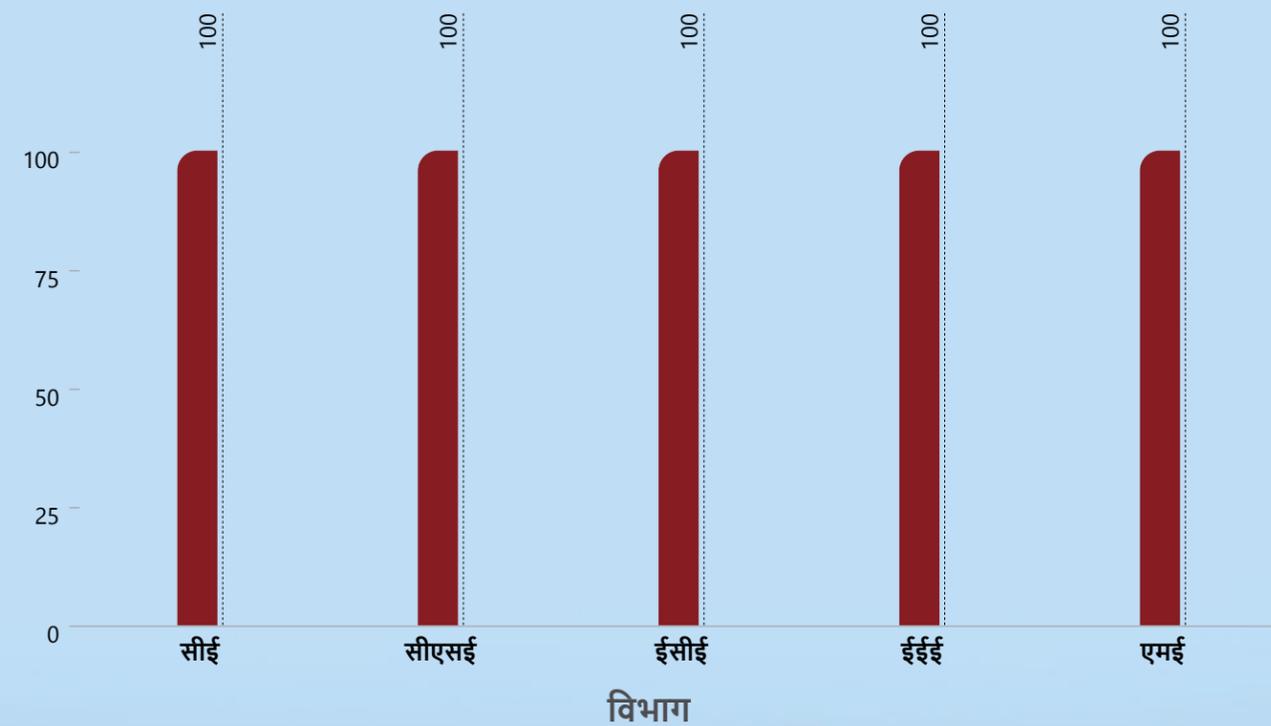
क्रम सं.	कंपनी का नाम	शाखा(एँ)	विद्यार्थियों की संख्या
11	स्टेमबोटिक्स प्रा. लि.	सीई, सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई	16
12	स्पेस एंड टेक - इंजीनियरिंग	सीई, सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई	3
13	फिनिक्सिया डेडेकॉन्स	सीएसई, ईसीई, ईईई	19
14	रेडक्रिक्स टेक्नोलॉजीज़	सीएसई	2
15	कूओएसिस क्रिएटिव स्टूडियोज़	सीएसई	1
16	बियासोवा	सीएसई, ईसीई, ईईई	4
17	अलाइड इलेक्ट्रो मैकेनिकल	एमई	1
18	आर्डेन टेलीकॉम	सीएसई, ईसीई, ईईई	4
19	आनंद वाक सॉल्यूशन्स	सीएसई, ईसीई, ईईई	1
20	कार्लू	सीई, सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई	1
21	फॉक्सिआसर	सीएसई, ईसीई, ईईई	30
22	एडीएम सोलर पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर	ईसीई, ईईई, एमई	4
23	आइडेटिफ्यू	सीएसई, ईसीई, ईईई	3
24	चारा ऑटोमेशन एंड सॉल्यूशन्स	ईसीई, ईईई, एमई	2
25	प्रगामेंट सॉल्यूशन्स	सीई, सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई	8
26	प्रीमेड इनोवेशन्स	सीई, सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई	13
27	सोलर क्रेस्ट	ईईई, एमई	7
28	टैलेट कॉर्प	ईसीई, ईईई, एमई	19
29	नेक्स्ट बिग टेक	सीएसई, ईसीई, ईईई	16
30	प्रयाणम इंडस्ट्रीज़	सीएसई, ईसीई, एमई	9
31	राइनो इंजीनियर्स	सीएसई, ईसीई, ईईई	4
32	एडस्टोक	सीएसई, ईसीई, ईईई	2
33	एरिस इंजीनियर्स	ईईई	7
34	सेग्निटोस टेक्नोलॉजीज़ प्रा. लि.	सीएसई	1
35	गेटपेक इलेक्ट्रॉनिक्स	ईसीई, ईईई	2
36	शैबको प्रॉपर्टीज एंड बिल्डर्स	सीई	6
37	ट्रेन्ड मेटर्स	सीएसई	8
38	गोटिशील टेक्नोलॉजीज़	सीएसई	5
39	नव डिज़ाइन एंड इनोवेशन	ईसीई, एमई	3
40	एआई4सी	सीएसई, ईसीई, ईईई	3
41	डाइमेंशनलेस	सीएसई	1
42	हेक्टो नेटवर्क्स	सीएसई	1
43	हिंदफ्राटेक प्रा. लि.	सीई	3
44	सुपर इंजिटेक	एमई	8
45	भारत नैचुरल एलीमेंट्स	सीई, सीएसई, ईसीई	1
46	हेटा डाटाइन	ईसीई, ईईई	2
47	द मोरॉन्स	सीएसई, ईसीई	1
48	वी के इंजिटेक	एमई	2
49	लॉजिकबूट्स प्रा. लि.	सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई	7
50	ग्रेविटस लेबोरेट्रीज़ प्रा. लि.	एमई, सीई	2

### शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट प्रशिक्षण (इंटरनशिप) उपलब्धियाँ

शाखानुसार शीतकालीन प्रशिक्षण (बी.टेक. तृतीय वर्ष), सत्र 2022-26 बैच, (विषम सत्र 2024-25) के अनुसार

पाठ्यक्रम	शाखा	विद्यार्थियों की कुल संख्या	प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या
बी.टेक.	सिविल अभियांत्रिकी	15	15
बी.टेक.	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	37	37
बी.टेक.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	29	29
बी.टेक.	विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	22	22
बी.टेक.	यांत्रिक अभियांत्रिकी	15	15
<b>कुल</b>		<b>118</b>	<b>118</b>

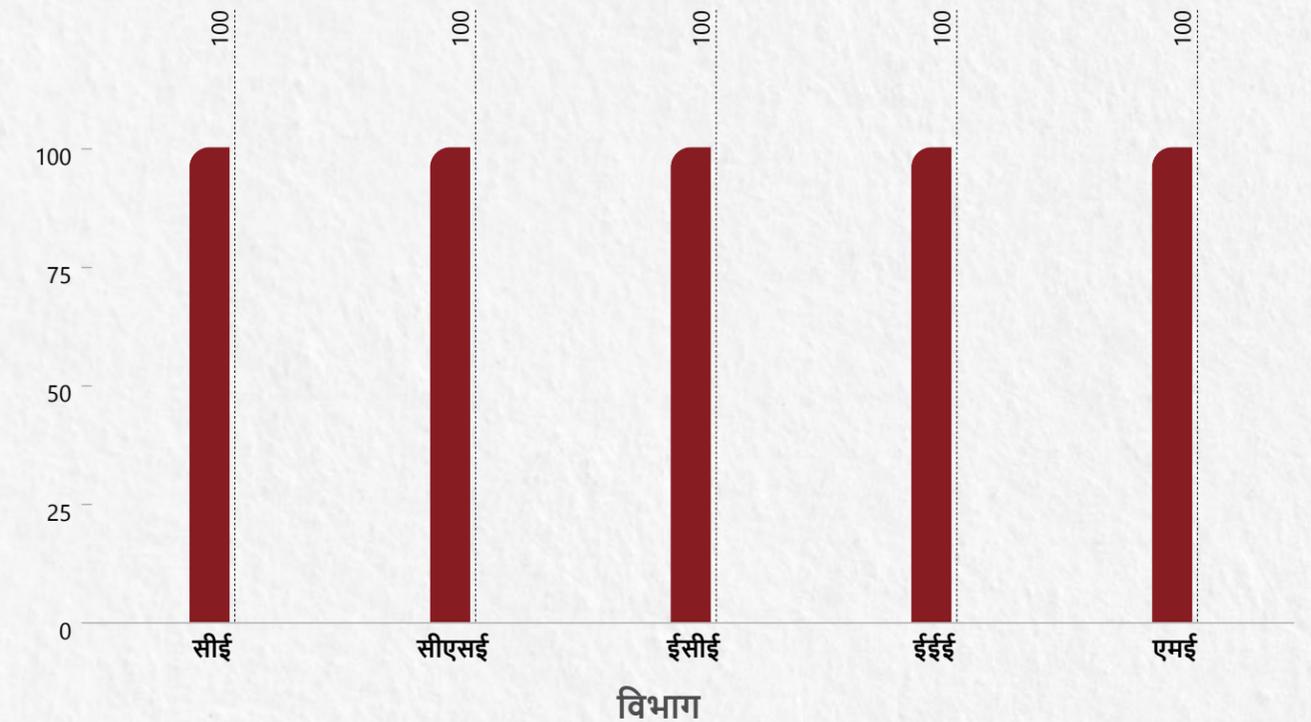
वर्ष 2022-2026 की शीतकालीन प्रशिक्षण



### शाखानुसार शीतकालीन प्रशिक्षण (बी.टेक. तृतीय वर्ष), सत्र 2022-26 बैच, (सम सत्र 2024-25) के अनुसार

पाठ्यक्रम	शाखा	विद्यार्थियों की कुल संख्या	प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या
बी.टेक.	सिविल अभियांत्रिकी	12	12
बी.टेक.	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	40	40
बी.टेक.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	28	28
बी.टेक.	विद्युत एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	27	27
बी.टेक.	यांत्रिक अभियांत्रिकी	19	19
<b>कुल</b>		<b>126</b>	<b>126</b>

वर्ष 2022-2026 की ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण



### उच्च अध्ययनरत विद्यार्थीगण

क्र. सं.	नाम	उपलब्धि
1	श्री के. प्रेम	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (आईआईटी मद्रास) में स्नातकोत्तर में अध्ययनरत
2	सुश्री छोडेन तामांग	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर में संरचनात्मक अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर में अध्ययनरत
3	श्री साई भवदेश चंदू	ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, टेक्सास के संगणक प्रणाली एवं अभियांत्रिकी विभाग में स्नातकोत्तर में अध्ययनरत
4	श्री कृष्ण चैतन्य निजाम	सेंट लुईस विश्वविद्यालय, मिसौरी, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्नातकोत्तर में अध्ययनरत
5	श्री अनुज प्रताप	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे (आईआईटी बॉम्बे) में विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.) में अध्ययनरत
6	श्री बोल्ला फणी साई दिव्य तेज	सिनसिनाटी विश्वविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर में अध्ययनरत



# विद्यार्थी कल्याण पहल

## विद्यार्थी कल्याण पहल

“शिक्षा की जड़ें कड़वी होती हैं, पर उसका फल मीठा होता है।” छात्र जीवन को प्रायः व्यक्ति की यात्रा का स्वर्णिम काल माना जाता है, जो चुनौतियों, अवसरों और रूपांतरणकारी अनुभवों से जुड़ा होता है। यह न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलों और खेलकूद के माध्यम से रचनात्मकता और सौहार्द को भी प्रोत्साहित करता है, जिससे यह एक पूर्ण और यादगार अध्याय बनता है। इस भावना को विकसित करने के लिए, संस्थान वर्षभर शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिताएँ और स्वच्छता अभियान आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, शिक्षा मंत्रालय (एमओई) और अन्य संबंधित निकायों के निर्देशों के अनुरूप कई पहलें और जागरूकता गतिविधियाँ भी चलाई जाती हैं ताकि छात्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

### गतिविधियाँ एवं आयोजन:

संस्थान वार्षिक कार्यक्रम जैसे स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस एवं सांस्कृतिक उत्सव, साहित्यिक कार्यक्रम, तकनीकी उत्सव, हैकार्थॉन, संगोष्ठियाँ, वार्षिक खेल और क्रीड़ा जैसी विभिन्न महत्वपूर्ण और बहुआयामी गतिविधियों का आयोजन वर्षभर करता रहता है। छात्रों को इंटर-एनआईटी खेल, सांस्कृतिक और तकनीकी आयोजनों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, फिट इंडिया मूवमेंट, एकता दिवस, हिंदी पखवाड़ा और विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे राष्ट्रीय अभियानों की भावना को दर्शाते हुए, संस्थान छात्रों को स्वास्थ्य, सद्भाव और एकता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है। इसके अलावा, कई विभागीय क्लबों द्वारा भी विभिन्न अवसरों पर विविध छात्र कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

### एनआईटी सिक्किम का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव:

#### उद्घम 2024 – एनआईटी सिक्किम में संस्कृति, सृजनात्मकता और एकता का उत्सव

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने 8 से 10 नवंबर 2024 तक अपने वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव \*उद्घम 2024\* का आयोजन किया, जिसमें कला, संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का जीवंत संगम देखने को मिला। यह बहुप्रतीक्षित तीन दिवसीय कार्यक्रम छात्रों, संकाय सदस्यों और अतिथियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और युवाओं की सृजनात्मकता के उत्सव में एकजुट करता है।

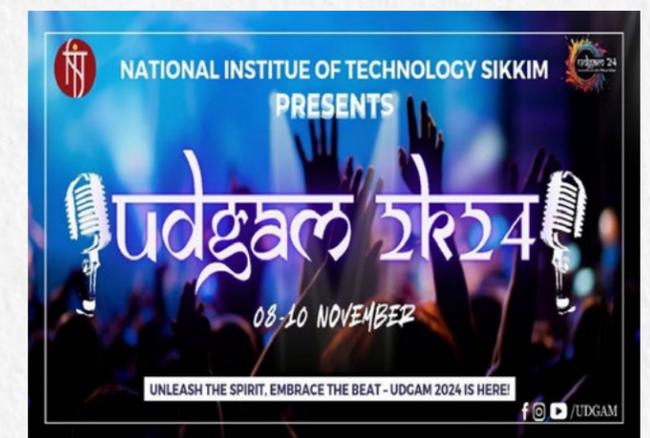
उत्सव की शुरुआत 2 नवंबर को एमजी मार्ग, गंगटोक पर एक ऊर्जावान फ्लैश मॉब प्रदर्शन से हुई, जिसमें छात्रों ने पारंपरिक सिक्किमी कला रूपों और आधुनिक नृत्य का संगम प्रस्तुत किया। यह प्रदर्शन स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना और आगामी उत्सव के लिए माहौल तैयार किया।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रवंगला विधानसभा क्षेत्र के विधायक माननीय श्री रिक्शाल दोर्जी भूटिया तथा एनआईटी सिक्किम के निदेशक प्रो. महेश चंद्र गोविल उपस्थित रहे। समारोह में एसडीएम रवंगला, विशिष्ट अतिथि, डीन, विभागाध्यक्ष और संकाय सदस्यगण भी

मौजूद थे। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके बाद छात्रों द्वारा उद्घाटन गीत प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधनों में दोनों गणमान्य अतिथियों ने सांस्कृतिक मूल्यों और छात्र सहभागिता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन दिवस का मुख्य आकर्षण भारत के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषाओं को प्रदर्शित करने वाला सांस्कृतिक रैप वॉक रहा, जिसके बाद संगीत, नृत्य और डीजे प्रस्तुतियों ने समारोह को जीवंत बना दिया।

तीन दिनों में उद्घम 2024 के अंतर्गत छात्रों की विविध रुचियों को दर्शाने वाले कार्यक्रम आयोजित किए गए:

- दीवार चित्रण, रंगोली और कला प्रदर्शनी जैसी कला प्रतियोगिताएँ, जिनमें देशभर के छात्रों ने पारंपरिक और आधुनिक कलाकृतियाँ प्रदर्शित कीं।
- वाद्य संगीत प्रतियोगिता और ईटिंग चैलेंज जैसे प्रतिभा आधारित कार्यक्रम।
- फ्री फायर मैक्स और वेलोरेट जैसे गेमिंग टूर्नामेंट्स, जिनमें क्षेत्रभर के ई-स्पोर्ट्स प्रेमियों ने भाग लिया।
- फूड फेस्ट, जिसमें छात्रों द्वारा तैयार किए गए भारतीय व्यंजनों ने देश की पाक विविधता का उत्सव मनाया और आगंतुकों को एक यादगार स्वाद अनुभव प्रदान किया।





### विश्व पर्यावरण दिवस

एनआईटी सिक्किम ने 1 जुलाई से 21 अगस्त 2024 तक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि उत्सव का सफल आयोजन किया, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय जागरूकता और सतत व्यवहारों को बढ़ावा देना था। इस पहल के माध्यम से प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित किया गया और पर्यावरण अनुकूल आदतें अपनाने के

लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम को अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, और कई प्रतिभागियों ने सतत जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। विभाग भविष्य में भी ऐसी प्रभावशाली पहलों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।



### पोषण वाटिका और वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना:

पोषण वाटिका को बढ़ावा देने की पहल के अंतर्गत, एनआईटी सिक्किम ने पोषक तत्वों से भरपूर फलों और सब्जियों की खेती पर केंद्रित एक श्रृंखला में वृक्षारोपण गतिविधियों का आयोजन किया। इस प्रयास का उद्देश्य छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों में पोषण आत्मनिर्भरता और स्वस्थ आहार के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। परिसर में निर्धारित क्षेत्रों में मौसमी सब्जियों और फलदार पौधों के पौधे लगाए गए। सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ-साथ इस पहल ने एनआईटी सिक्किम समुदाय को स्वयं अपना भोजन उगाने के लिए प्रेरित किया, जिससे पोषण, स्वास्थ्य और समग्र कल्याण के प्रति गहरी समझ विकसित हुई।



### अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:

एनआईटी सिक्किम ने 21 जून 2024 को 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "योगा फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी" थीम के साथ मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और निदेशक प्रो. (डॉ.) एम.सी. गोविल के स्वागत भाषण से हुआ, जिन्होंने कार्य और जीवन में संतुलन बनाए रखने में योग की भूमिका पर बल दिया। विशेषज्ञ सुश्री अंजीला भूटिया

और श्री राम प्रसाद पौड्याल के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने श्वास अभ्यास, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और आसन किए। कार्यक्रम ने शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन उत्साह और भविष्य के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।



### स्वतंत्रता दिवस:

एनआईटी सिक्किम में 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के होम गार्ड्स की मार्च पास्ट से हुई, जिसने अनुशासन और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और राष्ट्रगान गाया गया, जिससे सभी के हृदय में गर्व और एकता की भावना जागृत हुई।

प्रो. एम.सी. गोविल, निदेशक, एनआईटी सिक्किम और श्री रमेश कुमार सरावगी, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने सभा को संबोधित किया और स्वतंत्रता दिवस के महत्व के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में शैक्षणिक समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा, नवाचार और नैतिक मूल्यों के माध्यम से समग्र विकास को प्रोत्साहित करने में संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की भूमिका पर बल दिया।

इस अवसर का एक प्रमुख आकर्षण प्रशासनिक भवन के समीप नए बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन था, जो खेल और शारीरिक स्वास्थ्य को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ बढ़ावा देने के संस्थान के संकल्प का प्रतीक है। यह कोर्ट छात्रों की सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने और टीम भावना एवं फिटनेस को प्रोत्साहित करने में सहायक होगा। समारोह का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसने स्वतंत्रता, एकता और प्रगति के आदर्शों को पुनः सशक्त किया और एनआईटी सिक्किम समुदाय को राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित किया।



### गणतंत्र दिवस:

एनआईटी सिक्किम में 26 जनवरी 2025 को 76वां गणतंत्र दिवस छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ मनाया गया। दिन की शुरुआत होम गार्ड्स की मार्च पास्ट से हुई। प्रो. एम.सी. गोविल, निदेशक, एनआईटी सिक्किम ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद राष्ट्रगान हुआ। निदेशक ने सभा को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्रों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए और अन्य विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।



### हिंदी पखवाड़ा:

एनआईटी सिक्किम में 29 सितंबर 2024 को हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य हिंदी को राजभाषा के रूप में बढ़ावा देना और छात्रों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों को भारत की भाषाई धरोहर के प्रति सम्मान और जुड़ाव के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटन समारोह से हुआ, जिसमें प्रतिष्ठित शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया और हिंदी के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पहचान

को सुदृढ़ करने के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रमों में निबंध लेखन, कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिता जैसी विविध गतिविधियाँ शामिल थीं, जिनका विषय राष्ट्रीय एकता, भाषा पर गर्व और समकालीन सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित था। विभिन्न विभागों के छात्रों की उत्साही भागीदारी ने न केवल उनकी रचनात्मकता और वक्तव्य कौशल को प्रदर्शित किया बल्कि हिंदी भाषा के प्रति उनके गहरे लगाव को भी उजागर किया।



## खेल और क्रीड़ा

संस्थान में वर्षभर विविध खेल और क्रीड़ा गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों में शारीरिक स्फूर्ति, टीम भावना और प्रतिस्पर्धात्मक उत्साह का विकास करना है। विद्यार्थियों को इंटर-एनआईटी स्पोर्ट्स मीट में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है तथा आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाता है। नियमित इनडोर खेलों के लिए प्रत्येक छात्रावास में टेबल टेनिस और कैरम बोर्ड की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। परिसर के दो विस्तृत खेल मैदान छात्रों को फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो और क्रिकेट जैसे खेलों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। पुराने शैक्षणिक भवन में एक सुसज्जित इनडोर बैडमिंटन कोर्ट भी उपलब्ध है। सभी खेल मैदानों और कोर्टों में उचित प्रकाश व्यवस्था की गई है, जिससे रात्रि के समय भी खेल गतिविधियाँ सहजता और उत्साह के साथ संचालित की जा सकती हैं।

## वार्षिक खेल समारोह - एनआईटी सिक्किम (2024-2025)

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 एनआईटी सिक्किम के लिए खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों का वर्ष रहा, जिसने संस्थान की खेल उत्कृष्टता और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया। प्रमुख आकर्षणों में स्पर्धा 2024 (आईआईटी बीएचयू) में संस्थान की 65 सदस्यीय टीम की भागीदारी रही, जिसने सात विभिन्न खेलों में प्रतिस्पर्धा की। इस आयोजन में एनआईटी सिक्किम की महिला टीम ने ऐतिहासिक पदार्पण किया, जो संस्थान के लिए गर्व का क्षण था। एनआईटी सिलचर में आयोजित इंटर-एनआईटी क्रिकेट टूर्नामेंट में क्रिकेट टीम ने उत्कृष्ट टीम भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

परिसर में स्पोर्ट्स वीक का आयोजन भी उत्साहपूर्वक किया गया, जिसमें बैडमिंटन, कैरम और ई-स्पोर्ट्स जैसी प्रतियोगिताओं में 137 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। फिट इंडिया मूवमेंट और राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित क्रिकेट मैचों और फुटबॉल टूर्नामेंटों ने छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच एकता, फिटनेस और खेल भावना को प्रोत्साहित किया।



## बैडमिंटन सिंगल्स टूर्नामेंट - प्रथम वर्ष / स्मैश 2025

एनआईटी सिक्किम में 30-31 मार्च 2025 को परिसर के बैडमिंटन कोर्ट में प्रथम बैडमिंटन सिंगल्स टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पुरुष एवं महिला सिंगल्स श्रेणियों में कुल 22 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रारंभिक सीडिंग राउंड्स के बाद टूर्नामेंट नॉकआउट प्रारूप में खेला

गया। मुकाबले अत्यंत रोमांचक रहे, जिनमें कई मैच निर्णायक सेट तक पहुँचे, जहाँ खिलाड़ियों की प्रतिभा, दृढ़ निश्चय और खेल भावना का सुंदर संगम देखने को मिला। यह आयोजन संस्थान के वार्षिक खेल समारोह की सफल शुरुआत साबित हुआ, जिसने छात्रों में खेल भावना को सशक्त किया और एथलेटिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित किया।



## वार्षिक स्वतंत्रता दिवस फुटबॉल कप

स्वतंत्रता दिवस 2024 के उपलक्ष्य में एनआईटी सिक्किम में 4, 10, 11 और 15 अगस्त को वार्षिक स्वतंत्रता दिवस फुटबॉल कप का सफल आयोजन किया गया। क्षेत्र की खेल परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस टूर्नामेंट में विभिन्न शैक्षणिक वर्षों के छात्रों और कर्मचारियों से गठित टीमों ने भाग लिया, जिससे एकता, सौहार्द और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहन मिला। मैचों में जोश और उत्साह का अद्भुत समावेश देखने को मिला, जिसमें परिसर समुदाय ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। यह टूर्नामेंट स्वतंत्रता की भावना को समर्पित होने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस, टीम भावना और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने का माध्यम बना, जिससे यह आयोजन पूर्णतः सफल रहा।



## राष्ट्रीय खेल सप्ताह – एनआईटी सिक्किम

एनआईटी सिक्किम में 26 अगस्त से 31 अगस्त 2024 तक राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल सप्ताह का आयोजन उत्साह और ऊर्जा के साथ किया गया। यह आयोजन खेल भावना और एथलेटिक उत्कृष्टता का जीवंत उत्सव रहा, जिसमें बैडमिंटन, कैरम, ई-स्पोर्ट्स (बीजीएमआई और एमएलबीबी) तथा एफसी (24) जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।



कार्यक्रम में कुल 137 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 126 छात्र और 11 छात्राएँ शामिल थीं। स्पोर्ट्स काउंसिल और समन्वयकों के सहयोग से सभी प्रतियोगिताएँ सुचारू रूप से संपन्न हुईं, जिससे सहभागिता, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बना। सप्ताह का समापन पूर्ण सफलता के साथ हुआ, जिसने समुदाय में शारीरिक सक्रियता और सामूहिक सहयोग को प्रोत्साहित करने में खेलों के महत्व को पुनः रेखांकित किया। प्रतिभागियों और आयोजकों की निष्ठा और उत्साह ने इस राष्ट्रीय खेल सप्ताह को एक प्रेरणादायक और अविस्मरणीय आयोजन बना दिया।

## आईआईटी बीएचयू में स्पर्धा 2024 में एनआईटी सिक्किम की सहभागिता

एनआईटी सिक्किम ने अपने खेल सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की, जब उसने आईआईटी बीएचयू द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित वार्षिक खेल महोत्सव \*स्पर्धा 2024\* में भाग लिया। 65 छात्रों और 4 संकाय सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल फुटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो, शतरंज, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल और लॉन टेनिस सहित सात खेल श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करने पहुँचा।

इस वर्ष का आयोजन ऐतिहासिक रहा क्योंकि इसमें एनआईटी सिक्किम की महिला टीम ने पहली बार भाग लिया, जो खेलों में समावेशिता और

लैंगिक समानता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह प्रतियोगिता छात्रों के लिए राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट का अमूल्य अनुभव साबित हुई, जिसने उनमें दृढ़ता, टीम भावना और रणनीतिक सोच को और सशक्त किया।

प्रतिस्पर्धा से परे, स्पर्धा 2024 ने प्रतिभागियों के बीच आपसी सौहार्द को मजबूत किया और देशभर के श्रेष्ठ खिलाड़ियों से सीखने का अवसर प्रदान किया। इस अनुभव ने न केवल उनके कौशल को निखारा, बल्कि उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित भी किया।



## हर घर तिरंगा:

राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के उत्सव के रूप में “हर घर तिरंगा” कार्यक्रम के अंतर्गत “प्रभात फेरी” का आयोजन 14 अगस्त 2024 को किया गया। इस अवसर पर निदेशक, संकाय सदस्य और छात्र उत्साहपूर्वक शामिल हुए, जिन्होंने देशभक्ति और एकता की भावना का सुंदर प्रदर्शन किया।



## मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस:

26 जून को “मादक पदार्थों के दुरुपयोग और मानसिक स्वास्थ्य” विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन “मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस” के अवसर पर किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मादक पदार्थों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और वैश्विक स्तर पर नशे के व्यापार से निपटने की रणनीतियों को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने “से यस टू लाइफ, नो टू ड्रम्स” का संकल्प लिया, जिससे उन्होंने स्वस्थ जीवन जीने और नशामुक्त भारत के साझा लक्ष्य की दिशा में योगदान देने का दृढ़ निश्चय व्यक्त किया — एक ऐसा अभियान जो समाज और व्यक्ति दोनों पर नशे के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के उद्देश्य से प्रेरित है।



**स्वच्छता मिशन:**

संस्थान ने #SwachhataHiSeva2024 अभियान के अंतर्गत कई कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निदेशक प्रो. एम.सी. गोविल ने सभी आयोजनों की निगरानी की और स्वच्छता को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

**पीपल्स प्लान अभियान:**

छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की एक टीम ने पंचायत अध्यक्ष श्री अनिल राय की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम सभा में भाग लिया और ग्रामीणों के साथ संवाद किया। इस दौरान टीम ने जमीनी स्तर पर शासन की कार्यप्रणाली को समझा और शिक्षा व प्रौद्योगिकी पर विचार साझा किए। इस दौरे का उद्देश्य उच्च शिक्षा और तकनीकी जागरूकता, अपशिष्ट प्रबंधन, सामाजिक कल्याण योजनाओं, मिशन लाइफ और स्वच्छता ही सेवा अभियानों को प्रोत्साहित करना था।

**आरबीआई90 किज़ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता:**

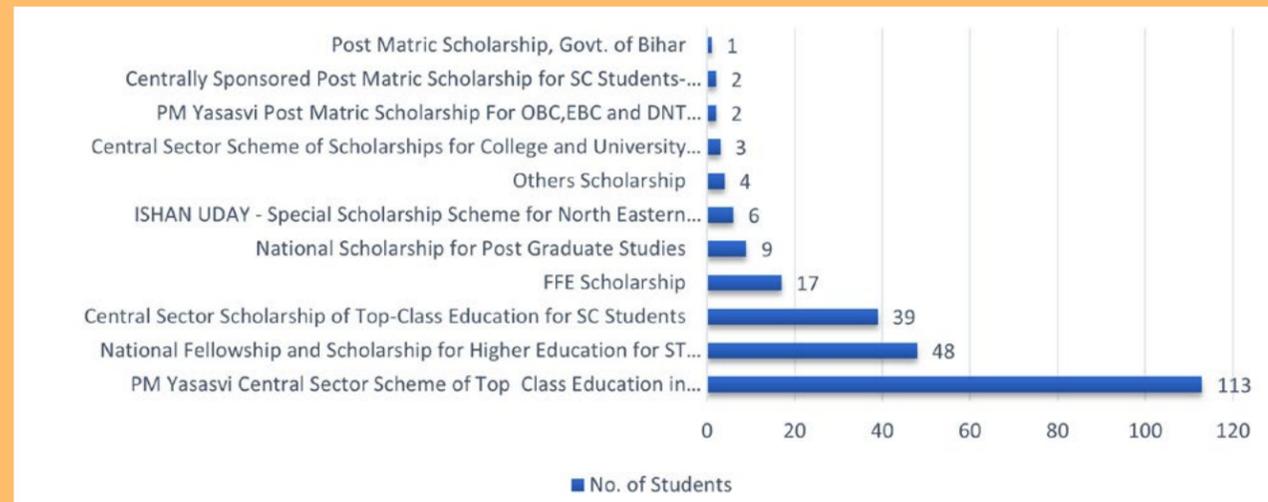
एनआईटी सिक्किम के स्नातक छात्र श्री गुलशन कुमार और श्री देबोप्रियो खान की टीम ने पूरे आयोजन के दौरान उत्कृष्ट ज्ञान और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन किया। उन्होंने 17 अक्टूबर 2024 को गंगटोक में आयोजित प्रतिष्ठित आरबीआई90 किज़ राज्य स्तरीय फाइनल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया और ₹1,50,000 की नकद राशि, प्रमाणपत्र तथा स्मृति चिन्ह से सम्मानित हुए। यह किज़ आरबीआई गंगटोक द्वारा संस्थान की 90वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित RBI90 सेलिब्रेशंस का हिस्सा था।

**विद्यार्थियों के लिए वित्तीय सहायता:****छात्रवृत्तियाँ:**

छात्रवृत्ति अनुभाग इस मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो एनआईटी सिक्किम के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) पर उपलब्ध विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में सक्रिय रूप से जागरूक करता है। इसमें आवेदन प्रक्रिया पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करना और प्रत्येक योजना की पात्रता शर्तों एवं लाभों के बारे में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी देना शामिल है। इन पहलों के माध्यम से एनआईटी सिक्किम का उद्देश्य एक अधिक समानतामूलक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करना है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करे और सभी विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को सशक्त बनाए। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान केंद्रीय योजनाओं, यूजीसी योजनाओं, विभिन्न राज्य योजनाओं एवं अन्य स्रोतों के माध्यम से छात्रवृत्ति हेतु अनुशंसित विद्यार्थियों की संख्या निम्नानुसार है -

क्रम सं.	छात्रवृत्ति योजना	विद्यार्थियों की संख्या
1	अ.पि.व., ई.बी.सी. एवं डी.एन.टी. विद्यार्थियों हेतु कॉलेज स्तर पर उच्च शिक्षा के लिए पीएम यशस्वी केंद्रीय क्षेत्र टॉप-क्लास एजुकेशन योजना	113
2	अ.जा. विद्यार्थियों हेतु उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप एवं छात्रवृत्ति (पूर्व में अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों के लिए टॉप-क्लास एजुकेशन योजना)	48
3	अ.ज. विद्यार्थियों हेतु केंद्रीय क्षेत्र टॉप-क्लास एजुकेशन छात्रवृत्ति योजना	39
4	एफ.एफ.ई. छात्रवृत्ति	17
5	स्नातकोत्तर अध्ययन हेतु राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	9
6	इशान उदय - उत्तर-पूर्व क्षेत्र हेतु विशेष छात्रवृत्ति योजना	6
7	अन्य छात्रवृत्तियाँ	4
8	कॉलेज एवं विश्वविद्यालय विद्यार्थियों हेतु केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना	3
9	अ.पि.व., ई.बी.सी. एवं डी.एन.टी. विद्यार्थियों हेतु पीएम यशस्वी पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति (सिक्किम)	2
10	अ.जा. विद्यार्थियों हेतु केंद्र प्रायोजित पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति (सिक्किम)	2
11	पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, बिहार सरकार	1
	<b>कुल</b>	<b>244</b>

## शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त की गई छात्रवृत्तियों के प्रकार



### अध्येतावृत्ति:

सीसीएमटी के माध्यम से प्रवेश प्राप्त वैध गेट स्कोर वाले स्नातकोत्तर (पीजी) विद्यार्थियों को ₹12,400 प्रतिमाह की अध्येतावृत्ति (फेलोशिप) प्रदान की जाती है।

कुल 12 पीजी विद्यार्थियों ने इस वित्तीय सहायता का लाभ संस्थान से प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, गेट / नेट / जेआरएफ / एसआरएफ पात्रता वाले पूर्णकालिक पीएच.डी. शोधार्थियों को भी संस्थान की अध्येतावृत्ति प्राप्त होती है। कुछ शोधार्थियों को सीएसआईआर, एसडीपी आदि प्रायोजित परियोजनाओं से भी अध्येतावृत्ति प्राप्त हो रही है। कुल 68 पीएच.डी. शोधार्थियों ने संस्थान की अध्येतावृत्ति का लाभ लिया है, जिसमें जेआरएफ के लिए ₹40,330 तथा एसआरएफ के लिए ₹45,780 प्रतिमाह (एचआरए सहित) प्रदान किए जाते हैं। अध्येतावृत्ति के अतिरिक्त, संस्थान शोधार्थियों को उच्च स्तरीय प्रयोगशाला सुविधाएँ, पुस्तकालय, शोध पत्रिकाओं की सदस्यता एवं आवश्यक सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराता है, जिससे एक समग्र शोध वातावरण सुनिश्चित होता है।

### विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड योजना:

विभिन्न राज्यों से आने वाले विद्यार्थी अपनी शिक्षा एवं जीवन-यापन संबंधी खर्चों के लिए विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ उठा रहे हैं। बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ विद्यार्थी इस योजना के अंतर्गत सहायता प्राप्त कर रहे हैं। यह योजना विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए ब्याज सब्सिडी वाले शिक्षा ऋण की सुविधा प्रदान करती है।

संस्थान अपने वित्तीय सहायता कार्यक्रमों के अतिरिक्त, आस-पास के क्षेत्रों के बैंकों के साथ सहयोग करते हुए विद्यार्थियों को रियायती दरों पर शिक्षा ऋण की जानकारी और परामर्श प्रदान करता है। संस्थान आवश्यक

दस्तावेजों की तैयारी में सहायता करता है और बैंकों के साथ समन्वय बनाए रखता है ताकि ऋण का वितरण समय पर सुनिश्चित हो सके।

### छात्रावास आवास:

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम वर्तमान में रावंगला स्थित अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है, जहाँ सीमित छात्रावास सुविधाएँ उपलब्ध हैं। स्थान की सीमाओं के बावजूद, संस्थान स्नातक (बी.टेक), स्नातकोत्तर (एम.टेक, एम.एससी.) एवं पीएच.डी. की छात्राओं के लिए आवास की सुविधा प्रदान करता है। परिसर में छात्राओं के लिए अलग छात्रावास ब्लॉक उपलब्ध हैं।

सभी छात्रावास कक्षाओं में आवश्यक फर्नीचर जैसे खाट, अध्ययन टेबल, कुर्सी और अलमारी की व्यवस्था की गई है। परिसर के भीतर स्थित छात्रावासों में 24x7 वाई-फाई सुविधा उपलब्ध है और गीजर, वॉशिंग मशीन, टेलीविज़न, जिमनेज़ियम तथा इनडोर खेलों की व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएँ भी प्रदान की गई हैं, जिससे विद्यार्थियों को आरामदायक निवास वातावरण प्राप्त होता है।

प्रथम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के आवास की आवश्यकता को पूरा करने हेतु रावंगला नगर में तीन इमारतें किराये के आधार पर ली गई हैं। विद्यार्थियों की सुविधा हेतु इन ऑफ-कैंपस छात्रावासों से परिसर तक दैनिक आवागमन के लिए एक समर्पित बस सेवा भी उपलब्ध कराई गई है।

### लड़कों का परिसर में छात्रावास

- कुल छात्रावासों की संख्या – 2
- कुल निवासियों की संख्या – 328

### लड़कियों का परिसर में छात्रावास

- कुल छात्रावासों की संख्या – 7
- कुल निवासियों की संख्या – 137

### लड़कों का परिसर के बाहर छात्रावास

- कुल छात्रावासों की संख्या – 3
- कुल निवासियों की संख्या – 135

### भोजनालय सुविधाएँ:

एनआईटी सिक्किम विद्यार्थियों की आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तीन अलग-अलग भोजनालयों का संचालन करता है। इनमें से दो भोजनालय परिसर के भीतर स्थित हैं — एक लड़कियों के लिए और दूसरा लड़कों के लिए। इसके अतिरिक्त, तीसरा भोजनालय परिसर के बाहर स्थित छात्रावास भवन में संचालित होता है, जो रावंगला टाउन में किराये के आवासों में रहने वाले विद्यार्थियों को भोजन सुविधा प्रदान करता है। भोजनालयों के समग्र प्रबंधन और निगरानी की जिम्मेदारी छात्र भोजनालय समिति के अधीन होती है, जो मुख्य वार्डन और सहायक वार्डनों के मार्गदर्शन में कार्य करती है। यह समिति भोजनालयों के सुचारू संचालन, भोजन की गुणवत्ता तथा ठेकेदार द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करती है।

### विद्यार्थियों का चिकित्सीय बीमा:

किसी भी समय उत्पन्न होने वाली आकस्मिक चिकित्सीय अथवा सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, संस्थान ने विद्यार्थियों के लिए

चिकित्सा बीमा प्रदाताओं को अधिप्राप्त किया है, जिसमें प्रति विद्यार्थी एक लाख रुपये तक का कवरेज शामिल है।

- शुल्क भुगतानकर्ता अभिभावक/संरक्षक के निधन की स्थिति में अध्ययन व्यय का वहन
- विद्यार्थी की मृत्यु या स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में परिवार के लिए कवरेज
- महामारी, संक्रामक रोग या मानसिक विकार की स्थिति में अस्पताल में भर्ती या घरेलू उपचार हेतु केशलेस अथवा प्रतिपूर्ति सुविधा

इसके अतिरिक्त, परिसर में विद्यार्थियों के लिए एक समर्पित चिकित्सा इकाई स्थापित है, जहाँ नर्सिंग स्टाफ सदैव उपलब्ध रहता है। इस इकाई में विशेषज्ञ चिकित्सक और मेडिकल ऑफिसर प्रत्येक दूसरे दिन परामर्श एवं उपचार हेतु आते हैं। किसी भी आपात स्थिति में विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए चिकित्सा इकाई और एम्बुलेंस सुविधा 24x7 उपलब्ध रहती है।

# अस्थायी परिसर में अवसंरचना विकास

## अस्थायी परिसर में अवसंरचना विकास

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, जो वर्तमान में रावंगल स्थित अपने अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है, ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान प्रगति और विद्यार्थी कल्याण को सुदृढ़ करने के लिए अपनी अवसंरचना के उन्नयन और विस्तार हेतु निरंतर प्रयास किए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान उपयोगिता सेवाओं, छात्रावासों और शैक्षणिक भवनों से संबंधित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ और सुधारात्मक कार्य संपन्न हुए।

### 1. छात्राओं के छात्रावास के मार्ग और विभागीय भवनों की सीढ़ियों पर पेवर ब्लॉक एवं चेकर्ड टाइल्स बिछाने का कार्य

पैदल आवागमन की सुगमता, सुरक्षा और सौंदर्य में सुधार के उद्देश्य से यह कार्य किया गया, जिसके अंतर्गत छात्राओं के छात्रावास तक पहुँच मार्ग पर पेवर ब्लॉक तथा विभागीय भवनों और छात्रावासों की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर चेकर्ड टाइल्स बिछाई गईं। ये सुधार अस्थायी परिसर के अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में टिकाऊ और आकर्षक मार्ग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं। इस कार्य से परिसर के आवागमन क्षेत्रों की कार्यक्षमता और सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर मजबूत और फिसलन-रोधी सतहों की स्थापना से शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए दैनिक आवागमन अधिक सुरक्षित और सहज हुआ है, जो परिसर विकास के लक्ष्यों के अनुरूप है। इस कार्य का छायाचित्र चित्र 1 में दर्शाया गया है।



चित्र 1

### 2. शेड-III में सीढ़ीनुमा कक्षाओं का निर्माण

यह परियोजना शेड-III परिसर में दो मानकीकृत कक्षाओं के निर्माण हेतु प्रारंभ की गई है, जिसका उद्देश्य बढ़ते हुए नामांकन का समर्थन करना और शिक्षण अवसंरचना को सुदृढ़ बनाना है। सीढ़ीनुमा (स्टेप्ड) डिज़ाइन बड़े वर्गों के लिए बेहतर दृश्यता, ध्वनिकी और स्थान के प्रभावी उपयोग की सुविधा प्रदान करता है। शेड-III में दो अतिरिक्त सीढ़ीनुमा कक्षाओं का निर्माण अस्थायी परिसर में शैक्षणिक क्षमता के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक कदम है। यह स्थान के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करता है, शिक्षण-अधिगम अनुभव को समृद्ध बनाता है और नामांकन तथा कार्यक्रम संचालन के संदर्भ में संस्थान के विकास को समर्थन प्रदान करता है। इसका चित्रण चित्र 2 में प्रदर्शित है।



चित्र 2

### 3. शेड-II की शेष कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं में जी.आई. पफ रूफ पैनल का प्रतिस्थापन

इस कार्य का उद्देश्य शेड-II की उन कक्षाओं और प्रयोगशालाओं में क्षतिग्रस्त या जर्जर जी.सी.आई. शीट को जी.आई. पफ रूफ पैनल से बदलना है। इस प्रतिस्थापन के बाद ध्वनि-रोधकता, जलरोधकता और संरचनात्मक मजबूती में सुधार के कारण शिक्षण वातावरण अधिक अनुकूल और मौसम प्रतिरोधी बनेगा। शेड-II की कक्षाओं और प्रयोगशालाओं में जी.आई. पफ रूफ पैनल का प्रतिस्थापन सुरक्षा बनाए रखने, शिक्षण परिस्थितियों में सुधार लाने और प्रयोगशालाओं के संवेदनशील उपकरणों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह कार्य दीर्घकालिक विश्वसनीयता सुनिश्चित

करता है और परिसर की समग्र अवसंरचना सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका चित्र चित्र 3 में दर्शाया गया है।



चित्र 3

#### 4. शेड-III में नव निर्मित मीज़ानाइन फ्लोर पर विनाइल फ्लोरिंग बिछाने का कार्य

इस परियोजना का उद्देश्य शेड-III के नव निर्मित मीज़ानाइन फ्लोर पर टिकाऊ, साफ-सफाई में आसान और आकर्षक विनाइल फ्लोरिंग बिछाना है। यह कार्य मीज़ानाइन फ्लोर की उपयोगिता को बढ़ाएगा, जिससे यह शैक्षणिक, कार्यालयीन या प्रयोगशाला उपयोग के लिए उपयुक्त बन सकेगा। शेड-III के नए मीज़ानाइन फ्लोर पर विनाइल फ्लोरिंग की स्थापना से इस क्षेत्र की कार्यक्षमता और सौंदर्य में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह बहुउद्देशीय शैक्षणिक उपयोग का समर्थन करता है तथा शीघ्र, किफायती और दीर्घकालिक फर्श समाधान प्रदान करता है। इस कार्य का छायाचित्र चित्र 4 में दर्शाया गया है। चित्र 4



चित्र 4

#### 5. शेड-III में नव निर्मित मीज़ानाइन फ्लोर का साज-सज्जा कार्य

इस परियोजना के अंतर्गत शेड-III के नए मीज़ानाइन फ्लोर को पूर्ण रूप से सुसज्जित किया जाएगा ताकि इसका उपयोग कार्यालयों, प्रयोगशालाओं या कक्षाओं के रूप में किया जा सके। इस साज-सज्जा में एल्युमिनियम दीवारें, खिड़की और दरवाजों के लिए भंडारण इकाइयाँ, विद्युत फिटिंग्स और अन्य आवश्यक उपकरणों की खरीद एवं स्थापना शामिल है। शेड-III के मीज़ानाइन फ्लोर की साज-सज्जा इस क्षेत्र को एक पूर्णतः सुसज्जित

और कार्यात्मक इकाई में परिवर्तित कर देगी। यह स्थान शैक्षणिक, कार्यालयीन या प्रयोगशाला उपयोग जैसे विविध उद्देश्यों का समर्थन करेगा और विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए आधुनिक तथा सुविधाजनक अवसंरचना प्रदान करने की संस्थान की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। इस कार्य का छायाचित्र चित्र 5 में दर्शाया गया है।



चित्र 5

#### 6. परिसर स्थित ओवरहेड जल टैंक के आसपास क्षेत्र का संरक्षण कार्य

परिसर में स्थित ओवरहेड जल टैंक के आसपास सुरक्षा, सुगम पहुँच और संरचनात्मक संरक्षण सुनिश्चित करने हेतु यह कार्य किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत जल टैंक के चारों ओर सुरक्षा कार्य किए गए ताकि क्षेत्र में अनधिकृत कटाव और खरपतवार की वृद्धि, जलभराव तथा टैंक के संचालन या आस-पास की संरचनाओं से संबंधित संभावित जोखिमों को रोका जा सके। इस कार्य का उद्देश्य जल आपूर्ति प्रणाली की संरचनात्मक अखंडता बनाए रखना, परिसर निवासियों एवं संचालन कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा दीर्घकालिक रखरखाव लागत को कम करना है। ओवरहेड जल टैंक के आसपास किए गए ये संरक्षणात्मक उपाय संस्थान की सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के अनुरूप एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इस कार्य का चित्र चित्र 6 में दर्शाया गया है।



चित्र 6

#### 7. सेंट्रल वॉशिंग मशीन सुविधा हेतु शेड का निर्माण

छात्रावास निवासियों की सुविधा और स्वच्छता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष शेड में सेंट्रल वॉशिंग मशीन सुविधा का निर्माण किया गया। यह शेड लड़कों और लड़कियों के छात्रावासों के समीप स्थापित किया गया है ताकि विद्यार्थियों को आसानी से पहुँच मिल सके। इसमें विद्युत कनेक्शन, उचित जल निकासी, पानी के इनलेट/आउटलेट संयोजन और वेंटिलेशन की व्यवस्था की गई है। विद्यार्थियों के उपयोग हेतु उच्च क्षमता वाली स्वचालित वॉशिंग मशीनें स्थापित की गई हैं। यह संरचना जी.आई. छत और मौसम प्रतिरोधी पेंट से निर्मित है, ताकि रावंगल की जलवायु परिस्थितियों का सामना किया जा सके। छात्रावास जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए यह सुविधा विद्यार्थियों को स्वयं कपड़े धोने के लिए प्रेरित करती है और बाहरी लॉन्ड्री सेवाओं पर निर्भरता को कम करती है। इस कार्य का चित्र चित्र 7 में दर्शाया गया है।



चित्र 7

#### 8. बहुउद्देशीय हॉल (एमपीएच) के सामने पार्किंग स्थल का निर्माण एवं जल निकासी नालियों की मरम्मत

बहुउद्देशीय हॉल (एमपीएच) के आसपास सुगम पहुँच और सुरक्षा में सुधार के लिए निम्न सिविल अवसंरचना कार्य किए गए। एमपीएच के सामने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और आगंतुकों के वाहनों की पार्किंग हेतु एक समर्पित पार्किंग स्थल का निर्माण किया गया। क्षेत्र को समतल कर सघन बनाया गया तथा टिकाऊपन सुनिश्चित करने के लिए इंटरलॉकिंग टाइल्स

बिछाई गई। भारी वर्षा के दौरान जलभराव और सतही बहाव को रोकने के लिए एमपीएच के सामने की जल निकासी नालियों की मरम्मत एवं पुनः स्रिखण किया गया। सुचारु जल निकासी सुनिश्चित करने के लिए सुदृढ़ कंक्रीट ढक्कन और उचित ढाल व्यवस्था प्रदान की गई। इस कार्य का छायाचित्र चित्र 8 में दर्शाया गया है।



चित्र 8

# केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय संस्थान की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्ष 2012 में इसे ज्ञान और सूचना केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को शैक्षणिक संसाधनों, शोध-सहायता और अध्ययन सामग्री तक सुलभ पहुँच प्रदान करना है। इसका प्रमुख लक्ष्य उपयोगकर्ताओं को उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रभावी सेवाएँ प्रदान करना और आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराना है।



## पुस्तकालय संग्रह

संस्थान का पुस्तकालय अपने आरंभ से ही निरंतर विकसित होता रहा है और यह शैक्षणिक समुदाय के लिए उच्च गुणवत्ता वाली विविध शिक्षण सामग्री प्रदान करता है। यहाँ संसाधन पारंपरिक (मुद्रित) और आधुनिक (डिजिटल) दोनों स्वरूपों में उपलब्ध हैं। संग्रह में पाठ्यपुस्तकें, उपन्यास, विश्वकोश, शब्दकोश, संदर्भ पुस्तकें, जर्नल्स और पत्रिकाएँ शामिल हैं।



सामान्य पाठ्यपुस्तक अनुभाग के अतिरिक्त, केंद्रीय पुस्तकालय में केवल

संदर्भ पुस्तकों के लिए अलग संग्रह कक्ष स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के सहयोग से पुस्तकालय में बीआईएस कॉर्नर नामक एक विशेष क्षेत्र बनाया गया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में, केंद्रीय पुस्तकालय ने संस्थान के विभिन्न विभागों के लिए 286 नई पाठ्यपुस्तकों और संदर्भ सामग्रियों की प्रतियाँ अधिग्रहित की हैं।



संस्थान ने विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु आईईटीई जर्नल्स, एलसेवियर साइंस डायरेक्ट और आईईईईएसपीपी जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशनों की सदस्यता ली है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय डेलनेट के साथ सहयोग कर ई-पुस्तकों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता व्यापक ई-संसाधनों का लाभ उठा सकते हैं। पुस्तकालय एक संस्थागत डिजिटल भंडार स्थापित करने की प्रक्रिया में भी है।

भारत के प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 2022 को लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए अमृत काल के दौरान अनुसंधान और विकास के महत्व पर बल दिया और "जय अनुसंधान" का आह्वान किया।



## ओएनओएस

15 अगस्त, 2022 को लाल किले की प्राचीर से देश के नाम अपने भाषण में, भारत के प्रधानमंत्री ने अमृत काल में रिसर्च और डेवलपमेंट के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस मौके पर "जय अनुसंधान" का नारा दिया।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी, 2020 (NEP 2020) ने हमारे देश में बेहतरीन शिक्षा और विकास पाने के लिए रिसर्च को एक ज़रूरी हिस्सा माना है। भारत को आत्मनिर्भर बनाने और विकसितभारत@2047 के विज़न के साथ, भारत सरकार ने वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन स्कीम को मंजूरी दी है। इस पहल का मकसद केंद्र और राज्य सरकारों के तहत आने वाले सभी हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन, साथ ही केंद्र सरकार के तहत आने वाले रिसर्च और डेवलपमेंट इंस्टीट्यूशन से जुड़े स्टूडेंट्स, फैकल्टी और

Publishers	
AAAS- Science	1
ACM Digital Library	1
American Chemical Society Journals	1
American Institute of Aeronautics and Astronautics (AIAA) Journals	1
American Institute of Physics Journals	1
American Mathematical Society Journals	1
American Physical Society - ALL	1
American Society for Microbiology Journals	1
Annual Reviews Journals	1
ASCE Journals Online	1
ASME Journals Online	1
Bentham Science Journals	1
BMI Journals	1
Cambridge University Press Journals	1
Cold Spring Harbor Laboratory Press Journals	1
Elsevier ScienceDirect Journals	1

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने अनुसंधान को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और राष्ट्रीय विकास का आवश्यक अंग माना है।

भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत @2047 की दृष्टि को साकार करने की दिशा में वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना को स्वीकृति दी है। इस योजना का उद्देश्य देशभर के सभी केंद्रीय एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित उच्च शिक्षण संस्थानों तथा अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले अंतरराष्ट्रीय शोध लेखों और जर्नल प्रकाशनों तक निःशुल्क पहुँच प्रदान करना है।

रिसर्चर्स को हाई-इम्पैक्ट इंटरनेशनल स्कॉलरली रिसर्च आर्टिकल और जर्नल पब्लिकेशन तक देश भर में पहुँच देना है।

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) को कई बड़े जर्नल पब्लिशर्स से ई-जर्नल/डेटाबेस सब्सक्रिप्शन के लिए नेशनल लाइसेंस हासिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ONOS में कुल 30 बड़े इंटरनेशनल जर्नल पब्लिशर्स को शामिल किया गया है। इसमें शामिल होने वाले इंस्टीट्यूशन के रिसर्चर्स, फैकल्टी और स्टूडेंट्स को इन पब्लिशर्स के पब्लिश किए गए सभी जर्नल्स का एक्सेस मिलेगा। ONOS 1 जनवरी, 2025 से शुरू होने वाला है। ONOS के पहले फेज़ को कैलेंडर ईयर 2025, 2026 और 2027 के लिए मंजूरी दी गई है। एक मेंबर इंस्टीट्यूशन के तौर पर, NIT सिक्किम को भी ONOS प्लेटफॉर्म के ज़रिए इन जर्नल्स का एक्सेस है।

Emerald Publishing Journals	1
ICJ Publishing Journals	1
IEEE Journals	1
IndianJournals.com	1
Institute of Physics Journals	1
Lippincott Williams & Wilkins (Wolters Kluwer) Journals	1
Oxford University Press Journals	1
Project Muse	1
Sage Publishing Journals	1
SPE Digital Library	1
Springer Nature Journals	1
Taylor and Francis Journals	1
Thieme Journals	1
Wiley Journals	1
Indian Open Access Society Journals*	1
CSIR-NISPR	1



## पुस्तकालय सेवाएँ

केंद्रीय पुस्तकालय को कोहा लाइब्रेरी ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर द्वारा स्वचालित किया गया है, जो एक मुक्त स्रोत एकीकृत पुस्तकालय प्रणाली है। उपयोगकर्ता ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से पुस्तकों और अन्य संसाधनों की उपलब्धता आसानी से खोज सकते हैं। विद्यार्थी अपने मोबाइल या कंप्यूटर से भी ओपीएसी के माध्यम से अपने पुस्तकालय खाते की स्थिति देख सकते हैं। पुस्तकों का निर्गमन बारकोड स्कैनिंग प्रणाली के माध्यम से किया जाता है, जिससे यह प्रक्रिया तेज़ और प्रभावी बनती है। पुस्तकें डीडीसी के अनुसार व्यवस्थित हैं, जिससे आवश्यक पुस्तक को खोजने में सुविधा होती है।

स्थान की सीमाओं के बावजूद विद्यार्थियों के लिए बहुउद्देशीय भवन में विशेष रूप से अध्ययन कक्ष की व्यवस्था की गई है। सुविधा के लिए उचित हीटिंग की व्यवस्था भी उपलब्ध है।



## पुस्तक प्रदर्शनी

केंद्रीय पुस्तकालय ने मार्च 2025 में एम/एस बुक्स एंड ईक्युपमेंट डिस्ट्रीब्यूटर्स, हावड़ा (एक अनुमोदित विक्रेता) के सहयोग से दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य एनआईटी सिक्किम के संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों को विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक और ज्ञानवर्धक पुस्तकों से परिचित कराना था। इस आयोजन में विविध विषयों की पुस्तकें और शिक्षण सामग्री प्रदर्शित की गई, जो शैक्षणिक तथा व्यक्तिगत विकास दोनों के लिए उपयोगी थीं। यह आयोजन प्रतिभागियों के लिए नए शीर्षक खोजने, प्रकाशकों से संवाद स्थापित करने और ज्ञान का विस्तार करने का एक उत्कृष्ट अवसर सिद्ध हुआ।



“पुस्तकालय किसी संस्थान का हृदय होता है।” — डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, भारत के पूर्व राष्ट्रपति

पुस्तकालय में फोटोकॉपी, प्रिंटिंग और स्कैनिंग की उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस उद्देश्य के लिए दो बड़े आकार के केनन प्रिंटर-कम-स्कैनर कंप्यूटर के साथ स्थापित किए गए हैं।

केंद्रीय पुस्तकालय वर्षभर सीमित शीर्षकों पर बुक बैंक सेवा प्रदान करता है। साथ ही यहाँ गेट, कैट और आईआईटी-जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों का भी संग्रह है। पुस्तकालय में संदर्भ कक्ष भी अलग से स्थापित है। यहाँ सीएस, एसडीआई और संदर्भ सेवाएँ भी उपलब्ध हैं। विद्यार्थी पत्रिकाओं और ई-अखबारों तक भी पुस्तकालय से पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही विद्यार्थियों को अपने रुचि क्षेत्र से संबंधित ई-संसाधनों तक पहुँच के लिए राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (एनडीएल) का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

# अनुसंधान एवं परामर्श

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने खमडोंग में अपने स्थायी परिसर के निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी है। अस्थायी परिसर के दूरस्थ स्थान पर संचालन जैसी कई चुनौतियों को पार करते हुए, संस्थान ने पिछले कुछ वर्षों में एक मजबूत अनुसंधान अवसंरचना विकसित की है और देश के विभिन्न हिस्सों से शोधार्थियों को आकर्षित किया है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में कुल इक्कीस (21) नए शोधार्थियों ने प्रवेश लिया। वर्तमान में कुल सौ (100) शोधार्थी, जिनमें पच्चीस (25) महिलाएँ शामिल हैं, संस्थान के विभिन्न विभागों में पीएच.डी. कार्यक्रम में अध्ययनरत हैं। वर्ष 2024-25 में पाँच (05) शोधार्थियों ने सफलतापूर्वक पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। आने वाले वर्षों में पीएच.डी. डिग्री प्राप्त करने वाले शोधार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। संस्थान कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर उपकरण, विद्युत वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, क्रांति संगणन, सतत रसायन विज्ञान आदि जैसे उभरते हुए शोध क्षेत्रों में अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अनेक प्रयोगशालाओं हेतु आवश्यक उपकरण खरीदे गए हैं। नए कक्षा-सह-अनुसंधान प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं, जिनमें सर्वर-ग्रेड मशीनें, जीपीयू और उच्च क्षमता वाले कंप्यूटर टर्मिनल लगाए गए हैं, ताकि अत्याधुनिक शोध कार्य को बढ़ावा मिल सके।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के संकाय सदस्यों को ज्ञान-सृजन तथा समाज के हित में नवाचार से संबंधित परियोजनाएँ प्रारंभ करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। संस्थान मानव संसाधन विकास तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भाग लेता है। संकाय सदस्य नियमित रूप से एसईआरबी, डीबीटी, डीएसटी, इसरो आदि वित्तपोषण एजेंसियों द्वारा आमंत्रित अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं। वर्तमान में कई संकाय सदस्य बाहरी अनुदान एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन कर रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद, संस्थान के अध्यापक एवं शोधार्थी उच्च गुणवत्ता वाला अनुसंधान कार्य कर रहे हैं, जिसका प्रमाण उनके उत्कृष्ट प्रयासों तथा प्रतिष्ठित शोध-पत्रिकाओं और सम्मेलनों में प्रकाशित शोध लेखों से मिलता है। वर्ष 2024-25 के दौरान संस्थान के शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने 106 शोध-पत्र प्रतिष्ठित जर्नलों में, 68 शोध-पत्र सम्मेलन विवरणिकाओं में, 12 पुस्तक अध्याय तथा 1 पेटेंट प्रकाशित किया। कई अध्यापकों और शोधार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। संस्थान के विभिन्न विभागों ने वर्ष 2024-25 में कई कार्यशालाएँ और सम्मेलन आयोजित किए। उच्च स्तरीय अनुसंधान को और बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान सुविधाओं के विस्तार एवं उन्नयन की आवश्यकता है। यह अपेक्षित है कि पर्याप्त संसाधनों की उपलब्धता के

साथ, संस्थान की अनुसंधान क्षमता और प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और यह वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को और सुदृढ़ करेगा।

संस्थान के शिक्षकों को परामर्श (कंसल्टेंसी) परियोजनाएँ लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। ये परियोजनाएँ न केवल संस्थान के लिए आय का स्रोत हैं, बल्कि शिक्षकों को अपने विषय के ज्ञान और विशेषज्ञता को और अधिक गहन बनाने में भी सहायता प्रदान करती हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने प्रमुख संस्थानों और संगठनों के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के माध्यम से अपने शैक्षणिक, अनुसंधान एवं औद्योगिक साझेदारी नेटवर्क को निरंतर सुदृढ़ किया है। ये सहयोग शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, अंतर्विषयी अनुसंधान को प्रोत्साहित करने, उद्योग से सहभागिता को सशक्त बनाने और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कई नए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए और अनेक पुराने समझौते सक्रिय रहे, जिससे संस्थान को शिक्षण, अनुसंधान, इंटरशिप तथा छात्र एवं संकाय विनिमय जैसे विविध सहयोगात्मक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने तीन प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। संस्थान ने 4 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आईआईपीए) के साथ पाँच वर्षों की अवधि के लिए, 23 नवंबर 2024 को पश्चिम बंगाल के सुशील कर कॉलेज के साथ तीन वर्षों के लिए, और 24 नवंबर 2024 को पश्चिम बंगाल स्थित ब्रेनवेपर यूनिवर्सिटी के साथ तीन वर्षों के लिए समझौता किया। इन सहयोगों से आगामी वर्षों में शैक्षणिक संबंधों और अनुसंधान परिणामों को मज़बूती मिलने की उम्मीद है।

वर्ष के दौरान हुई सहयोगात्मक गतिविधियों की मुख्य झलकियाँ संस्थान की बाहरी सहभागिता की व्यापकता और गहराई को दर्शाती हैं। एक उल्लेखनीय विषयगत साझेदारी आईआईपीए के साथ स्थापित की गई, जो जलवायु परिवर्तन पर अनुसंधान केंद्रित है। यह पहल नीतिगत रूप से प्रासंगिक और वैज्ञानिक रूप से सशक्त कार्यों को सम्मिलित करती है, जो वैश्विक चुनौतियों के समाधान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है। इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के साथ सहयोग के अंतर्गत बीआईएस विशेषज्ञों द्वारा मानकीकरण पर व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई, मुख्य विभागों में छह छात्र अध्यायों की स्थापना हुई, और प्रथम वर्ष बी. टेक. पाठ्यक्रम के “स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण” विषय में भारतीय मानकों और मानकीकरण को शामिल करने पर विचार-विमर्श किया गया।

इसके अतिरिक्त, आईआईटी रुड़की के iHUB दिव्यसंपर्क के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के सहयोग से संकाय सदस्यों को वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएँ प्राप्त हुई, जिससे उच्च स्तरीय तकनीकी विकास को प्रोत्साहन मिला और क्षमता निर्माण में योगदान हुआ। कोलकाता स्थित टीसीजी लाइफसाइंसेज़ प्रा. लि. के साथ साझेदारी के तहत, रसायन विभाग के संकाय सदस्य पीएचडी शोधार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं, जिससे उद्योग और अकादमिक जगत के बीच संबंधों को सुदृढ़ता मिल रही है तथा अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा मिल रहा है। एक अन्य प्रभावशाली सहयोग रक्षा भू-सूचना अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ हुआ, जिसके परिणामस्वरूप संस्थान परिसर में डॉप्लर वेदर रडार की स्थापना की गई। यह सुविधा मौसम पूर्वानुमान और संबंधित अनुसंधान गतिविधियों दोनों को सहयोग प्रदान कर रही है।

विद्यार्थी गतिशीलता और शैक्षणिक प्रगति संस्थान के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में से एक बनी रही। आईआईटी हैदराबाद और आईआईटी दिल्ली के साथ मौजूदा समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के माध्यम से, एनआईटी सिक्किम के अंतिम वर्ष के बी.टेक छात्रों को इन प्रतिष्ठित संस्थानों में अपने अंतिम दो सेमेस्टर पूरे करने का अवसर प्रदान किया गया है। पिछले दो वर्षों में तीन छात्रों ने आईआईटी हैदराबाद में इस अवसर का लाभ उठाया है और तत्पश्चात वहाँ के पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश लिया है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में तीन और छात्र, विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग

के श्री हंसराज सिंह रावत और श्री धर्मेन्द्र प्रकाश प्रजापति, तथा यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के श्री आयुष माईती सफलतापूर्वक आईआईटी हैदराबाद कार्यक्रम से जुड़ गए हैं। इसके अतिरिक्त, एक संयुक्त पीएचडी पर्यवेक्षण पहल भी प्रगति पर है, जिसमें एनआईटी सिक्किम के भौतिकी विभाग के डॉ. अनिंद विश्वास और आईआईटी हैदराबाद के डॉ. आलोक कुमार पान संयुक्त रूप से सुश्री ऋत्विजा रॉय का डॉक्टरल शोध मार्गदर्शन कर रहे हैं। आगे की दिशा में, आईआईटी गुवाहाटी ने एक नया कार्यक्रम प्रस्तावित किया है जिसके अंतर्गत चयनित एनआईटी सिक्किम छात्र इंटरशिप कर सकेंगे और अपने सातवें एवं आठवें सेमेस्टर आईआईटीजी में पूर्ण कर सकेंगे। इस पहल में पात्रता मानदंडों को पूरा करने पर आईआईटीजी के पीएचडी कार्यक्रम में प्रत्यक्ष प्रवेश का प्रावधान भी शामिल है। आईआईटी गुवाहाटी ने एनआईटी सिक्किम तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य नवस्थापित सीएफटीआई के साथ अनुसंधान सहयोग को और गहरा करने में भी रुचि व्यक्त की है।

वर्ष 2024-25 ने रणनीतिक और प्रभावशाली गठबंधनों के निर्माण में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है, जो संस्थान की शैक्षणिक नवाचार, औद्योगिक प्रासंगिकता और सामाजिक विकास की दृष्टि के अनुरूप हैं। ये उपलब्धियाँ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम की बढ़ती राष्ट्रीय उपस्थिति और बाहरी सहयोग को सशक्त करने की इसकी सक्रिय पहल को दर्शाती हैं।



## चिकित्सा इकाई

चिकित्सा सुविधाएँ: संस्थान के परिसर में स्थित चिकित्सा इकाई प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करती है। यह इकाई आवासीय क्षेत्र और शैक्षणिक क्षेत्र के मध्य स्थित है। चिकित्सा इकाई प्रतिदिन 12 घंटे नियमित रूप से कार्य करती है तथा आपातकालीन स्थिति में चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है। आगंतुक चिकित्सक सप्ताह में चार बार परिसर में आते हैं और प्रत्येक बार तीन घंटे तक परामर्श प्रदान करते हैं।

चिकित्सकों की सूची:

### क्र. सं. चिकित्सकों का नाम एवं पदनाम

- |   |                                                        |
|---|--------------------------------------------------------|
| 1 | डॉ. डी. देवकोटा, एम.एस. – प्रधान मुख्य सलाहकार (ऑर्थो) |
| 2 | डॉ. प्रतीक रसैली, एम.ओ.टी.सी., डी.टी.सी                |

चिकित्सा इकाई में तीन नर्स कार्यरत हैं जो सामान्य चिकित्सकीय सेवाएँ प्रदान करती हैं, जिनमें प्राथमिक उपचार, घाव की ड्रेसिंग, टांका लगाना, चिकित्सक द्वारा निर्धारित दवाओं का वितरण, नेब्युलाइजेशन, बाह्य रोगी आधार पर अंतःशिरा (IV) तरल देना, नाड़ी दर, रक्तचाप, SpO<sub>2</sub> स्तर, रक्त शर्करा स्तर, वजन माप और ऑक्सीजन थेरेपी जैसी सुविधाएँ शामिल हैं।

संस्थान के विद्यार्थी, कर्मचारी और अन्य लाभार्थी — कुल लगभग 1,024 सदस्य — चिकित्सा इकाई में निःशुल्क चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ उठाने के पात्र हैं। इन सेवाओं में चिकित्सकीय परामर्श, दवाएँ, प्राथमिक उपचार, घाव की ड्रेसिंग, नेब्युलाइजेशन और अंतःशिरा तरल प्रदान करना शामिल है।

इसके अतिरिक्त, संस्थान एक एम्बुलेंस भी संचालित करता है जो प्राथमिक उपचार किट और ऑक्सीजन सिलेंडर से सुसज्जित है, और चिकित्सा आपात स्थिति में विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के उपयोग के लिए उपलब्ध रहती है।



चित्र: एनआईटी सिक्किम में एम्बुलेंस सुविधा

विद्यार्थियों के लिए भर्ती (आईपीडी) उपचार हेतु चिकित्सा बीमा की सुविधा उपलब्ध है। हाल ही में चिकित्सा इकाई में सामान्य दवाओं की विस्तृत श्रृंखला जोड़ी गई है, साथ ही इसे छोटे चिकित्सकीय उपचारों के लिए आवश्यक अधिकांश उपकरणों से सुसज्जित किया गया है।



चित्र: चिकित्सा इकाई में औषधि भंडार

21 सितंबर 2024 को चिकित्सा इकाई ने 'सफाई मित्र सुरक्षा शिविर' पहल के अंतर्गत संस्थान के सभी सफाई कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच



शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में उच्च रक्तचाप, रक्त शर्करा स्तर और अन्य सामान्य बीमारियों की प्राथमिक स्वास्थ्य जांच की गई।



चूंकि संस्थान एक दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्र में स्थित है, इसलिए सभी लाभार्थियों को सुचारू और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए चिकित्सा सुविधाओं के उन्नयन एवं सुदृढीकरण की आवश्यकता है।



चित्र: चिकित्सा इकाई में सामान्य चिकित्सकीय उपचार की प्रक्रिया  
डॉ. ओम प्रकाश (एफआई-एचसीएस)



# सूचना का अधिकार (आरटीआई) प्रकोष्ठ

## परिचय:



**डॉ. रंजन बसाक**  
नोडल अधिकारी (एनओ)  
एसोसिएट प्रोफेसर,  
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग  
ई-मेल: basakranjan@nitsikkim.ac.in



**डॉ. धनंजय त्रिपाठी**  
केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)  
एसोसिएट प्रोफेसर,  
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग  
ई-मेल: dhananjaystripathi9@nitsikkim.ac.in



**डॉ. अचिन्तेश नारायण बिस्वास**  
प्रथम अपीलीय प्राधिकरण (एफएए) – सूचना  
का अधिकार (आरटीआई)  
एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग  
ई-मेल: dadmin@nitsikkim.ac.in

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधान के अनुसार, संस्थान को विभिन्न माध्यमों से अधिकतम जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करानी होती है ताकि आम जनता को सूचना प्राप्त करने के लिए इस अधिनियम का न्यूनतम उपयोग करना पड़े। इस प्रकार, सक्रिय रूप से प्रकटीकृत जानकारी आम जनता के लिए सहज रूप से सुलभ होनी चाहिए।

विशेष रूप से, अधिनियम की धारा 4(1)(ख) के अंतर्गत प्रत्येक सार्वजनिक प्राधिकरण को निम्नलिखित सोलह श्रेणियों की जानकारी प्रकाशित करनी आवश्यक है और अपने स्वप्रेरित प्रकटीकरण पैकेज का प्रतिवर्ष किसी तृतीय पक्ष द्वारा लेखा-परीक्षण (ऑडिट) करवाना अनिवार्य है:

- संस्थान की संरचना, कार्य और कर्तव्यों का विवरण।
- इसके अधिकारियों और कर्मचारियों के अधिकार एवं कर्तव्य।
- निर्णय लेने की प्रक्रिया में अपनाई जाने वाली विधि, जिसमें पर्यवेक्षण और जवाबदेही की शृंखला शामिल है।
- संस्थान द्वारा अपने कार्य निष्पादन के लिए निर्धारित मानदंड।
- संस्थान द्वारा निर्धारित या उसके नियंत्रण में रखे गए नियम, विनियम, दिशा-निर्देश, पुस्तिकाएं और अभिलेख, जिन्हें कर्मचारी अपने कार्य निष्पादन में उपयोग करते हैं।

- संस्थान के पास उपलब्ध या उसके नियंत्रण में रखे गए दस्तावेजों की श्रेणियों का विवरण।
- ऐसी किसी व्यवस्था का विवरण जिसके अंतर्गत नीतियों के निर्माण या कार्यान्वयन में जनता के सदस्यों से परामर्श या उनका प्रतिनिधित्व किया जाता है।
- बोर्ड, परिषद, समितियों या अन्य निकायों का विवरण, जो दो या अधिक व्यक्तियों से मिलकर बने हैं और जिनका गठन संस्थान के अंग या सलाह देने के उद्देश्य से किया गया है; साथ ही यह भी कि क्या इनकी बैठकें सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं या इनकी कार्यवृत्त जनता के लिए सुलभ हैं।
- संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों की निर्देशिका।
- प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को प्राप्त मासिक पारिश्रमिक का विवरण, जिसमें मुआवजे की प्रणाली भी सम्मिलित है।
- प्रत्येक इकाई को आवंटित बजट का विवरण, जिसमें सभी योजनाओं, प्रस्तावित व्ययों और व्ययित धनराशि की रिपोर्ट शामिल है।
- अनुदान योजनाओं के कार्यान्वयन का तरीका, आवंटित राशि और लाभार्थियों का विवरण।

- (xiii) संस्थान द्वारा दिए गए रियायतों, परमिट या प्राधिकरणों के प्राप्तकर्ताओं का विवरण।
  - (xiv) संस्थान के पास उपलब्ध या उसके नियंत्रण में रखी गई जानकारी, जो इलेक्ट्रॉनिक रूप में संधारित है, उसका विवरण।
  - (xv) जनसाधारण के लिए सूचना प्राप्त करने की सुविधाओं का विवरण, जिसमें पुस्तकालय या वाचनालय (यदि सार्वजनिक उपयोग हेतु संचालित हो) के कार्य घंटे शामिल हैं।
  - (xvi) जन सूचना अधिकारियों के नाम, पदनाम और अन्य विवरण।
- उपरोक्त श्रेणियों के अतिरिक्त, सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सार्वजनिक प्राधिकरणों को निम्नलिखित प्रकार की जानकारी भी प्रकाशित करनी चाहिए —

i. खरीद से संबंधित जानकारी।

- ii. सार्वजनिक-निजी भागीदारी।
  - iii. स्थानांतरण नीति एवं आदेश।
  - iv. आरटीआई आवेदन।
  - v. कैग और पीएसी की टिप्पणियां।
  - vi. नागरिक चार्टर।
  - vii. विवेकाधीन एवं अविवेकाधीन अनुदान।
  - viii. प्रधानमंत्री, मंत्रियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के विदेश दौरे।
- उपरोक्त प्रावधानों के अनुरूप, संस्थान द्वारा सभी प्रासंगिक जानकारी को सक्रिय रूप से सार्वजनिक किया जा रहा है तथा इसका प्रतिवर्ष तृतीय पक्ष द्वारा लेखा-परीक्षण करवाया जाता है।

### स्व-मूल्यांकन प्रतिवेदन सत्र 2024-25 के लिए

लेखा परीक्षक एवं संस्था: देबदीपत बसु, इंडियन रबर मैटेरियल्स रिसर्च इंस्टिट्यूट, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था

मंत्रालय का नाम: शिक्षा मंत्रालय

विभाग का नाम: उच्च शिक्षा विभाग

सार्वजनिक प्राधिकरण का नाम: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम

क्रम सं.	प्रकटीकरण का विवरण	श्रेणी	अंक	प्राप्तांक	टिप्पणी	लेखा परीक्षक श्रेणी	लेखा परीक्षक अंक	लेखा परीक्षक टिप्पणी/यूआरएल
<b>1</b>	<b>संगठन और कार्य</b>							
<b>1.1</b>	<b>संगठन, कार्य और दायित्वों का विवरण [धारा 4(1)(ख)(i)]</b>							
1.1.1	संस्थान का नाम और पता	पूर्णतः प्राप्त	1.28	1.28	https://nitsikkim.ac.in/footer/contact.php	पूर्णतः प्राप्त	1.28	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.1.2	संस्थान के प्रमुख का नाम	पूर्णतः प्राप्त	1.28	1.28	https://nitsikkim.ac.in/institute/administrati on/director.ph p	पूर्णतः प्राप्त	1.28	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.1.3	दूरदर्शिता, मिशन और प्रमुख उद्देश्य	पूर्णतः प्राप्त	1.28	1.28	https://nitsikkim.ac.in/institute/about/vision andmission. ph p	पूर्णतः प्राप्त	1.28	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.1.4	कार्य एवं दायित्व	पूर्णतः प्राप्त	1.28	1.28	https://nitsikkim.ac.in/institute/administrati on/organizatio nStructure.php	पूर्णतः प्राप्त	1.28	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.1.5	संगठनात्मक चार्ट	पूर्णतः प्राप्त	1.28	1.28	https://nitsikkim.ac.in/institute/administrati on/organizatio nStructure.php	पूर्णतः प्राप्त	1.28	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"

क्रम सं.	प्रकटीकरण का विवरण	श्रेणी	अंक	प्राप्तांक	टिप्पणी	लेखा परीक्षक श्रेणी	लेखा परीक्षक अंक	लेखा परीक्षक टिप्पणी/यूआरएल
1.1.6	अन्य विवरण – विभाग की उत्पत्ति, स्थापना, गठन, समय-समय पर विभागाध्यक्षों की नियुक्ति, तथा गठित की गई समितियों/आयोगों से संबंधित सभी विवरण	पूर्णतः प्राप्त	1.28	1.28	https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20 Transperency %20Audit%20 24-25_English	पूर्णतः प्राप्त	1.28	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>1.2</b>	<b>अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शक्तियाँ और दायित्व [धारा 4(1)(ख)(ii)]</b>							
1.2.1	अधिकारियों की शक्तियाँ एवं दायित्व (प्रशासनिक, वित्तीय और न्यायिक)	पूर्णतः प्राप्त	1.92	1.92	https://nitsikkim.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20 Transperency%20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.p df	पूर्णतः प्राप्त	1.92	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.2.2	अन्य कर्मचारियों की शक्तियाँ एवं दायित्व	पूर्णतः प्राप्त	1.92	1.92	https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20 Transperency %20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.pdf	प्राप्त नहीं हुआ	0	श्रेणी प्राप्त नहीं हुआ
1.2.3	वे नियम/आदेश जिनके अंतर्गत शक्तियाँ और दायित्व प्राप्त एवं प्रयोग किए जाते हैं	पूर्णतः प्राप्त	1.92	1.92	https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20 Transperency%20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.pdf	पूर्णतः प्राप्त	1.92	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.2.4	कार्य आवंटन	पूर्णतः प्राप्त	1.92	1.92	https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20 Transperency%20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.pdf	आंशिक रूप प्राप्त	0.96	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.3.1	निर्णय लेने की प्रक्रिया – प्रमुख निर्णय बिंदुओं की पहचान	पूर्णतः प्राप्त	1.54	1.54	https://nitsikki m.ac.in/ documents/rti/Form at%20 for%20 Transperency %20 Audit%20 24-25_English %20 15.5.25.pdf	पूर्णतः प्राप्त	1.54	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.3.2	अंतिम निर्णय लेने वाला प्राधिकारी	पूर्णतः प्राप्त	1.54	1.54	https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20 Transperency%20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.pdf	पूर्णतः प्राप्त	1.54	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.3.3	संबंधित प्रावधान, अधिनियम, नियम आदि	पूर्णतः प्राप्त	1.54	1.54	https://nitsikki m.ac.in/institut e/about/inform ation.php	पूर्णतः प्राप्त	1.54	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.3.4	निर्णय लेने की समय-सीमा (यदि कोई हो)	पूर्णतः प्राप्त	1.54	1.54	https://nitsikki m.ac.in/footer/ rti.php	पूर्णतः प्राप्त	1.54	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.3.5	पर्यवेक्षण एवं उत्तरदायित्व की शृंखला	पूर्णतः प्राप्त	1.54	1.54	https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20 Transperency %20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.pdf	पूर्णतः प्राप्त	1.54	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>1.4</b>	<b>कार्यों के निर्वहन के लिए मानक [धारा 4(1)(ख)(iv)]</b>							
1.4.1	प्रदत्त कार्यों/सेवाओं का स्वरूप	पूर्णतः प्राप्त	1.54	1.54	https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20 Transperency %20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.pdf	पूर्णतः प्राप्त	1.54	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.4.2	कार्यों/सेवा प्रदाय के लिए मानक	पूर्णतः प्राप्त	1.54	1.54	https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20 Transperency %20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.pdf	पूर्णतः प्राप्त	1.54	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"

क्रम सं.	प्रकटीकरण का विवरण	श्रेणी	अंक	प्राप्तांक	टिप्पणी	लेखा परीक्षक श्रेणी	लेखा परीक्षक अंक	लेखा परीक्षक टिप्पणी/यूआरएल
1.4.3	इन सेवाओं तक पहुँचने की प्रक्रिया	पूर्णतः प्राप्त	1.54	1.54	<a href="https://nitsikkim.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikkim.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	1.54	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.4.4	लक्ष्य प्राप्ति की समय-सीमा	पूर्णतः प्राप्त	1.54	1.54	<a href="https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency%20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency%20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	प्राप्त नहीं हुआ	0	श्रेणी प्राप्त नहीं हुआ
1.4.5	शिकायत निवारण की प्रक्रिया	पूर्णतः प्राप्त	1.54	1.54	<a href="https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency%20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency%20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	1.54	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>1.5</b>	<b>कार्यों के निर्वहन हेतु अधिनियम, नियम, विनियम, निर्देश, पुस्तिकाएँ एवं अभिलेख [धारा 4(1)(ख)(v)]</b>							
1.5.1	अभिलेख/पुस्तिका/निर्देश का शीर्षक और स्वरूप	पूर्णतः प्राप्त	2.6	2.60	<a href="https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	2.60	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.5.2	अधिनियमों, नियमों, विनियमों, निर्देशों, पुस्तिकाओं एवं अभिलेखों की सूची	पूर्णतः प्राप्त	2.6	2.60	<a href="https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	2.60	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.5.3	अधिनियम/नियम/पुस्तिकाएँ आदि	पूर्णतः प्राप्त	2.6	2.60	<a href="https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	2.60	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>1.6</b>	<b>प्राधिकरण के नियंत्रणाधीन धारित अभिलेखों की श्रेणियाँ [धारा 4(1)(ख)(vi)]</b>							
1.6.1	अभिलेखों की श्रेणियाँ	पूर्णतः प्राप्त	3.85	3.85	<a href="https://nitsikkim. ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency%20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikkim. ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency%20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	आंशिक रूप प्राप्त	1.93	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "आंशिक रूप से प्राप्त"
1.6.2	अभिलेखों/श्रेणियों के अभिरक्षक	पूर्णतः प्राप्त	3.85	3.85	<a href="https://nitsikkim.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.p df">https://nitsikkim.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.p df</a>	पूर्णतः प्राप्त	3.85	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>1.7</b>	<b>लोक प्राधिकरण के अंग के रूप में गठित बोर्ड, परिषदें, समितियाँ एवं अन्य निकाय [धारा 4(1)(ख)(viii)]</b>							
1.7.1	बोर्ड, परिषद, समिति आदि का नाम	पूर्णतः प्राप्त	0.96	0.96	<a href="https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/boardOfGo vernors.php">https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/boardOfGo vernors.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	0.96	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। श्रेणी "पूर्णतः प्राप्त"
1.7.2	संरचना	पूर्णतः प्राप्त	0.96	0.96	<a href="https://nitsikki m.ac.in/institut e/about/inform ation.php">https://nitsikki m.ac.in/institut e/about/inform ation.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	0.96	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। श्रेणी "पूर्णतः प्राप्त"
1.7.3	गठन की तिथि	पूर्णतः प्राप्त	0.96	0.96	<a href="https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	0.96	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। श्रेणी "पूर्णतः प्राप्त"
1.7.4	कार्यकाल/अवधि	पूर्णतः प्राप्त	0.96	0.96	<a href="https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	0.96	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.7.5	शक्तियाँ एवं कार्य	पूर्णतः प्राप्त	0.96	0.96	<a href="https://nitsikki m.ac.in/institut e/about/inform ation.php">https://nitsikki m.ac.in/institut e/about/inform ation.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	0.96	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"

क्रम सं.	प्रकटीकरण का विवरण	श्रेणी	अंक	प्राप्तांक	टिप्पणी	लेखा परीक्षक श्रेणी	लेखा परीक्षक अंक	लेखा परीक्षक टिप्पणी/यूआरएल
1.7.6	क्या उनकी बैठकें जनसाधारण के लिए उपलब्ध हैं?	पूर्णतः प्राप्त	0.96	0.96	<a href="https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/mom.php">https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/mom.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	0.96	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.7.7	क्या बैठकों की कार्यवृत्त जनसाधारण के लिए उपलब्ध हैं?	पूर्णतः प्राप्त	0.96	0.96	<a href="https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/mom.php">https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/mom.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	0.96	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.7.8	यदि कार्यवृत्त जनसाधारण के लिए उपलब्ध है, तो वह कहीं उपलब्ध है?	पूर्णतः प्राप्त	0.96	0.96	<a href="https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/mom.php">https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/mom.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	0.96	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>1.8</b>	<b>अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निर्देशिका [धारा 4(1)(ख)(ix)]</b>							
1.8.1	नाम और पदनाम	पूर्णतः प्राप्त	3.85	3.85	<a href="https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/people.php">https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/people.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	3.85	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.8.2	दूरभाष, फैक्स एवं ईमेल आईडी	पूर्णतः प्राप्त	3.85	3.85	<a href="https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/people.php">https://nitsikki m.ac.in/institut e/administrati on/people.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	3.85	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>1.9</b>	<b>अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्राप्त मासिक वेतन सहित प्रतिपूर्ति प्रणाली [धारा 4(1)(ख)(x)]</b>							
1.9.1	कर्मचारियों की सूची उनके सकल मासिक वेतन सहित	पूर्णतः प्राप्त	3.85	3.85	<a href="https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	आंशिक रूप प्राप्त	1.93	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "आंशिक रूप से प्राप्त"
1.9.2	संस्थान के विनियमों में निर्दिष्ट प्रतिपूर्ति प्रणाली	पूर्णतः प्राप्त	3.85	3.85	<a href="https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	3.85	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>1.10</b>	<b>लोक सूचना अधिकारियों के नाम, पदनाम एवं अन्य विवरण [धारा 4(1)(ख)(xvi)]</b>							
1.10.1	लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ), सहायक लोक सूचना अधिकारी (एपीआईओ) एवं अपीलीय प्राधिकारी के नाम और पदनाम	पूर्णतः प्राप्त	3.85	3.85	<a href="https://nitsikki m.ac.in/footer/ rti.php">https://nitsikki m.ac.in/footer/ rti.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	3.85	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.10.2	प्रत्येक नामित अधिकारी का पता, दूरभाष संख्या एवं ईमेल आईडी	पूर्णतः प्राप्त	3.85	3.85	<a href="https://nitsikki">https://nitsikki</a>	पूर्णतः प्राप्त	3.85	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>1.11</b>	<b>जिन कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित / की गई है, उनकी संख्या (पत्र संख्या 1/6/2011-आईआर दिनांक 15.04.2013)</b>							
1.11.1	जिन कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई — (i) लघु दंड या प्रमुख दंड की कार्यवाही लंबित है	पूर्णतः प्राप्त	3.85	3.85	<a href="https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	3.85	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
1.11.2	(ii) लघु दंड या प्रमुख दंड की कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है	पूर्णतः प्राप्त	3.85	3.85	<a href="https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	3.85	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>1.12</b>	<b>सूचना का अधिकार (आरटीआई) की समझ को बढ़ाने हेतु कार्यक्रम [धारा 26]</b>							
1.12.1	शैक्षिक कार्यक्रम	पूर्णतः प्राप्त	1.92	1.92	<a href="https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/docu ments/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	प्राप्त नहीं हुआ	0	श्रेणी प्राप्त नहीं हुआ

क्रम सं.	प्रकटीकरण का विवरण	श्रेणी	अंक	प्राप्तांक	टिप्पणी	लेखा परीक्षक श्रेणी	लेखा परीक्षक अंक	लेखा परीक्षक टिप्पणी/यूआरएल
1.12.2	लोक प्राधिकरणों को इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयास	पूर्णतः प्राप्त	1.92	1.92	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	प्राप्त नहीं हुआ	0	श्रेणी प्राप्त नहीं हुआ
1.12.3	सीपीआईओ/एपीआईओ का प्रशिक्षण	प्राप्त नहीं हुआ	1.92	0	रिक्त	प्राप्त नहीं हुआ	0	श्रेणी प्राप्त नहीं हुआ
1.12.4	संबंधित लोक प्राधिकरणों द्वारा आरटीआई पर दिशा-निर्देशों का अद्यतन एवं प्रकाशन	पूर्णतः प्राप्त	1.92	1.92	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php">https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php</a>	आंशिक रूप प्राप्त	0.96	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "आंशिक रूप से प्राप्त"
<b>1.13</b>	<b>स्थानांतरण नीति एवं स्थानांतरण आदेश [पत्र संख्या 1/6/2011-आईआर दिनांक 15.04.2013]</b>							
1.13.1	स्थानांतरण नीति एवं स्थानांतरण आदेश [पत्र संख्या 1/6/2011-आईआर दिनांक 15.04.2013]	पूर्णतः प्राप्त	7.69	7.69	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php">https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php</a>	आंशिक रूप प्राप्त	3.85	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "आंशिक रूप से प्राप्त"
	<b>कुल</b>		<b>100</b>	<b>98</b>			<b>100</b>	<b>81</b>
<b>2</b>	<b>बजट एवं कार्यक्रम</b>							
<b>2.1</b>	<b>प्रत्येक एजेंसी को आवंटित बजट, जिसमें सभी योजनाएँ, प्रस्तावित व्यय तथा किए गए वितरणों की रिपोर्ट आदि शामिल हैं [धारा 4(1)(ख)(xi)]</b>							
2.1.1	लोक प्राधिकरण के लिए कुल बजट	पूर्णतः प्राप्त	10	10.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php">https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php</a>	आंशिक रूप प्राप्त	5.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "आंशिक रूप से प्राप्त"
2.1.2	प्रत्येक एजेंसी के लिए बजट तथा उसकी योजनाएँ एवं कार्यक्रम	पूर्णतः प्राप्त	10	10.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php">https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php</a>	आंशिक रूप प्राप्त	5.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "आंशिक रूप से प्राप्त"
2.1.3	प्रस्तावित व्यय	पूर्णतः प्राप्त	10	10.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php">https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php</a>	आंशिक रूप प्राप्त	5.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "आंशिक रूप से प्राप्त"
2.1.4	प्रत्येक एजेंसी के लिए संशोधित बजट (यदि कोई हो)	पूर्णतः प्राप्त	10	10.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	आंशिक रूप प्राप्त	5.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "आंशिक रूप से प्राप्त"
2.1.5	किए गए व्ययों की रिपोर्ट एवं संबंधित रिपोर्टें जहाँ उपलब्ध हैं	पूर्णतः प्राप्त	10	10.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	आंशिक रूप प्राप्त	5.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "आंशिक रूप से प्राप्त"
2.1.6	क्रय संबंधी जानकारी - (क) सूचना/टेंडर सूचनाएँ एवं संशोधन (यदि कोई हो) (ख) स्वीकृत बोलियों का विवरण, जिसमें वस्तुओं/सेवाओं के आपूर्तिकर्ताओं के नाम शामिल हों (ग) संपन्न कार्य अनुबंध - उपरोक्त के किसी भी संयोजन में (घ) वह दरें एवं कुल राशि, जिस पर ऐसे क्रय या कार्य अनुबंध निष्पादित किए जाने हैं	पूर्णतः प्राप्त	10	10.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/institute/tenders.php">https://nitsikki.m.ac.in/institute/tenders.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	10.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>2.2</b>	<b>विदेशी एवं घरेलू यात्राएँ [पत्र संख्या 1/8/2012-आईआर दिनांक 11.09.2012]</b>							

क्रम सं.	प्रकटीकरण का विवरण	श्रेणी	अंक	प्राप्तांक	टिप्पणी	लेखा परीक्षक श्रेणी	लेखा परीक्षक अंक	लेखा परीक्षक टिप्पणी/यूआरएल
2.2.1	बजट	पूर्णतः प्राप्त	20	20.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.p df">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.p df</a>	पूर्णतः प्राप्त	20.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
2.2.2	संयुक्त सचिव स्तर एवं उससे ऊपर के अधिकारियों तथा विभागाध्यक्षों की विदेशी एवं घरेलू यात्राएँ — (क) भ्रमण किए गए स्थान (ख) भ्रमण की अवधि (ग) आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में सदस्यों की संख्या (घ) यात्रा पर हुआ व्यय	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	प्राप्त नहीं हुआ	0	अर्हता अप्राप्त नहीं हुआ
<b>2.3</b>	<b>सब्सिडी कार्यक्रम के क्रियान्वयन की प्रक्रिया [धारा 4(1)(ख)(xii)]</b>							
2.3.1	कार्यक्रम/गतिविधि का नाम	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
2.3.2	कार्यक्रम का उद्देश्य	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
2.3.3	लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
2.3.4	कार्यक्रम/योजना की अवधि	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
2.3.5	कार्यक्रम के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
2.3.6	सब्सिडी की प्रकृति/पैमाना/आवृत्ति राशि	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
2.3.7	सब्सिडी प्राप्त करने की पात्रता मानदंड	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
2.3.8	सब्सिडी कार्यक्रम के लाभार्थियों का विवरण (संख्या, प्रोफाइल आदि)	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
<b>2.4</b>	<b>विवेकाधीन एवं अविवेकाधीन अनुदान [पत्र संख्या 1/6/2011-आईआर दिनांक 15.04.2013]</b>							
2.4.1	राज्य सरकारों/गैर-सरकारी संगठनों/अन्य संस्थानों को प्रदत्त विवेकाधीन एवं अविवेकाधीन अनुदान/आवंटन	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
2.4.2	लोक प्राधिकरणों द्वारा अनुदान प्राप्त सभी विधिक संस्थाओं के वार्षिक लेखे	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
<b>2.5</b>	<b>लोक प्राधिकरण द्वारा प्रदत्त रियायतों, अनुज्ञाओं या प्राधिकरणों के प्राप्तकर्ताओं का विवरण [धारा 4(1)(ख)(xiii)]</b>							
2.5.1	लोक प्राधिकरण द्वारा प्रदत्त रियायतें, अनुज्ञाएँ या प्राधिकरण	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
2.5.2	प्रत्येक रियायत, अनुज्ञा या प्राधिकरण के लिए — (क) पात्रता मानदंड (ख) रियायत/अनुदान या अनुज्ञा/प्राधिकरण प्राप्त करने की प्रक्रिया (ग) रियायत/अनुज्ञा या प्राधिकरण प्राप्त करने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं के नाम एवं पते (घ) रियायत/अनुज्ञा या प्राधिकरण प्रदान करने की तिथि	अप्रयोज्य	0	0	रिक्त	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त

क्रम सं.	प्रकटीकरण का विवरण	श्रेणी	अंक	प्राप्तांक	टिप्पणी	लेखा परीक्षक श्रेणी	लेखा परीक्षक अंक	लेखा परीक्षक टिप्पणी/ यूआरएल
<b>2.6</b>	<b>सीएजी एवं पीएसी टिप्पणियाँ [पत्र संख्या 1/6/2011-आईआर दिनांक 15.04.2013]</b>							
2.6.1	सीएजी एवं पीएसी टिप्पणियाँ तथा उन पर की गई कार्यवाही प्रतिवेदन (एटीआर), जिन्हें संसद के दोनों सदनों के पटल पर प्रस्तुत किए जाने के पश्चात तैयार किया गया है।	पूर्णतः प्राप्त	50	50.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php">https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	50.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>कुल</b>			<b>130</b>	<b>130</b>		<b>150</b>	<b>105</b>	
<b>3</b>	<b>जनसंपर्क एवं जनपरिचय</b>							
<b>3.1</b>	<b>नीति निर्माण या उसके क्रियान्वयन के संबंध में आम जनता के साथ परामर्श या उनके प्रतिनिधित्व हेतु किए गए किसी भी प्रावधान का विवरण [धारा 4(1)(ख)(viii)] [पत्र संख्या 1/6/2011-आईआर दिनांक 15.04.2013]</b>							
3.1.1	संबंधित अधिनियम, नियम, प्रपत्र एवं अन्य दस्तावेज जो सामान्यतः नागरिकों द्वारा देखे जा सकते हैं	पूर्णतः प्राप्त	12.5	12.50	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.1.2	(क) नीति निर्माण/नीति क्रियान्वयन में आम जनता के साथ परामर्श या उनके प्रतिनिधित्व हेतु की गई व्यवस्थाएँ (ख) आगंतुकों के लिए निर्धारित दिन एवं समय (ग) सूचना एवं सुविधा केंद्र (आईएफसी) के संपर्क विवरण, जहाँ से आरटीआई आवेदकों द्वारा अक्सर मांगी जाने वाली प्रकाशन सामग्रियाँ प्राप्त की जा सकती हैं	पूर्णतः प्राप्त	12.5	12.50	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.1.3	सरकारी-निजी साझेदारी (पीपीपी) – विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) का विवरण (यदि कोई हो)	अप्रयोज्य	0	0		अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.1.4	सरकारी-निजी साझेदारी (पीपीपी) – विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर)	अप्रयोज्य	0	0		अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.1.5	सरकारी-निजी साझेदारी (पीपीपी) – रियायत अनुबंध	अप्रयोज्य	0	0		अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.1.6	सरकारी-निजी साझेदारी (पीपीपी) – संचालन एवं अनुरक्षण पुस्तिकाएँ	अप्रयोज्य	0	0		अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.1.7	सरकारी-निजी साझेदारी (पीपीपी) – पीपीपी के कार्यान्वयन के भाग के रूप में तैयार अन्य दस्तावेज	अप्रयोज्य	0	0		अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.1.8	सरकारी-निजी साझेदारी (पीपीपी) – सरकार से प्राधिकरण के अंतर्गत वसूले जा सकने वाले शुल्क, टोल या अन्य राजस्व से संबंधित जानकारी	अप्रयोज्य	0	0		अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त

क्रम सं.	प्रकटीकरण का विवरण	श्रेणी	अंक	प्राप्तांक	टिप्पणी	लेखा परीक्षक श्रेणी	लेखा परीक्षक अंक	लेखा परीक्षक टिप्पणी/ यूआरएल
3.1.9	सरकारी-निजी साझेदारी (पीपीपी) – परियोजना के परिणामों एवं उपलब्धियों से संबंधित जानकारी	अप्रयोज्य	0	0		अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.1.10	सरकारी-निजी साझेदारी (पीपीपी) – निजी क्षेत्र के भागीदार (कंसेशनायर आदि) के चयन की प्रक्रिया	अप्रयोज्य	0	0		अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.1.11	सरकारी-निजी साझेदारी (पीपीपी) – पीपीपी परियोजना के अंतर्गत किए गए सभी भुगतानों का विवरण	अप्रयोज्य	0	0		अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
<b>3.2</b>	<b>क्या जनसामान्य को प्रभावित करने वाली नीतियों/निर्णयों का विवरण उन्हें अवगत कराया जाता है [धारा 4(1)(ग)]</b>							
3.2.1	महत्वपूर्ण नीतियाँ बनाते समय या ऐसे निर्णय घोषित करते समय जो जनसामान्य को प्रभावित करते हैं, प्रक्रिया को अधिक सहभागितापूर्ण बनाने हेतु सभी प्रासंगिक तथ्यों का प्रकाशन – पिछले एक वर्ष में लिए गए नीतिगत निर्णय/विधायी कार्य	पूर्णतः प्राप्त	16.67	16.67	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/institute/administration/mom.php">https://nitsikki.m.ac.in/institute/administration/mom.php</a>	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.2.2	महत्वपूर्ण नीतियाँ बनाते समय या ऐसे निर्णय घोषित करते समय जो जनसामान्य को प्रभावित करते हैं, प्रक्रिया को अधिक सहभागितापूर्ण बनाने हेतु सभी प्रासंगिक तथ्यों का प्रकाशन – जन परामर्श प्रक्रिया की रूपरेखा	पूर्णतः प्राप्त	16.67	16.67	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.2.3	महत्वपूर्ण नीतियाँ बनाते समय या ऐसे निर्णय घोषित करते समय जो जनसामान्य को प्रभावित करते हैं, प्रक्रिया को अधिक सहभागितापूर्ण बनाने हेतु सभी प्रासंगिक तथ्यों का प्रकाशन – नीति निर्माण से पूर्व परामर्श की व्यवस्था की रूपरेखा	पूर्णतः प्राप्त	16.67	16.67	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	अप्रयोज्य	0	अर्हता अप्राप्त
3.3	सूचना का व्यापक रूप से प्रसार इस प्रकार किया जाना कि वह जनता के लिए सरलता से सुलभ हो [धारा 4(3)]							
3.3.1	संचार के सर्वाधिक प्रभावी माध्यम का उपयोग – इंटरनेट (वेबसाइट)	पूर्णतः प्राप्त	50	50.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/">https://nitsikki.m.ac.in/</a>	पूर्णतः प्राप्त	50.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>3.4</b>	<b>सूचना पुस्तिका/हैंडबुक की सुलभता का प्रारूप [धारा 4(1)(ख)]</b>							
3.4.1	सूचना पुस्तिका/हैंडबुक इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में उपलब्ध	पूर्णतः प्राप्त	25	25.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	25.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"

क्रम सं.	प्रकटीकरण का विवरण	श्रेणी	अंक	प्राप्तांक	टिप्पणी	लेखा परीक्षक श्रेणी	लेखा परीक्षक अंक	लेखा परीक्षक टिप्पणी/यूआरएल
3.4.2	सूचना पुस्तिका/हैंडबुक मुद्रित प्रारूप में उपलब्ध	पूर्णतः प्राप्त	25	25.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.p df">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.p df</a>	पूर्णतः प्राप्त	25.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>3.5</b>	<b>क्या सूचना पुस्तिका/हैंडबुक निःशुल्क उपलब्ध है या नहीं [धारा 4(1)(ख)]</b>							
3.5.1	निःशुल्क उपलब्ध सामग्रियों की सूची	पूर्णतः प्राप्त	25	25.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	25.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
3.5.2	माध्यम की उचित लागत पर उपलब्ध सामग्रियों की सूची	पूर्णतः प्राप्त	25	25.00	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	25.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
	कुल		225	225			150	150
<b>4</b>	<b>ई-गवर्नेंस</b>							
<b>4.1</b>	<b>सूचना पुस्तिका/हैंडबुक किस भाषा में उपलब्ध है [पत्र संख्या 1/6/2011-आईआर दिनांक 15.04.2013]</b>							
4.1.1	हिंदी	पूर्णतः प्राप्त	9.52	9.52	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	9.52	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.1.2	अंग्रेजी	पूर्णतः प्राप्त	9.52	9.52	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	9.52	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.1.3	स्थानीय भाषा	पूर्णतः प्राप्त	9.52	9.52	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English%2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English%2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	9.52	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>4.2</b>	<b>सूचना पुस्तिका/हैंडबुक को अंतिम बार कब अद्यतन किया गया था? [संख्या एफ. क्र. 1/6/2011-आईआर दिनांक 15.4.2013]</b>							
4.2.1	वार्षिक अद्यतन की अंतिम तिथि	पूर्णतः प्राप्त	28.57	28.57	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php">https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	28.57	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। श्रेणी "पूर्णतः प्राप्त"
<b>4.3</b>	<b>इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध सूचना [धारा 4(1)(ख)(xiv)]</b>							
4.3.1	इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध सूचना का विवरण	पूर्णतः प्राप्त	9.52	9.52	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/">https://nitsikki.m.ac.in/</a>	पूर्णतः प्राप्त	9.52	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.3.2	दस्तावेज़/ अभिलेख/ अन्य सूचना का नाम/ शीर्षक	पूर्णतः प्राप्त	9.52	9.52	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/">https://nitsikki.m.ac.in/</a>	पूर्णतः प्राप्त	9.52	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.3.3	जहाँ उपलब्ध है उसका स्थान	पूर्णतः प्राप्त	9.52	9.52	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/">https://nitsikki.m.ac.in/</a>	पूर्णतः प्राप्त	9.52	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>4.4</b>	<b>नागरिकों के लिए सूचना प्राप्त करने हेतु उपलब्ध सुविधाओं का विवरण [धारा 4(1)(ख)(xv)]</b>							
4.4.1	सुविधा का नाम एवं स्थान	पूर्णतः प्राप्त	7.14	7.14	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/">https://nitsikki.m.ac.in/</a>	पूर्णतः प्राप्त	7.14	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.4.2	उपलब्ध कराई गई सूचना का विवरण	पूर्णतः प्राप्त	7.14	7.14	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/">https://nitsikki.m.ac.in/</a>	पूर्णतः प्राप्त	7.14	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"

क्रम सं.	प्रकटीकरण का विवरण	श्रेणी	अंक	प्राप्तांक	टिप्पणी	लेखा परीक्षक श्रेणी	लेखा परीक्षक अंक	लेखा परीक्षक टिप्पणी/यूआरएल
4.4.3	सुविधा के कार्य करने के घंटे	पूर्णतः प्राप्त	7.14	7.14	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	7.14	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.4.4	संपर्क व्यक्ति एवं संपर्क विवरण (फोन, फेक्स, ईमेल)	पूर्णतः प्राप्त	7.14	7.14	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php">https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	7.14	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>4.5</b>	<b>अन्य ऐसी सूचनाएँ जो धारा 4(1)(ख)(xvii) के अंतर्गत निर्दिष्ट की गई हैं</b>							
4.5.1	शिकायत निवारण तंत्र	पूर्णतः प्राप्त	4.1	4.10	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	4.10	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.5.2	पूर्ण की गई योजनाओं/परियोजनाओं/ कार्यक्रमों की सूची	पूर्णतः प्राप्त	4.1	4.10	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/researches/projects.php">https://nitsikki.m.ac.in/researches/projects.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	4.10	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.5.3	चालू योजनाओं/परियोजनाओं/ कार्यक्रमों की सूची	पूर्णतः प्राप्त	4.1	4.10	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.p df">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.p df</a>	पूर्णतः प्राप्त	4.10	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.5.4	सभी अनुबंधों का विवरण, जिसमें ठेकेदार का नाम, अनुबंध की राशि एवं अनुबंध की पूर्णता अवधि शामिल हो	पूर्णतः प्राप्त	4.1	4.10	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.p df">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.p df</a>	आंशिक रूप प्राप्त	2.05	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "आंशिक रूप से प्राप्त"
4.5.5	वार्षिक प्रतिवेदन	पूर्णतः प्राप्त	4.1	4.10	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php">https://nitsikki.m.ac.in/institute/about/information.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	4.10	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.5.6	अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू)	पूर्णतः प्राप्त	4.1	4.10	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php">https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	4.10	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.5.7	अन्य कोई सूचना जैसे - (क) नागरिक चार्टर (ख) नागरिक चार्टर में निर्धारित मानकों के विरुद्ध प्रदर्शन पर छमाही प्रतिवेदन	पूर्णतः प्राप्त	4.1	4.10	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki.m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20Transperency %20Audit%2024-25_English %2015.5.25.pdf</a>	आंशिक रूप प्राप्त	2.05	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "आंशिक रूप से प्राप्त"
<b>4.6</b>	<b>आरटीआई आवेदन एवं अपीलों की प्राप्ति और निस्तारण [संख्या एफ. क्र. 1/6/2011-आईआर दिनांक 15.04.2013]</b>							
4.6.1	प्राप्त एवं निस्तारित आवेदनों का विवरण	पूर्णतः प्राप्त	14.29	14.29	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php">https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	14.29	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
4.6.2	प्राप्त अपीलों एवं जारी आदेशों का विवरण	पूर्णतः प्राप्त	14.29	14.29	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php">https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	14.29	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>4.7</b>	<b>संसद में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर [धारा 4(1)(ख)(xvii)]</b>							
4.7.1	पूछे गए प्रश्नों एवं दिए गए उत्तरों का विवरण	पूर्णतः प्राप्त	28.57	28.57	<a href="https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php">https://nitsikki.m.ac.in/footer/rti.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	28.57	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही है। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
<b>कुल</b>			<b>200</b>	<b>200</b>			<b>200</b>	<b>196</b>

क्रम सं.	प्रकटीकरण का विवरण	श्रेणी	अंक	प्राप्तांक	टिप्पणी	लेखा परीक्षक श्रेणी	लेखा परीक्षक अंक	लेखा परीक्षक टिप्पणी/ यूआरएल
5	निर्दिष्ट की जा सकने वाली सूचना							
5.1	ऐसी अन्य सूचना जो निर्दिष्ट की जा सकती है [संख्या एफ. क्र. 1/2/2016-आईआर दिनांक 17.08.2016, संख्या एफ. क्र. 1/6/2011-आईआर दिनांक 15.04.2013]							
5.1.1	नाम एवं विवरण - (क) वर्तमान सीपीआईओ एवं एफएए (ख) 1.1.2015 से अब तक के पूर्ववर्ती सीपीआईओ एवं एफएए	पूर्णतः प्राप्त	20	20.00	<a href="https://nitsikki m.ac.in/footer/rti.php">https://nitsikki m.ac.in/footer/rti.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	20.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही हैं। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
5.1.2	स्वैच्छिक प्रकटीकरण के तृतीय पक्ष ऑडिट का विवरण - (क) ऑडिट किए जाने की तिथियाँ (ख) किए गए ऑडिट की रिपोर्ट	पूर्णतः प्राप्त	20	20.00	<a href="https://nitsikki m.ac.in/footer/rti.php">https://nitsikki m.ac.in/footer/rti.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	20.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही हैं। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
5.1.3	नोडल अधिकारियों की नियुक्ति (संयुक्त सचिव/ अतिरिक्त विभागाध्यक्ष के समकक्ष या उससे उच्च पद) (क) नियुक्ति की तिथि (ख) अधिकारियों का नाम एवं पदनाम	पूर्णतः प्राप्त	20	20.00	<a href="https://nitsikki m.ac.in/footer/rti.php">https://nitsikki m.ac.in/footer/rti.php</a>	पूर्णतः प्राप्त	20.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही हैं। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
5.1.4	स्वप्रेरित प्रकटीकरण पर सलाह हेतु प्रमुख हितधारकों की परामर्श समिति - (क) गठन की तिथि (ख) अधिकारियों का नाम एवं पदनाम	पूर्णतः प्राप्त	20	20.00	<a href="https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/dean_hod_kul_sachiv_change_ord_r/Office%20Or der_Suo-%20moto_CIC.jpg">https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/dean_hod_kul_sachiv_change_ord_r/Office%20Or der_Suo-%20moto_CIC.jpg</a>	पूर्णतः प्राप्त	20.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही हैं। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
5.1.5	आरटीआई के अंतर्गत प्रायः मांगी जाने वाली सूचनाओं की पहचान हेतु अनुभवी पीआईओ/ एफएए की समिति - (क) गठन की तिथि (ख) अधिकारियों का नाम एवं पदनाम	पूर्णतः प्राप्त	20	20.00	<a href="https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20 Transperency %20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20 Transperency %20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	20.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही हैं। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
	<b>कुल</b>		<b>100</b>	<b>100</b>			<b>100</b>	<b>100</b>
6.1.1	ऐसी मद/सूचना का प्रकटीकरण जिससे जनता को सूचना प्राप्त करने हेतु आरटीआई अधिनियम का न्यूनतम सहारा लेना पड़े	पूर्णतः प्राप्त	25	25.00	<a href="https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20 Transperency %20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.pdf">https://nitsikki m.ac.in/documents/rti/Form at%20for%20 Transperency %20Audit%20 24-25_English %2015.5.25.pdf</a>	पूर्णतः प्राप्त	25.00	लोक प्राधिकरण द्वारा उद्धृत यूआरएल सही हैं। अर्हता: "पूर्णतः प्राप्त"
6.2	भारतीय सरकारी वेबसाइटों के लिए दिशानिर्देश (जीआईजीडब्ल्यू) का पालन किया गया है जो (फरवरी 2009 में जारी किए गए थे और भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा केंद्रीय सचिवालय कार्यालय प्रक्रिया पुस्तिका (सीएसएमओपी) में शामिल किए गए हैं)							
6.2.1	क्या एस्टीक्यूसी प्रमाणन प्राप्त किया गया है और उसकी वैधता क्या है?	प्राप्त नहीं हुआ	12.5	0	रिक्त	प्राप्त नहीं हुआ	0	श्रेणी प्राप्त नहीं हुआ
6.2.2	क्या वेबसाइट पर प्रमाणपत्र प्रदर्शित किया गया है?	प्राप्त नहीं हुआ	12.5	0	रिक्त	प्राप्त नहीं हुआ	0	श्रेणी प्राप्त नहीं हुआ
	<b>कुल</b>		<b>50</b>	<b>25</b>			<b>50</b>	<b>25</b>
	<b>कुल योग</b>		<b>805</b>	<b>778</b>			<b>750</b>	<b>657</b>

# शैक्षणिक विभाग



# संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना संस्थान की स्थापना वर्ष 2010 से ही की गई थी। यह विभाग उत्कृष्ट अनुसंधान के साथ-साथ एक उच्च स्तरीय शिक्षण वातावरण प्रदान करता है।

विभाग चार वर्षीय प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक.), द्विवर्षीय प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम. टेक.) तथा संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.) कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग का पाठ्यक्रम संगणक विज्ञान के सभी प्रमुख विषयों को समाहित करता है, जिसमें नवीनतम अभियांत्रिकी तकनीकों के प्रयोग द्वारा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग पर विशेष बल दिया गया है। पाठ्यक्रम संरचना अद्यतन है और इसमें अत्याधुनिक विषय शामिल हैं, जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इस क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकासों से अवगत कराया जा सके। विभाग का उद्देश्य ऐसे अंतर्विषयक एवं बहुविषयक शोध परियोजनाएँ प्रारंभ करना है, जो संकाय सदस्यों की विविध विशेषज्ञता का समन्वय करती हों।

विभाग में वर्तमान में चल रहे अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, क्रिप्टोग्राफी, साइबर सुरक्षा, समानांतर-वितरित एवं उच्च प्रदर्शन संगणन, एल्गोरिदम, क्लाउड कंप्यूटिंग, वायरलेस एवं सेंसर नेटवर्क, कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी, पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी आदि हैं। विभाग तथा संस्थान संयुक्त रूप से सिक्किम तथा समगत सामान्य रूप से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में अनुसंधान समूहों के निर्माण और अनुसंधान गतिविधियों के संवर्द्धन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह कार्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से सामुदायिक विकास के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संगठनों के समन्वित प्रयासों से किया जाता है। विभाग अत्याधुनिक अधोसंरचना से सुसज्जित है, जिसमें उच्च गति की ईथरनेट कनेक्टिविटी और मजबूत वायरलेस नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध है।

संकाय सदस्य और विद्यार्थी प्रायः विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं पर संयुक्त रूप से कार्य करते हैं। वे परिसर के अन्य विभागों, भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के महाविद्यालयों तथा विदेशी के संस्थानों के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर सहयोगात्मक अनुसंधान करते हैं। विभाग में उपलब्ध उत्कृष्ट वातावरण और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान अवसरों के साथ-साथ एक सशक्त सामुदायिक भावना और टीमवर्क की संस्कृति भी विद्यमान है। विभाग में अनुसंधान की समृद्ध परंपरा विभिन्न योजनाओं जैसे विश्वेश्वरैया विद्या वाचस्पति योजना, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से प्राप्त अनुसंधान अनुदानों, डीएसटी के प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्रों, उत्तर-पूर्व क्षेत्र की विशिष्ट विकासात्मक परियोजनाओं आदि के माध्यम से विकसित हुई है। विभाग उन्नत भारत अभियान तथा स्थानीय समुदाय के वैज्ञानिक जीवनशैली विकास के माध्यम से सामुदायिक विकास में भी सक्रिय योगदान देता है।

विभाग का उद्देश्य संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी के क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाला ज्ञान प्रदान करने और अनुसंधान-उन्मुख दृष्टिकोणको प्रोत्साहित करने के साथ-साथ अंतर्विषयक अनुसंधान के माध्यम से मानवता की सेवा में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। इन सेवा-भावनाओं का विकास अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का ज्ञान प्रदान करके, प्रचलित औद्योगिक मानकों के साथ सामंजस्य बनाए रखते हुए, तथा सभी व्यावसायिक कार्यों में नैतिकता पर आधारित सामाजिक उत्तरदायित्वों को पूर्ण करते हुए किया जा सकता है।

## संकाय विवरण

### प्रो. महेश चंद्र गोविल

प्रोफेसर (एच.ए.जी.) एवं निदेशक

विद्या वाचस्पति (आईआईटी रुड़की), प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (आईआईटी रुड़की), प्रौद्योगिकी स्नातक (एमएनआईटी जयपुर, पूर्व में एमआरईसी)

**अनुसंधान क्षेत्र:** रीयल टाइम सिस्टम, पैरेलल एंड डिस्ट्रीब्यूटेड सिस्टमस, दोष सहनशील प्रणाली, क्लाउड कंप्यूटिंग, नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स।

### डॉ. संग्राम रे

एसोसिएट प्रोफेसर

विद्या वाचस्पति (आईआईटी आईएसएम धनबाद), प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (आईआईटी आईएसएम धनबाद), गणित एवं संगणना में स्नातकोत्तर विज्ञान (आईआईटी आईएसएम धनबाद), गणित ऑनर्स में स्नातक विज्ञान (बु.), ऑल इंडिया रैंक - 49 (ग्रेड 2006)

**अनुसंधान क्षेत्र:** क्रिप्टोग्राफी, पब्लिक की इन्फ्रास्ट्रक्चर, एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी, कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी, पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी।

### डॉ. पंकज कुमार केसरवानी

असिस्टेंट प्रोफेसर (ग्रेड-I)

विद्या वाचस्पति (एनआईटी सिक्किम), एम.एस. (आईआईआईटी इलाहाबाद), स्नातक विज्ञान (इविंग क्रिश्चियन कॉलेज, इलाहाबाद), एम.सी.ए. (यूपीटीयू, लखनऊ)

**अनुसंधान क्षेत्र:** सूचना सुरक्षा, साइबर फॉरेंसिक।

## विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक.) - वर्ष 2010 से
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग में प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक.) - वर्ष 2024 से
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम. टेक.) - वर्ष 2015 से (पूर्व में एम. टेक. संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी)

### डॉ. प्रत्यय कुइला

एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, अधिष्ठाता (अनुसंधान एवं परामर्श)

विद्या वाचस्पति (आईआईटी आईएसएम धनबाद), प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एनआईटीटीआईआर कोलकाता), प्रौद्योगिकी स्नातक (शासकीय अभियांत्रिकी एवं सिरमिक प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, कोलकाता)

**अनुसंधान क्षेत्र:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, उल्कांतिक एल्गोरिदम, संगणनात्मक जटिलता, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, वितरित संगणन।

### डॉ. एम.डी. सरफराज आलम अंसारी

असिस्टेंट प्रोफेसर (ग्रेड-I)

विद्या वाचस्पति (एनआईटी सिक्किम), प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एनआईटी दुर्गापुर), अभियांत्रिकी स्नातक (मगध विश्वविद्यालय)

**अनुसंधान क्षेत्र:** नेटवर्क प्रौद्योगिकी, सूचना सुरक्षा एवं जोखिम प्रबंधन।

### डॉ. कृष्ण कुमार

असिस्टेंट प्रोफेसर (ग्रेड-II)

विद्या वाचस्पति (एनआईटी पटना), प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एनआईटी पटना), प्रौद्योगिकी स्नातक (वीटीयू बेलगाम)

**अनुसंधान क्षेत्र:** टाइम-सीरीज़ अनुक्रमिक डेटा विश्लेषण, मस्तिष्क एवं प्रकृति प्रेरित संगणन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग, ज्ञान-आधारित प्रणाली।

“  
किसी संगणक (कम्प्यूटर) को तभी बुद्धिमान कहा जा सकता है जब वह किसी मनुष्य को यह विश्वास दिलाने में सफल हो जाए कि वह स्वयं मनुष्य है।

- एलन ट्यूरिंग

**डॉ. बम बहादुर सिन्हा**

असिस्टेंट प्रोफेसर (ग्रेड-II)

विद्या वाचस्पति (एनआईटी नागालैंड), प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एनआईटी नागालैंड), प्रौद्योगिकी स्नातक (एलपीयू पंजाब)

**अनुसंधान क्षेत्र:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, अनुकूलन तकनीकें, अनुशंसा प्रणाली।**अस्थायी संकाय सदस्य****डॉ. दीक्षा रंगवानी****श्री अरुणांशु पाल****कर्मचारी****श्री तपन छेत्री**

तकनीशियन, एम.सी.ए.

**प्रयोगशाला सुविधाएँ****1. संगणक नेटवर्क प्रयोगशाला (सी.एल.-1)**

कंप्यूटरों की संख्या: 28

**गतिविधियाँ एवं उद्देश्य**

- कम्प्यूटर (संगणक) नेटवर्किंग की मूलभूत अवधारणाओं की समझ विकसित करना।
- डाटा संचार के सामान्य सिद्धांतों, परतबद्ध ध्येयकोण (ओएसआई मॉडल और टीसीपी/आईपी) की अवधारणा के साथ संगणक संगठन का वर्णन करना।
- हब, ब्रिज और स्विच के साथ एक साधारण लोकल एरिया नेटवर्क (एल.ए.एन.) को क्रियान्वित करना और यह समझना कि इंटरनेट पर पैकेट कैसे प्रेषित किए जाते हैं।
- विद्यार्थियों को उन्नत नेटवर्किंग अवधारणाओं से परिचित कराना ताकि वे संगणक नेटवर्किंग के उच्च स्तरीय पाठ्यक्रमों के लिए तैयार हो सकें।
- मूलभूत संगणक नेटवर्क प्रौद्योगिकी, विभिन्न प्रकार की नेटवर्क टोपोलॉजी एवं प्रोटोकॉल को समझना।
- यह आकलन करना कि डाटा संरचनाओं और एल्गोरिदम डिजाइन विधियों के चयन का कार्यक्रमों के प्रदर्शन पर क्या प्रभाव पड़ता है।
- किसी विशिष्ट अनुप्रयोग के लिए उपयुक्त डाटा संरचना और एल्गोरिदम डिजाइन पद्धति का चयन करना।
- रैखिक सूचियाँ, स्टैक्स, क्यूज़, हैश टेबल, बाइनरी ट्री, हीप्स, टूर्नमेंट ट्री, बाइनरी सर्च ट्री और ग्राफ जैसी डाटा संरचनाओं का उपयोग करते हुए समस्याओं को हल करना और उनके समाधान हेतु प्रोग्राम लिखना।

**प्रयोगशाला में संचालित पाठ्यक्रम**

- डाटा कम्युनिकेशन
- संगणक नेटवर्क
- उन्नत संगणक नेटवर्क
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- वायरलेस सेंसर नेटवर्क
- वायरलेस नेटवर्क सुरक्षा
- साइबर फॉरेंसिक
- ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी



संगणक (कम्प्यूटर) प्रयोगशाला 1 (संगणक नेटवर्क प्रयोगशाला) का आंतरिक दृश्य

**2. डाटा साइंस प्रयोगशाला (सी.एल.-2)**

संगणकों (कंप्यूटरों) की संख्या: 27

**गतिविधियाँ एवं उद्देश्य**

- वास्तविक व्यावसायिक समस्याओं के समाधान हेतु मात्रात्मक मॉडलिंग और डाटा विश्लेषण तकनीकों का प्रयोग करना, निष्कर्षों का संप्रेषण करना और परिणामों को डाटा दृश्यांकन तकनीकों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना।
- व्यावसायिक निर्णय-निर्माण में प्रयुक्त सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण तकनीकों का ज्ञान प्रदर्शित करना।

- व्यावसायिक समस्याओं के विश्लेषण के लिए डाटा विज्ञान के सिद्धांतों को लागू करना।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मूलभूत घटकों की आधारभूत समझ विकसित करना, जो बुद्धिमान अभिकर्ताओं (इंटेलिजेंट एजेंट्स) — खोज, ज्ञान प्रस्तुतीकरण, अनुकरण (इंफरेंस), तर्कशास्त्र और अधिगम जैसे घटकों से संबंधित है।
- एल्गोरिदम का उपयोग कर मशीन इंटेलिजेंस का निर्माण करना।
- मशीन लर्निंग एल्गोरिदम को पर्यवेक्षित (सुपरवाइज्ड), अर्ध-पर्यवेक्षित (सेमी-सुपरवाइज्ड) और अप्रैरित (अनसुपरवाइज्ड) के रूप में वर्गीकृत करना।
- मशीन लर्निंग टूलबॉक्स का प्रभावी ढंग से उपयोग करना।



संगणक (कम्प्यूटर) प्रयोगशाला 2 (डाटा साइंस प्रयोगशाला) का आंतरिक दृश्य

**प्रयोगशाला में संचालित पाठ्यक्रम**

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता
- मशीन लर्निंग
- डीप लर्निंग
- बिग डाटा
- प्राकृतिक भाषा संसाधन
- डाटा एनालिटिक्स

**संगणन प्रयोगशाला (सी.एल.-3)**

कंप्यूटरों की संख्या: 70

**गतिविधियाँ एवं उद्देश्य**

- विभिन्न संगणक प्रोग्रामिंग भाषाओं को सीखना।
- एल्गोरिदम के असिम्प्टोटिक प्रदर्शन का विश्लेषण करना।
- एल्गोरिदम के लिए गणितीय निरूपण, जटिलता विश्लेषण, और आवर्ती संबंधों को हल करने की विधियों को समझना।
- महत्वपूर्ण एल्गोरिदम डिजाइन प्रतिमानों और विश्लेषण की विधियों को लागू करना।
- उन्नत डाटा संरचनाओं का उपयोग करके एल्गोरिदम तैयार करना।
- नॉन-डिटरमिनिस्टिक पोलिनोमियल (एन.पी.) वर्ग की समस्याओं को समझना और मानक ध्येयकोणों का उपयोग करके उनके समाधान तैयार करना।

- विद्यार्थियों को समानांतर और वितरित संगणन के क्षेत्र में समसामयिक ज्ञान प्रदान करना।
- समवर्ती (कंकरेन्ट) और वितरित कार्यक्रमों के विश्लेषण हेतु विभिन्न पद्धतियों और दृष्टिकोणों का परिचय कराना।
- डाटाबेस की अवधारणाओं, संरचनाओं और क्लेरी भाषा को समझना।
- ई-आर मॉडल और रिलेशनल मॉडल को समझना।
- एक सरल डाटाबेस प्रणाली को डिजाइन और निर्मित करना तथा डीबीएमएस के मॉडलिंग, डिजाइन और कार्यान्वयन से संबंधित मूलभूत कार्यों में दक्षता प्रदर्शित करना।
- फंक्शनल डिपेंडेंसी और फंक्शनल डीकंपोजिशन को समझना।

### प्रयोगशाला में संचालित पाठ्यक्रम

- सी, पाइथन, जावा में प्रोग्रामिंग
- एल्गोरिदम का डिजाइन और विश्लेषण
- उन्नत एल्गोरिदम
- डाटा संरचना
- इमेज प्रोसेसिंग
- ऑपरेटिंग सिस्टम
- डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली (डीबीएमएस)



संगणक (कम्प्यूटर) प्रयोगशाला 3 (संगणन प्रयोगशाला) का आंतरिक दृश्य

### 4. सिमुलेशन एवं मॉडलिंग प्रयोगशाला (सी.एल.-4)

सगणकों (कंप्यूटरों) की संख्या: 30

#### गतिविधियाँ एवं उद्देश्य

- ऑपरेटिंग सिस्टम की अवधारणाओं और सिद्धांतों को पहचानना।
- ऑपरेटिंग सिस्टम में निहित सिद्धांतों, तकनीकों और दृष्टिकोणों का व्यापक परिचय प्रदान करना जो एक संगठित ज्ञान-समूह का निर्माण करते हैं।
- संगणक (कम्प्यूटर) ग्राफिक्स और इमेज प्रोसेसिंग का परिचय देना।
- द्वि-आयामी (2डी) वस्तुओं का दृश्यांकन एवं उनका ज्यामितीय रूपांतरण समझना।

- त्रि-आयामी (3डी) वस्तुओं का दृश्यांकन एवं प्रक्षेपण (प्रोजेक्शन) सीखना।

### प्रयोगशाला में संचालित पाठ्यक्रम

- सॉफ्टवेयर मॉडलिंग एंड डिजाइन
- सॉफ्ट कंप्यूटिंग
- इवोल्यूशनरी कम्प्यूटेशन
- कम्प्यूटर ग्राफिक्स
- इमेज प्रोसेसिंग
- कम्प्यूटर विज्ञान



संगणक (कम्प्यूटर) प्रयोगशाला 4 (सिमुलेशन एवं मॉडलिंग प्रयोगशाला) का आंतरिक दृश्य

### 5. कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र प्रयोगशाला (सी.एल.-5)

कंप्यूटरों (संगणकों) की संख्या: 60

#### गतिविधियाँ एवं उद्देश्य

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और संबंधित क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को आधुनिक प्रोग्रामिंग फ्रेमवर्क का उपयोग करते हुए एआई मॉडल और एल्गोरिदम को कार्यान्वित करने में सक्षम बनाना।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीप लर्निंग और डाटा विज्ञान के क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करना।
- जीपीयू-सक्षम प्रणालियों का उपयोग करते हुए एआई/एमएल विषयों पर तकनीकी कार्यशालाओं, कोडिंग स्पिंट और मॉडल बेंचमार्किंग प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।

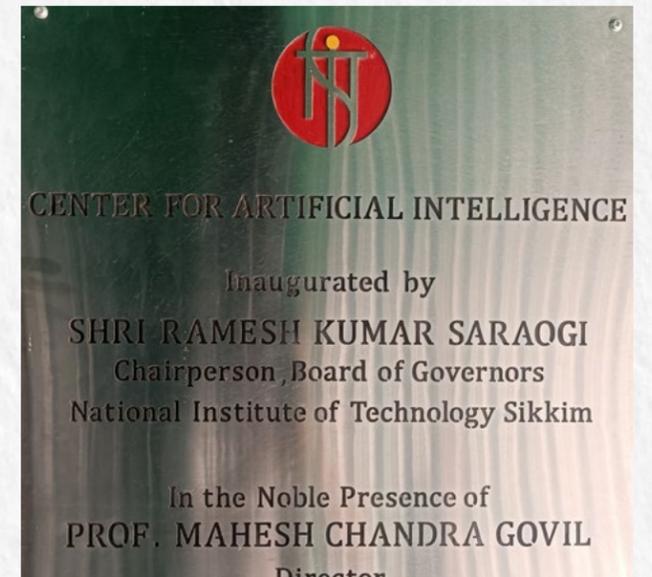
### प्रयोगशाला में संचालित पाठ्यक्रम

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशाला
- मशीन लर्निंग प्रयोगशाला
- डीप लर्निंग प्रयोगशाला
- डाटा प्रीप्रोसेसिंग एवं मिक्सिंग प्रयोगशाला
- इमेज प्रोसेसिंग प्रयोगशाला
- उन्नत एल्गोरिदम प्रयोगशाला
- क्रिप्टोग्राफी एवं नेटवर्क सुरक्षा प्रयोगशाला

### प्रणाली विन्यास विवरण

- मॉडल:** एचपी प्रो टावर 400 जी9 पीसीआई डेस्कटॉप
- ऑपरेटिंग सिस्टम:** डूअल [विंडोज 11 प्रो और लिनक्स (मिंट डेबियन)]

- प्रोसेसर:** 13वीं पीढ़ी इंटेल कोर i7-13700
- भौतिक मेमोरी (रैम):** 16 जीबी
- संग्रहण क्षमता:** 1 टीबी (एसएसडी)



संगणक (कम्प्यूटर) प्रयोगशाला 5 (कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र प्रयोगशाला) का आंतरिक दृश्य

## 6. उन्नत संगणन एवं अनुसंधान प्रयोगशाला (एचपीसी)

### जीपीयू सुविधा

जीपीयू की संख्या: 08

### विशिष्टताएँ

**प्रोसेसर:** इंटेल ज़ीऑन 5122, 3.6 गीगाहर्ट्ज़, 4 कोर, 16.5 एमबी कैश, 105 वाट

**मेमोरी:** 64 जीबी (2 × 32 जीबी) डी.डी.आर.4 2666 डीआईएमएम ईसीसी रैम (768 जीबी तक विस्तारणीय)

**हार्ड डिस्क:** 512 जीबी 2.5 इंच साटा एसएसडी, 2 टीबी 7200 आरपीएम साटा हार्ड डिस्क

**ग्राफिक्स:** 2 × एनवीडिया 2080टीआई, 11 जीबी

**ऑपरेटिंग सिस्टम:** विंडोज़ 10 प्रो वर्कस्टेशन प्लस इंडिया

### प्रयोगशाला में संचालित पाठ्यक्रम

- फॉग कंप्यूटिंग
- एज कंप्यूटिंग



संगणक (कम्प्यूटर) प्रयोगशाला 5 (उन्नत संगणन एवं अनुसंधान प्रयोगशाला) का आंतरिक दृश्य

### एचपीसी विनिर्देश

- 66 इंटेल ज़ीऑन आइवी ब्रिज (E5-2650V2) प्रोसेसर
- 15.02 टेराफ्लॉप्स की उच्चतम संगणन क्षमता
- 528 x86\_64 आधारित प्रोसेसिंग कोर
- कुल मेमोरी 2.112 टीबी (प्रति नोड 64 जीबी)

- क्लाउड कंप्यूटिंग
- क्रांटम कंप्यूटिंग
- नेचर-इंस्पायर्ड कंप्यूटिंग
- समानांतर एवं वितरित संगणन

### गतिविधियाँ एवं उद्देश्य

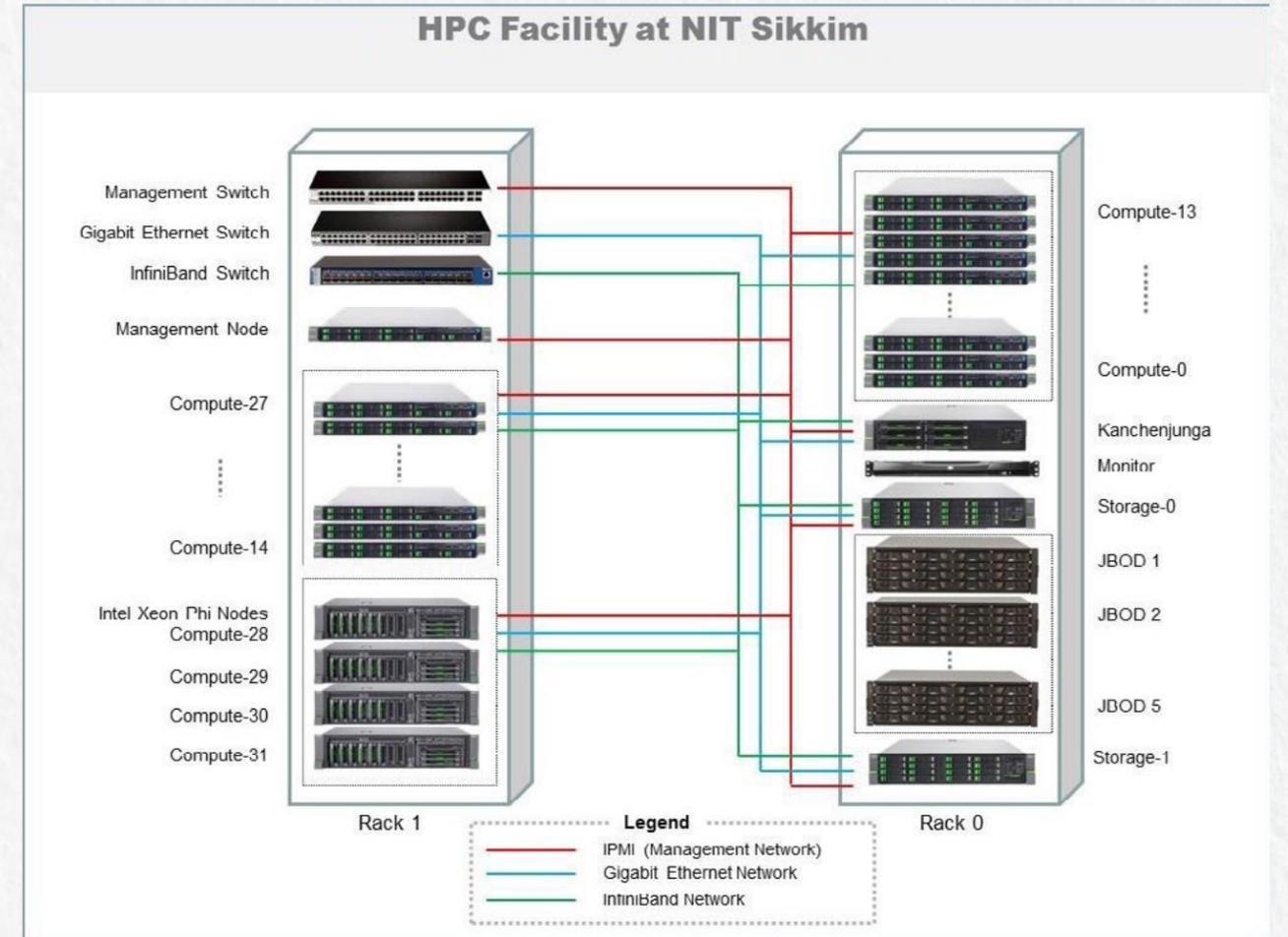
- ओपनएमपी, एमपीआई और मैप-रिड्यूस समानांतर परिवेशों के साथ एचपीसी प्लेटफॉर्म-एज़-ए-सर्विस (PaaS) उपलब्ध कराना।
- सुमेधा स्टैक में उपलब्ध स्वर्णिम इमेज के रूप में एचपीसी अनुप्रयोगों का चयन करना।
- इन्फ्रास्ट्रक्चर-एज़-ए-सर्विस (IaaS) के तहत एमपीआई क्लस्टर, हडूप क्लस्टर, ओपनएमपी सर्वर, वर्चुअल सर्वर और वर्चुअल स्टोरेज उपलब्ध कराना।
- प्लेटफॉर्म-एज़-ए-सर्विस (PaaS) के रूप में लिनक्स-आधारित एमपीआई, हडूप, ओपनएमपी, ग्लस्टरएफएस, लोकप्रिय प्रोग्रामिंग भाषाएँ और पुस्तकालय प्रदान करना।
- सॉफ्टवेयर-एज़-ए-सर्विस (SaaS) के अंतर्गत चयनित अनुप्रयोग (जैसे मौसमी पूर्वानुमान मॉडल के लिए पी.एस.ई.) और उदाहरणस्वरूप समानांतर प्रोग्राम प्रदान करना।

- मास्टर नोड में 6 × 600 जीबी, 15K आरपीएम, एसएसएस 6जीबीपीएस हॉट-प्लग एचडीडी
- कंप्यूट नोड्स में 2 × 250 जीबी, 7.2 आरपीएम, एंटरप्राइज साटा एचडीडी
- 4 × इंटेल ज़ीऑन फाई 5110पी एक्सेलेरेटर (8 जीबी, 60 को-प्रोसेसिंग कोर)

- 50 टीबी एनएल-एसएस और 20 टीबी एसएस स्टोरेज, RAID6 कॉन्फिगरेशन में
- प्राथमिक नेटवर्क के रूप में 36-पोर्ट 56जीबीपीएस 4X एफडीआर इन्फिनीबैंड

- द्वितीयक नेटवर्क के रूप में 48-पोर्ट गीगाबिट ईथरनेट
- प्रबंधन नेटवर्क के रूप में 48-पोर्ट गीगाबिट ईथरनेट
- विजुअलाइज़ेशन / प्रबंधन नोड

### एचपीसी संरचना



**एचपीसी पर पूर्ण किया गया अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) प्रोजेक्ट:** एसएमडीपी-सी2एसडी परियोजना, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### एचपीसी पर कार्य करने वाले शोधकर्ता

1. डॉ. जॉर्ज बिस्वास, शोधार्थी, भौतिकी विभाग
2. डॉ. निगिदाता प्रधान, शोधार्थी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग
3. डॉ. प्रीति गुप्ता, परियोजना संकाय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग
4. डॉ. रेश्मी धारा, शोधार्थी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

### राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में एचपीसी पर बाहरी संगठनों द्वारा किया गया शोध कार्य

निम्नलिखित संस्थानों को उनके अनुसंधान कार्यों के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में एचपीसी प्रणाली का उपयोग प्रदान किया गया है:

1. आईएनएसटी मोहाली
2. सिक्किम विश्वविद्यालय
3. केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता

## एचपीसी प्रणाली पर संचालित अनुप्रयोगों (सॉफ्टवेयर उपकरणों) की सूची

1. ओनामा (समानांतर अनुप्रयोग सूट)
2. सीएचरेएमई (एचपीसी संसाधन प्रबंधन हेतु)
3. आरओएमएस (क्षेत्रीय महासागर मॉडलिंग प्रणाली)
4. गॉसियन 9 और गॉस व्यू 5
5. ओपनफोम (ओपन-सोर्स फील्ड ऑपरेशन एंड मैनिपुलेशन)
6. वीएसपी और वानियर90
7. कैडेंस
8. मेंटर
9. मेटलैब
10. एन्सिस 19आर (ईएम एवं सीएफडी)
11. अनाकॉडा एवं पाइथन
12. इंटेल् पैरेलल स्टूडियो (इंटेल् एमपीआई, फॉर्ट्रान, ओपनएमपी कंपाइलर)
13. गैंगलिया (क्लस्टर मॉनिटरिंग)



परम कंचनजंघा

## विभाग में जारी/ पूर्ण हुई अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) परियोजनाएँ / योजनाएँ

- **एलिफ्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी (ईसीसी) का उपयोग करते हुए कुशल और सुरक्षित कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क (सीसीएन) आर्किटेक्चर का विकास, संचार प्रोटोकॉल सहित** — वित्तपोषक: आईसीपीएस प्रभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार (**₹ 20 लाख**), मुख्य अन्वेषक: डॉ. संग्राम रे।
- **कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क (सीसीएन) के संदर्भ में एलिफ्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी (ईसीसी) का उपयोग करते हुए कुशल और सुरक्षित इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) संचार रूपरेखा का डिजाइन** — एक अगली पीढ़ी की स्मार्ट संचार प्रौद्योगिकी, वित्तपोषक: इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार (**₹ 68 लाख**), मुख्य अन्वेषक: डॉ. संग्राम रे।
- **स्मार्ट बिल्डिंग में पावर क्वालिटी समस्याओं की निगरानी और नियंत्रण हेतु आईओटी आधारित स्मार्ट कॉन्ट्रोल एनर्जी मीटर (आईएससीईएम) का विकास**, वित्तपोषक: आईबीआईटीएफ, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार (**₹ 28.1576 लाख**), सह-अन्वेषक: डॉ. संग्राम रे।
- **कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क: इसकी सुरक्षा चुनौतियाँ और एलिफ्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी का उपयोग करते हुए कुछ सुरक्षा समाधान, वित्तपोषक:** डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार (**₹ 30 लाख**), मुख्य अन्वेषक: डॉ. संग्राम रे।
- **लो-बैक पेन के लिए स्मार्ट चेंबर का विकास, वित्तपोषक:** आई-हब दिव्यसंपर्क, आईआईटी रुड़की, डीएसटी, भारत सरकार (**₹ 26 लाख**), मुख्य अन्वेषक: डॉ. एम.डी. सरफराज आलम अंसारी।
- **आवाज़ और चेहरे के भावों के माध्यम से तनाव और चिंता का पता लगाना, वित्तपोषक:** आई-हब दिव्यसंपर्क, आईआईटी रुड़की, डीएसटी, भारत सरकार (**₹ 30 लाख**), सह-अन्वेषक: डॉ. एम.डी. सरफराज आलम अंसारी।
- **वायु गुणवत्ता सूचकांक की उन्नत निगरानी और पूर्वानुमान के लिए आईओटी और एपीआई सक्षम प्रणाली का विकास, वित्तपोषक:** आई-हब दिव्यसंपर्क, आईआईटी रुड़की, डीएसटी, भारत सरकार (**₹ 10 लाख**), मुख्य अन्वेषक: डॉ. पंकज कुमार केसरवानी।
- **स्वायत्त वाहनों के लिए एक उन्नत लिडार प्रणाली का डिजाइन, प्रायोजक:** एसएमडीपी-सी2एस, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार (**₹ 111 लाख**), मुख्य अन्वेषक: प्रो. एम. सी. गोविल।

## अन्य विभागों / संस्थानों के साथ सहयोग

- यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रेमेन, जर्मनी
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
- विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर
- सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सूरत
- सी-डैक, पुणे
- डीआरडीओ, भारत
- मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
- डॉ. बी. आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर
- भारतीय मानक ब्यूरो, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार
- सुशील कर कॉलेज, कोलकाता
- ब्रेनवेयर विश्वविद्यालय, कोलकाता
- एसआईएसटी चिसोपानी, सिक्किम

## विभागीय समितियाँ

क्रम सं.	समिति का नाम	सदस्य
1	शैक्षणिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (ए.पी.ई.सी.)	(क) डॉ. प्रत्यय कुइला, संयोजक एवं विभागाध्यक्ष (ख) डॉ. (एम.डी.) सरफराज आलम अंसारी, संयोजक डी.यू.जी.सी., सदस्य (ग) संबंधित छात्र(छात्रों) के संकाय सलाहकार, सदस्य (घ) डॉ. बम बहादुर सिन्हा, विभागाध्यक्ष नामित, सदस्य (ङ) डॉ. मोलाय रॉय, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) द्वारा नामित, सदस्य
2	विभागीय स्नातक समिति (डी.यू.जी.सी.)	(क) डॉ. (एम.डी.) सरफराज आलम अंसारी, संयोजक (ख) डॉ. प्रत्यय कुइला, विभागाध्यक्ष, सदस्य (ग) डॉ. संग्राम रे, संयोजक डी.पी.जी.सी., सदस्य (घ) डॉ. कृष्ण कुमार, सदस्य (ङ) डॉ. बम बहादुर सिन्हा, सदस्य
3	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डी.पी.जी.सी.)	(क) डॉ. संग्राम रे, संयोजक (ख) डॉ. प्रत्यय कुइला, विभागाध्यक्ष, सदस्य (ग) डॉ. (एम.डी.) सरफराज आलम अंसारी, संयोजक डी.यू.जी.सी., सदस्य (घ) डॉ. पंकज कुमार केसरवानी, सदस्य (ङ) डॉ. कृष्ण कुमार, सदस्य (च) डॉ. बम बहादुर सिन्हा, सदस्य (छ) डॉ. संजय कुमार जना, सीनेट अध्यक्ष द्वारा नामित
4	विभागीय कक्षा एवं परीक्षा समिति	(क) डॉ. कृष्ण कुमार, संयोजक (ख) डॉ. दीक्षा रंगवानी, सदस्य (ग) श्री अरुणाम्शु पाल, सदस्य
5	विभागीय परिणाम समिति	(क) डॉ. (एम.डी.) सरफराज आलम अंसारी, संयोजक (ख) डॉ. बम बहादुर सिन्हा, सदस्य
6	समन्वयक, सामुदायिक विकास	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी

क्रम सं.	समिति का नाम	सदस्य
7	समन्वयक, विभागीय पुस्तकालय	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
8	समन्वयक, विभागीय वेबसाइट विकास	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
9	समन्वयक, विभागीय प्रशिक्षण एवं नियुक्ति	डॉ. (एम.डी.) सरफराज आलम अंसारी
10	समन्वयक, रिपोर्ट तैयारी आदि	डॉ. संग्राम रे
11	संकाय सलाहकार, प्रथम वर्ष बी.टेक. (सीएसई 2024-28)	डॉ. बम बहादुर सिन्हा
12	संकाय सलाहकार, प्रथम वर्ष बी.टेक. (एआई/एमएल 2024-28)	डॉ. बम बहादुर सिन्हा
13	संकाय सलाहकार, द्वितीय वर्ष बी.टेक. (सीएसई 2023-27)	डॉ. (एम.डी.) सरफराज आलम अंसारी
14	संकाय सलाहकार, तृतीय वर्ष बी.टेक. (सीएसई 2022-26)	डॉ. कृष्ण कुमार
15	संकाय सलाहकार, चतुर्थ वर्ष बी.टेक. (सीएसई 2021-25)	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
16	संकाय सलाहकार, एम.टेक. (एआई/एमएल)	डॉ. प्रत्यय कुइला
17	प्रयोगशाला प्रभारी, सी.एल.-1 एवं सी.एल.-2	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
18	प्रयोगशाला प्रभारी, सी.एल.-3 एवं सी.एल.-4	डॉ. कृष्ण कुमार
19	प्रयोगशाला प्रभारी, एच.पी.सी. एवं अनुसंधान	डॉ. (एम.डी.) सरफराज आलम अंसारी
20	प्रयोगशाला प्रभारी, एआई/एमएल	डॉ. बम बहादुर सिन्हा

### संस्थान स्तर पर संकाय सदस्यों की प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ

क्र. सं.	संकाय सदस्यों का नाम	संस्थान स्तर की जिम्मेदारियाँ
1	प्रो. एम. सी. गोविल	<b>निदेशक एवं अध्यक्ष, सीनेट</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>विभागाध्यक्ष, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (28.07.2023 से वर्तमान)</li> <li>अधिष्ठाता, अनुसंधान एवं परामर्श (07.09.2022 से वर्तमान)</li> <li>संकाय प्रभारी, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (एफआईआईसीटीआई) (09.12.2016 से वर्तमान)</li> </ul>
2	डॉ. प्रत्यय कुइला	<ul style="list-style-type: none"> <li>संकाय समन्वयक, कम्प्यूटिंग उपकरण (18.08.2021 से वर्तमान)</li> <li>संकाय प्रभारी, फिट इंडिया मूवमेंट एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत (08.09.2022 से वर्तमान)</li> <li>मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) (28.02.2023 से वर्तमान)</li> <li>समन्वयक, पीएच.डी. प्रवेश (19.06.2021 से वर्तमान)</li> <li>नोडल अधिकारी, समर्थ ई-गव. सूट (शिक्षा मंत्रालय की पहल) (07.02.2023 से वर्तमान)</li> <li>संकाय प्रभारी, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) (15.05.2024 से वर्तमान)</li> </ul>
3	डॉ. संग्राम रे	<ul style="list-style-type: none"> <li>संकाय प्रभारी, विकसित भारत @2047 (09.12.2023 से 26.11.2024 तक)</li> <li>संकाय प्रभारी, विज्ञान ज्योति कार्यक्रम, डीएसटी (31.07.2024 से वर्तमान)</li> <li>सदस्य, सीजीएस सुविधा (23.04.2024 से वर्तमान)</li> </ul>

क्र. सं.	संकाय सदस्यों का नाम	संस्थान स्तर की जिम्मेदारियाँ
4	डॉ. (एम.डी.) सरफराज आलम अंसारी	<ul style="list-style-type: none"> <li>समन्वयक, कैपस वाइड नेटवर्किंग (18.07.2021 से वर्तमान)</li> <li>वार्डन, बालक छात्रावास-1 (22.02.2023 से वर्तमान)</li> <li>संकाय प्रभारी, पूर्व छात्र प्रकोष्ठ (09.08.2023 से वर्तमान)</li> <li>संकाय प्रभारी, सामुदायिक विकास एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम (14.09.2022 से वर्तमान)</li> </ul>
5	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी	<ul style="list-style-type: none"> <li>सदस्य, फिट इंडिया मूवमेंट एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत (08.09.2022 से वर्तमान)</li> <li>वार्डन, बाहरी छात्रावास (22.02.2024 से वर्तमान)</li> </ul>
6	डॉ. कृष्ण कुमार	<ul style="list-style-type: none"> <li>संकाय प्रभारी, छात्रवृत्ति (04.09.2024 से वर्तमान)</li> <li>सीएसई मॉडर, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) (04.09.2024 से वर्तमान)</li> <li>वार्डन, बालक छात्रावास-2 (22.02.2024 से वर्तमान)</li> </ul>
7	डॉ. बम बहादुर सिन्हा	<ul style="list-style-type: none"> <li>समन्वयक, एनपीटीईएल (22.05.2024 से वर्तमान)</li> <li>संकाय प्रभारी, युवामंथन मिशन इंडिया @2047 (17.05.2024 से वर्तमान)</li> <li>नोडल अधिकारी, स्वयम (04.10.2024 से वर्तमान)</li> </ul>

### सम्मेलन / कार्यशालाएँ आयोजित

- “सेकंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - 2025 (आईएसएआई-2025)” राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, सिक्किम, भारत में 5 से 7 मार्च 2025 तक आयोजित। इस संगोष्ठी की कार्यवाही स्पिंगर द्वारा “लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स” पुस्तक श्रृंखला में प्रकाशित की गई, जो एसकोपस, इस्पेक, डब्ल्यूटीआई फ्रैंकफर्ट ईजी, जेडबीमैथ, साइमगो और वेब ऑफ साइंस में सूचीबद्ध है।
- एक सप्ताहिय कार्यशाला “नेक्स्ट जेनरेशन कम्प्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एंड साइबर सिक्योरिटी” राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, सिक्किम, भारत में 3 से 7 जून 2024 तक आयोजित, जिसका वित्तपोषण भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा किया गया।
- एक सप्ताहिय गैर-आवासीय “एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम” राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, सिक्किम, भारत में 11 से 15 नवम्बर 2024 तक आयोजित, जिसका वित्तपोषण भारत सरकार द्वारा किया गया।
- एक सप्ताहिय संकाय विकास कार्यक्रम “एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट” विषय पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, सिक्किम, भारत में 27 से 31 मई 2024 तक आयोजित, जिसका वित्तपोषण भारत सरकार द्वारा किया गया।
- एक सप्ताहिय “एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम (ईएपी)” राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, सिक्किम, भारत में 19 से 24 सितम्बर 2024 तक आयोजित, जिसका वित्तपोषण भारत सरकार द्वारा किया गया।

- “थर्ड कांग्रेस ऑन स्मार्ट कम्प्यूटिंग टेक्नोलॉजीज (सीएससीटी-2024)” राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, सिक्किम, भारत में 14 से 15 दिसम्बर 2024 तक आयोजित, जिसका वित्तपोषण सॉफ्ट कम्प्यूटिंग रिसर्च सोसाइटी, भारत द्वारा किया गया।
- एक सप्ताहिय उन्नत उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम (एडवांस्ड ईएसडीपी) “रिन्यूएबल एनर्जी सोर्सिज इन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स एंड डिस्ट्रिब्यूटेड जेनरेशन सिस्टम्स” विषय पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, सिक्किम, भारत में 17 से 21 फरवरी 2025 तक आयोजित, जिसका वित्तपोषण सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार द्वारा किया गया।
- एक सप्ताहिय उन्नत उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम (ए-ईएसडीपी) “रीसेंट ट्रेड्स इन वीएलएसआई डिज़ाइन, सिस्टम ऑन चिप एंड एम्बेडेड सिस्टम्स” विषय पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, सिक्किम, भारत में 24 से 28 फरवरी 2025 तक आयोजित, जिसका वित्तपोषण सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार द्वारा किया गया।
- एक सप्ताहिय संकाय विकास कार्यक्रम “नेक्स्ट-जेन कम्प्यूटिंग: एक्सप्लोरिंग सुपरकम्प्यूटिंग, एआई एंड क्वांटम टेक्नोलॉजीज” विषय पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, सिक्किम, भारत में 10 से 15 फरवरी 2025 तक आयोजित।

### मुख्य व्याख्यान / विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

- प्रो. पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती, पूर्व निदेशक एवं प्रोफेसर, आईआईटी खड़गपुर द्वारा दिनांक 5 मार्च 2025 को एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया।
- प्रो. विष्णु प्रिये, पूर्व निदेशक, आईआईआईटी रांची एवं सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी आईएसएम धनबाद ने 6 मार्च 2025 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- डॉ. एंडी खोंग, एसोसिएट प्रोफेसर, एनटीयू सिंगापुर ने 4 मार्च 2025 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- श्री एस. के. कनोजिया, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख, एसएसडी ने 11 नवम्बर 2024 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. संतनु मन्ना, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी इंदौर ने 20 मार्च 2025 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- प्रो. राजीव श्रीवास्तव, निदेशक, आईआईआईटी रांची एवं प्रोफेसर, आईआईटी बीएचयू ने 7 मार्च 2025 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. गिरीश मिश्रा, वैज्ञानिक 'एफ', डीआरडीओ ने 5 मार्च 2025 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. मणि मधुकर, आईबीएम ने 7 मार्च 2025 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- प्रो. सुकुमार नंदी, प्रोफेसर, आईआईटी गुवाहाटी ने 4 जून 2024 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. अश्विनी शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी रोपड़ ने 3 जून 2024 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

### मुख्य व्याख्यान / विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत

- प्रो. एम. सी. गोविल ने एआईएआईए 2024 सम्मेलन में मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसका विषय था "एडवांस्ड इनोवेशन ऑगमेंटेड विद इंटेलेजेंट एनालिटिक्स (एआईएआईए 2024)", जो "इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑन ग्रीन एनवायरनमेंट, टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप थ्रू इनोवेशन (आईसीजीईटीईआई 2024)" के तत्वावधान में आयोजित किया गया।
- प्रो. एम. सी. गोविल ने "द 12वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रीसेंट ट्रेड्स इन कंप्यूटिंग (आईसीआरटीसी 2024)" के उद्घाटन सत्र में मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया, जो एसआरएमआईएसटी दिल्ली-एनसीआर परिसर, मोदीनगर में आयोजित हुआ।
- प्रो. एम. सी. गोविल ने "6ठा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डीप लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस एंड रोबोटिक्स (आईसीडीएलआईआर 2024)" में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, जो कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी कुरुक्षेत्र में 6 से 8 दिसम्बर 2024 के बीच आयोजित हुआ।
- प्रो. एम. सी. गोविल ने "एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम" पर 12 मार्च 2025 को एनआईटी सिकिम में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- प्रो. एम. सी. गोविल ने "ए-ईएसडीपी प्रोग्राम ऑन रिन्यूएबल एनर्जी सोर्सेज इन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स एंड डिस्ट्रीब्यूटेड जनरेशन सिस्टम्स" के उद्घाटन सत्र में 17 फरवरी 2025 को उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- प्रो. एम. सी. गोविल ने "एईएसडीपी वर्कशॉप ऑन रीसेंट ट्रेड्स इन वीएलएसआई डिजाइन, सिस्टम ऑन चिप एंड एम्बेडेड

सिस्टम्स" में 24 से 28 फरवरी 2025 के दौरान विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- प्रो. एम. सी. गोविल ने "12वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रीसेंट ट्रेड्स इन कंप्यूटिंग (आईसीआरटीसी 2024)" में 5-6 जुलाई 2024 को मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. संग्राम रे ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, जोते, अरुणाचल प्रदेश में "फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन साइबर सिक्योरिटी: करंट ट्रेड्स एंड चैलेंजेस" के अंतर्गत 17-21 मार्च 2025 को दो विशेषज्ञ व्याख्यान दिए।
- डॉ. संग्राम रे ने डॉ. एस. पी. एम. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ में "एडवांस्ड एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (ए-ईएसडीपी) ऑन एम्पावरिंग एंटरप्रेन्योरस: साइबर एंड नेटवर्क सिक्योरिटी अवेयरनेस फॉर थ्रेट प्रिवेंशन" के अंतर्गत 17-21 फरवरी 2025 को दो विशेषज्ञ व्याख्यान दिए।
- डॉ. संग्राम रे ने यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) कोलकाता में "ऑनलाइन एक्सपर्ट लेक्चर सीरीज़" के अंतर्गत 17 जनवरी 2025 को एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. संग्राम रे ने जलपाईगुड़ी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल में "एटीएल ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन स्मार्ट कंप्यूटिंग एंड इट्स एप्लिकेशन्स इन साइबर डिफेंस एंड डिजिटल फॉरेंसिक्स" के अंतर्गत 17 दिसम्बर 2024 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. संग्राम रे ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में "वर्कशॉप ऑन आईओटी-हेल्थ: आईओटी एनैबलिंग टेक्नोलॉजी, सिक्योरिटी एंड इट्स एप्लिकेशन ऑन हेल्थकेयर" में 10 दिसम्बर 2024 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. संग्राम रे ने एकेडमी ऑफ टेक्नोलॉजी, आदिसप्तग्राम, पश्चिम बंगाल में "एटीएल ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन पायनियरिंग द फ्यूचर ऑफ हेल्थकेयर: रोबोटिक्स, डीप लर्निंग एंड इमर्जिंग टेक" के अंतर्गत 6 दिसम्बर 2024 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. संग्राम रे ने ब्रेनवेयर यूनिवर्सिटी, कोलकाता में "एक्सपर्ट लेक्चर सीरीज़" के अंतर्गत 16 नवम्बर 2024 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. संग्राम रे ने एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता में "ऑनलाइन एक्सपर्ट लेक्चर सीरीज़" के अंतर्गत 6 नवम्बर 2024 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. संग्राम रे ने चैतन्य भारती इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद में "फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन मशीन लर्निंग एप्लिकेशन्स

फॉर इंजीनियर्स" के अंतर्गत 6 जून 2024 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

### विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशन

#### पत्रिकाएं

- कुंदन कांति साहा, संग्राम रे और मौ दसगुप्ता, "ईसीएमएचपी: ईसीसी-आधारित सुरक्षित हैडशेक प्रोटोकॉल फॉर मल्टीकास्टिंग इन सीसीएन-आईओटी एनवायरनमेंट", आईईईई ट्रांजेक्शंस ऑन नेटवर्क एंड सर्विस मैनेजमेंट, वॉल्यूम 21, संख्या 5, पृष्ठ 5826-5842, 2024।
- प्रियंका दास, संग्राम रे, दीपान्विता साधुखान, मौ दसगुप्ता, अशोक कुमार दास और महेश चंद्र गोविल, "एलपीएसआरयूए-एमआईओटी: लाइटवेट एंड प्रोवेबल सिक्योर रिमोट यूज़र ऑथेंटिकेशन स्कीम फॉर मल्टी-गेटवे फ्रेमवर्क इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स", सिक्योरिटी एंड प्राइवैसी, वाइली, 2024।
- सुमन मजूमदार, संग्राम रे, दीपान्विता साधुखान, मौ दसगुप्ता, अशोक कुमार दास और यंगहो पार्क, "ईसीसी-पीडीजीपीपी: ईसीसी-आधारित पैरेलल डिपेंडेंसी आरएफआईडी-ग्रेपिंग प्रूफ प्रोटोकॉल यूजिंग ज़ीरो नॉलेज प्रॉपर्टी इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स एनवायरनमेंट", आईईईई ओपन जर्नल ऑफ द कंप्यूटर सोसाइटी, वॉल्यूम 5, पृष्ठ 329-342, 2024।
- दीपान्विता साधुखान, संग्राम रे, मौ दसगुप्ता और मुहम्मद खुर्रम खान, "डेवलपमेंट ऑफ ए प्रोवेबली सिक्योर एंड प्राइवैसी-प्रिजर्विंग लाइटवेट ऑथेंटिकेशन स्कीम फॉर रोमिंग सर्विसेज इन ग्लोबल मोबिलिटी नेटवर्क", जर्नल ऑफ नेटवर्क एंड कंप्यूटर एप्लिकेशंस, एल्सेवियर, वॉल्यूम 224, पृष्ठ 103831, 2024।
- अनिंद कुमार विश्वास, मौ दसगुप्ता और संग्राम रे, "क्रिप्टोएनालिसिस एंड इम्प्रूवमेंट ऑफ क्यू पेंग एट अल.स पीवीएसएस स्कीम", क्रिप्टोलोजिया, टेलर एंड फ्रांसिस, वॉल्यूम 48, संख्या 4, पृष्ठ 291-304, 2024।
- सांतनु घोष, प्रत्यय कुइला, "क्रांटम जीए-ड्रिवन डिजिटल ट्विन फॉर टास्क अर्जेसी-अवेयर पार्टिशनिंग एंड ऑफलोडिंग इन मल्टी यूएवी-एडेड एमईसी सिस्टम्स", एड हॉक नेटवर्क्स (एल्सेवियर), वॉल्यूम 176, 103891, 2025।
- सांतनु घोष, प्रत्यय कुइला, मालोम बे और एम. अज़हरुद्दीन, "क्रांटम-इंस्पायर्ड प्रेविटेशनल सर्च एल्गोरिद्म-बेस्ड लो-प्राइस बाइनरी टास्क ऑफलोडिंग फॉर मल्टी-यूज़र्स इन यूएवी-असिस्टेड एज कंप्यूटिंग सिस्टम्स", एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लिकेशंस (एल्सेवियर), वॉल्यूम 263, 125762, 2025।
- बिस्वदीप बंधोपाध्याय, प्रत्यय कुइला और महेश चंद्र गोविल, "पॉपुलैरिटी-कॉन्शस सर्विस केशिंग एंड ऑफलोडिंग इन डिजिटल

ट्विन एंड नोमा-एडेड कनेक्टेड ऑटोनॉमस व्हीक्यूलर सिस्टम्स", आईईईई ट्रांजेक्शंस ऑन नेटवर्क एंड सर्विस मैनेजमेंट, वॉल्यूम 21, संख्या 6, पृष्ठ 6451-6464, 2024।

- मालोम बे, प्रत्यय कुइला और बनावत बालाजी नायक, "क्रांटम-इंस्पायर्ड डिफरेंशियल एवोल्यूशन विद डिफोडिंग यूजिंग हैशिंग फॉर एफिशिएंट यूज़र एलोकेशन इन एज कंप्यूटिंग एनवायरनमेंट", आईईईई ट्रांजेक्शंस ऑन इमर्जिंग टॉपिक्स इन कंप्यूटिंग, वॉल्यूम xx, पृष्ठ 1-17, 2024।
- पिटू कुमार राम और प्रत्यय कुइला, "ऑप्टिमाइजेशन ऑफ डायनेमिक बाइ-क्लस्टरिंग बेस्ड ऑन इम्प्रूव्ड जेनेटिक एल्गोरिद्म फॉर माइक्रोएरे डेटा", पैटर्न एनालिसिस एंड एप्लिकेशंस (स्प्रिंगर), वॉल्यूम 27, पृष्ठ 97, 2024।
- एस. एम. अबिदार रहमान, एम. अज़हरुद्दीन और प्रत्यय कुइला, "एफिशिएंट शेड्यूलिंग ऑफ चार्जर-यूएवी इन वायरलेस रिचार्जबल सेंसर नेटवर्क्स: सोशल ग्रुप ऑप्टिमाइजेशन बेस्ड एप्रोच", जर्नल ऑफ नेटवर्क एंड सिस्टम्स मैनेजमेंट (स्प्रिंगर), वॉल्यूम 32, पृष्ठ 55, 2024।
- बिस्वदीप बंधोपाध्याय, प्रत्यय कुइला, मालोम बे और महेश चंद्र गोविल, "क्रांटम-इंस्पायर्ड डिफरेंशियल एवोल्यूशन फॉर फ्रेशनेस-अवेयर केशिंग-एडेड ऑफलोडिंग इन डिजिटल ट्विन-एनेबल्ड इंटरनेट ऑफ व्हीकल्स", आईईईई ट्रांजेक्शंस ऑन इंटेलेजेंट व्हीकल्स, 2024।
- बिस्वदीप बंधोपाध्याय, प्रत्यय कुइला, महेश चंद्र गोविल और मालोम बे, "डिले-सेंसिटिव टास्क ऑफलोडिंग एंड एफिशिएंट रिसोर्स एलोकेशन इन इंटेलेजेंट एज-क्लाउड एनवायरनमेंट्स: ए डिस्ट्रिटाइज्ड डिफरेंशियल एवोल्यूशन-बेस्ड एप्रोच", एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग (एल्सेवियर), वॉल्यूम 159, 111637, 2024।
- सुभाष हरिजन, प्रत्यय कुइला, अनिल कुमार, अखिलेंद्र खरे और हर्षवर्धन चौधरी, "मल्टी-ऑब्जेक्टिव एवोल्यूशनरी एल्गोरिद्म फॉर कवरेज एंड कनेक्टिविटी अवेयर रिसे नोड प्लेसमेंट इन क्लस्टर-बेस्ड वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स", वायरलेस पर्सनल कम्प्युनिकेशंस (स्प्रिंगर), वॉल्यूम 135, संख्या 2, पृष्ठ 979-1008, 2024।
- मालोम बे, प्रत्यय कुइला, बनावत बालाजी नायक और संतनु घोष, "क्रांटम-इंस्पायर्ड पार्टिकल स्वॉर्म ऑप्टिमाइजेशन फॉर एफिशिएंट आईओटी सर्विस प्लेसमेंट इन एज कंप्यूटिंग सिस्टम्स", एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लिकेशंस (एल्सेवियर), वॉल्यूम 236, 121270, 2024।
- बी. बालाजी नायक, टी. जे. वी. रामा रेड्डी, के. रोहित वेंकट कार्तिक और प्रत्यय कुइला, "एन एसक्यूएल केरी जनरेटर फॉर क्रॉस-डोमेन ह्यूमन लैंग्वेज-बेस्ड केशन बेस्ड ऑन एनएलपी मॉडल",

- मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लिकेशंस (स्प्रिंगर)**, वॉल्यूम 83, पृष्ठ 11861-11884, 2024।
- बिपल खनाल, चंदन कुमार और **एम. सरफराज आलम अंसारी**, "रीयल-टाइम एनोमली डिटेक्शन फ्रेमवर्क टू मिटिगेट एमर्जिंग थ्रेट्स इन सॉफ्टवेयर डिफाईंड नेटवर्क्स", *जर्नल ऑफ नेटवर्क एंड सिस्टम्स मैनेजमेंट*, वॉल्यूम 33, संख्या 2, पृष्ठ 26, 2025।
  - बनावत बालाजी नायक, बोल्लु प्रियंका और **एम. सरफराज आलम अंसारी**, "एनर्जी-एफिशिएंट टास्क ऑफलोडिंग एंड एफिशिएंट रिसोर्स एलोकेशन फॉर एज कंप्यूटिंग: ए क्वांटम इन्स्पायर्ड पार्टिकल स्वॉर्म ऑप्टिमाइजेशन एप्रोच", *क्लस्टर कंप्यूटिंग*, वॉल्यूम 28, संख्या 4, पृष्ठ 278, 2025।
  - मनवेन्द्र सिंह, **एम. सरफराज आलम अंसारी** और **महेश चंद्र गोविल**, "डिटेक्शन ऑफ फ्रैक्शनल डिफरेंस इन इंटरवर्टिब्रल डिस्क एमआरआई इमेजेस फॉर रिकग्निशन ऑफ लो बैक पेन", *इमेज एंड विज़न कंप्यूटिंग*, वॉल्यूम 153, पृष्ठ 105333, 2025।
  - अर्णब कुमार राँय, हेमंत कुमार कथानिया, अधितिय शर्मा, अभिषेक डे और **एम. सरफराज आलम अंसारी**, "रेसईमोटनेट: ब्रिजिंग एक्चुरसी एंड लॉस रिडक्शन इन फेशियल इमोशन रिकग्निशन", *आईईईई सिग्नल प्रोसेसिंग लेटर्स*, 2024।
  - नेरिता सरकार, **पंकज कुमार केसरवानी** और **महेश चंद्र गोविल**, "ए मॉडिफाईड पीएसओ बेस्ड हाइब्रिड डीप लर्निंग एप्रोच टू प्रेडिक्ट एक्चुरसी ऑफ अर्बन मेट्रोपोलिस", *अर्बन क्लाइमेट*, वॉल्यूम 58, पृष्ठ 102212, 2024।
  - केविसिनो खाते, **बी. बी. सिन्हा** और अरंभम नीलिमा, "ए नॉवेल एप्रोच टू कोविड-19 डायग्नोसिस: फ्लावर पॉलिनेशन-एनहेंस्ड सीएनएन फॉर चेस्ट एक्स-रे एनालिसिस", *द कंप्यूटर जर्नल*, वॉल्यूम 67, संख्या 11, पृष्ठ 3080-3093, 2024।
  - बी. बी. सिन्हा** और आर. धनलक्ष्मी, "ए मल्टी-फ्यूज्ड कॉन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क मॉडल फॉर फ्रूट इमेज क्लासिफिकेशन", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉम्प्यूटिंग कंफ्यूटिंग इन इंजीनियरिंग*, वॉल्यूम 5, पृष्ठ 416-424, 2024।
  - बी. बी. सिन्हा**, रमनीश सिन्हा और विष्णु प्रिये, "बियाँड क्लासिकल एप्रोचस: रीडेफाइनिंग द लैंडस्केप ऑफ हाई-एक्चुरेट मूवी रिकमेंडेशन यूजिंग क्यूएनएन", *द जर्नल ऑफ सुपरकंप्यूटिंग*, वॉल्यूम 81 (347), पृष्ठ 1-30, 2024।
  - मोहम्मद एहसान और **बी. बी. सिन्हा**, "एन एफिशिएंट रूमर डिटेक्शन मॉडल बेस्ड ऑन डीप लर्निंग एंड फ्लावर पॉलिनेशन एल्गोरिद्म", *नॉलेज एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम्स*, वॉल्यूम 67, पृष्ठ 2691-2719, 2025।
  - सत्यम कुमार, **बी. बी. सिन्हा** और प्रियांक खरे, "ए कोहरेट एनालिटिकल मॉडल टू स्ट्रेंथन व्हीक्यूलर कम्प्युनिकेशन इन वीएएनईटी यूजिंग ड्रॉपटेल प्रायोरिटी क्यू", *जर्नल ऑफ द इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया)*: सीरीज बी, 2025।
  - आरती बहुगुणा, गोपा भौमिक, **बी. बी. सिन्हा** और महेश चंद्र गोविल, "ए हाइब्रिड एप्रोच फॉर स्टैटिक हैड जेस्चर रिकग्निशन: इंटीग्रेटिंग डायरेक्शनल एडिप्टिव पैटर्न्स विद मल्टी-स्केल फीचर एक्सट्रैक्शन एंड एग्रीगेशन", *इंजीनियरिंग एप्लिकेशंस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस*, 2025।
- ### सम्मेलन
- प्रियंका दास, **संग्राम रे** और **महेश चंद्र गोविल**, "ए नॉवेल एंड सिक्वोर ब्लॉकचेन-असिस्टेड एनएफसी-बेस्ड ई-वॉलेट आर्किटेक्चर", *छठा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रीसेंट एडवांसेस इन इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आरएआईटी 2025)*, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद, झारखंड, भारत, 6-8 मार्च 2025, आईईईई एक्सप्लोर में प्रकाशन हेतु स्वीकृत।
  - दीपान्विता साधुखान, **संग्राम रे** और शौर्य रंजन, "इटीग्रेशन ऑफ ब्लॉकचेन टू इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) एनवायरनमेंट", *चौथा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नेटवर्क सिक्वोरिटी एंड ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी (आईसीएनएसबीटी 2025)*, हल्द्विया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पश्चिम बंगाल, भारत, 14-16 जनवरी 2025, के दौरान आयोजित एलएनएनएस स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स में प्रकाशन हेतु स्वीकृत।
  - शिवानी सैनी, **संग्राम रे**, प्रियंका दास, मौ दसगुप्ता और **महेश चंद्र गोविल**, "क्रिएनालिसिस ऑफ क्रॉस-डोमेन आइडेंटिटी ऑर्थोटिकेशन स्कीम बेस्ड ऑन ब्लॉकचेन एंड पीकेआई सिस्टम", *11वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग (आईसीएमसी 2025)*, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, भारत, 9-11 जनवरी 2025, *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स* में प्रकाशन हेतु स्वीकृत।
  - अरविंद कुमार सिंह, **संग्राम रे** और प्रियंका दास, "मेक-आईओएमटी: म्यूचुअल ऑर्थोटिकेशन एंड की एस्टैब्लिशमेंट स्कीम फॉर आईओएमटी एनवायरनमेंट", *छठा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मशीन लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, नेटवर्क सिक्वोरिटी एंड डेटा साइंस - 2024 (एमआईएनडी - 2024)*, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान गोवा, भारत, 20-21 दिसम्बर 2024, *सीसीआईएस स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स* में प्रकाशन हेतु स्वीकृत।
  - कुंदन कांति साहा, **संग्राम रे**, मौ दसगुप्ता, "6जी वर्टिनएक्स सबनेटवर्क इन कॉन्टेक्ट ऑफ आईसीएन", *आईईईई कैलकॉन 2024*, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, 14-15 दिसम्बर 2024, *आईईईई* एक्सप्लोर में प्रकाशन हेतु स्वीकृत।
  - कोटा लोकेश, **संग्राम रे** और प्रियंका दास, "एन इफेक्टुअल इमेज बेस्ड ऑर्थोटिकेशन स्कीम फॉर मोबाइल डिवाइस यूजिंग मशीन लर्निंग", *छठा इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स कम्प्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस (आईसीसीसी 2024)*, क्यूशू विश्वविद्यालय, फुकुओका, जापान, 19-21 जुलाई 2024, *एसीएम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स* में प्रकाशन हेतु स्वीकृत।
  - प्रियंका दास, **संग्राम रे** और **महेश चंद्र गोविल**, "जीरो ट्रस्ट नेटवर्क एक्सेस (जेटीएनए) एप्रोच: ए नॉवेल पर्सपेक्टिव टू क्लाउड सिक्वोरिटी", *तीसरा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नेटवर्क सिक्वोरिटी एंड ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी (आईसीएनएसबीटी 2024)*, जलपाईगुड़ी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, पश्चिम बंगाल, भारत, 6-8 जून 2024, *एलएनएनएस स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स* में प्रकाशन हेतु स्वीकृत।
  - अतनु सरकार और **संग्राम रे**, "एनहेंसिंग हेल्थकेयर आईओटी सिक्वोरिटी: ए सीसीएन-बेस्ड एप्रोच फॉर एफआईबी एस्टैब्लिशमेंट एंड कंटेंट डिलीवरी", *तीसरा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नेटवर्क सिक्वोरिटी एंड ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी (आईसीएनएसबीटी 2024)*, जलपाईगुड़ी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, पश्चिम बंगाल, भारत, 6-8 जून 2024, *एलएनएनएस स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स* में प्रकाशन हेतु स्वीकृत।
  - मालोम बे, **प्रत्यय कुइला**, बनावत बालाजी नायक, "क्वांटम-इन्स्पायर्ड डिफरेंशियल एवोल्यूशन बेस्ड एफिशिएंट आईओटी सर्विस प्लेसमेंट इन एज नेटवर्क्स", *15वां आईईईई आईसीसीसीएनटी 2024*, आईईईई एक्सप्लोर में प्रकाशित।
  - अमन सौरव, बिस्वदीप बंधोपाध्याय, **प्रत्यय कुइला**, **महेश चंद्र गोविल**, "डीक्यूएन-बेस्ड मल्टी-यूजर मल्टी-टास्क ऑफलोडिंग इन मोबाइल एज कंप्यूटिंग", *15वां आईईईई आईसीसीसीएनटी 2024*, आईईईई एक्सप्लोर में प्रकाशित।
  - बिस्वदीप बंधोपाध्याय, **प्रत्यय कुइला**, **महेश चंद्र गोविल**, "पार्टिकल स्वॉर्म ऑप्टिमाइजेशन फॉर लेटेंसी-अवेयर मल्टी-यूजर टास्क ऑफलोडिंग इन रिसोर्स-कंस्ट्रेड फॉग-क्लाउड फ्रेमवर्क", *15वां आईईईई आईसीसीसीएनटी 2024*, आईईईई एक्सप्लोर में प्रकाशित।
  - सुमन बनर्जी, **प्रत्यय कुइला** और बालाजी नायक, "ब्लॉकचेन-असिस्टेड ट्रस्ट मैनेजमेंट इन व्हीक्यूलर ऐड-हॉक नेटवर्क्स", *15वां आईईईई आईसीसीसीएनटी 2024*, आईईईई एक्सप्लोर में प्रकाशित।
  - बिस्वदीप बंधोपाध्याय, **प्रत्यय कुइला**, **महेश चंद्र गोविल**, "ए डिस्क्रिटाइज्ड पार्टिकल स्वॉर्म ऑप्टिमाइजेशन बेस्ड कैशिंग एंड ऑफलोडिंग इन डिजिटल ट्विन-असिस्टेड आईओवी", *21वां आईईईई इंडिकॉन 2024*, आईईईई एक्सप्लोर में प्रकाशित।
  - बिस्वदीप बंधोपाध्याय, **प्रत्यय कुइला**, **महेश चंद्र गोविल**, "प्रायोरिटी डीप क्यू-नेटवर्क बेस्ड कम्प्यूटेशनल ऑफलोडिंग इन नोमा-एनेबल्ड मल्टी-यूजर कोलैबोरेटिव मल्टी-एज कंप्यूटिंग सिस्टम्स", *21वां आईईईई इंडिकॉन 2024*, आईईईई एक्सप्लोर में प्रकाशित।
  - बिस्वदीप बंधोपाध्याय, **प्रत्यय कुइला** और **महेश चंद्र गोविल**, "डिफरेंशियल एवोल्यूशन-बेस्ड सर्विस कैशिंग एंड ऑफलोडिंग इन डिजिटल ट्विन-एनेबल्ड आईटीएस", *6वां आईईईई आरएआईटी 2025*, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, आईईईई एक्सप्लोर।
  - मालोम बे, **प्रत्यय कुइला**, बनावत बालाजी नायक, "क्वांटम-इन्स्पायर्ड पीएसओ बेस्ड यूजर एलोकेशन इन एज कंप्यूटिंग सिस्टम्स", *6वां आईईईई आरएआईटी 2025*, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, आईईईई एक्सप्लोर।
  - आलु सुधर्शन राव, बिपल खनाल और **एम. सरफराज आलम अंसारी**, "एडिप्टिव स्विच माइग्रेसन स्ट्रेटेजी फॉर लोड बैलेंसिंग इन डिस्ट्रिब्यूटेड मल्टी-कंट्रोलर सॉफ्टवेयर डिफाईंड नेटवर्क्स", *17वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्युनिकेशन सिस्टम्स एंड नेटवर्क्स (कॉम्सनेट 2025)*, पृष्ठ 266-274, आईईईई, 2025।
  - मोस्ट तहिया सुभा अंकीता, बिपल खनाल, संवेदना गुप्ता, मनवेन्द्र सिंह, बी. बालाजी नायक, और **एम. सरफराज आलम अंसारी**, "टेमिंग द मंकीपॉक्स आउटब्रेक विद डीप लर्निंग फॉर स्किन लीजन डिटेक्शन", *छठा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन कम्प्युनिकेशंस एंड बिजनेस एनालिटिक्स (सीआईसीबीए 2024)*, पृष्ठ 158-173, स्प्रिंगर, 2024।
  - दन कुमार, मनवेन्द्र सिंह, बिपल खनाल, **एम. सरफराज आलम अंसारी**, और **महेश चंद्र गोविल**, "इज सॉफ्टवेयर-डिफाईंड स्मार्ट ग्रिड सिक्वोर? एन एनालिसिस ऑफ सिक्वोरिटी इश्यूज एंड सॉल्यूशन्स", *छठा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन कम्प्युनिकेशंस एंड बिजनेस एनालिटिक्स (सीआईसीबीए 2024)*, पृष्ठ 273-283, स्प्रिंगर, 2024।
  - मनवेन्द्र सिंह, चंदन कुमार, **एम. सरफराज आलम अंसारी**, और **महेश चंद्र गोविल**, "ए कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू ऑफ एआई-बेस्ड लो बैक पेन असेसमेंट एंड रिहैबिलिटेशन", *छठा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन कम्प्युनिकेशंस एंड बिजनेस एनालिटिक्स (सीआईसीबीए 2024)*, पृष्ठ 174-181, स्प्रिंगर, 2024।
  - एस. दास, पी. के. केसरवानी, और **महेश चंद्र गोविल**, "डिटेक्टिंग एडवर्सेरियल सैपल्स यूजिंग कर्नेल डेंसिटी फीचर एक्सट्रैक्टर इन मेडिकल इमेज", *26वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिस्ट्रीब्यूटेड कंप्यूटिंग एंड नेटवर्किंग*, पृष्ठ 420-425, 2025।
  - आर. डी. वर्मा, पी. के. केसरवानी, वी. के. जैन, "ए सीएनएन एप्रोच टू डिटेक्ट द एनॉमलीज़ इन बीजीपी ट्रैफिक", *2024 15वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग कम्प्युनिकेशन एंड नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज (आईसीसीसीएनटी 2024)*, पृष्ठ 1-6, *आईईईई*, 2024।
  - अमितेश पटेल, अमन कपूर, मृगमय महतो, शुभ्रदीप राउत, और **बी. बी. सिन्हा**, "एनहेंसिंग रूमर डिटेक्शन: ए हाइब्रिड डीप लर्निंग एप्रोच विद ईएलएमओ एम्बेडिंग्स एंड सीएनएन", *आईईईई*

- इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरडिसिप्लिनरी अप्रोचेज इन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट फॉर सोशल इनोवेशन (आईएटीएमएसआई 2024)।
- अर्काजित बनर्जी और **बी. बी. सिन्हा**, "फ्रॉम स्पार्सिटी टू एक्चूरसी: एनहेंसिंग रिकमेंडेशन सिस्टम्स विद आइटम-बेस्ड कोलैबोरेटिव फिल्टरिंग एंड एसवीडी मैट्रिक्स फैक्टराइजेशन", चौथा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन 'एमर्जिंग ट्रेन्ड्स एंड टेक्नोलॉजीज ऑन इंटेलेजेंट सिस्टम्स' (ईटीटीआईएस 2024)।
- ए. राजहंस, टी. दास, ए. कुमार और **बी. बी. सिन्हा**, "एक्सप्लोरिंग द इम्पैक्ट ऑफ फाइनेंशियल न्यूज़ सेंटिमेंट ऑन स्टॉक प्राइस फोरकास्टिंग: ए कम्पेरेटिव डीप लर्निंग एप्रोच", प्रथम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्युटेशनल एंड कंप्यूटर साइंस (इनसीसीएस 2024), बेंगलुरु, भारत, 2024, पृष्ठ 1-6।
- अनिर्बन पोन्या, वरुण सिंह, और **बी. बी. सिन्हा**, "टुवर्ड्स रोबस्ट फेक न्यूज़ डिटेक्शन: एन एम्पिरिकल इन्वेस्टिगेशन ऑफ प्री-प्रोसेसिंग एंड मॉडलिंग टेक्निकस", 2024 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटेशनल इंटेलेजेंस एंड कम्प्यूटिंग एप्लिकेशंस (आईसीसीआईसीए 2024)।
- नितीश चौटी, साक्षी कुसाले, संकेत मिश्रा, शशांक रजोरा, **बी. बी. सिन्हा**, प्रभु प्रसाद बी. एम., मंजीनाथ के. वी., "एनहेंसिंग मल्टी-क्राइटेरिया रिकमेंडेशन सिस्टम्स विद हॉट डेक इम्प्यूटेशन एंड यूजर-स्पेसिफिक सिमिलैरिटी मेजर्स", द्वितीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस: थ्योरी एंड एप्लिकेशंस (एआईटीए 2024)।
- करण राज, मिलिंद मुर्मू, श्राव्या एन. कनल्ली, तनुश कोरगांवकर, मंजीनाथ के. वी., प्रभु प्रसाद, **बी. बी. सिन्हा**, "इंटीग्रेटिंग कॉन्टेक्ट एंड क्राइटेरिया इन होटल रिकमेंडेशंस: ए डीप लर्निंग पर्सपेक्टिव", प्रथम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, साइंसेज एंड कम्प्युटेशनल साइंसेज - 2024।
- नितीश चौटी, साक्षी कुसाले, संकेत मिश्रा, शशांक रजोरा, प्रभु प्रसाद बी. एम., **बी. बी. सिन्हा**, मंजीनाथ के. वी., "डीप लर्निंग-बेस्ड मल्टी-क्राइटेरिया रिकमेंडर सिस्टम: लेवरेजिंग ऑटोएन्कोडर्स फॉर इम्पूव्ड पर्सनलाइजेशन", प्रथम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, साइंसेज एंड कम्प्युटेशनल साइंसेज - 2024।
- कुमारी समृद्धि, **बी. बी. सिन्हा**, त्रिनंजन दास, "ऑप्टिमाइजिंग यूजर रिकमेंडेशंस विद वेरिफिकेशन ऑटोएन्कोडर्स: इनसाइट्स फ्रॉम मूवीलेंस-1एम एंड बुकक्रॉसिंग डेटासेट्स", तीसरा आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर विज्ञान एंड मशीन इंटेलेजेंस (आईईईई सीवीएमआई 2024)।
- करण राज, मिलिंद मुर्मू, श्राव्या एन. कनल्ली, तनुश कोरगांवकर, **बी. बी. सिन्हा**, मंजीनाथ के. वी., प्रभु प्रसाद, "सीएसएसवीडी: ए नॉवेल कॉन्टेक्ट-अवेयर रिकमेंडेशन एल्गोरिद्म टू एड्रेस कोल्ड स्टार्ट एंड डेटा स्पार्सिटी", इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रोबोटिक्स, कंट्रोल, ऑटोमेशन एंड आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस (आरसीएआई 2024)।
- अमन कपूर और **बी. बी. सिन्हा**, "ऑब्जेक्ट डिटेक्शन इन मैरिटाइम सर्विलांस: ए डेटा-सेंट्रिक कम्पैरिजन ऑफ योएलओ एंड ट्रांसफॉर्मर-बेस्ड मॉडल्स", इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंफॉर्मेशन एंड कम्प्युटेशनल टेक्नोलॉजी (सीआईसीटी 2024)।
- संजीव सिंह और **बी. बी. सिन्हा**, "बेंचमार्किंग अल्जाइमर'स डिजीज डिटेक्शन: ए स्टडी ऑन वीजीजी16, एसवीएम एंड रेगुलराइज्ड सीएनएन मॉडल्स", इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस (आईटीएआई 2025)।
- पूर्णमा भट्ट, अलोगबर वेरी, और **बी. बी. सिन्हा**, "सीएनएन-ड्रिवन डीपफेक डिटेक्शन: सेफगार्डिंग मीडिया इंटीग्रिटी थ्रू एडवांस्ड इमेज एनालिसिस", पांचवां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पैराडाइम्स ऑफ कम्प्युटेशनल साइंसेज एंड डेटा एनालिटिक्स (पीसीसीडीए 2025)।
- 35. आलु सुधर्शन राव और **बी. बी. सिन्हा**, "टुवर्ड्स एक्सेसेबल न्यूरोडीजेनेरेटिव डिजीज डायग्नोस्टिक्स: डीप लर्निंग मॉडल्स फॉर अल्जाइमर'स डिटेक्शन", आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरडिसिप्लिनरी अप्रोचेज इन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट फॉर सोशल इनोवेशन (आईएटीएमएसआई 2025)।

### पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- प्रियंका दास, **संग्राम रे**, दीपान्विता साधुखान और **महेश चंद्र गोविल**, "6जी कम्प्युटेशनल टेक्नोलॉजी फॉर इंडस्ट्री 5.0: प्रॉस्पेक्ट, ऑपच्युनिटीज, सिम्योरिटी इश्यूज एंड फ्यूचर डायरेक्शंस", \*सिक्कोर एंड स्मार्ट साइबर-फिजिकल सिस्टम्स\*, सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस, पृष्ठ 104-117, 2024।
- दीपान्विता साधुखान, मौ दसगुप्ता और **संग्राम रे**, "साइबर थ्रेट इंटेलेजेंस: ए स्टैंडर्डाइज्ड प्रोटेक्टिव एप्रोच फॉर इंडस्ट्रियल साइबर डिफेन्स", \*डिजिटल इमेज सिम्योरिटी: टेक्निकस एंड एप्लिकेशंस\*, सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस, पृष्ठ 178-199, 2024।
- दीपान्विता साधुखान, **संग्राम रे** और मौ दसगुप्ता, "डेटा फ्यूजन इन इंटरनेट ऑफ मेडिकल थिंग्स: टुवर्ड्स ट्रस्ट मैनेजमेंट, सिम्योरिटी एंड प्राइवैसी", \*डेटा फ्यूजन फॉर स्मार्ट हेल्थकेयर\*, **सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस**, पृष्ठ 281-297, 2024।

- देव नारुला, शालिनी महतो, **बी. बी. सिन्हा**, आर. बदलीशाह अहमद, "इंटेलेजेंट हार्ट डिज़ीज़ प्रेडिक्शन यूजिंग मशीन लर्निंग", \*आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस बेस्ड सॉल्यूशंस फॉर इंडस्ट्रियल एप्लिकेशंस\*, टेलर एंड फ्रांसिस, 2024। ISBN: 9781032548012।
- जोसेफ निक्सन किरो, **बी. बी. सिन्हा**, मधु कुमारी और शालिनी महतो, "डिटेक्शन ऑफ अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर यूजिंग इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राम सिग्नल्स: ए रिव्यू", \*आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस: ए टूल फॉर इफेक्टिव डायग्नोस्टिक्स\*, आईओपी पब्लिशिंग, पृष्ठ 4-1 से 4-18, 2024। ISBN: 978-0-7503-5964-1।

### पेटेंट

क्र. सं.	पेटेंट शीर्षक	आवेदक(गण) के नाम	पेटेंट संख्या	एजेंसी / देश	स्थिति
1	कीवर्ड सर्वेबल सीसीएन राउटर के लिए सिस्टम और मॉडल डिजाइन	कुंदन कांति साहा, संग्राम रे और मौ दसगुप्ता	202331085159	भारत	प्रकाशित

### उपलब्धियाँ / पुरस्कार / सम्मान

- प्रो. एम. सी. गोविल** ने 1-3 अगस्त 2024 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के स्थापना दिवस पर एमओयू हस्ताक्षर समारोह में विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया,।
- प्रो. एम. सी. गोविल** ने सरकारी आईटीआई, क्यूजिंग में 23 सितंबर 2024 को आयोजित इंडक्शन कम फ्रेशर्स प्रोग्राम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- प्रो. एम. सी. गोविल** ने चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ग्रीन एनवायरनमेंट, टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप थ्रू इनोवेशन (आईसीजीईटीईआई 2024) में विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया, जो 11-13 सितंबर 2024 को एमिटी यूनिवर्सिटी, राजस्थान में आयोजित हुआ।
- प्रो. एम. सी. गोविल** ने सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एसएमआईटी) के कंप्यूटर एप्लिकेशंस विभाग द्वारा आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटिंग एंड मशीन लर्निंग (सीएमएल-2025) के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- डॉ. संग्राम रे** को एसीएम द्वारा 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2026 की अवधि के लिए एसीएम एमिनेंट स्पीकर के रूप में चुना गया।
- डॉ. संग्राम रे** को स्कॉलरशिप द्वारा साइबर सुरक्षा क्षेत्र में वर्ष 2024 के हाईली रैंकड स्कॉलर और विश्व स्तर पर शीर्ष 0.05 प्रतिशत विद्वानों में शामिल किया गया।
- डॉ. संग्राम रे** को नेटवर्क सिम्योरिटी ट्रेक में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो 6<sup>th</sup> सिंगर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस माइंड - 2024 में प्रदान किया गया, यह सम्मेलन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान गोवा में 20-21 दिसंबर 2024 को आयोजित हुआ।

- डॉ. संग्राम रे** को 6<sup>th</sup> एसीएम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईसीसी 2024 में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो क्यूशू यूनिवर्सिटी, फुकुओका, जापान में 19-21 जुलाई 2024 के दौरान आयोजित हुआ।

### सम्मेलनों / सेमिनारों / कार्यशालाओं में सत्र अध्यक्ष

- डॉ. संग्राम रे** ने 6<sup>th</sup> इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मशीन लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, नेटवर्क सिम्योरिटी एंड डेटा साइंसेज (माइंड-2024), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान गोवा, 20-21 दिसंबर 2024 में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- डॉ. कृष्ण कुमार** ने द्वितीय इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस (आईएसएआई-2025), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, मार्च 2025 में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- डॉ. बम बहादुर सिन्हा** ने टीएस 04: इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जो 3<sup>rd</sup> कॉन्ग्रेस ऑन स्मार्ट कम्प्यूटिंग टेक्नोलॉजीज (सीएससीटी 2024), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, 14-15 दिसंबर 2024 में आयोजित हुआ।
- डॉ. बम बहादुर सिन्हा** ने टीएस 09: स्मार्ट कम्प्यूटिंग टेक्नीक्स में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जो 3<sup>rd</sup> कॉन्ग्रेस ऑन स्मार्ट कम्प्यूटिंग टेक्नोलॉजीज (सीएससीटी 2024), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, 14-15 दिसंबर 2024 में आयोजित हुआ।
- डॉ. बम बहादुर सिन्हा** ने सेकंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस (आईएसएआई-2025), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, 5-7 मार्च 2025 में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- डॉ. दीक्षा रंगवाणी** ने सेकंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस (आईएसएआई-2025), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, 5-7 मार्च 2025 में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

## पीएच.डी./ एम.टेक. थीसिस समीक्षा, बीओसीएस आदि के लिए बाह्य परीक्षक / विशेषज्ञ

क्रम सं.	संकाय सदस्य का नाम	अन्य संस्थानों / विश्वविद्यालय में बाह्य गतिविधियाँ
1	प्रो. एम. सी. गोविल	<ul style="list-style-type: none"> <li>डॉ. बी. आर. आंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर (पंजाब)</li> <li>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर</li> <li>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर</li> <li>ग्राफिक एरा (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग एनआईटी पटना में फैकल्टी चयन प्रक्रिया हेतु चयन समिति के सदस्य श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी (एसएमवीडीयू), कक्रयाल, कटरा में स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की फैकल्टी चयन प्रक्रिया हेतु चयन समिति के सदस्य</li> <li>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर</li> <li>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, भारत</li> <li>डॉ. एस. पी. एम. इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नया रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत</li> <li>गिटम (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश, भारत</li> <li>संबलपुर यूनिवर्सिटी, बुरला, ओडिशा, भारत</li> <li>निर्मा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात, भारत</li> <li>उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, भारत</li> <li>जेपिअर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत</li> <li>चैतन्य (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), हैदराबाद, तेलंगाना, भारत</li> <li>यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), कोलकाता, भारत</li> <li>रामचंद्रा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, एलुरु, आंध्र प्रदेश, भारत</li> <li>सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोकराझार, असम, भारत</li> </ul>
2	डॉ. संग्राम रे	<ul style="list-style-type: none"> <li>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर</li> <li>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, भारत</li> <li>डॉ. एस. पी. एम. इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नया रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत</li> <li>गिटम (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश, भारत</li> <li>संबलपुर यूनिवर्सिटी, बुरला, ओडिशा, भारत</li> <li>निर्मा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात, भारत</li> <li>उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, भारत</li> <li>जेपिअर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत</li> <li>चैतन्य (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), हैदराबाद, तेलंगाना, भारत</li> <li>यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), कोलकाता, भारत</li> <li>रामचंद्रा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, एलुरु, आंध्र प्रदेश, भारत</li> <li>सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोकराझार, असम, भारत</li> </ul>
3	डॉ. (मो.) सरफराज़ आलम अंसारी	<ul style="list-style-type: none"> <li>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, भारत</li> </ul>
4	डॉ. बम बहादुर सिन्हा	<ul style="list-style-type: none"> <li>आईईईई के सदस्य</li> </ul>

## व्यावसायिक संस्थाओं में सदस्यता

क्रम सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्यावसायिक संस्थाओं में सदस्यता
1	प्रो. एम. सी. गोविल	<ul style="list-style-type: none"> <li>वरिष्ठ सदस्य, <b>द इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई)</b></li> <li>सदस्य, <b>द इंस्टिट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स (आईईटीई)</b></li> <li>आजीवन सदस्य, <b>इंडियन सोसाइटी फॉर टेक्निकल एजुकेशन, इंडिया (आईएसटीई)</b></li> <li>सदस्य, एनबीए की विभिन्न समितियों के</li> <li>मानद निदेशक, आरकेसीएल</li> <li>सदस्य, सीनेट, एनआईटी उत्तराखंड</li> <li>सदस्य, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) ऑफ बीओपीटी, कोलकाता</li> <li>सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज़, जेईसीआरसी</li> <li>सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज़, एमआईटीएस ग्वालियर, मध्य प्रदेश</li> <li>सदस्य, सिक्किम मणिपाल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एसएमआईटी)</li> <li>सदस्य, शास्त्री इंडो-कनाडियन इंस्टिट्यूट के बायोक्लचर एग्री कल्चर</li> <li>एआईसीटीई के नामांकित सदस्य, स्टेट बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन सिक्किम की शैक्षणिक परिषद में</li> </ul>

क्रम सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्यावसायिक संस्थाओं में सदस्यता
2	डॉ. संग्राम रे	<ul style="list-style-type: none"> <li>फेलो, आईईटीई चैप्टर लीडर, <b>सीएसटीए इंडिया</b></li> <li>वरिष्ठ सदस्य, <b>आईईईई</b></li> <li>वरिष्ठ सदस्य, <b>आईईईई कंप्यूटर सोसाइटी</b></li> <li>वरिष्ठ सदस्य, <b>आईईईई कम्युनिकेशन सोसाइटी</b></li> <li>आजीवन सदस्य, सीएसआई आजीवन सदस्य, <b>आईएसटीई</b></li> <li>आजीवन सदस्य, <b>आईएससीए</b></li> <li>आजीवन सदस्य, <b>आईआईआई</b></li> <li>आजीवन सदस्य, <b>सीआरएसआई</b></li> <li>आजीवन सदस्य, <b>आईईएनजी</b></li> <li>सदस्य, <b>एसीएम</b></li> </ul>
3	डॉ. (मो.) सरफराज़ आलम अंसारी	<ul style="list-style-type: none"> <li>सदस्य, <b>आईईईई</b></li> </ul>
4	डॉ. बम बहादुर सिन्हा	<ul style="list-style-type: none"> <li>सदस्य, <b>आईईईई</b></li> </ul>

## अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय शोध-पत्रिकाओं के समीक्षक

क्रम सं.	संकाय सदस्य का नाम	जर्नल का नाम
1	प्रो. एम. सी. गोविल	<ul style="list-style-type: none"> <li>क्लस्टर कम्प्यूटिंग, <b>स्प्रिंगर</b></li> <li>कम्प्यूटर्स एंड सिक्योरिटी, <b>स्प्रिंगर</b></li> <li>कम्प्यूटर्स एंड सिक्योरिटी, <b>एल्सेवियर</b></li> <li><b>आईईईई ट्रांजैक्शन</b> ऑन पैरेलल एंड डिस्ट्रिब्यूटेड सिस्टम्स</li> <li><b>आईईईई ट्रांजैक्शन</b> ऑन इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इन बायोमेडिसिन</li> <li><b>आईईईई ट्रांजैक्शन</b> ऑन इमर्जिंग टॉपिक्स इन कम्प्यूटेशनल इंटेलेजेंस</li> <li><b>आईईईई ट्रांजैक्शन</b> ऑन कॉग्निटिव एंड डेवलपमेंटल सिस्टम्स</li> <li><b>आईईईई ट्रांजैक्शन</b> ऑन नेटवर्क एंड सर्विस मैनेजमेंट</li> <li><b>आईईईई ट्रांजैक्शन</b> ऑन इन्फॉर्मेशन फॉरेंसिक्स एंड सिक्योरिटी</li> <li><b>आईईईई ट्रांजैक्शन</b> ऑन इंटेलेजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स</li> <li><b>आईईईई</b> सिस्टम्स जर्नल</li> <li><b>आईईईई</b> सेंसर जर्नल</li> <li><b>आईईईई</b> इंटरनेट ऑफ थिंग्स जर्नल</li> <li><b>आईईईई</b> एक्सेस</li> <li><b>आईईईई</b> ओपन जर्नल ऑफ द कम्युनिकेशन्स सोसाइटी</li> <li><b>आईईईई</b> ओपन जर्नल ऑफ द कंप्यूटर सोसाइटी</li> <li><b>आईईटीई</b> जर्नल ऑफ रिसर्च</li> <li><b>आईईटीई</b> इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी</li> <li>इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी जर्नल: ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव, <b>आईईटीई</b></li> <li>वायरलेस पर्सनल कम्प्युनिकेशन्स, <b>स्प्रिंगर</b></li> <li>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स, <b>वाइली</b></li> <li>ट्रांजैक्शन ऑन इमर्जिंग टेलीकम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज, <b>वाइली</b></li> <li>आईईटीई जर्नल ऑफ रिसर्च, <b>टेलर एंड फ्रांसिस</b></li> <li>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन साइंस, <b>एमरल्ड</b></li> <li>इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी</li> <li>सिक्योरिटी एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क्स, <b>हिंदावी</b></li> <li>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी एंड डिजिटल फॉरेंसिक्स, <b>इंडर साइंस</b></li> </ul>
2	Dr. Sangram Ray	

क्रम सं.	संकाय सदस्य का नाम	जर्नल का नाम
डॉ. प्रत्यय कुइला		इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड कंप्यूटर सिक्वोरिटी, <b>इंडर साइंस</b>
		जर्नल ऑफ एंबियंट इंटेलेजेंस एंड ह्यूमनाइज्ड कम्प्यूटिंग, <b>स्प्रिंगर</b>
		जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन सिक्वोरिटी एंड एप्लीकेशंस, <b>एल्सेवियर</b>
		फ्यूचर जनरेशन कंप्यूटर सिस्टम्स, <b>एल्सेवियर</b>
		सीएसआई ट्रांजैक्शन ऑन आईसीटी, <b>स्प्रिंगर</b>
		क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी एंड ग्लोबल हेल्थ, <b>एल्सेवियर</b>
		जर्नल ऑफ मेडिकल सिस्टम्स, <b>स्प्रिंगर</b>
		जर्नल ऑफ सुपरकम्प्यूटिंग, <b>स्प्रिंगर</b>
		एसएन कंप्यूटर साइंस, <b>स्प्रिंगर</b>
		जर्नल ऑफ नेटवर्क एंड सिस्टम मैनेजमेंट, <b>स्प्रिंगर</b>
		आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस इन एग्रीकल्चर, <b>एल्सेवियर</b>
		ऐन शम्स इंजीनियरिंग जर्नल, <b>एल्सेवियर</b>
		आईजीआई ग्लोबल
		इंडोनेशियन जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटर साइंस
		जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजिकल साइंसेज
		जर्नल ऑफ हेल्थकेयर इंजीनियरिंग, <b>वाइली</b>
		जर्नल ऑफ नेटवर्क एंड कंप्यूटर एप्लीकेशंस, <b>एल्सेवियर</b>
		पीएलओएस वन जर्नल
		टेलकोमिका
		पियर जे कंप्यूटर साइंस
		जर्नल ऑफ मेडिकल इमेजिंग एंड हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स
		फ्रंटियर्स इन कंप्यूटर साइंस
		फ्रंटियर्स इन बिग डेटा
		फिजिकल साइंस इंटरनेशनल जर्नल
		बिग डेटा जर्नल
		एलेक्जान्द्रिया इंजीनियरिंग जर्नल, <b>एल्सेवियर</b>
		वायरलेस कम्युनिकेशन एंड मोबाइल कम्प्यूटिंग, <b>हिंदावी</b>
		एशियन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटर रिसर्च
		जर्नल ऑफ सिस्टम आर्किटेक्चर, <b>एल्सेवियर</b>
		जर्नल ऑफ कंप्यूटर सिक्वोरिटी, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी
		जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड रिसर्च
		जर्नल ऑफ इंटेलेजेंट एंड फजी सिस्टम
		इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिस्ट्रीब्यूटेड सेंसर नेटवर्क्स, <b>हिंदावी</b>
क्लस्टर कम्प्यूटिंग,		
इंटरनेट ऑफ थिंग्स एंड साइबर-फिजिकल सिस्टम्स		
इंटरनेट ऑफ थिंग्स जर्नल, <b>एल्सेवियर</b>		
पियर-टू-पियर नेटवर्किंग एंड एप्लीकेशंस, <b>स्प्रिंगर</b>		
इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन सिक्वोरिटी, <b>स्प्रिंगर</b>		
आईईईई ट्रांजैक्शंस ऑन इंडस्ट्रियल इन्फॉर्मेटिक्स		
एसीएम ट्रांजैक्शंस ऑन सेंसर नेटवर्क्स		
एड हॉक नेटवर्क्स (एल्सेवियर)		
एक्सपर्ट सिस्टम विथ एप्लीकेशंस (एल्सेवियर)		
एप्लाइड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग (एल्सेवियर)		

क्रम सं.	संकाय सदस्य का नाम	जर्नल का नाम
3		इंजीनियरिंग एप्लीकेशंस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस (एल्सेवियर) कंप्यूटर नेटवर्क्स (एल्सेवियर) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स (वाइली)
4	डॉ. (मो.) सरफ़राज़ आलम अंसारी	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पियर-टू-पियर नेटवर्किंग एंड एप्लीकेशंस, <b>स्प्रिंगर</b> मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशंस, <b>स्प्रिंगर</b> फ्यूचर जनरेशन कंप्यूटर सिस्टम्स, <b>एल्सेवियर</b> इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर्स एंड एप्लीकेशंस (आईजेसीए), टेलर एंड फ्रांसिस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटिंग एंड डिजिटल सिस्टम्स (आईजेसीडीएस), यूनिवर्सिटी ऑफ बहरीन आईईईई इंटरनेट ऑफ थिंग्स जर्नल
5	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी	क्लस्टर कम्प्यूटिंग, <b>स्प्रिंगर</b> कम्प्यूटर्स एंड सिक्वोरिटी, <b>स्प्रिंगर</b> मशीन लर्निंग एंड साइबरनेटिक्स, <b>स्प्रिंगर</b> मशीन लर्निंग एंड साइबरनेटिक्स, <b>एल्सेवियर</b> कम्प्यूटर्स एंड सिक्वोरिटी, <b>एल्सेवियर</b>
6	डॉ. बम बहादुर सिन्हा	क्लस्टर कम्प्यूटिंग, <b>स्प्रिंगर</b> एनालॉग इंटीग्रेटेड सर्किट्स एंड सिग्नल प्रोसेसिंग, <b>स्प्रिंगर</b> इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल इंटेलेजेंस सिस्टम्स, <b>स्प्रिंगर</b> नॉलेज एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स, <b>स्प्रिंगर</b> न्यूरल प्रोसेसिंग लेटर्स, <b>स्प्रिंगर</b>
7	डॉ. दीक्षा रंगवाणी	पियर-टू-पियर नेटवर्किंग एंड एप्लीकेशंस, <b>स्प्रिंगर</b> डिस्कवर इंटरनेट ऑफ थिंग्स, <b>स्प्रिंगर</b> साइंटिफिक रिपोर्ट्स, <b>स्प्रिंगर</b> द जर्नल ऑफ सुपरकम्प्यूटिंग, <b>स्प्रिंगर</b> क्लस्टर कम्प्यूटिंग, <b>स्प्रिंगर</b> माइक्रोसिस्टम टेक्नोलॉजीज, <b>स्प्रिंगर</b> वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, <b>स्प्रिंगर</b> जर्नल ऑफ रिलाएबल इंटेलेजेंट एनवायरनमेंट्स, <b>स्प्रिंगर</b> फिजिकल कम्युनिकेशन, <b>एल्सेवियर</b>

**गूगल स्कॉलर उद्धरण**

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	उद्धरण	क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	उद्धरण
1	प्रो. एम. सी. गोविल	कुल उद्धरण – 2115 एच-सूचकांक – 23 आई10-सूचकांक – 51	5	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी	कुल उद्धरण – 443 एच-सूचकांक – 9 आई10-सूचकांक – 9
2	डॉ. संग्राम रे	कुल उद्धरण – 1308 एच-सूचकांक – 19 आई10-सूचकांक – 30	6	डॉ. कृष्ण कुमार	कुल उद्धरण – 110 एच-सूचकांक – 3 आई10-सूचकांक – 2
3	डॉ. प्रत्यय कुइला	कुल उद्धरण – 3281 एच-सूचकांक – 27 आई10-सूचकांक – 46	7	डॉ. बम बहादुर सिन्हा	कुल उद्धरण – 1004 एच-सूचकांक – 11 आई10-सूचकांक – 12
4	डॉ. (मो.) सरफ़राज़ आलम अंसारी	कुल उद्धरण – 174 एच-सूचकांक – 8 आई10-सूचकांक – 6	8	डॉ. दीक्षा रंगवाणी	कुल उद्धरण – 153 एच-सूचकांक – 5 आई10-सूचकांक – 4

## इंटरशिप उपलब्धियाँ

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में 100% इंटरशिप ऑफ़र प्राप्त हुए। इन संस्थानों में प्लेटफ़ॉर्म9 सिस्टम्स, जेडएस एसोसिएट्स, ग्रैब, सैमसंग रिसर्च आदि शामिल हैं।

## प्लेसमेंट उपलब्धियाँ

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में प्लेसमेंट ऑफ़र प्राप्त हुए। इन संस्थानों में प्लेटफ़ॉर्म9 सिस्टम्स, जेडएस एसोसिएट्स, ग्रैब, सैमसंग रिसर्च आदि शामिल हैं। विभाग के 80% छात्र परिसर साक्षात्कार के माध्यम से चयनित हुए। सर्वाधिक प्राप्त प्लेसमेंट ऑफ़र 24 लाख प्रति वर्ष का रहा।

## प्रौद्योगिकी स्नातक (सीएसई) उपाधि प्रदान

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	परियोजना प्रतिवेदन का शीर्षक	पर्यवेक्षक(गण)
1.	मोस्ट ताहिया सुबह अंकीता	एआई-बेस्ड डायग्नोस्टिक सिस्टम फॉर मेडिकल इमेज एनालिसिस एंड डिजीज डिटेक्शन	डॉ. (मो.) सरफ़राज़ आलम अंसारी
2.	अमर कुमार शर्मा	डिटेक्टिंग मॉलिटिविटी ट्रेफिक इन अ आईओटी नेटवर्क	डॉ. (मो.) सरफ़राज़ आलम अंसारी
3.	जमीर अहमद अंसारी	ट्रस्ट बेस्ड सिक्वोरिटी प्रोटोकॉल फॉर सी एड-हॉक नेटवर्क (सैनेट)	डॉ. संग्राम रे
4.	सुरुचि शर्मा	एनर्जी ऑप्टिमाइज़्ड क्लस्टर हेड सेलेक्शन इन सॉफ्टवेयर डिफाईड वायरलेस सेंसर नेटवर्क	डॉ. (मोहम्मद) सरफ़राज़ आलम अंसारी
5.	अभिषेक मजूमदार	आईओटी सर्विस प्लेसमेंट इन फॉग कंप्यूटिंग यूजिंग जेनेटिक एल्गोरिदम	डॉ. प्रत्यय कुइला
6.	समीर चौहान	एन एफिशिएंट एंड रोबस्ट एचजीआर सिस्टम यूजिंग सॉफ्टमैक्स-बेस्ड वोटिंग	प्रो. महेश चंद्र गोविल
7.	शुभम कुमार शर्मा	डिटेक्शन एंड मिटिगेशन ऑफ डी-डॉस अटैक इन एसडीएन एनवायरनमेंट यूजिंग मशीन लर्निंग	प्रो. महेश चंद्र गोविल
8.	रिनचेन ल्हामु शेर्पा	एनआईटी सिक्किम एग्जामिनेशन पोर्टल	प्रो. महेश चंद्र गोविल
9.	मोहम्मद असलम	एफिशिएंट आईओटी सर्विस प्लेसमेंट इन एज कंप्यूटिंग यूजिंग जीएसए	डॉ. प्रत्यय कुइला
10.	राशी	एफिशिएंट पैकेट पार्सर यूजिंग फील्ड प्रोग्रामेबल गेट एरे फॉर प्रोग्रामेबल डेटा प्लेन	डॉ. (मो.) सरफ़राज़ आलम अंसारी
11.	धनी सेठी साई अन्विता	एसडीएन कंट्रोलर लोड बैलेंसिंग यूजिंग स्विच माइग्रेसन	डॉ. मो. सरफ़राज़ आलम अंसारी
12.	अल्लु सुधर्शन राव	लोड बैलेंसिंग फॉर सॉफ्टवेयर डिफाईड नेटवर्क रिसोर्स ऑप्टिमाइजेशन	डॉ. मो. सरफ़राज़ आलम अंसारी
13.	रोहित मोहन राय	डिटेक्शन एंड मिटिगेशन ऑफ एआरपी पॉइज़निंग अटैक इन एसडीएन आर्किटेक्चर	प्रो. महेश चंद्र गोविल
14.	हर्ष त्याग	टास्क डिस्ट्रिब्यूशन बेस्ड ऑन डीप रिइन्फोर्समेंट लर्निंग ऑन द इंटरनेट ऑफ व्हीकल्स	डॉ. प्रत्यय कुइला
15.	वेंकट रामणा मेंडा	डीप रिइन्फोर्समेंट लर्निंग बेस्ड एफिशिएंट टास्क ऑफलोडिंग फॉर मोबाइल एज कंप्यूटिंग सिस्टम	डॉ. प्रत्यय कुइला
16.	समीर चौहा	एन एफिशिएंट एंड रोबस्ट एचजीआर सिस्टम यूजिंग सॉफ्टमैक्स-बेस्ड वोटिंग	प्रो. महेश चंद्र गोविल
17.	धीरन कुमार राजक	स्केलेबल ब्लॉकचेन-बेस्ड सॉल्यूशन फॉर ड्रग ट्रेकिंग इन फार्मास्यूटिकल सप्लाय चेन	डॉ. (मोहम्मद) सरफ़राज़ आलम अंसारी
18.	वैष्णवी प्रधान	इफेक्टिव आईओटी सर्विस प्लेसमेंट यूजिंग पार्टिकल स्वॉर्म ऑप्टिमाइजेशन इन एज कंप्यूटिंग	डॉ. प्रत्यय कुइला

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	परियोजना प्रतिवेदन का शीर्षक	पर्यवेक्षक(गण)
19.	जिग्मी वांगचुक शेर्पा	एफिशिएंट सिक्वोरिटी फंक्शन ऑफलोडिंग ऑन प्रोग्रामेबल डेटा प्लेन	डॉ. (मो.) सरफ़राज़ आलम अंसारी
20.	अग्नीशा निगम	प्रेडिक्टिंग मॉडलिंग ऑफ एयर क्वालिटी इंडेक्स, कंपैरेटिव एनालिसिस एंड हाइब्रिड अप्रोच	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
21.	प्रसन्न सुब्बा	डिटेक्शन ऑफ एडवर्सरियल एग्ज़ाम्पल्स विद द हेल्प ऑफ ट्रांसफ़ेरैबिलिटी एनालिसिस यूजिंग एडवर्सरियल ट्रेनिंग	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
22.	सनी प्रसाद	ए ब्लॉकचेन-एनेबल्ड ट्रेफिक इवेंट वेलिडेशन यूजिंग रेप्यूटेशन वैल्यू एंड थ्रेशोल्ड रिग सिग्नेचर स्कीम विद इंसेंटिव्स फॉर वेनेट	डॉ. प्रत्यय कुइला
23.	अमन कुमार राजक	ईसीसी बेस्ड ऑर्थेटिकेशन स्कीम एंड की एग्रीमेंट फॉर स्मार्ट होम	डॉ. संग्राम रे
24.	अमन सौरव	टास्क ऑफलोडिंग इन मोबाइल एज कंप्यूटिंग यूजिंग डीप रिइन्फोर्समेंट लर्निंग	डॉ. प्रत्यय कुइला
25.	सनी प्रसाद	ए ब्लॉकचेन-एनेबल्ड ट्रेफिक इवेंट वेलिडेशन यूजिंग रेप्यूटेशन वैल्यू एंड थ्रेशोल्ड रिग सिग्नेचर स्कीम विद इंसेंटिव्स फॉर वेनेट	डॉ. प्रत्यय कुइला
26.	जूही कुमारी प्रसाद	वैल्यू एंड थ्रेशोल्ड रिग सिग्नेचर स्कीम विद इंसेंटिव्स फॉर वैलेट	डॉ. प्रत्यय कुइला
27.	अविनाश कुमार	डिटेक्शन एंड मिटिगेशन ऑफ फ्लो टेबल फ्लड अटैक इन एसडीएन आर्किटेक्चर	प्रो. महेश चंद्र गोविल
28.	विशाल कुमार	डिटेक्शन एंड मिटिगेशन ऑफ फ्लो टेबल फ्लड अटैक इन एसडीएन आर्किटेक्चर	प्रो. महेश चंद्र गोविल
29.	संस्कार शर्मा	एपीआई-बेस्ड एएक्यूआई प्रेडिक्शन यूजिंग डीप लर्निंग	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
30.	शुभम भगत	ए लाइवेट ऑर्थेटिकेशन एंड की नेगोशिएशन प्रोटोकॉल यूजिंग ईसीसी इन आईआईओटी	डॉ. संग्राम रे
31.	धनी सेठी साई अन्विता	एसडीएन कंट्रोलर लोड बैलेंसिंग यूजिंग स्विच माइग्रेसन	डॉ. (मो.) सरफ़राज़ आलम अंसारी
32.	आंचल गुप्ता	व्हाइल ऑप्टिमाइजेशन ऑफ एफिशिएंट लोड सर्विस प्रोविज़निंग इन फॉग कंप्यूटिंग एनवायरनमेंट	प्रो. महेश चंद्र गोविल
33.	दीपक कुमार शाह	एन एफिशिएंट एंड सिक्वोर ईसीसी-बेस्ड ऑर्थेटिकेशन स्कीम फॉर इलेक्ट्रॉनिक वॉलेट	डॉ. संग्राम रे
34.	अमन सौरव	टास्क ऑफलोडिंग इन मोबाइल एज कंप्यूटिंग यूजिंग डीप रिइन्फोर्समेंट लर्निंग	डॉ. प्रत्यय कुइला
35.	आशीष गर्ग	ए प्रोवेबली सिक्वोर ऑर्थेटिकेशन एंड की एग्रीमेंट स्कीम फॉर इंटरनेट ऑफ मेडिकल थिंग (आईओएमटी) फ्रेमवर्क	डॉ. संग्राम रे
36.	अनुराग सिंह	एपीआई-एनेबल्ड एएक्यूआई प्रेडिक्शन यूजिंग डीप लर्निंग	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
37.	मनीष कुमार पंडित	सिक्वोर ऑर्थेटिकेशन प्रोटोकॉल फॉर स्मार्ट एग्रीकल्चर यूजिंग ईसीसी	डॉ. संग्राम रे
38.	मोहन तांती	एन्हांसिंग आईओटी सिक्वोरिटी थ्रू रैपर-बेस्ड एमआईआरवी-एफएस इन नेटवर्क इंड्रूज़न डिटेक्शन सिस्टम	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
39.	बोल्ला फानी साई दिव्य तेज	एन्हांसिंग आईओटी सिक्वोरिटी थ्रू रैपर-बेस्ड एमओआरएफएस इन एनआईटीएस	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
40.	वेदांत गजमेर	एन्हांसिंग सिक्वोरिटी इन इंटरनेट ऑफ व्हीकल्स (आईओवी) थ्रू ईसीसी-बेस्ड क्रिप्टोग्राफिक मेजर्स	डॉ. संग्राम रे
41.	गोंसाल्वेस रियान संजय	सिक्वोर एंड एनोनीमस ऑर्थेटिकेशन फ्रेमवर्क फॉर आईडीओ यूजिंग ईसीसी	डॉ. संग्राम रे

## पीएच.डी. उपाधि प्रदान / प्रस्तुत की गई

क्रम सं.	शोधार्थी का नाम	शोध प्रबन्ध का शीर्षक	मार्गदर्शक(गण)	प्रदत्त / प्रस्तुत
1.	विश्वदीप बंधोपाध्याय	क्वॉटम-ईस्पायर्ड इवोल्यूशनरी इंटेलेजेंस फॉर एफिशिएंट कैशिंग एंड ऑफलोडिंग इन एज-क्लाउड एनवायरनमेंट्स।	डॉ. प्रत्यय कुइला	प्रस्तुत
2.	कुंदन कान्ति साहा	डिज़ाइन ऑफ प्रोवेबल सिक्योर एंड एफिशिएंट कंटेंट डिसेमिनेशन फ्रेमवर्क इन कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क।	डॉ. संग्राम रे	प्रस्तुत

## वर्तमान शोधार्थी

क्रम सं.	शोधार्थी का नाम	शोध क्षेत्र	मार्गदर्शक(गण)
1.	राहुल देव वर्मा	बीजीपी नेटवर्क्स में मशीन लर्निंग आधारित अटैक डिटेक्शन विधियों का विकास	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी, डॉ. विनीश कुमार जैन (जी.ई.सी. अजमेर)
2.	धनंजय कुमार	कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
3.	दीपक कुमार खंडेलवाल	संगणक विज्ञान और उत्पादकता	प्रो. एम. सी. गोविल
4.	शांतनु घोष	यूएवी-सहायता प्राप्त एज कंप्यूटिंग में टास्क ऑफलोडिंग	डॉ. प्रत्यय कुइला
5.	प्रियंका दास	रिमोट सर्वर प्रमाणीकरण और ब्लॉकचेन तकनीक	डॉ. संग्राम रे, प्रो. एम. सी. गोविल
6.	नरीता सरकार	वायु गुणवत्ता सूचकांक (एआईक्यूआई)	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी, प्रो. एम. सी. गोविल
7.	मानवेंद्र सिंह	इंटरनेट ऑफ मेडिकल थिंग्स (आईओएमटी) के लिए दक्ष स्वास्थ्य निगरानी	प्रो. एम. सी. गोविल, डॉ. एम. एस. ए. अंसारी
8.	सुमन दास	एडवर्सरियल अटैक की पहचान और सुरक्षा	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी, प्रो. एम. सी. गोविल
9.	मालोम बे	एज कंप्यूटिंग परिवेश में क्वॉटम-प्रेरित उत्क्रान्ति एल्गोरिद्म	डॉ. प्रत्यय कुइला, डॉ. बी. बालाजी नाइक
10.	सुमन बनर्जी	ब्लॉकचेन आधारित मोबाइल एज कंप्यूटिंग	डॉ. प्रत्यय कुइला, डॉ. बी. बालाजी नाइक
11.	चंदन कुमार	सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्क सुरक्षा में सुधार	डॉ. एम. सरफराज आलम अंसारी
12.	आरती बहुगुणा	डीप लर्निंग का उपयोग करते हुए हैंड जेस्चर पहचान	प्रो. एम. सी. गोविल, डॉ. गोपा भौमिक
13.	रजमा अली	इंटरनेट ऑफ थिंग्स में कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क के एकीकरण हेतु सुरक्षित संचार प्रोटोकॉल का डिजाइन	डॉ. संग्राम रे
14.	अतनु सरकार	कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क (सीसीएन) के संदर्भ में आईओटी के लिए सुरक्षित और दक्ष संचार प्रोटोकॉल का डिजाइन	डॉ. संग्राम रे
15.	संजय कुमार महतो	आईओटी नेटवर्क के लिए मैलवेयर डिटेक्शन	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी, प्रो. एम. सी. गोविल
16.	अनुराग मौर्य	सुरक्षित प्रमाणीकरण योजना का डिजाइन और उसके अनुप्रयोग	डॉ. संग्राम रे
17.	शिवानी सैनी	सुरक्षित और दक्ष प्रमाणीकरण योजना का डिजाइन	डॉ. संग्राम रे, प्रो. एम. सी. गोविल
18.	बिपल खनाल	सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्किंग, कंट्रोल प्लेन अनुकूलन	डॉ. एम. सरफराज आलम अंसारी
19.	प्रशांत गुप्ता	फेडरेटेड लर्निंग	डॉ. प्रत्यय कुइला

क्रम सं.	शोधार्थी का नाम	शोध क्षेत्र	मार्गदर्शक(गण)
20.	प्रशांत सिंह	जेनरेटिव एआई का उपयोग करते हुए एडवर्सरियल अटैक	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी, प्रो. एम. सी. गोविल
21.	तनुश्री	अनुशंसा प्रणाली	डॉ. कृष्ण कुमार
22.	सुभाशीष चौधरी	सुरक्षित प्रमाणीकरण योजनाओं का डिजाइन	डॉ. संग्राम रे

## सामुदायिक विकास में सहभागिता

- समीपवर्ती विद्यालयों में संकाय सदस्यों द्वारा व्याख्यान।
- आसपास के गाँवों और विद्यालयों के बच्चों को कंप्यूटर का परिचय कराना।
- समीपवर्ती विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा विभाग / प्रयोगशाला का भ्रमण।
- आईटीआई क्योजिंग को शिक्षण एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करना।



विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की कुछ तस्वीरें



# इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

## परिचय

विभाग का उद्देश्य अपने विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में आधुनिक एवं भावी तकनीकों का आवश्यक तकनीकी ज्ञान और कौशल प्रदान करना है, ताकि वे वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने आप को सशक्त बना सकें। विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक.) कार्यक्रम, दो विशिष्टताओं में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम. टेक.) कार्यक्रम — (1) वीएलएसआई एवं एम्बेडेड सिस्टम्स तथा (2) संचार एवं सिग्नल प्रोसेसिंग — और विद्या वाचस्पति (पी. एच.डी.) डिग्री प्रदान करता है। पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक अध्ययन दोनों को समान महत्त्व दिया गया है। इस पाठ्यक्रम की संरचना में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, विद्यार्थियों, अभिभावकों, औद्योगिक साझेदारों तथा गुणवत्ता शिक्षा से संबद्ध संस्थाओं के विचारों को सम्मिलित किया गया है। विभाग का अनुसंधान मुख्य रूप से वीएलएसआई डिज़ाइन, एप्लिकेशन-विशिष्ट इंटीग्रेटेड सर्किट्स (एएसआईसी) डिज़ाइन एवं मॉडलिंग, उच्च-प्रदर्शन अर्धचालक उपकरणों का अनुकूलन, माइक्रोवेव अभियांत्रिकी और एंटेना डिज़ाइन, वायरलेस संचार, उपग्रह प्रणालियाँ और नेविगेशन, सिग्नल प्रोसेसिंग तथा सौर सेल जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है।

विभाग में विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकों के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने हेतु अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विभाग में युवा, ऊर्जावान और उत्साही संकाय सदस्यों का एक विविध समूह कार्यरत है। विद्यार्थियों से प्राप्त अभिप्राय के आधार पर शिक्षण एवं अधिगम की निरंतर समीक्षा की जाती है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विशेष ध्यान दिया जाता है ताकि वे शिक्षा, अनुसंधान एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों के लिए इंटरशिप, औद्योगिक परियोजनाएँ और अग्रणी शिक्षाविदों एवं उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवाद के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं, जिससे उनमें नेतृत्व, प्रतिस्पर्धात्मकता और उद्यमशीलता के गुण विकसित हो सकें। विद्यार्थियों को विभागीय एवं संस्थान-स्तरीय समितियों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया जाता है, जहाँ वे प्लेसमेंट ड्राइव, कार्यशालाएँ, तकनीकी महोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम और आयोजन खेलकूद कार्यक्रम में योगदान देते हैं। 'अणुव्रत', विभागीय तकनीकी क्लब, नियमित रूप से अनेक तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिनमें पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला 'विमर्शोत्सव', राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि प्रमुख हैं।

## आकांक्षा

राष्ट्र और विश्व के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के समाधान हेतु नवीन विचारों और प्रतिभाओं के माध्यम से सार्थक योगदान देना।

“ अभियांत्रिकी की समस्याएँ स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं होती; उनके अनेक समाधान संभव होते हैं, कुछ अच्छे, कुछ बुरे और कुछ साधारण। कला इस बात में है कि उनमें से एक श्रेष्ठ समाधान तक पहुँचा जाए।

— रिचर्ड जेम्स

## लक्ष्य

- अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित करना, जिससे संकाय सदस्य और विद्यार्थी वास्तविक जीवन की चुनौतियों का समाधान करने वाले अत्याधुनिक परियोजनाओं पर कार्य कर सकें।
- अत्याधुनिक स्नातक, स्नातकोत्तर और विद्या वाचस्पति (पी.एच.डी.) कार्यक्रमों के माध्यम से शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता का विकास करना, उन्हें अंतरराष्ट्रीय इंटरशिप, उद्योग-संलग्न परियोजनाओं और भावी प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के अवसर प्रदान कर।

## ध्येय

- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी में शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना, सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के संतुलन बनाए रखते हुए।
- विद्यार्थियों को नवाचारी पेशवरों और उत्तरदायी नागरिकों के रूप में सक्षम बनाना, जो तकनीकी प्रगति और सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दें, विशेषकर हिमालयी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों की चुनौतियों का समाधान करें।

## संकाय विवरण

### डॉ. संजय कुमार जाना

एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

विद्या वाचस्पति (आईआईटी खड़गपुर), एम.टेक. (जादवपुर विश्वविद्यालय), एम.एससी. इलेक्ट्रॉनिक्स (विद्यासागर विश्वविद्यालय)

**अनुसंधान क्षेत्र:** वीएलएसआई आईसी के लिए नैनो-स्तरीय उपकरणों का डिज़ाइन, एनालॉग एमओएस आईसी डिज़ाइन।

### डॉ. रेशमी धारा

असिस्टेंट प्रोफेसर

विद्या वाचस्पति (एनआईटी सिक्किम), एम.टेक. (आईआईटी खड़गपुर), बी.टेक. (डब्ल्यूबीयूटी)

**अनुसंधान क्षेत्र:** ध्रुवीकृत माइक्रोस्ट्रिप एंटेना।

- प्रभावशाली शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक योगदान के माध्यम से विभाग को राष्ट्रीय गौरव का केंद्र बनाना, जो उभरते वैश्विक मानकों के अनुरूप हो।

## मुख्य विशेषताएँ

आलोचनात्मक चिंतन, नवाचार, वैश्विक प्रतिस्पर्धा, नवीन प्रौद्योगिकियों की जानकारी और उद्योग की प्रवृत्तियों जैसे गुणों के विकास हेतु विभिन्न उपाय अपनाए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं:

- अनुसंधान, परियोजनाओं और पेटेंट से संबंधित कार्यों के लिए तकनीकी सहयोग।
- प्लेसमेंट और प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे जीएटीई, पीएसयू आदि में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु मार्गदर्शन।
- नवीनतम प्रौद्योगिकियों और अनुसंधान क्षेत्रों से परिचय हेतु सेमिनार, कार्यशाला, सम्मेलन एवं ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षणों का आयोजन।
- एनपीटीईएल, स्वयं आदि जैसे विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिगम के अवसर।

### डॉ. हेमंत कुमार कथानिया

असिस्टेंट प्रोफेसर

विद्या वाचस्पति (एनआईटी सिक्किम), एम.टेक. (आईआईटी गुवाहाटी), बी.टेक. (राजस्थान विश्वविद्यालय)

**अनुसंधान क्षेत्र:** सिग्नल और वाक् प्रसंस्करण।

### डॉ. जितेंद्र सिंह

असिस्टेंट प्रोफेसर

विद्या वाचस्पति (एनआईटी जालंधर), एम.टेक. (दिल्ली विश्वविद्यालय), बी.टेक. (यूपीटीयू लखनऊ)

**अनुसंधान क्षेत्र:** वीएलएसआई डिज़ाइन, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर उपकरण, मेमिस्टर।

**डॉ. विशाल विश्रोई**

असिस्टेंट प्रोफेसर

विद्या वाचस्पति (एनआईटी जालंधर), एम.ई. (थापर विश्वविद्यालय, पटियाला), बी.टेक. (यूपीटीयू लखनऊ)

**अनुसंधान क्षेत्र:** प्रक्रिया नियंत्रण और मॉडलिंग, माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकंट्रोलर, नियंत्रण प्रणाली, सॉफ्ट कम्प्यूटिंग।**डॉ. वरुण गुप्ता**

असिस्टेंट प्रोफेसर

विद्या वाचस्पति (एनआईटी कुरुक्षेत्र), एम.टेक. (एनआईटी जालंधर), बी.टेक. (यूपीटीयू लखनऊ)

**अनुसंधान क्षेत्र:** बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग और नियंत्रण, पैटर्न पहचान एवं सॉफ्ट कम्प्यूटिंग।**अस्थायी संकाय सदस्य****डॉ. सुकांत धर**

असिस्टेंट प्रोफेसर

विद्या वाचस्पति (आईआईईएसटी शिबपुर), एम.टेक. (जादवपुर विश्वविद्यालय), बी.टेक. (डब्ल्यूबीयूटी)

**अनुसंधान क्षेत्र:** सौर फोटोवोल्टाइक, लाइट ट्रेपिंग, नैनो-पदार्थों का अध्ययन।**डॉ. सुदीप्त दास**

असिस्टेंट प्रोफेसर

विद्या वाचस्पति (एनआईटी दुर्गापुर), एम.टेक. (एनआईटी दुर्गापुर), बी.टेक. (डब्ल्यूबीयूटी)

**अनुसंधान क्षेत्र:** ऐन्टेना एवं ऐन्टेना ऐरे, उल्कांतिक एलोरिड, बहुउद्देश्यीय अनुकूलन।**डॉ. नीलिमा सिंह**

असिस्टेंट प्रोफेसर

विद्या वाचस्पति (थापर विश्वविद्यालय, पटियाला), एम.टेक. (बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान), बी.टेक. (बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान)

**अनुसंधान क्षेत्र:** पेरॉक्साइड सोलर सेल, सेमीकंडक्टर उपकरण।**सहायक कर्मचारीगण****श्री अमित तामांग**

वरिष्ठ तकनीकी सहायक

बी.टेक. (ईसीई, आरटीयू राजस्थान), डिप्लोमा (ईसीई, सीसीसीटी सिक्किम)।

**श्री सिद्धार्थ प्रधान**

वरिष्ठ तकनीशियन

बी.टेक. (ईई, कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर), डिप्लोमा (ईसीई, सीसीसीटी सिक्किम)।

**विभागीय समितियां****पीएच.डी. डिग्री दी गई/जमा की गई**

क्रम सं.	समिति का नाम	संकाय सदस्यों के नाम
1	शैक्षणिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति	<ol style="list-style-type: none"> <li>डॉ. संजय कुमार जाना, विभागाध्यक्ष और संयोजक</li> <li>डॉ. हेमंत कुमार कथानिया, संयोजक (डीपीजीसी) एवं विभागाध्यक्ष नामित सदस्य</li> <li>डॉ. रेशमी धरा, संयोजक (डीयूजीसी), सदस्य</li> <li>संबंधित छात्र के संकाय परामर्शदाता, सदस्य</li> <li>डॉ. अरबिंदो पांडा, विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग</li> </ol>
2	विभागीय स्नातक समिति	<ol style="list-style-type: none"> <li>डॉ. रेशमी धरा, संयोजक (डीयूजीसी)</li> <li>डॉ. संजय कुमार जाना, विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी</li> <li>डॉ. हेमंत कुमार कथानिया, सदस्य</li> <li>डॉ. जितेंद्र सिंह, सदस्य</li> <li>डॉ. विशाल विश्रोई, सदस्य</li> <li>डॉ. वरुण गुप्ता, सदस्य</li> <li>डॉ. सुकांत धर, सदस्य</li> <li>डॉ. सुदीप्त दास, सदस्य</li> <li>डॉ. नीलिमा सिंह, सदस्य</li> </ol>
3	विभागीय स्नातकोत्तर समिति	<ol style="list-style-type: none"> <li>डॉ. हेमंत कुमार कथानिया, संयोजक (डीपीजीसी)</li> <li>डॉ. संजय कुमार जाना, विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी</li> <li>डॉ. रेशमी धरा, संयोजक (डीयूजीसी)</li> <li>डॉ. वरुण गुप्ता, सदस्य</li> <li>डॉ. विशाल विश्रोई, सदस्य</li> <li>डॉ. सुकांत धर, सदस्य</li> <li>डॉ. सुदीप्त दास, सदस्य</li> <li>डॉ. जितेंद्र सिंह, सदस्य</li> <li>डॉ. नीलिमा सिंह, सदस्य</li> <li>डॉ. मोलय राँय, विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग</li> </ol>

**तकनीकी संघों / सोसाइटियों की सदस्यता**

इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्य विभिन्न तकनीकी संघों / सोसाइटियों जैसे आईईईईई, मेट्रोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया के एसोसिएट सदस्य, सीएसआईआर - नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी, मशीन इंटेलिजेंस रिसर्च (एमआईआर) लैब्स, वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया (वीएसआई), आईएससीए आदि से संबद्ध हैं।

**प्रयोगशाला सुविधाएँ**

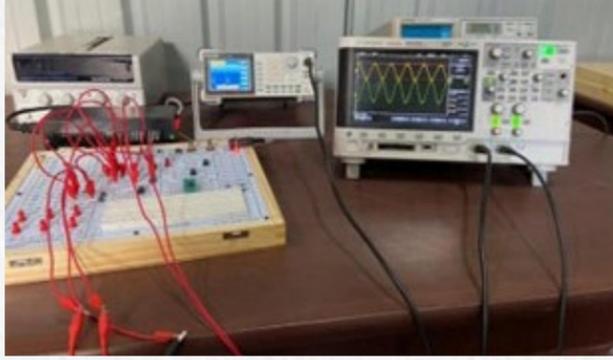
विभाग में बुनियादी प्रयोगशाला सुविधाएँ उपलब्ध हैं और प्रत्येक प्रयोगशाला आधुनिक तकनीकी उपकरणों से सुसज्जित है, जो यूजी और पीजी विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हैं।

**♦ एनालॉग सर्किट्स प्रयोगशाला:**

एनालॉग सर्किट डिज़ाइन प्रयोगशाला विद्यार्थियों को सिस्टम डिज़ाइन के दृष्टिकोण से एनालॉग की दुनिया से परिचित कराती है, जिससे

वे सिस्टम डिज़ाइनर के रूप में चुनौतियों को समझने और उनका समाधान करने में सक्षम बनते हैं। इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों में अत्याधुनिक डिज़ाइन और प्रयोग करने की क्षमता विकसित करना, डेटा का विश्लेषण एवं व्याख्या करना, वांछित निनिर्देशों को पूरा करने वाले सिस्टम को डिज़ाइन करना, इंजीनियरिंग समस्याओं की पहचान, संरचना और समाधान की योग्यता विकसित करना तथा इंजीनियरिंग अभ्यासों के लिए आवश्यक तकनीकों, कौशलों और आधुनिक इंजीनियरिंग उपकरणों का उपयोग करने की दक्षता प्रदान करना है।

प्रत्येक प्रयोगशाला प्रयोग में डिज़ाइन का भाग, सिमुलेशन और प्रयोगशाला में वास्तविक परीक्षण (ब्रेडबोर्डिंग / सोल्डरिंग) शामिल होता है। इसका मूल उद्देश्य एनालॉग और मिक्सड-सिग्नल सर्किट्स के डिज़ाइन और कार्यान्वयन में विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।



### ♦ लॉजिक डिज़ाइन प्रयोगशाला:

लॉजिक डिज़ाइन प्रयोगशाला से संबंधित प्रयोगों में बेसिक गेट्स का उपयोग करते हुए कॉम्बिनेशनल लॉजिक डिज़ाइन (कोड कन्वर्टर, कम्पैरेटर), डिकोडर्स और एमयूएस का उपयोग करके कॉम्बिनेशनल लॉजिक डिज़ाइन, एरिथमेटिक सर्किट्स – हाफ और फुल ऐडर्स तथा सबट्रेक्टर, बेसिक गेट्स से बनाए गए फ्लिप-फ्लॉप सर्किट (आरएस लैच, जेके और मास्टर-स्लेव), काउंटर, ट्रांसफर कैरेक्टरिस्टिक्स, टीटीएल गेट्स के सिंकिंग और सोर्सिंग करंट का



### कंप्यूटर सिस्टम डिज़ाइन प्रयोगशाला:

माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकंट्रोलर प्रयोगशाला, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग की एक प्रमुख तकनीकी प्रयोगशाला है। यह प्रयोगशाला माइक्रोप्रोसेसर, माइक्रोकंट्रोलर और एम्बेडेड सिस्टम्स के मौलिक तथा उन्नत सिद्धांतों के व्यावहारिक अध्ययन और अनुप्रयोग के लिए समर्पित है।

यह स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है, जहाँ वे सैद्धांतिक ज्ञान और वास्तविक अनुप्रयोगों के बीच की दूरी को पाटते हैं। इस प्रयोगशाला में असेंबली लैंग्वेज प्रोग्रामिंग, हार्डवेयर इंटरफेसिंग, इंटरफ़ेस हैंडलिंग, टाइमर संचालन तथा रीयल-टाइम नियंत्रण अनुप्रयोगों से संबंधित विभिन्न प्रयोग और प्रोजेक्ट किए जाते हैं।



मापन आदि शामिल हैं। लॉजिक डिज़ाइन प्रयोगशाला डिजिटल लॉजिक ट्रेनर किट्स से सुसज्जित है, जिनकी सहायता से विभिन्न प्रयोग किए जा सकते हैं। इस प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थी सरल लॉजिक सर्किट्स को डिज़ाइन करने और उनकी कार्यप्रणाली का परीक्षण या सत्यापन करने की क्षमता प्राप्त करते हैं। विद्यार्थी डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रयुक्त मौलिक सिद्धांतों और तकनीकों की गहन समझ प्राप्त करते हैं, जिससे वे विभिन्न कॉम्बिनेशनल और सीक्वेंशियल सर्किट्स का विश्लेषण और डिज़ाइन करने में सक्षम बनते हैं।



### प्रयोगशाला की अवसंरचना और उपकरण

यह प्रयोगशाला आधुनिक प्रशिक्षण प्रणालियों और विकास प्लेटफार्मों से सुसज्जित है, जिनमें शामिल हैं:

- इंटेल 8085 माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट्स
- इंटेल 8086 माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट्स
- 8051 माइक्रोकंट्रोलर डेवलपमेंट बोर्ड्स
- एटीमेगा आधारित माइक्रोकंट्रोलर बोर्ड्स
- आर्डुइनो यूनो और मेगा बोर्ड्स
- रास्पबेरी पाई बोर्ड्स

- सेंसर मॉड्यूल्स: आईआर, अल्ट्रासोनिक, टेम्परेचर, मॉइस्चर, डीएचटी11
- डिस्प्ले यूनिट्स: एलईडी, एलसीडी, ओएलईडी
- मोटर ड्राइवर्स और एक्चुएटर्स, स्टेपर मोटर्स
- इंटरफेसिंग मॉड्यूल्स: एडीसी, डीएसी, कीपैड, बज़र्स और रिले

विद्यार्थी असेंबली लैंग्वेज का प्रयोग करते हुए प्रोग्रामिंग अनुभव प्राप्त करते हैं तथा कील माइक्रोविज़न, असेंबलर, जीएनयू सिम 8085 और आर्डुइनो आईडीई जैसे सॉफ्टवेयर टूल्स का उपयोग करके एम्बेडेड सिस्टम्स का सिमुलेशन, परीक्षण और डिबगिंग करते हैं।

### मुख्य प्रयोग और अधिगम उद्देश्य

- 8085, 8086 और 8051 के लिए असेंबली लैंग्वेज प्रोग्रामिंग
- टाइमर प्रोग्रामिंग और इंटरफ़ेस हैंडलिंग
- एलसीडी और कीपैड इंटरफेसिंग
- मोटर की गति और दिशा नियंत्रण
- सेंसर आधारित डेटा संग्रहण और प्रोसेसिंग
- विभिन्न इनपुट / आउटपुट मॉड्यूल्स का इंटरफेसिंग
- एटीमेगा और आर्डुइनो जैसे आधुनिक माइक्रोकंट्रोलर्स की प्रोग्रामिंग

### स्टूडेंट हार्डवेयर प्रोजेक्ट्स

यह प्रयोगशाला एक नवाचार केंद्र के रूप में भी कार्य करती है, जहाँ विद्यार्थी मिनी प्रोजेक्ट्स, अंतिम वर्ष के कैपस्टोन प्रोजेक्ट्स और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के दौरान व्यावहारिक हार्डवेयर प्रोजेक्ट्स का डिज़ाइन और विकास करते हैं। कुछ प्रमुख छात्र प्रोजेक्ट्स निम्नलिखित हैं:

- स्मार्ट सिंचाई प्रणाली
- आर्डुइनो आधारित आरएफआईडी और जीएसएम उपस्थिति प्रणाली
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) आधारित होम ऑटोमेशन सिस्टम
- पासवर्ड आधारित डिजिटल लॉकिंग सिस्टम
- अवरोध से बचने वाला रोबोट
- स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल नियंत्रक
- तापमान और आर्द्रता मॉनिटरिंग प्रणाली
- पुस्तकालय उपस्थिति प्रणाली

ये प्रोजेक्ट्स विद्यार्थियों की एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन, डिजिटल नियंत्रण, इंटरफेसिंग और सिस्टम इंटीग्रेशन संबंधी तकनीकी क्षमताओं को सुदृढ़ करते हैं तथा उन्हें उद्योग, अनुसंधान और उद्यमिता के क्षेत्रों में योगदान देने के लिए तैयार करते हैं।



### ◆ कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग लैबोरेटरी:

इस प्रयोगशाला में एनालॉग कम्प्युनिकेशन और डिजिटल कम्प्युनिकेशन तकनीकों से संबंधित प्रयोग किए जाते हैं। प्रारंभिक समझ और दृश्यांकन हेतु प्रयोग मुख्यतः MATLAB साफ्टवेयर के माध्यम से किए गए सेमुलेशन पर आधारित होते हैं। इसके बाद व्यावहारिक प्रयोग हार्डवेयर जैसे डिस्क्रीट कंपोनेंट्स, आई.सी., ब्रेडबोर्ड्स तथा सिग्नल जेनरेटर, डी.सी. पावर सप्लाई, ऑसिलोस्कोप, स्पेक्ट्रम एनालाइज़र आदि उपकरणों का उपयोग कर किए जाते हैं। ट्रेनर किट्स भी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती हैं, विशेष रूप से जटिल प्रयोगों के संचालन और विभिन्न इनपुट तथा चैनल स्थितियों में आउटपुट वेवफॉर्म का विश्लेषण करने हेतु। ट्रेनर किट्स भी विद्यार्थियों को प्रदान किए जाते हैं।

एनालॉग कम्प्युनिकेशन लैबोरेटरी में किए जाने वाले कुछ प्रयोग निम्नलिखित हैं — विभिन्न कंटीन्युअस वेव मॉड्युलेशन तकनीकों का जेनरेशन और डिटेक्शन: एम्प्लीट्यूड मॉड्युलेशन (जैसे डी.एस.बी.-एफ.सी., डी.एस.बी.-एस.सी., एस.एस.बी.), फ्रिक्वेंसी मॉड्युलेशन (एफ.एम.) और फेज मॉड्युलेशन (पी.एम.); पल्स मॉड्युलेशन तकनीकें: पल्स एम्प्लीट्यूड मॉड्युलेशन (पी.ए.एम.), पल्स विड्थ मॉड्युलेशन (पी.डब्ल्यू.एम.) और पल्स पोजीशन मॉड्युलेशन (पी.पी.एम.); फ्रिक्वेंसी डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग और डी-मल्टीप्लेक्सिंग स्कीम्स आदि। डिजिटल कम्प्युनिकेशन सिस्टम्स के अध्ययन हेतु प्रयोग इस प्रयोगशाला में किए जाते हैं, जैसे विभिन्न पल्स कोड मॉड्युलेशन तकनीकों (जैसे पी.सी.एम., डी.पी.सी.एम. और डी.एम.) का जेनरेशन और डिटेक्शन। इसके अतिरिक्त, ट्रांसमिशन लाइन पर डिजिटल डेटा भेजने के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न लाइन कोडिंग मेथड्स का प्रयोगात्मक अध्ययन किया जाता है, जैसे यूनिपोलर, पोलर और बाइपोलर कोडिंग।

आगे, नॉइज़ी चैनल में इंटर-सिंबल इंटरफेरेंस (आई.एस.आई.) का अध्ययन करने के लिए आई-पैटर्न का निर्माण किया जाता है और

ऑसिलोस्कोप पर इसका विश्लेषण किया जाता है। दूसरी ओर, चैनल के माध्यम से डेटा ट्रांसमिट करने हेतु विभिन्न डिजिटल मॉड्युलेशन स्कीम्स जैसे एम्प्लीट्यूड शिफ्ट कीडिंग (ए.एस.के.), फ्रिक्वेंसी शिफ्ट कीडिंग (एफ.एस.के.) और फेज शिफ्ट कीडिंग (पी.एस.के.) का प्रयोगात्मक अध्ययन किया जाता है। मल्टीप्लेक्सिंग और मल्टीपल एक्सेस तकनीकें जैसे टी.डी.एम. और सी.डी.एम.ए. भी परफॉर्म की जाती हैं। इस प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को पारंपरिक और एडवांस्ड वायरलेस कम्प्युनिकेशन सिस्टम्स से परिचित कराया जाता है। कुछ एडवांस्ड वायरलेस कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग सेटअप्स जैसे 2x2 माइमो (एन.आई. यू.एस.आर.पी.), सैटेलाइट अपलिक और डाउनलिक डेटा ट्रांसमिशन, एड-हॉक वायरलेस कम्प्युनिकेशन (ब्लूटूथ, वाई-फाई और जिगबी) किट, ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम (जी.पी.एस.) किट, ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्प्युनिकेशन (जी.एस.एम.) किट भी इस प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं। विभिन्न प्रकार के चैनल्स (जैसे ए.डब्ल्यू.जी.एन. और फेडिंग चैनल) के लिए प्री स्पेस लॉस, रिसीव्ड पावर तथा बी.ई.आर.-एस.एन.आर. ग्राफ्स का निर्धारण करने हेतु मॉडल्स प्रोग्रामिंग द्वारा तैयार किए जाते हैं।

इसके अलावा, कुछ एडवांस्ड वायरलेस टेक्नोलॉजीज, स्प्रेड स्पेक्ट्रम मॉड्युलेशन और डीमॉड्युलेशन तकनीकों (डी.एस.एस.एस. और एफ.एच.एस.एस.), तथा ऑर्थोगोनल फ्रिक्वेंसी डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग (ओ.एफ.डी.एम.) मॉड्युलेशन और डीमॉड्युलेशन का भी अध्ययन और प्रदर्शन प्रोग्रामिंग के माध्यम से इस प्रयोगशाला में किया जाता है। ये प्रयोग विद्यार्थियों को आधुनिक वायरलेस कम्प्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज और स्टैंडर्ड्स के अनुरूप ज्ञान और कौशल विकसित करने में सहायता करते हैं। इतने विविध प्रयोगात्मक अवसरों के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक कम्प्युनिकेशन सिस्टम्स के विभिन्न कंपोनेंट्स की डिजाइन और विश्लेषण क्षमता विकसित करते हैं।



### ◆ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स एंड एंटीना प्रयोगशाला:

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स एंड एंटीना प्रयोगशाला विद्यार्थियों को विद्युतचुंबकीय तरंग प्रसार के मूल सिद्धांतों और उनके अनुप्रयोगों से परिचित कराती है, जो वायरलेस कम्प्युनिकेशन के क्षेत्र में अत्यंत आवश्यक है। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में यह क्षमता विकसित करना है कि वे इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड थ्योरी और एंटीना से प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक क्षेत्र में लागू कर सकें। यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों को विद्युतचुंबकीय घटनाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है, विशेष रूप से गाइडेड मीडिया में फील्ड प्रसार और विभिन्न एंटीना



### ◆ माइक्रोवेव इंजीनियरिंग प्रयोगशाला:

माइक्रोवेव इंजीनियरिंग प्रयोगशाला का उपयोग विभिन्न माइक्रोवेव पैसिव कंपोनेंट्स जैसे डायरेक्शनल कपलर, ब्रांच लाइन कपलर, रैट रेस कपलर, एट्यूएटर, रिंग रेज़ोनेटर, पावर डिवाइडर आदि की विशेषताओं का अध्ययन करने के लिए किया जाता है, जो 3 गीगाहर्ट्ज़ तक की माइक्रोवेव फ्रिक्वेंसी पर कार्य करते हैं। इसके अतिरिक्त, माइक्रोवेव ऑसिलेटर जैसे गन डायोड और रिफ्लेक्स क्लाइस्ट्रॉन की फ्रिक्वेंसी रिस्पॉन्स को वेवगाइड टेस्ट बेंच पर देखा जाता है। इस प्रयोगशाला में माइक्रोवेव फ्रिक्वेंसी पर कार्य करने वाले



की रेडिएशन विशेषताओं पर केंद्रित है। ट्रांसमिशन लाइन सिस्टम्स और कोएक्सियल केबल्स के उपयोग से विद्यार्थी स्टैंडिंग वेव्स और उनके सिग्नल प्रसार पर प्रभाव का अध्ययन और विश्लेषण कर सकते हैं। इस प्रयोगशाला में विद्यार्थी विभिन्न प्लेनर और नॉन-प्लेनर एंटीना के रेडिएशन पैटर्न्स का अवलोकन कर सकते हैं, जिसके बाद एंटीना पैरामीटर्स का मूल्यांकन किया जाता है। इससे विद्यार्थियों में यह क्षमता विकसित होती है कि वे अनुप्रयोग क्षेत्र के अनुसार विभिन्न प्रकार के एंटीना के बीच अंतर कर सकें।



विभिन्न प्लेनर और नॉन-प्लेनर एंटीना (माइक्रोस्ट्रिप पैच एंटीना, स्लॉट एंटीना) का डिजाइन और सिमुलेशन किया जाता है, जिसके बाद हार्ड फ्रिक्वेंसी सिमुलेटर का उपयोग कर एंटीना पैरामीटर्स जैसे वी.एस. डब्ल्यू.आर., रेडिएशन पैटर्न और गेन का विश्लेषण किया जाता है। माइक्रोवेव एंटीना की रेडिएशन, स्कैटरिंग पैरामीटर्स और इम्पीडेंस का मापन नेटवर्क एनालाइज़र की सहायता से किया जाता है, जिससे विद्यार्थी विभिन्न उच्च-फ्रिक्वेंसी अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाने वाले एंटीना की विशेषताओं से अवगत हो पाते हैं।



### ♦ वी.एल.एस.आई. डिजाइन प्रयोगशाला:

वी.एल.एस.आई. डिजाइन प्रयोगशाला अत्याधुनिक कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है तथा इसमें उद्योग-मानक ई.डी.ए. टूल्स जैसे कैडेंस वर्चुओसो, मेंटर ग्राफिक्स, ज़ाइलिंग्स विवाडो, सिनॉप्सिस आदि का उपयोग किया जाता है। बी.टेक. और एम.टेक. से संबंधित वी.एल.एस.आई. विषयों की प्रयोगात्मक कक्षाएं इस प्रयोगशाला में संचालित की जाती हैं। एम.टेक. के विद्यार्थी, जो माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वी.एल.एस.आई. डिजाइन में विशेषज्ञता प्राप्त कर रहे होते हैं, अपने एक-वर्षीय शोध प्रबंध के दौरान इस प्रयोगशाला का व्यापक उपयोग करते हैं। संस्थान के अनुसंधान विद्वान, जो एनालॉग/डिजिटल वी.एल.एस.आई. या डिवाइस



मॉडलिंग पर कार्य कर रहे हैं, भी अपने कम्प्यूटेशनल और शोध कार्यों के लिए इस प्रयोगशाला का नियमित उपयोग करते हैं। इस प्रयोगशाला में संपूर्ण वी.एल.एस.आई. डिजाइन चक्र के सभी चरण — स्कीमेटिक डिजाइन, प्लोर-प्लानिंग, प्लेसमेंट, रूटिंग, पैरासिटिक एक्सट्रैक्शन और पोस्ट-लेआउट सिमुलेशन — एनालॉग, डिजिटल या मिक्सड-सिग्नल सर्किट्स के लिए किए जा सकते हैं। विद्यार्थी इस प्रयोगशाला में कॉम्बिनेशनल सर्किट्स, सीक्वेंशियल सर्किट्स और एफ.एस.एम. के डिजाइन तथा सिंथेसिस से संबंधित प्रयोग भी वी.एच.डी.एल. या वेरिलॉग के माध्यम से कर सकते हैं। यह प्रयोगशाला सेमीकंडक्टर डिवाइस मॉडलिंग और प्रोसेस सिमुलेशन के लिए आवश्यक सभी सुविधाओं से युक्त है।



### ♦ सिग्नल प्रोसेसिंग एंड अकॉस्टिक्स प्रयोगशाला:

इस प्रयोगशाला में सिग्नल्स एंड सिस्टम्स और डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग से संबंधित प्रयोग किए जाते हैं। सिग्नल्स एंड सिस्टम्स प्रयोगशाला में मूलभूत सिग्नल ऑपरेशन्स, एल.टी.आई. सिस्टम्स

(लीनियर कन्वोल्यूशन) का विश्लेषण, आवर्ती और अनावर्ती सिग्नलों का फूरियर विश्लेषण — निरंतर एवं विविक्त समय दोनों में — तथा सिग्नलों का फ्रिक्वेंसी डोमेन निरूपण जैसे प्रयोग किए जाते हैं।



डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला में सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों घटक शामिल हैं। सॉफ्टवेयर भाग में विद्यार्थी विभिन्न सिमुलेशन करते हैं, जो डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग की मूल अवधारणाओं और अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करते हैं, जैसे क्वांटाइजेशन, सैम्पलिंग और एलियासिंग, सिग्नल जेनरेशन और मैनिपुलेशन, ओवरलैप-सेव और ओवरलैप-एड विधि द्वारा कन्वोल्यूशन के माध्यम से ब्लॉक प्रोसेसिंग, सिग्नल एन्हांसमेंट और नॉइज़ रिडक्शन फिल्टर्स, डिजिटल फिल्टर्स के डायरेक्ट, कैनोनिकल और कैस्केड रूप, डी.एफ.टी. और एफ.एफ.टी. द्वारा स्पेक्ट्रल विश्लेषण, तथा आई.आई.आर. और एफ.आई.आर. फिल्टर्स का डिजाइन (बैंड पास, बैंड

स्टॉप, लो पास और हाई पास) और डिजिटल ऑडियो इफेक्ट अनुप्रयोग। हार्डवेयर भाग में रियल-टाइम सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिद्म के प्रोग्रामिंग को प्रदर्शित किया जाता है। यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों को विविक्त/डिजिटल सिग्नलों के संचालन, सिग्नल प्रोसेसिंग की मूल प्रक्रियाओं, लीनियर टाइम-इनवेरिएंट (एल.टी.आई.) सिस्टम्स के डिजाइन और विश्लेषण, फूरियर विश्लेषण द्वारा सिग्नलों के स्पेक्ट्रल गुणों के अध्ययन, लैप्स ट्रांसफॉर्म और ज़ेड-ट्रांसफॉर्म द्वारा सिस्टम विश्लेषण, तथा बैंडपास, बैंड स्टॉप, लो पास और हाई पास फिल्टर्स के डिजाइन और सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिद्म के निर्माण की समझ प्रदान करती है।

### ♦ ऑप्टिकल कम्युनिकेशन प्रयोगशाला:

इस प्रयोगशाला में ऑप्टिकल कम्युनिकेशन से संबंधित विभिन्न प्रयोग किए जाते हैं। इसमें ऑप्टिकल नेटवर्क सिस्टम, एरबियम डोपड फाइबर एम्प्लीफायर ट्रेनिंग सिस्टम, ग्लास और प्लास्टिक फाइबर के लिए फाइबर ऑप्टिक ट्रेनर किट, फाइबर ऑप्टिक कनेक्टर और स्पलाइसिंग किट जैसे उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

इन उपकरणों की सहायता से क्रोमैटिक डिस्पर्सन, डायोड लेज़र कैरेक्टराइज़ेशन, ब्रैग ग्रेटिंग कैरेक्टराइज़ेशन, विभिन्न मोड्स का अवलोकन तथा ऑप्टिकल ग्लास फाइबर का न्यूमेरिकल एपरचर मापन जैसे प्रयोग किए जाते हैं। ये प्रयोग विद्यार्थियों को ऑप्टिकल कम्युनिकेशन सिस्टम्स के व्यावहारिक अनुप्रयोगों की समझ विकसित करने में सहायक होते हैं।



### ♦ इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) प्रयोगशाला:

इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) प्रयोगशाला यू.जी. और पी.जी. विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सहायक है। यह प्रयोगशाला उन प्रणालियों से सुसज्जित है जिनमें आई.ओ.टी. मोट शामिल है, जो आई.ई.ई.ई. 802.15.4 मानक के अनुरूप अत्यधिक एकीकृत सिस्टम-ऑन-चिप, आर.एफ. सबसिस्टम और सिक्वोरिटी सबसिस्टम से युक्त है। इसमें वाई-फाई मोट भी है, जो बिल्ट-इन वाई-फाई प्रोटोकॉल स्टैक सहित वायरलेस एम.सी.यू. पर आधारित है और आई.ओ.टी. अनुप्रयोगों के लिए लक्षित है। इसके अतिरिक्त, यह प्रयोगशाला ब्लूटूथ लो एनर्जी आधारित अनुप्रयोगों

के लिए एस.ओ.सी. डिवाइस तथा विभिन्न सेंसरों जैसे तापमान और सापेक्ष आर्द्रता, प्रकाश तीव्रता और निकटता संवेदन वाले सेंसर मोट से भी सुसज्जित है।

**आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रयोगशाला** यू.जी. और पी.जी. विद्यार्थियों को विभिन्न वास्तविक जीवन की समस्याओं या उनके मॉडल्स के साथ बुद्धिमत्तापूर्वक कार्य करने में सक्षम बनाती है। यह प्रयोगशाला पाइथन और टेन्सरफ्लो सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है, जिनका उपयोग सर्व एल्गोरिद्म पर आधारित सर्व ऑपरेशन्स, मल्टी-एजेंट गेम्स, जेनेटिक एल्गोरिद्म एंड ऑप्टिमाइज़ेशन, न्यूरल नेटवर्क और फज़ी लॉजिक अनुप्रयोगों तथा प्लानिंग से संबंधित प्रयोगों के लिए किया जाता है। इस प्रयोगशाला में जेनेटिक एल्गोरिद्म, न्यूरल नेटवर्क और फज़ी लॉजिक पर आधारित मेटलैब प्रयोग भी शामिल हैं।

## विभाग के शोधार्थी

शोधार्थी	शोध विषय	पर्यवेक्षक (गण)
श्री केशव दास	उच्च-आवृत्ति अनुप्रयोगों हेतु वाइडबैंड एल.सी. वोल्टेज-कंट्रोल्ड ऑसिलेटर (वी.सी.ओ.) का डिजाइन और विश्लेषण।	डॉ. संजय कुमार जाना
श्री अर्णब सोम	एनालॉग आई.सी. डिजाइन अनुप्रयोगों के लिए सेमीकंडक्टर डिवाइस का मॉडलिंग और डिजाइन।	डॉ. संजय कुमार जाना
श्री धीरज पांडे	समकालीन एवं भावी वायरलेस प्रौद्योगिकियों के लिए मल्टीबैंड एंटीना का डिजाइन, विकास और प्रदर्शन मूल्यांकन।	डॉ. रेशमी धारा और डॉ. सुरजीत कुंडू (एनआईटी जमशेदपुर)
सुश्री छेरिंग सांगमो शेरपा	स्वायत्त वाहनों के लिए उन्नत लाईडार प्रणाली का डिजाइन।	डॉ. संजय कुमार जाना
श्री सनोझ महतो	वाइडबैंड/मल्टीबैंड माइक्रोस्ट्रिप एंटीना का डिजाइन, विश्लेषण और प्रदर्शन मूल्यांकन।	डॉ. रेशमी धारा
सुश्री नीलम सिंह	सिंगल, मल्टी और अल्ट्रा-वाइडबैंड मेटामटेरियल एब्जॉर्बर का डिजाइन।	डॉ. रेशमी धारा
सुश्री श्रीपर्णा शर्मा	5जी अनुप्रयोगों के लिए पी.एल.एल. का डिजाइन।	डॉ. संजय कुमार जाना
श्री उदारा लक्ष्मण कुमार	बच्चों के सीमित संसाधनयुक्त भाषण डेटा के लिए उन्नत ऑटोमैटिक स्पीच रिकग्निशन (ए.एस.आर.) प्रणाली का विकास।	डॉ. हेमंत कुमार कथानिया
श्री पबन सापकोटा	डिसार्थिक भाषण में गंभीरता के स्तरों की पहचान तथा डिसार्थिया हेतु स्वचालित भाषण पहचान प्रणाली का विकास।	डॉ. हेमंत कुमार कथानिया
श्री अभिजीत सिन्हा	बच्चों में ऑटोमैटिक स्पीच रिकग्निशन प्रणाली के प्रदर्शन में सुधार।	डॉ. हेमंत कुमार कथानिया
श्री सरोज कांत पांडा	इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ई.सी.जी.) सिग्नलों का विश्लेषण नवीन तकनीकों द्वारा।	डॉ. वरुण गुप्ता और डॉ. हेमंत कुमार कथानिया
श्री पार्थ सारथी पाढ़ी	रेडियो फ्रिक्वेंसी इंटीग्रेटेड सर्किट (आर.एफ.आई.सी.) डिजाइन।	डॉ. संजय कुमार जाना और डॉ. जीतेंद्र सिंह
श्री विनोद झा	लाईडार अनुप्रयोगों के लिए एनालॉग-टू-डिजिटल कन्वर्टर (ए.डी.सी.) का डिजाइन।	डॉ. संजय कुमार जाना और डॉ. जीतेंद्र सिंह
श्री शुभम कुटुम	सीमित संसाधन परिस्थितियों में कीवर्ड स्पॉटिंग तकनीक का विकास।	डॉ. हेमंत कुमार कथानिया और प्रो. महेश चंद्र गोविल

## स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परियोजनाएँ:

पर्यवेक्षक का नाम	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	विषय
डॉ. संजय कुमार जाना	रियांश शर्मा	B200071EC	एल.एल.एम. प्रशिक्षण प्रक्रिया में एक्सप्लेनेबल ए.आई. का अध्ययन।
	किशन कुमार गुप्ता	B200081EC	उच्च-आवृत्ति पी.एल.एल. अनुप्रयोगों के लिए रिंग वी.सी.ओ. और
	दीपक प्रजापति	B200083EC	डी.सी.ओ. का डिजाइन।
	नंबूरी सरथ	B200086EC	कम नॉन-आइडियलिटैज़ और कम ऊर्जा खपत के साथ फेज
डॉ. हेमंत कुमार कथानिया	तन्मय तेजस	B200140EC	फ्रिक्वेंसी डिटेक्टर का डिजाइन।
	भानुजा करुमुरु	B200087EC	स्पीच प्रोसेसिंग और डीप लर्निंग के माध्यम से डिसार्थिया स्पीच
	गुंटेरड्वी प्रवीण कुमार	B200096EC	डिसऑर्डर का वर्गीकरण।
	सिदार्थ प्रसाद	B200074EC	डिसार्थिक स्पीच रिकग्निशन के लिए प्री-ट्रैंड मॉडल्स का फाइन-
	अनिरुद्ध घिल्लियाल	B200094EC	ट्यूनिंग।
	नीलेश गोंड	B200085EC	वॉयस-आधारित बच्चों की आयु वर्गीकरण प्रणाली का विकास।
	विशाखा कुमारी	B200121EC	

पर्यवेक्षक का नाम	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	विषय
डॉ. जीतेंद्र सिंह	सुजाता बसनेट	B200078EC	ए.एम.बी.ए. ए.एच.बी. लाइट प्रोटोकॉल का डिजाइन, सत्यापन और
	अंकित मिश्रा	B200080EC	ऑप्टिमाइजेशन।
	अर्पित पॉल	B200118EC	समित ज़ी3-16 एक्सरसाइज़र का उपयोग कर एंडपॉइंट (ई.पी.)
डॉ. सुकांत धर	सिद्धार्थ उत्सव	B200076EC	डिवाइस के लिए पी.सी.आई. ड्राइवर की कार्यक्षमता को सत्यापित
	ओजस दहल	B200073EC	करने हेतु पूफ ऑफ कॉन्सेट।
	कलजंग दोरजी लेंप्चा	B200082EC	इंटर-इंटीग्रेटेड सर्किट (आई.2.सी.) प्रोटोकॉल का डिजाइन और
	साहिल सौरव	B200091EC	सत्यापन।
डॉ. सुदीप्ता दास	तथागत भंज देव	B200072EC	पेरोव्स्काइट सोलर सेल्स के प्रदर्शन का अनुकूलन: सिंगल और
	अन्नलदासु श्रीवाणी	B200095EC	डुअल एब्जॉर्बर लेयर्स का एस.सी.ए.पी.एस.-1डी. मॉडलिंग।
	साक्षी राजपूत	B200098EC	सिस्टम वेरिलॉग यू.वी.एम.: आर.ए.एल. और कवरेज विश्लेषण।
	रिया माथुर	B200084EC	डिफरेंशियल इवोल्यूशन का उपयोग कर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स का
डॉ. सुदीप्ता दास	मोरला श्याम प्रसाद	B200092EC	अनुकूलन।
	कलगरा वरुण चंद्र	B180070EC	विश्वसनीय संचार हेतु उन्नत शोर दमन तकनीक का विकास।
	नफीसा फातिमा	B200075EC	
	आदर्श कुमार मिनी	B200089EC	
		B200099EC	

## आयोजित कार्यशालाएँ:

- डॉ. हेमंत कथानिया और डॉ. जय गोपाल गुप्ता ने "एन्तप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम" पर एक कार्यशाला का आयोजन 27 से 31 मई 2024 के बीच एन.आई.टी. सिक्किम में किया। यह कार्यशाला उद्यमिता विकास केंद्र एवं आई-हब स्पोक सेंटर, एन.आई.टी. सिक्किम द्वारा आयोजित की गई थी।
- डॉ. जीतेंद्र सिंह, डॉ. हेमंत कुमार कथानिया और डॉ. विशाल विश्रॉई ने "रीसेंट ट्रेड्स इन वी.एल.एस.आई. डिजाइन, सिस्टम-ऑन-चिप एंड एम्बेडेड सिस्टम्स" विषय पर - एडवांस्ड एन्तप्रेन्योरशिप स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (ए-ई.एस.डी.पी.)- का आयोजन 24 से 28 फरवरी 2025 के दौरान एन.आई.टी. सिक्किम में किया। यह कार्यक्रम सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एम.एस.एम.ई.) द्वारा प्रायोजित था।
- डॉ. विशाल विश्रॉई और डॉ. वरुण गुप्ता ने "एन्तप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम (ई.ए.पी.)" का आयोजन ए.टी.टी.सी. बारडांग, सिक्किम में 6 मार्च 2025 को किया।

## कार्यशाला / एफडीपी / एसटीसी / आईईपी / वेबिनार में सहभागिता

क्र. सं.	प्रतिभागियों के नाम	शीर्षक	आयोजक	तिथि	श्रेणी	
1.	डॉ. जीतेंद्र सिंह	नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (एनएफएलपी)	अंडर द एजिस ऑफ मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम	आईआईटी रुड़की	13 से 17 अप्रैल, 2025	प्रशिक्षण कार्यक्रम
2.	डॉ. जीतेंद्र सिंह	एन्तप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम	एन्तप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर एंड आई-हब स्पोक सेंटर, एनआईटी सिक्किम		27-31 मई, 2024	कार्यशाला
3.	डॉ. जीतेंद्र सिंह	एम्बेडेड सिस्टम्स एंड डिजाइन	कांटम टेक्नोलॉजीज, बेंगलुरु		06 अक्टूबर से 17 नवंबर 2024.	कार्यशाला
4.	डॉ. जीतेंद्र सिंह	इंस्ट्रक्शन एन्हांसमेंट प्रोग्राम (आईईपी) ऑन "एफपीजीए बेस्ड एसओसी डिजाइन कवरिंग डीआईआर-वी आर्किटेक्चर एंड एप्लिकेशन्स"	एनआईईएलआईटी कैलिकट		9 से 13 दिसंबर, 2024	आईईपी

क्र. सं.	प्रतिभागियों के नाम	शीर्षक	आयोजक	तिथि	श्रेणी
5	डॉ. जीतेन्द्र सिंह	नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (एनएफएलपी) अंडर द एजिस ऑफ मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम	आईआईएम जम्मू	16 से 20 दिसंबर, 2024	प्रशिक्षण कार्यक्रम
6	डॉ. वरुण गुप्ता	द रोल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन इंजीनियरिंग एप्लिकेशन्स	सेंचुरियन यूनिवर्सिटी	27 मई से 1 जून, 2024	कार्यशाला
7	डॉ. वरुण गुप्ता	नेक्स्ट जनरेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एंड साइबर सिक्योरिटी	एनआईटी सिक्किम	03 जून से 07 जून, 2024	कार्यशाला
8	डॉ. संजय कुमार जाना	इंस्ट्रक्शन एन्हांसमेंट प्रोग्राम (आईईपी) ऑन "एएसआईसी एनालॉग डिजाइन यूजिंग एससीएल 180 एनएम पीडीके"	सी-डैक, बेंगलुरु	03-फरवरी-2025 से 07-फरवरी-2025	कार्यशाला
9	डॉ. संजय कुमार जाना	नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम अंडर द एजिस ऑफ मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम	आईआईएम रोहतक	3 जून से 7 जून 2024	प्रशिक्षण कार्यक्रम
10.	डॉ. सुदीप्ता दास	रीसेंट ट्रेड्स इन वीएलएसआई डिजाइन, सिस्टम-ऑन-चिप एंड एम्बेडेड सिस्टम्स	एनआईटी सिक्किम	24 से 28 फरवरी, 2025	कार्यशाला

## आउटरीच गतिविधियाँ

- डॉ हेमंत कथानिया ने "रीसेंट ट्रेड्स इन वीएलएसआई डिजाइन, सिस्टम ऑन चिप, एंड एम्बेडेड सिस्टम्स" विषय पर 5 दिवसीय एडवांस्ड एन्हांसमेंट स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (ए-ईएसडीपी) के अंतर्गत "एसओसी डिजाइन एंड एफपीजीए इम्प्लीमेंटेशन" पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, जो 24 से 28 फरवरी 2025 तक एनआईटी सिक्किम, रावंगला में आयोजित हुआ।
- डॉ जीतेन्द्र सिंह ने "चिप डिजाइन - ए फंडामेंटल कोर्स" विषय पर 5 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के मेइटी द्वारा समर्थित था तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईसीटी एकेडमी, सी-डैक मोहाली द्वारा एनआईटी जालंधर के सहयोग से 27 से 31 जनवरी 2025 तक आयोजित किया गया।
- डॉ जीतेन्द्र सिंह ने "रीसेंट ट्रेड्स इन वीएलएसआई डिजाइन, सिस्टम ऑन चिप, एंड एम्बेडेड सिस्टम्स" विषय पर 5 दिवसीय एडवांस्ड एन्हांसमेंट स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (ए-ईएसडीपी) के अंतर्गत "एसओसी डिजाइन एंड एफपीजीए इम्प्लीमेंटेशन" पर हैड्स-ऑन ट्रेनिंग सत्र आयोजित किया, जो 24 से 28 फरवरी 2025 तक एनआईटी सिक्किम, रावंगला में हुआ।
- डॉ जीतेन्द्र सिंह ने आईआईटी गुवाहाटी में उत्तर-पूर्व क्षेत्र में "वीएलएसआई चैप्टर इनिशियलाइजेशन" पर एक दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ विशाल विश्रॉई ने "एन्तप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम (ईएपी)" पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, जो 6 मार्च 2025 को एटीटीसी बारडांग, सिक्किम में आयोजित हुआ।

- डॉ वरुण गुप्ता ने "एन्तप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम (ईएपी)" पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, जो 6 मार्च 2025 को एटीटीसी बारडांग, सिक्किम में आयोजित हुआ।
- डॉ वरुण गुप्ता ने बीआईएस द्वारा प्रायोजित वी-गार्ड, रांगपो, सिक्किम में 25 फरवरी 2025 को औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया।
- डॉ वरुण गुप्ता ने बीटेक विद्यार्थियों के साथ आईआईटी हैदराबाद के इन्क्यूबेशन सेंटर का भ्रमण किया।
- डॉ वरुण गुप्ता ने 15 अक्टूबर 2024 को "स्पेसिफिक लर्निंग डिसएबिलिटीज" पर आयोजित कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में भाग लिया।
- डॉ वरुण गुप्ता ने आईआईटी गुवाहाटी में उत्तर-पूर्व क्षेत्र में "वीएलएसआई चैप्टर इनिशियलाइजेशन" पर आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया।

## प्रकाशन

### प्रकाशन सूची (शोध पत्र - शैक्षणिक वर्ष 2024-2025)

- अर्णब कुमार राय, हेमंत कुमार कथानिया, अधितिा शर्मा, अभिषेक दे तथा मोहम्मद सरफराज आलम अंसारी, "रेज़रईमोटनेट: ब्रिजिंग एक्यूरसी एंड लॉस रिडक्शन इन फेशियल इमोशन रिकग्निशन," आईआईटी सिग्नल प्रोसेसिंग लेटर्स, वॉल्यूम 32, पृष्ठ 491-495, 2025, doi: 10.1109/LSP.2024.35213211
- नितिन सिंह, रंजीत धारा तथा सुमित महतो, "टेराहर्ट्ज़-आधारित बायोसेंसिंग टेक्नोलॉजी फॉर मल्टी-डिजीटल डिटेक्शन: कैंसर,

मलेरिया, बैसिलस वायरस एंड ट्यूबरक्यूलोसिस डायग्नोसिस," ऑप्टिक, पृष्ठ 172323, 2025।

- नितिन सिंह, रंजीत धारा तथा सुरेश यादव, "डिज़ाइन एंड ऑप्टिमाइजेशन ऑफ़ ए पोलराइजेशन-इंसेंसिटिव टेराहर्ट्ज़ मेटामटेरियल एब्ज़ॉर्बर फॉर सेंसिंग एप्लीकेशन्स," फोटोनिक्स एंड नैनोस्ट्रक्चर्स - फंडामेंटल्स एंड एप्लीकेशन्स, वॉल्यूम 62, पृष्ठ 101314, 2024।
- नितिन सिंह, रंजीत धारा तथा सुरेश यादव, "कंपैक्ट पेंटा-बैंड मेटामटेरियल एब्ज़ॉर्बर: अचीविंग पोलराइजेशन इंसेंसिटिविटी एंड ऑप्टिमाइज़्ड बैंडविड्थ परफॉरमेंस," ऑप्टिकल एंड क्वान्टम इलेक्ट्रॉनिक्स, वॉल्यूम 56(11), पृष्ठ 1851, 2024।
- रंजीत धारा, सुरेश यादव, सुमित महतो, मनोज एम. एम. शर्मा तथा एम. सी. गोविल, "एन एंटीपोडल एन्टेना विथ इम्प्रूव्ड ऐक्सियल रेशियो बैंडविड्थ," आईआईटीई जर्नल ऑफ़ रिसर्च, वॉल्यूम 70(1), पृष्ठ 144-152, 2024।
- जितेन्द्र सिंह तथा सुरेश सिंह, "इम्प्रूवमेंट इन द सेंसिंग परफॉरमेंस ऑफ़ एसआईजीई पॉकेट एसआई/जीई वीटीएफईटी-बेस्ड बायोसेंसर यूजिंग एक्सटेंडेड सोर्स इलेक्ट्रोड एंड नैनो-कैविटी लेंथ," मेटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग: बी, वॉल्यूम 310, पृष्ठ 117688, 2024।
- मनीष कुमार यादव, रवि कुमार, रत्नेश आर. के., जितेन्द्र सिंह, अमित कुमार, विकास विश्रॉई, गौरव सिंह तथा अशोक कुमार सिंह, "रेवोल्यूशनरी डिजाइन टेक्नोलॉजी विथ स्पिन्ट्रॉनिक्स: डिवाइसेज़ एंड देयर ट्रांसफॉर्मेटिव एप्लीकेशन्स," मेटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग: बी, एल्सेवियर, वॉल्यूम 303, पृष्ठ 117293, 2024।
- वरुण गुप्ता तथा दानिश अथर, "बुसा डीप लर्निंग मॉडल फॉर ईईजी सिग्नल एनालिसिस," वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशन्स, वॉल्यूम 136, पृष्ठ 2521-2543, 2024, <https://doi.org/10.1007/s11277-024-11409-4>
- अभास कनुंगो, पंकज कुमार, वरुण गुप्ता, सलीम तथा नितिन कुमार सक्सेना, "ए डिज़ाइन एन ऑप्टिमाइज़्ड फ़ज़ी अडैप्टिव प्रोपोर्शनल-इंटीग्रल-डेरिवेटिव कंट्रोलर फॉर ऐप्टी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम्स," इंजीनियरिंग एप्लीकेशन्स ऑफ़ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वॉल्यूम 133 (भाग च), 2024, पृष्ठ 108556, ISSN 0952-1976, <https://doi.org/10.1016/j.engappai.2024.108556>
- विवेक सक्सेना, नरेन्द्र कुमार, सैबल मन्ना, सौरभ कुमार राजपूत, कुसुम लता अग्रवाल, सौरव दिवानिया तथा वरुण गुप्ता, "मॉडलिंग, सॉल्यूशन एंड एप्लीकेशन ऑफ़ ऑप्टिमाइजेशन टेक्नीक्स इन एचआरईएस: फ्रॉम कन्वेंशनल टू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस," एप्लाइड एनर्जी, वॉल्यूम 380, पृष्ठ 125047, 2025, ISSN 0306-2619, <https://doi.org/10.1016/j.apenergy.2024.125047>

- पवन कुमार पांडेय, रवि कुमार, वरुण गुप्ता एवं अन्य, "एन इनोवेटिव हाइब्रिड कंट्रोलर-बेस्ड कॉम्बाइन्ड ग्रिड-कनेक्टेड हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम," इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, वॉल्यूम 106, पृष्ठ 7055-7072, 2024, <https://doi.org/10.1007/s00202-024-02363-2>
- विवेक सक्सेना, सैबल मन्ना, सौरभ कुमार राजपूत, सौरव दिवानिया तथा वरुण गुप्ता, "सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशन्स: इंटीग्रेटेड हाइब्रिड CCHP सिस्टम्स विथ रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज़ फॉर एफिशिएंट अर्बन डेवलपमेंट," जर्नल ऑफ़ ब्राज़ीलियन सोसाइटी ऑफ़ मेकैनिकल साइंसेस एंड इंजीनियरिंग, वॉल्यूम 46, पृष्ठ 668, 2024।
- बलराम ताम्रकार, कृष्णा सिंह, पर्विन कुमार तथा वरुण गुप्ता, "परफॉरमेंस एनालिसिस ऑफ़ DD-DPMZM बेस्ड RoF लिंक फॉर इमर्जिंग वायरलेस नेटवर्क्स," एनालॉग इंटीग्रेटेड सर्किट्स एंड सिग्नल प्रोसेसिंग, वॉल्यूम 119, पृष्ठ 441-453, 2024, <https://doi.org/10.1007/s10470-023-02231-2>
- वरुण गुप्ता, नितिन कुमार सक्सेना, अभास कनुंगो एवं अन्य, "एन एफिशिएंट आर-पीक डिटेक्शन इन इलेक्ट्रो-कार्डियो-ग्राम सिग्नल यूजिंग इंटेलिजेंट सिग्नल प्रोसेसिंग टेक्नीक्स," वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशन्स, वॉल्यूम 135, पृष्ठ 1149-1176, 2024।
- बलराम ताम्रकार, कृष्णा सिंह, वरुण गुप्ता एवं अन्य, "फॉर्टिफाइंग फाइल शेयरिंग सिस्टम्स सिक्योरिटी थ्रू AES एन्क्रिप्शन मेथड फॉर द नेक्स्ट जनरेशन नेटवर्क्स," जर्नल ऑफ़ एक्टिव एंड पैसेव इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़, वॉल्यूम 18(1), पृष्ठ 37, 2024।
- दीपक पांडेय, रंजीत धारा, सौम्य भुनिया तथा सौम्य कुंडू, "डिज़ाइन एंड एनालिसिस ऑफ़ ए कॉम्पैक्ट मिलीमीटर-वेव पेंटा-बैंड एन्टेना फॉर 5G FR-2 बैंड वायरलेस टेक्नोलॉजीज़," ईईयू-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन्स, वॉल्यूम 184, पृष्ठ 155409, 2024।
- वरुण गुप्ता, "ए नॉवेल लिनियर डिस्क्रिमिनेट एनालिसिस-बेस्ड क्लासिफिकेशन ऑफ़ आर-पीक्स इन डिफरेंट ECG सिग्नल डेटासेट्स," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोइन्फॉर्मेटिक्स रिसर्च एंड एप्लीकेशन्स, वॉल्यूम 21(2), पृष्ठ 153-170, मार्च 2025।
- बलराम ताम्रकार, कृष्णा सिंह तथा वरुण गुप्ता, "टैकलिंग थर्ड-ऑर्डर इंटरमॉड्यूलेशन डिस्टॉर्शन: मॉडलिंग एंड एनालिसिस ऑफ़ लिनियराइज़्ड RoF लिंक फॉर फ्यूचर पर्सपेक्टिव नेटवर्क्स," जर्नल ऑफ़ ऑप्टिक्स, वॉल्यूम 53, पृष्ठ 2597-2608, 2024।
- सौरव दिवानिया, मनीष कुमार, वरुण गुप्ता एवं अन्य, "इंसाइट इन्टू द इन्वेस्टिगेशन ऑफ़ थर्मो-इलेक्ट्रिकल परफॉरमेंस ऑफ़ हाइब्रिड फोटोवोल्टाइक-थर्मल एयर-कलेक्टर," जर्नल ऑफ़ इंस्ट्रुक्शन ऑफ़ इंजीनियर्स (इंडिया), सीरीज़ बी, वॉल्यूम 105, पृष्ठ 1275-1283, 2024।

- बलराम ताम्रकार, वरुण गुप्ता तथा अभास कनुंगो, "एनालिसिस, इम्प्लीमेंटेशन एंड रिसर्च ऑपच्युनिटीज ऑफ रेडियो ओवर फाइबर लिंक ओवर द डिस्पर्सिव मीडियम फॉर नेक्स्ट जनरेशन नेटवर्क," जर्नल ऑफ ऑप्टिक्स, 2025।
- सौविक धर, सौम्य मंडल, गोपाल दास, वेई ली, सुभांशु मुखर्जी, चिरंतन बनर्जी, हेमंत साहा तथा अजय कुमार बरुआ, "सिंथेसिस ऑफ स्पटरड सेल्फ-कैटलिटिक इंडियम टिन ऑक्साइड नैनोरोड्स फॉर फोटोवोल्टाइक एप्लीकेशन," जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, वॉल्यूम 1004, पृष्ठ 175757, जुलाई 2024।
- टी. बी. देव, एस. राजपूत, ए. श्रीवाणी तथा एस. धर, "परफॉरमेंस ऑप्टिमाइजेशन ऑफ इको-फ्रेंडली  $CH_3NH_3SnI_3$ -बेस्ड पेरॉव्स्काइट सोलर सेल एम्प्लॉइंग  $CH_3NH_3SnBr_3$  ऐज़ होल ट्रांसपोर्ट लेयर बाय SCAPS-1D डिवाइस सिमुलेटर," जर्नल ऑफ फिजिक्स: कन्डेन्सड मैटर, वॉल्यूम 36(47), पृष्ठ 475901, अगस्त 2024।
- टी. बी. देव, ए. श्रीवाणी, एस. राजपूत तथा एस. धर, "नॉवल लीड-फ्री डुअल ऐब्ज़ॉर्बर-बेस्ड पेरॉव्स्काइट सोलर सेल्स: एफिशिएंट न्यूमेरिकल हार्नेसिंग टुवर्ड्स हाई एफिशिएंसी थ्रू SCAPS-1D," जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री सॉलिड्स, वॉल्यूम 205, पृष्ठ 112776, अक्टूबर 2025।

### प्रकाशन सूची (सम्मेलन शोध पत्र – शैक्षणिक वर्ष 2024-2025)

- वरुण गुप्ता, राजीव कुमार, मनीष शर्मा, अरविंद कुमार शर्मा तथा अंशु गुप्ता, "हायर ऑर्डर फिल्टर एंड फ्रैक्शनल फूरियर ट्रांसफॉर्म आधारित ईसीजी सिग्नल एनालिसिस," 2024 आईईईई सिल्वर सबसेक्शन कॉन्फ्रेंस (सिलकॉन 2024), अगरतला, भारत, 2024, पृष्ठ 1-5, doi: 10.1109/SILCON63976.2024.10910607।
- दीपक पांडेय, रंजीत धारा तथा सौम्य कुंडू, "ए टेबल लैम्प शेड कॉम्पैक्ट ट्राइ-बैंड ऐन्टेना फॉर वैरियस वायरलेस टेक्नोलॉजीज़," इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटेलेजेंट कम्प्यूटेशन, कंट्रोल एंड डिवाइसेज़, सिंगापुर: स्पिंगर नेचर सिंगापुर, मई 2024, पृष्ठ 309-320।
- पबन सापकोटा, अभिजीत सिन्हा, हेमंत कुमार कथानिया तथा सुदर्शन रेड्डी कदीरी, "एनहैंसिंग ट्रेडिशनल काल्डी डिसआर्थिक स्पीच रिकग्निशन यूज़िंग एएसएल-फीचर्स," नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटेशन (एनसीसी), आईईईई, 2025।
- पबन सापकोटा, हेमंत कुमार कथानिया, मिक्को कुरिमो, सुदर्शन रेड्डी कदीरी तथा श्रीकांत नारायणन, "सिस्टमैटिक स्टडी ऑफ डिसआर्थिक स्पीच रिकग्निशन: स्पेक्ट्रल फीचर्स एंड अकॉस्टिक मॉडल्स," आईईईई 58वीं एनुअल ऐसिलोमार कॉन्फ्रेंस ऑन सिग्नल्स, सिस्टम्स एंड कम्प्यूटर्स, 2024।

- पबन सापकोटा, हेमंत कुमार कथानिया, सुदर्शन रेड्डी कदीरी तथा श्रीकांत नारायणन, "डेटा ऑगमेंटेशन टू इम्पूव एंड-टू-एंड स्पीच रिकग्निशन फॉर डिसआर्थिक स्पीच," आईईईई 58वीं एनुअल ऐसिलोमार कॉन्फ्रेंस ऑन सिग्नल्स, सिस्टम्स एंड कम्प्यूटर्स, 2024।
- अभिजीत सिन्हा, मिक्तुल सिंह, सुदर्शन रेड्डी कदीरी, मिक्को कुरिमो तथा हेमंत कुमार कथानिया, "इफेक्ट ऑफ स्पीच मॉडिफिकेशन ऑन वेव2वेक2 मॉडल्स फॉर चिल्ड्रन स्पीच रिकग्निशन," आईईईई एसपीकॉम (एसपीकॉम), भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु, 2024।
- भानुजा करुमुरु, पबन सापकोटा तथा हेमंत कुमार कथानिया, "इन-डोमेन डेटा ऑगमेंटेशन टू एनहांस सिवियरिटी लेवल क्लासिफिकेशन ऑफ डिसआर्थिक फ्रॉम स्पीच," आईईईई एसपीकॉम (एसपीकॉम), भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु, 2024।

### पुस्तक अध्याय

- सौरव दिवानिया, सुमित शर्मा, सलीम तथा वरुण गुप्ता, "आईओटी-आधारित होम ऑटोमेशन यूज़िंग नोडएमसीयू" \*आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एंड मशीन लर्निंग एप्लीकेशन्स फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट\*, प्रथम संस्करण, 2025, सीआरसी प्रेस, पृष्ठ 13, ISBN 9781003581246।
- जितेन्द्र सिंह, सुरेश सिंह, बी. राज, विकास पटेल तथा बी. राज, "एडवांसमेंट ऑफ न्यूरोमॉर्फिक कम्प्यूटिंग सिस्टम्स विथ मेमिस्टर्स," \*इंटीग्रेटेड डिवाइसेज़ फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एंड वीएलएसआई\*, 2024, पृष्ठ 193-215।

### विभाग में चल रही / पूर्ण हुई अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) परियोजनाएँ / योजनाएँ

- डॉ. हेमंत कथानिया (प्रधान अन्वेषक)  
शीर्षक: क्रिएशन ऑफ स्पीच कॉर्पोरा ऑफ हाई हिमालयन लैंग्वेज (ईस्टर्न रीजन) फॉर ऑटोमैटिक स्पोकन लैंग्वेज आइडेंटिफिकेशन टास्क। स्थिति: पूर्ण। वित्तपोषण एजेंसी: डीआरडीओ, भारत सरकार। कुल निधि: ₹9.94 लाख।
- डॉ. हेमंत कथानिया (प्रधान अन्वेषक)  
शीर्षक: स्ट्रेस एंड एंग्जायटी डिटेक्शन यूज़िंग वॉइस एंड फेशियल एक्सप्रेसंस । स्थिति: प्रगति पर। वित्तपोषण एजेंसी: आईहब दिव्यसंपर्क, आईआईटी रुड़की (डीएसटी, भारत सरकार द्वारा स्थापित)। कुल निधि: ₹30 लाख।
- प्रो. महेश चंद्र गोविल (प्रधान अन्वेषक), डॉ. संजय कुमार जना (सह-अन्वेषक), डॉ. हेमंत कथानिया (सह-अन्वेषक) तथा डॉ. जितेन्द्र सिंह (सह-अन्वेषक)

शीर्षक: डिज़ाइन ऑफ एन इम्पूव्ड लाईडार सिस्टम फॉर ऑटोनॉमस व्हीकल्स । स्थिति: प्रगति पर। वित्तपोषण एजेंसी: मेडटी, भारत सरकार। कुल निधि: ₹111 लाख।

- डॉ. हेमंत कथानिया (सह-अन्वेषक)

शीर्षक: स्मार्ट चेरर फॉर लो बैक पेन । स्थिति: प्रगति पर। वित्तपोषण एजेंसी: आईहब दिव्यसंपर्क, आईआईटी रुड़की (डीएसटी, भारत सरकार द्वारा स्थापित)। कुल निधि: ₹26 लाख।

- डॉ. हेमंत कथानिया (सह-अन्वेषक)

शीर्षक: आईओटी एंड एपीआई एनेबल्ड सिस्टम फॉर एनहैंसड मॉनिटरिंग एंड प्रेडिक्शन ऑफ एयर कालिटी इंडेक्स। स्थिति: प्रगति पर।

वित्तपोषण एजेंसी: आईहब दिव्यसंपर्क, आईआईटी रुड़की (डीएसटी, भारत सरकार द्वारा स्थापित)। कुल निधि: ₹17 लाख।

### कार्यशाला " एईएसडीपी) ऑन रिसेंट टेंड्स इन वीएलएसआई डिज़ाइन, सिस्टम ऑन चिप, एंड एम्बेडेड सिस्टम्स" का आयोजन

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्प्यूटेशन इंजीनियरिंग विभाग ने 24 फरवरी से 28 फरवरी 2024 तक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला "एडवांसड एन्वैर्योरशिप स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (ए-ईएसडीपी)" जिसका विषय था "रीसेंट टेंड्स इन वीएलएसआई डिज़ाइन, सिस्टम ऑन चिप, एंड एम्बेडेड सिस्टम्स" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री हरप्रीत सिंह जताना (पूर्व समूह प्रमुख, एससीएल मोहाली, इसरो) तथा प्रोफेसर महेश चंद्र गोविल, निदेशक, एनआईटी सिक्किम के स्वागत और उद्घाटन भाषण के साथ हुआ। दोनों ने भारत की तकनीकी प्रगति में वीएलएसआई और सेमीकंडक्टर उद्योगों में नवाचार के रणनीतिक महत्व पर बल दिया। कार्यशाला का उद्देश्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को अपने ज्ञान और अनुभव से मार्गदर्शन प्रदान किया।

विभिन्न उद्योगों और अकादमिक संस्थानों के विशेषज्ञों ने एनालॉग से लेकर डिजिटल वीएलएसआई डिज़ाइन और एम्बेडेड सिस्टम्स तक के विषयों पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम की सफल समाप्ति के पश्चात निम्नलिखित प्रमुख परिणाम अपेक्षित हैं :-

### 1. उद्योग-तैयार कौशल विकास

- प्रतिभागियों को ऐसे एम्बेडेड सिस्टम्स में व्यवहारिक अनुभव प्राप्त होगा जो विशिष्ट औद्योगिक अनुप्रयोगों के अनुरूप हों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए।
- प्रतिभागियों की सेमीकंडक्टर चिप्स को वास्तविक उत्पादों जैसे स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक खिलौने, घरेलू उपकरण और आईओटी आधारित यंत्रों में एकीकृत करने की क्षमता में वृद्धि होगी।

### 2. उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए एसओसी डिज़ाइन दक्षता

- प्रशिक्षित स्नातक और उद्योग विशेषज्ञ सिस्टम-ऑन-चिप (एसओसी) डिज़ाइन में गहन ज्ञान और कौशल प्राप्त करेंगे, जिसमें प्रोसेसर, मेमोरी, डीएसपी इकाइयाँ, क्रिप्टोग्राफिक मॉड्यूल और एआई/एमएल एक्सेलेरेटर का एकीकरण शामिल है।
- प्रतिभागियों में स्वास्थ्य सेवा, ऑटोमोटिव, स्मार्ट कृषि और औद्योगिक स्वचालन जैसे क्षेत्रों के लिए एसओसी प्लेटफॉर्म आर्किटेक्चर तैयार करने की क्षमता विकसित होगी।

### 3. उन्नत उपकरण जागरूकता और मॉडलिंग

- प्रतिभागी उभरते सेमीकंडक्टर उपकरणों जैसे वर्टिकल टीएफईटी, नैनोशीट एफईटी, सीएनटी एफईटी और नैनोवायर एफईटी की डिवाइस भौतिकी और कॉम्पैक्ट मॉडलिंग में दक्ष होंगे।
- इन नवीन उपकरणों का उपयोग अति-कम ऊर्जा खपत वाले, कॉम्पैक्ट और लागत-प्रभावी आईसी के डिजिटल और एनालॉग अनुप्रयोगों के डिज़ाइन में किया जा सकेगा।

### 4. एएसआईसी और एफपीजीए डिज़ाइन में विशेषज्ञता

- प्रतिभागी एप्लिकेशन स्पेसिफिक इंटीग्रेटेड सर्किट्स (एएसआईसी) और फील्ड प्रोग्रामेबल गेट ऐरेज़ (एफपीजीए) के डिज़ाइन प्रवाह की समग्र समझ प्राप्त करेंगे।
- वे एफपीजीए आधारित प्लेटफॉर्म का उपयोग कर डीएसपी, एआई और एमएल अनुप्रयोगों का प्रोटोटाइप और कार्यान्वयन कर सकेंगे, जिससे तीव्र नवाचार और अनुकूलित समाधान संभव होंगे।

### 5. उद्यमिता और उत्पाद नवाचार

- यह कार्यक्रम प्रतिभागियों में तकनीकी ज्ञान और उद्यमशील मानसिकता का विकास करेगा, जिससे वे प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप स्थापित कर सकेंगे।
- प्रतिभागियों को नवाचारी विचारों को व्यावसायिक रूप से सफल सेमीकंडक्टर या एम्बेडेड समाधानों में परिवर्तित करने हेतु प्रोत्साहन और मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।



## 6. राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन और आत्मनिर्भर भारत में योगदान

- राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को स्वदेशी सेमीकंडक्टर आईपी और एम्बेडेड सिस्टम्स के विकास में योगदान देने के लिए सक्षम बनाता है।
- वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करता है।



# विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग



विद्युत या किसी अन्य शक्ति की शोभा इस रहस्य में नहीं निहित है कि वह अप्रत्याशित होकर हमारी इंद्रियों को अकस्मात् स्पर्श करती है, अपितु इस सत्य में है कि वह नियमबद्ध है – और साधित बुद्धि आज भी उसे व्यापक रूप से संचालित कर सकती है।

– माइकल फैराडे

विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग संस्थान के शैक्षणिक ढांचे में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 2010 में स्थापना के समय से ही इसका अभिन्न अंग रहा है। विभाग उत्कृष्ट शिक्षण और विविध अंतरविषयक क्षेत्रों में उल्लेखनीय अनुसंधान के माध्यम से उच्चतम शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

समर्पित संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की टीम के सहयोग से विभाग शिक्षण और अनुसंधान — दोनों क्षेत्रों में निरंतर उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत है। गतिशील और अनुभवी शिक्षकों के संयोजन से विभाग का शैक्षणिक वातावरण सजीव और समृद्ध बना रहता है। विभाग छात्र-छात्राओं की बहुआयामी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप व्यापक शैक्षणिक कार्यक्रम प्रस्तुत करता है।

स्नातक स्तर पर विभाग विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक.) कार्यक्रम संचालित करता है, जो विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में सुदृढ़ आधार प्रदान करता है। उच्च अध्ययन और विशेषज्ञता प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए विभाग विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम. टेक.) कार्यक्रम प्रस्तुत करता है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके चयनित क्षेत्रों में गहन ज्ञान और अनुसंधान कौशल प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, विभाग पीएच.डी. कार्यक्रम के माध्यम से शोधार्थियों को विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी अनुसंधान के अवसर प्रदान करता है। समग्र रूप से, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम का विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग अपने कठोर शैक्षणिक कार्यक्रमों और अनुसंधान पहलों के माध्यम से भावी नेतृत्वकर्ताओं और नवोन्मेषकों को तैयार करने के लिए समर्पित एक शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रतीक है।

## ध्येय

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करना और प्रभावशाली अनुसंधान करना है, जो वर्तमान युग की चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करे। ऐसा करते हुए, विभाग समाज के समग्र विकास में योगदान देते हुए एक बेहतर भविष्य के निर्माण की दिशा में अग्रसर है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के माध्यम से, विभाग विद्यार्थियों को वह ज्ञान, कौशल और ध्येयकोण प्रदान करने का प्रयास करता है, जो उन्हें आज की जटिल चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाए। सैद्धांतिक सिद्धांतों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर आधारित एक गतिशील शिक्षण वातावरण को प्रोत्साहित करते हुए, विभाग विद्यार्थियों को नवाचारी समस्या समाधानकर्ता और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने के लिए तैयार करता है।

साथ ही, विभाग अत्याधुनिक अनुसंधान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो सामाजिक आवश्यकताओं को संबोधित करता है और विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी के क्षेत्र में ज्ञान की सीमाओं का विस्तार करता है। उद्योग भागीदारों, सरकारी एजेंसियों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से, विभाग ऐसे समाधान विकसित करने का प्रयास करता है जो सतत विकास, तकनीकी प्रगति और सामाजिक कल्याण में योगदान दें। अंततः, शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के संयोजन के माध्यम से, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी

संस्थान सिक्किम का विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग अपने विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को समाज में सार्थक योगदान देने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य आकार देने के लिए सशक्त बनाना चाहता है।

## ध्येय

विभाग अपने दृष्टिकोण को निम्नलिखित ध्येयों के माध्यम से साकार करने का उद्देश्य रखता है:

- सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक अभियांत्रिकीय कौशल विकसित करने हेतु परिणाम-आधारित शिक्षण और अनुसंधान प्रदान करना।
- विद्यार्थियों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के लिए ऐसा वातावरण निर्मित करना जहाँ वे नैतिक और चारित्रिक मूल्यों के साथ अपनी सर्वांगीण क्षमताओं का पोषण और विकास कर सकें।

विभाग के अत्यंत दक्ष एवं प्रतिष्ठित संकाय सदस्य विविध अत्याधुनिक अनुसंधान क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं। विभाग के व्यापक अनुसंधान क्षेत्रों में नियंत्रण प्रणाली, रोबोटिक्स, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर क्वालिटी, पावर सिस्टम, हाइब्रिड माइक्रो-ग्रिड, स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकियाँ, विद्युत वाहन, अभियांत्रिकी में नॉन-लिनियर डायनेमिक्स का अनुप्रयोग, अक्षय ऊर्जा, तथा सॉफ्ट कम्प्यूटिंग तकनीकों के विकास एवं अनुप्रयोग जैसे विषय सम्मिलित हैं। विभाग उद्योग और संस्थान के बीच सुदृढ़ सहभागिता पर गर्व करता है तथा विविध संभावित परियोजनाओं को अपनाने और सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए निरंतर समर्पित है।

इसके अतिरिक्त, विभाग विद्युत क्षेत्र से संबंधित विभिन्न उद्योगों के साथ सक्रिय सहयोग विकसित करने का लक्ष्य रखता है और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक नेटवर्क में अपनी विशिष्ट प्रतिष्ठा स्थापित कर चुका है। वर्तमान में विभाग विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में प्रथम वर्ष बी.टेक. कार्यक्रम के लिए प्रतिवर्ष 30 विद्यार्थियों को प्रवेश देता है। स्नातकोत्तर स्तर पर विभाग विद्युत अभियांत्रिकी में एम.टेक. कार्यक्रम संचालित करता है, जिसमें 22 विद्यार्थियों का वार्षिक प्रवेश होता है। वर्ष 2020 से विभाग ने एम.टेक. की रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु संस्थान प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन प्रारंभ किया, जिसे देशभर के विद्यार्थियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, विभाग विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में नियमित पीएच.डी. कार्यक्रम भी प्रदान करता है, जिनमें नियंत्रण प्रणाली, पावर सिस्टम संचालन, पावर क्वालिटी, अक्षय ऊर्जा स्रोत, स्मार्ट ग्रिड, ऑप्टिमाइज़ेशन, पावर सिस्टम डायनेमिक्स एवं स्थिरता, फ्लेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन, हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट, इलेक्ट्रिक ड्राइव्स और हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन सम्मिलित हैं।

वर्तमान में विभाग में लगभग सभी प्रयोगशालाएँ अत्याधुनिक उपकरणों और नवीनतम सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्मों से सुसज्जित हैं। विभिन्न कार्यशालाओं में आमंत्रित प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर विभाग ने सैद्धांतिक अवधारणाओं की गहन समझ को सुदृढ़ करने हेतु प्रयोगशाला अवसंरचना में आवश्यक परिवर्तन किए हैं। प्रयोगशालाएँ परिष्कृत उपकरणों, परीक्षण सेटअप, एम्बेडेड कंट्रोलर, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसर, पावर इन्वर्टर-कन्वर्टर, विभिन्न विद्युत ड्राइव्स आदि से सुसज्जित हैं। विभाग राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे एमईआईटीवाई, आईहब आईआईटी रुड़की, आईआईटी भिलाई आदि द्वारा प्रायोजित कई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में संलग्न है। विभाग समय-समय पर संकाय विकास कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और विशेषज्ञ व्याख्यान भी आयोजित करता है। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के परिश्रम से प्रतिष्ठित जर्नलों में प्रकाशित तकनीकी शोधपत्रों की संख्या और सम्मेलनों में भागीदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। विभाग आगामी वर्षों में अपने अनुसंधान ढांचे का और विस्तार करने का लक्ष्य रखता है ताकि विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों दोनों के अनुसंधान परिणामों और प्रकाशनों में और वृद्धि हो सके।

विभाग के संकाय सदस्य नियमित रूप से प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय जर्नलों जैसे आईईईई ट्रांजेक्शन्स, आईईईई प्रोसीडिंग्स, आईईटी, और एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित विद्युत अभियांत्रिकी के जर्नलों में अपने शोधकार्य का योगदान दे रहे हैं, साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की कार्यवाहियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। विभाग ने अपनी पूर्व स्थापित पावर सिस्टम प्रयोगशाला, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला और इलेक्ट्रिक ड्राइव प्रयोगशाला को और अधिक सुदृढ़ किया है। साथ ही, विभाग परीक्षण, अंशांकन एवं मानकीकरण, पावर क्वालिटी और ऊर्जा संरक्षण के लिए नई प्रयोगशालाओं की स्थापना की योजना बना रहा है।

वर्षों के दौरान विभाग निरंतर प्रगति करते हुए एनआईटी सिक्किम के प्रमुख विभागों में से एक बन गया है। प्लेसमेंट रिकॉर्ड से यह स्पष्ट है कि विभाग के विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी रुचि के अनुसार उत्कृष्ट नियुक्तियाँ प्राप्त की हैं। शीर्ष कंपनियाँ जैसे एनवीडिया, क्वालकॉम, एल एंड टी, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड आदि ने विद्यार्थियों को प्रति वर्ष 10 लाख रुपये से अधिक के वेतन पैकेज के साथ नियुक्त किया है। इसके अतिरिक्त, मुख्य अभियांत्रिकी और सहयोगी क्षेत्रों की कंपनियाँ जैसे वेदांता समूह, विप्रो, टाटा पावर, रिलायंस आदि ने भी विभाग से विद्यार्थियों को आकर्षक वेतन पैकेज पर नियुक्त किया है। यह निरंतर उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड विभाग की प्रतिबद्धता और योगदान का प्रतीक है। विभाग के स्नातक आज विभिन्न सरकारी एवं निजी संगठनों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं।

विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने और अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हमारे पूर्व विद्यार्थियों में से कई ने भारत और विदेश के प्रतिष्ठित एवं अग्रणी

संस्थानों से स्नातकोत्तर उपाधियाँ प्राप्त की हैं। अनेक विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट रैंक हासिल की है।

विद्यार्थियों को कक्षा शिक्षण और प्रयोगशाला अभ्यास के अतिरिक्त तकनीकी एवं सृजनात्मक गतिविधियों के लिए भी प्रेरित किया जाता है, जैसे कि संस्थान द्वारा आयोजित तकनीकी महोत्सव 'अभियंत्रण'। साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलन और संगोष्ठियों में शोधपत्र प्रस्तुत करने सहित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

## संकाय विवरण

### विभागाध्यक्ष

#### डॉ. अरबिंद पांडा, विभागाध्यक्ष

पीएच.डी. – आईआईटी रुड़की

असिस्टेंट प्रोफेसर

**अनुसंधान क्षेत्र:** अक्षय ऊर्जा स्रोतों में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का अनुप्रयोग

**प्रोफाइल पृष्ठ:** <https://eee.nitsikkim.ac.in/profile.php?sn=70>

### एसोसिएट प्रोफेसर

#### डॉ. अंजन कुमार रे

पीएच.डी. – आईआईटी कानपुर

**अनुसंधान क्षेत्र:** नियंत्रण प्रणाली, रोबोटिक्स एवं इंटेलेजेंस सिस्टम, मशीन लर्निंग, सेंसर समेकन तथा स्मार्ट होम/एन्वायरोन्मेंट

**प्रोफाइल पृष्ठ:** <https://eee.nitsikkim.ac.in/profile.php?sn=52>

### असिस्टेंट प्रोफेसर

#### डॉ. मोलय रॉय

पीएच.डी. – आईआईईएसटी शिबपुर

**अनुसंधान क्षेत्र:** पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कन्वर्टर और कंट्रोलर

**प्रोफाइल पृष्ठ:** <https://eee.nitsikkim.ac.in/profile.php?sn=28>

## विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- बी.टेक. (विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी)
- एम.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)
  - विद्युत एवं ऊर्जा प्रणालियों में विशेषज्ञता
  - पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं ड्राइव्स में विशेषज्ञता
- पीएच.डी. (विद्युत अभियांत्रिकी)

#### डॉ. सौरव मलिक

पीएच.डी. – एनआईटी दुर्गापुर

**अनुसंधान क्षेत्र:** पावर सिस्टम स्टेट एस्टीमेशन, पावर सिस्टम ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन, पावर सिस्टम स्थिरता एवं नियंत्रण, सॉफ्ट कम्प्यूटिंग

**प्रोफाइल पृष्ठ:** <https://eee.nitsikkim.ac.in/profile.php?sn=68>

#### डॉ. प्रदीप कुमार

पीएच.डी. – एनआईटी जमशेदपुर

**रुचि का क्षेत्र:** पावर क्वालिटी, नियंत्रण प्रणाली, अक्षय ऊर्जा प्रणाली, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स

**प्रोफाइल पृष्ठ:** <https://eee.nitsikkim.ac.in/profile.php?sn=10>

**डॉ. निमाई चरण पटेल**

पीएच.डी. – उत्कल विश्वविद्यालय

**अनुसंधान क्षेत्र:** इलेक्ट्रिकल मशीन, पावर सिस्टम, कम्प्यूटेशनल इंटेलेजेंस और ऑप्टिमाइजेशन तकनीकें**प्रोफाइल पृष्ठ:** <https://eee.nitsikkim.ac.in/profile.php?sn=837>**डॉ. विवेक कुमार**

पीएच.डी. – आईआईटी (बीएचयू), उत्तर प्रदेश

**अनुसंधान क्षेत्र:** पावर सिस्टम स्टेबिलिटी एंड कंट्रोल, एडवांस्ड एंड इंटेलेजेंट कंट्रोल, साइबर सिक्योरिटी इन पावर सिस्टम्स, स्मार्ट माइक्रोग्रिड तथा रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन**प्रोफाइल पृष्ठ:** <https://eee.nitsikkim.ac.in/profile.php?sn=839>**अस्थायी संकाय सदस्यगण****डॉ. शक्ति वशिष्ठ**

असिस्टेंट प्रोफेसर

पीएच.डी. – एमएनआईटी जयपुर

**कर्मचारी विवरण****सुश्री दीपिका छेत्री**

वरिष्ठ तकनीकी सहायक

**श्री अनिल गुर्जर**

तकनीकी सहायक

**श्री सैकत मिस्त्री**

तकनीशियन

**डॉ. अभिषेक राजन**

पीएच.डी. – एनआईटी सिलचर

**अनुसंधान क्षेत्र:** ऑप्टिमल पावर प्लो, पावर सिस्टम में अक्षय ऊर्जा का एकीकरण, पावर सिस्टम डीरगुलेशन, पावर सिस्टम संचालन और नियंत्रण, सॉफ्ट कम्प्यूटिंग तकनीकें**प्रोफाइल पृष्ठ:** <https://eee.nitsikkim.ac.in/profile.php?sn=113>**श्री पवन कुमार कथानिया**

तकनीकी सहायक

**श्री मनीष कुमार**

वरिष्ठ तकनीशियन

**श्री महावीर गुर्जर**

तकनीशियन

**तकनीकी संघ / सोसाइटी की सदस्यता**

क्र. सं.	नाम	तकनीकी सोसाइटी	सदस्यता का प्रकार
1.	डॉ. सौरव मल्लिक	आईआईईई आईआईईई पावर एंड एनर्जी सोसाइटी द इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) आईआईईई वरिष्ठ सदस्य	Member Member Associate Member
2.	डॉ. अंजन कुमार रे	आईआईईई रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन सोसाइटी आईआईईई सिस्टम्स, मैन एंड साइबरनेटिक्स सोसाइटी आईआईईई कंट्रोल सिस्टम्स सोसाइटी आईआईईई पावर एंड एनर्जी सोसाइटी आईआईईई आईआईईई इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी सदस्यता आईआईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशन सोसाइटी सदस्यता	वरिष्ठ सदस्य
3.	डॉ. अरबिंद पांडा	आईआईईई सेंसर काउंसिल आईआईईई सिस्टम्स काउंसिल आईआईईई ट्रांसपोर्टेशन इलेक्ट्रिफिकेशन काउंसिल सिस्टम सोसाइटी ऑफ इंडिया इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी	सदस्य
4.	डॉ. प्रदीप कुमार	इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर साइबर साइंस एंड इंजीनियरिंग इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट	आजीवन सदस्यता
5.	डॉ. मोलय राँय	आईआईईई	सदस्य
6.	डॉ. निमाई चरण पटेल	आईआईईई, आईईई (आई)	वरिष्ठ सदस्य
7.	डॉ. विवेक कुमार	आईआईईई, आईआईईई-पीईएस सोसाइटी	सदस्य
8.	डॉ. अभिषेक राजन	आईआईईई	सदस्य

**प्रयोगशाला सुविधाएँ****1. मूल विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला**

मूल विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला विद्यार्थियों को विद्युत अभियांत्रिकी की मूलभूत समझ की एक मजबूत नींव विकसित करने में सहायता करती है। प्रत्येक प्रयोग इस प्रकार तैयार किया गया है कि विद्यार्थी अपने पूर्ववर्ती सत्रों में सीखे गए सिद्धांतों के व्यावहारिक पक्ष को देख सकें। प्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न नेटवर्क प्रमेयों के अनुप्रयोग, विभिन्न प्रकार के लोड और उनके वोल्टेज-करंट गुणधर्मों का अध्ययन, संतुलित और असंतुलित लोड की शक्ति माप, डीसी विद्युत आपूर्ति और स्रोतों का डिजाइन, और परिपथ सुरक्षा जैसे प्युज रेटिंग के मुद्दों को सीखते हैं। विद्यार्थी प्रयोगशाला से प्राप्त ज्ञान को विद्युत अभियांत्रिकी के अन्य सभी क्षेत्रों में लागू करने में सक्षम बनते हैं।

**2. मापन प्रयोगशाला**

विभाग की मापन प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऊर्जा मीटर, मल्टीमीटर, वोल्टमीटर, एमीटर आदि जैसे बुनियादी प्रयोगशाला उपकरणों के संचालन से परिचित कराना है। एक अन्य उद्देश्य प्राप्त

परिणामों के अभ्यास और विश्लेषण के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करना, और सही प्रयोगशाला प्रक्रियाएँ और तकनीकें सीखना है। यह सरल परिपथों का निर्माण, परीक्षण और मापन करके पूरा किया जाता है। प्रयोगों के दौरान विद्यार्थी उपकरण के विभिन्न भागों के प्रदर्शन और उनके पीछे की कार्यप्रणाली के बीच अंतर को पहचान सकते हैं।

**3. नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला**

नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को नियंत्रण प्रणालियों के विभिन्न पहलुओं जैसे उन्नत नियंत्रण, अप्रेखीय नियंत्रण, और बुद्धिमान नियंत्रण के वैचारिक और व्यावहारिक अभ्यास प्रदान करता है। यहाँ विद्यार्थी स्काइलैब (SCILAB), सी/सी++ जैसे विभिन्न मुक्त-स्रोत प्लेटफॉर्मों से परिचित होते हैं, जिनका उपयोग सिमुलेशन करने के लिए किया जाता है। इसमें रैखिक दोहरे उल्टे लोलक और घूर्णी दोहरे उल्टे लोलक सहित हार्डवेयर सेटअप भी हैं। विद्यार्थियों को माइक्रोकंट्रोलर और सेंसर के उपयोग में भविष्य के रुझानों के लिए भी प्रशिक्षित किया जाता है। इन सिमुलेशन और हार्डवेयर सुविधाओं के माध्यम से विद्यार्थी प्रणाली मॉडलिंग और सिमुलेशन के विभिन्न पहलुओं से परिचित होते हैं। वे प्रणाली प्रतिक्रिया और स्थिरता का

अध्ययन करते हैं। विद्यार्थियों को विभिन्न प्रणालियों के लिए नियंत्रक और प्रेक्षक डिजाइन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसके अलावा, उन्हें प्रणाली मॉडलिंग और नियंत्रण में मशीन इंटेलेजेंस को सम्मिलित करने का अनुभव भी दिया जाता है।

#### 4. विद्युत मशीन प्रयोगशाला

विद्युत मशीन प्रयोगशाला विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी (EEड) पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक है। डीसी और एसी मशीनों पर व्यावहारिक प्रयोगों में शामिल होकर विद्यार्थी सैद्धांतिक अवधारणाओं और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच की दूरी को पाटना सीखते हैं। खुले मशीन सेटअप की उपलब्धता विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को और समृद्ध बनाती है, जिससे वे इन मशीनों के आंतरिक संचालन को प्रत्यक्ष रूप से देख सकते हैं और उनके कार्य और निर्माण की गहरी समझ प्राप्त कर सकते हैं। यह व्यावहारिक दृष्टिकोण विद्यार्थियों की समझ को बढ़ाता है और उन्हें विद्युत अभियांत्रिकी के क्षेत्र में वास्तविक जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करता है।

#### 5. विद्युत प्रणाली प्रयोगशाला

वर्तमान स्नातक पाठ्यक्रम में विद्युत प्रणाली प्रयोगशाला तीन सत्रों में पढ़ाई जाती है, समाज में विषय के महत्व को ध्यान में रखते हुए। विद्युत प्रणालियों में विभिन्न प्रयोग करके विद्यार्थी विद्युत संप्रेषण और वितरण प्रणालियों, फॉल्ट, प्रणाली स्थिरता आदि से संबंधित अभियान्त्रिकीय समस्याओं का डिजाइन, विश्लेषण और समाधान करना सीखते हैं। विभाग ने एक ट्रांसमिशन लाइन एनालाइज़र स्थापित किया है जो विद्यार्थियों को विद्युत संप्रेषण लाइन के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। वर्तमान में, 200 किमी त्रि-फेज एकल परिपथ और 600 किमी एकल-फेज परिपथ को विभिन्न प्रकार के कंडक्टर और केबलों के लिए सिमुलेट किया जा सकता है। इसके अलावा, उस एनालाइज़र में त्रि-फेज और एकल फॉल्ट सिमुलेशन भी संभव हैं। विभाग इस प्रयोगशाला को एनालॉग और डिजिटल रिले के पूर्ण सेटअप के साथ विस्तारित करने की योजना बना रहा है। विभाग ने वर्तमान विद्युत परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए पवन और सौर ऊर्जा स्रोतों पर आधारित माइक्रोग्रिड सेटअप भी स्थापित किया है।

#### 6. पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला

विभाग विद्यार्थियों को पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में व्यापक व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित है। प्रयोगशाला सुविधाओं में सुधार करके और डीस्पेस (dSpacड) जैसे उन्नत उपकरणों को सम्मिलित करके विद्यार्थी पावर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टरों के संचालन, डिजाइन और संश्लेषण का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं। औद्योगिक नियंत्रण और सुरक्षित विद्युत प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करना सुनिश्चित करता है कि विद्यार्थी वास्तविक अनुप्रयोगों के लिए तैयार हों। डीस्पेस के साथ, विद्यार्थी सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के बीच की दूरी को पाट सकते हैं, जिससे वे अभियान्त्रिकीय मॉडलों



के प्रोटोटाइप बनाकर उनका प्रभावी परीक्षण कर सकते हैं। सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का यह एकीकरण पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में विद्यार्थियों को करियर के लिए तैयार करने में अमूल्य है।

#### 7. विद्युत ड्राइव्स प्रयोगशाला

विद्युत ड्राइव्स प्रयोगशाला की स्थापना बी.टेक., एम.टेक. और पीएच.डी. विद्यार्थियों के लिए सैद्धांतिक अवधारणाओं और व्यावहारिक क्रियान्वयन के बीच की दूरी को पाटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुविधा विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम-आधारित प्रयोगशाला कक्षाओं में भाग लेने, व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने और अपने अध्ययन से संबंधित परियोजना कार्य करने का अवसर प्रदान करती है। प्रयोगशाला का फोकस विद्युत ड्राइव्स पर है, जिसमें डीसी मोटर ड्राइव, एसी मोटर ड्राइव और विशेष मोटर ड्राइव से संबंधित व्यापक प्रयोग शामिल हैं। इन प्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की मोटरों के संचालन, नियंत्रण और प्रदर्शन मूल्यांकन में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं, जहाँ वे विभिन्न पावर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टरों का उपयोग करते हैं। यह व्यावहारिक अनुभव विद्युत ड्राइव्स और उनके वास्तविक जीवन अनुप्रयोगों को समझने के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, यह प्रयोगशाला स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट विद्यार्थियों के लिए उनके शैक्षणिक हितों से संबंधित परियोजनाओं और शोध कार्यों के संचालन के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। यह न केवल उनके सीखने के अनुभव को बढ़ाती है, बल्कि विद्युत ड्राइव्स और संबंधित प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में नवाचार और खोज को भी प्रोत्साहित करती है। नवस्थापित विद्युत ड्राइव्स प्रयोगशाला के चित्र विभाग की अत्याधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने की प्रतिबद्धता को और प्रदर्शित करते हैं। ये दृश्य उपकरणों और अधोसंरचना को दर्शाते हैं और विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में सक्रिय रूप से भाग लेने और संभावनाओं की खोज करने के लिए प्रेरित करते हैं।

#### 8. विद्युत वाहन प्रयोगशाला

विद्युत वाहन (EV) प्रयोगशाला की स्थापना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप है, जो अकादमिक पाठ्यक्रमों में इंडस्ट्री 4.0 प्रौद्योगिकियों के एकीकरण पर बल देती है। ईवी प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करके विभाग न केवल स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट विद्यार्थियों के शैक्षणिक अनुभव को बढ़ाता है बल्कि इस तीव्र गति से विकसित हो रहे क्षेत्र में अनुसंधान की प्रगति में भी योगदान देता है। विद्युत ड्राइव्स प्रयोगशाला की तरह, ईवी प्रयोगशाला कई उद्देश्यों की पूर्ति करती है, जिनमें प्रयोगात्मक कक्षाएँ आयोजित करना, व्यावहारिक प्रशिक्षण देना, और विभिन्न स्तरों के विद्यार्थियों के लिए परियोजना कार्य को सुगम बनाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, यह सुविधा विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को ईवी प्रौद्योगिकी में अनुसंधान गतिविधियों में शामिल होने में सक्षम बनाती

है, जो वर्तमान चुनौतियों का समाधान करने और भविष्य के अवसरों का अन्वेषण करने पर केंद्रित है। प्रयोगशाला का जोर ईवी मोटर नियंत्रण पर है, जिससे विद्यार्थी ईवी अनुप्रयोगों में उपयोग की जाने वाली मोटरों के स्थिर और गतिशील प्रदर्शन के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करते हैं। फॉरवर्ड मोटरिंग, रिवर्स मोटरिंग, फॉरवर्ड ब्रेकिंग और रिवर्स ब्रेकिंग जैसे प्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थी ईवी प्रणोदन प्रणालियों और उनके परिचालन गुणों की गहरी समझ विकसित करते हैं। नवस्थापित ईवी प्रयोगशाला के चित्र न केवल अधोसंरचना और उपकरणों को प्रदर्शित करते हैं, बल्कि यह भी उजागर करते हैं कि विभाग आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने और विद्यार्थियों को सीखने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये दृश्य ईवी अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में विभाग की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

## 9. सिमुलेशन प्रयोगशाला

सिमुलेशन प्रयोगशाला एक अत्याधुनिक सुविधा है जहाँ विद्यार्थी नियंत्रित और यथार्थपरक वातावरण में अपने कौशल का अभ्यास और विकास कर सकते हैं। यह उच्च-प्रामाणिकता वाले प्रशिक्षण मॉडल और कंप्यूटर प्रणालियों जैसी उन्नत तकनीक से सुसज्जित है जो वास्तविक परिस्थितियों का अनुकरण (सिमुलेशन) कर सकती हैं। सिमुलेशन प्रयोगशाला का प्राथमिक लक्ष्य विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक रूप से लागू करने का अवसर देना है, वह भी वास्तविक परिस्थितियों में किसी हानि के जोखिम के बिना।

## 10. पावर सिस्टम्स रिले प्रयोगशाला

पावर सिस्टम्स रिले प्रयोगशाला विद्युत ग्रिड में सुरक्षात्मक रिले प्रणालियों के परीक्षण के लिए एक सुविधा है। इसमें सिम्युलेटेड पावर सेटअप, रिले उपकरण, डेटा अधिग्रहण उपकरण, फॉल्ट सिम्युलेटर और सुरक्षा उपाय शामिल हैं। ये प्रयोगशालाएँ पावर सिस्टम्स की विश्वसनीयता विकसित करने और सुनिश्चित करने में सहायक होती हैं।

## 11. माइक्रोग्रिड प्रयोगशाला

माइक्रोग्रिड प्रयोगशाला एक परीक्षण सुविधा है जहाँ माइक्रोग्रिड प्रणालियों का अध्ययन किया जाता है, जो लघु-स्तरीय विद्युत ग्रिड हैं और स्वतंत्र रूप से या मुख्य ग्रिड के साथ समन्वय में संचालित हो सकते हैं। इसमें माइक्रोग्रिड कॉन्फिगरेशन, अक्षय ऊर्जा स्रोत, ऊर्जा भंडारण प्रणालियाँ, नियंत्रण एल्गोरिद्म, और संचार प्रोटोकॉल का सिमुलेशन शामिल है। ये प्रयोगशालाएँ लचीले और स्थायी ऊर्जा समाधानों के विकास के लिए आवश्यक हैं।

## 12. माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकंट्रोलर प्रयोगशाला

माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकंट्रोलर प्रयोगशाला माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर के साथ व्यावहारिक सीख और प्रयोग के लिए एक विशेषीकृत सुविधा है। यह विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को हार्डवेयर प्लेटफॉर्म, विकास उपकरण और सॉफ्टवेयर संसाधनों तक पहुँच प्रदान करती है ताकि वे एम्बेडेड सिस्टम्स को डिज़ाइन, प्रोग्राम और परीक्षण कर सकें। ये प्रयोगशालाएँ डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स और एम्बेडेड सिस्टम्स डिज़ाइन में व्यावहारिक कौशल प्राप्त करने के लिए आवश्यक हैं।

## 13. रोबोटिक्स प्रयोगशाला

रोबोटिक्स प्रयोगशाला एक विशेषीकृत सुविधा है जहाँ शोधकर्ता, अभियंता, और विद्यार्थी रोबोटिक प्रणालियों का डिज़ाइन, निर्माण, और परीक्षण करते हैं। इसमें रोबोटिक आर्म्स, मोबाइल रोबोट, सेंसर, एक्ट्यूएटर और नियंत्रण प्रणालियाँ जैसी उपकरणों की सुविधाएँ शामिल हैं। ये प्रयोगशालाएँ रोबोटिक्स तकनीक को आगे बढ़ाने, प्रयोगों का संचालन करने, और विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, अन्वेषण, और मनोरंजन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नवाचारी अनुप्रयोगों के विकास के लिए केंद्र के रूप में कार्य करती हैं।

## विभागीय समितियाँ

क्र. सं.	संकाय सदस्यों का नाम	समिति का नाम
1	1. डॉ. अरबिंद पांडा, विभागाध्यक्ष एवं संयोजक 2. डॉ. मोलय राँय (संयोजक, डीयूजीसी) 3. प्रत्येक बैच के संकाय परामर्शदाता i. डॉ. प्रदीप कुमार, संकाय समन्वयक, द्वितीय वर्ष बी.टेक. ii. डॉ. निर्माई चरण पटेल, संकाय समन्वयक, तृतीय वर्ष बी.टेक. iii. डॉ. अभिषेक राजन, संकाय समन्वयक, चतुर्थ वर्ष बी.टेक. iv. डॉ. मोलय राँय, संकाय समन्वयक, प्रथम वर्ष एम.टेक. v. डॉ. मोलय राँय, संकाय समन्वयक, द्वितीय वर्ष एम.टेक. vi. डॉ. अंजन कुमार राय, संकाय समन्वयक, पीएच.डी.	शैक्षणिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (एपीईसी)
2	1. डॉ. मोलाय राँय (संयोजक, डीयूजीसी) 2. डॉ. अरविन्दा पांडा, विभागाध्यक्ष, ईईई 3. डॉ. अंजन कुमार राय (संयोजक, डीपीजीसी) 4. डॉ. सौरव मलिक (विभागाध्यक्ष के नामांकित सदस्य) 5. डॉ. प्रदीप कुमार (विभागाध्यक्ष के नामांकित सदस्य) 6. डॉ. प्रत्यय कुइला (विभागाध्यक्ष के नामांकित सदस्य)	विभागीय स्नातक समिति (डीयूजीसी)
3	1. डॉ. अंजन कुमार राय (संयोजक, डीपीजीसी) 2. डॉ. अरबिंद पांडा, विभागाध्यक्ष, ईईई 3. डॉ. मोलाय राँय (संयोजक, डीयूजीसी) 4. डॉ. सौरव मलिक, विभागाध्यक्ष के नामांकित सदस्य 5. डॉ. प्रदीप कुमार, विभागाध्यक्ष के नामांकित सदस्य 6. डॉ. प्रतय कुलिया, चेयरपर्सन सीनेट के नामांकित सदस्य	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)

विभाग की प्रयोगशालाओं के सुचारू संचालन हेतु संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। प्रयोगशाला प्रभारी की सूची निम्नलिखित है:

क्र. सं.	प्रयोगशाला का नाम	संकाय प्रभारी	प्रयोगशाला प्रभारी
1.	विद्युत वाहन प्रयोगशाला	डॉ. अरबिंद पांडा	श्री पवन कथानिया श्री मनीष कुमार
2.	ड्राइव्स प्रयोगशाला	डॉ. अरबिंद पांडा डॉ. मोलय राँय	श्री पवन कथानिया श्री मनीष कुमार
3.	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला	डॉ. अरबिंद पांडा डॉ. मोलय राँय	श्री पवन कथानिया श्री सैकत मिस्त्री
4.	मूल विद्युत प्रयोगशाला	डॉ. अभिषेक राजन डॉ. निर्माई चरण पटेल	सुश्री दीपिका छेत्री श्री सैकत मिस्त्री
5.	विद्युत मापन प्रयोगशाला	डॉ. प्रदीप कुमार डॉ. विवेक कुमार	सुश्री दीपिका छेत्री श्री सैकत मिस्त्री
6.	विद्युत कार्यशाला	डॉ. अभिषेक राजन डॉ. शक्ति वशिष्ठ	सुश्री दीपिका छेत्री श्री सैकत मिस्त्री
7.	विद्युत मशीन प्रयोगशाला	डॉ. निर्माई चरण पटेल डॉ. अभिषेक राजन	श्री अनिल गुर्जर श्री मनीष कुमार
8.	विद्युत प्रणाली प्रयोगशाला	डॉ. सौरव मलिक डॉ. अभिषेक राजन	श्री अनिल गुर्जर श्री मनीष कुमार
9.	नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला	डॉ. अंजन कुमार राय डॉ. विवेक कुमार	सुश्री दीपिका छेत्री श्री सैकत मिस्त्री
10.	माइक्रोग्रिड प्रयोगशाला	डॉ. मोलय राँय	सुश्री दीपिका छेत्री

## विभाग में प्रचलित प्रायोजित परियोजनाएँ

- डॉ. अरविंद पांडा**, प्रमुख अन्वेषक — परियोजना “डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ ए हाई गेन क्यू-ज़ेडएसआई फॉर सिंगल-स्टेज फ्यूल सेल हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल”, जिसका वित्तपोषण आईएचब दिव्यसंपर्क, आईआईटी रुड़की द्वारा किया गया है। यह परियोजना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार तथा आईआईटी रुड़की के अंतर्गत राष्ट्रीय अंतःविषयी साइबर फिजिकल सिस्टम मिशन के तहत ₹17.0 लाख की राशि से एक वर्ष के लिए स्वीकृत है।
- डॉ. प्रदीप कुमार**, प्रमुख अन्वेषक — परियोजना “डेवलपमेंट ऑफ आईओटी बेस्ड स्मार्ट कॉम्पैक्ट एनर्जी मीटर (आईएससीईएम) फॉर मॉनिटरिंग एंड कंट्रोलिंग द पावर क्वालिटी इश्यूज इन ए स्मार्ट बिल्डिंग”, जिसे आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन (आईबीआईटीएफ) द्वारा दो वर्षों की अवधि के लिए ₹28,15,760 की राशि से वित्तपोषित किया गया है।
- डॉ. अंजन कुमार राय**, प्रमुख अन्वेषक — परियोजना “डायनेमिक्स ऑफ पावर ग्रिड्स थ्रू कॉम्प्लेक्स नेटवर्क थ्योरी: ए स्टडी ऑफ वल्लरेबिलिटी, स्टेबिलिटी एंड सिंक्रोनाइजेशन”, जिसे मैट्रिक्स, एसईआरबी, भारत सरकार द्वारा 2022-2025 की अवधि के लिए वित्तपोषित किया गया है।
- डॉ. अंजन कुमार राय**, प्रमुख अन्वेषक — परियोजना “यूएवी-यूजीवी कोऑर्डिनेशन एंड फॉर्मेशन कंट्रोल फॉर अनमैन्ड डिलीवरी सर्विसेज: एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी”, जिसे एआरटीपार्क, आईआईएससी बेंगलुरु द्वारा 2021-2022 की अवधि के लिए वित्तपोषित किया गया है।
- Dr. Moloy Roy**, प्रमुख अन्वेषक — परियोजना “डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ डब्ल्यूबीजी डिवाइस बेस्ड हाई करंट कन्वर्टरस फॉर इंडस्ट्री एप्लिकेशन्स”, जिसे नेम्पेट-III, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार द्वारा ₹61,67,000 की राशि से वित्तपोषित किया गया है।

## पीएच.डी. शोधार्थी

### क. पीएच.डी. उपाधि प्राप्तकर्ता

क्रम सं.	शोधार्थी का नाम	पर्यवेक्षक(गण)	शोध क्षेत्र (विषय)
1.	डॉ. अरिंदम सिंघा	डॉ. अंजन कुमार राय	बुद्धिमान नेटवर्कयुक्त रोबोटिक प्रणालियाँ
2.	डॉ. रोशन प्रधान	डॉ. अरविंद पांडा	मॉडल प्रेडिक्टिव कंट्रोल के साथ उन्नत पावर क्वालिटी आधारित फोटोवोल्टाइक वितरण उत्पादन प्रणाली
3.	डॉ. अमित कुमार	डॉ. प्रदीप कुमार	कस्टम पावर उपकरणों का उपयोग कर विद्युत गुणवत्ता में सुधार
4.	डॉ. अरविंद घोष	डॉ. अंजन कुमार राय	बुद्धिमान नियंत्रण प्रणालियाँ
5.	डॉ. देबांजन मुखर्जी	डॉ. सौरव मल्लिक	फेक्टस तकनीक का उपयोग कर पावर लाइन हार्मोनिक में कमी नवीन जेडएसआई/जेडएसआई टोपोलॉजी का डिज़ाइन और विकास तथा उनके अनुप्रयोग
6.	डॉ. सुधांशु शेखर दास	डॉ. अरविंद पांडा	गृह उपकरणों हेतु मल्टीलेवल इन्वर्टर का डिज़ाइन और नियंत्रण
7.	श्री रजनीकांत साहू	डॉ. मोलय राँय	

### ख. जारी

क्रम सं.	शोधार्थी का नाम	पर्यवेक्षक(गण)	शोध क्षेत्र (विषय)
1.	श्री रोमियो आथा	डॉ. सौरभ मल्लिक	पावर सिस्टम प्रोटेक्शन
2.	श्री ओमकार सिंह	डॉ. अंजन कुमार रे	रोबोटिक्स एवं इंटेलिजेंट सिस्टम्स में नियंत्रण अनुप्रयोग
3.	श्री अविस्मित दत्ता	डॉ. अरविंद पांडा	इलेक्ट्रिक वाहन में मोटर ड्राइव्स का प्रदर्शन विश्लेषण
4.	श्री प्रतीक प्रधान	डॉ. अरविंद पांडा	इलेक्ट्रिक वाहन का बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (BMS)
5.	श्री इस्तावातु श्रीकांत	डॉ. प्रदीप कुमार	पावर क्वालिटी
6.	सुश्री दीपिका छेत्री	डॉ. मोलय राँय	विद्युतचुंबकीय प्रेरण द्वारा विद्युत शक्ति स्थानांतरण और उसका विश्लेषण
7.	सुश्री टुम्पा दास	डॉ. मोलय राँय	घरेलू इंडक्शन हीटिंग का निर्माण एवं प्रदर्शन विश्लेषण
8.	श्री चंदन कुमार	डॉ. अंजन कुमार रे	इंटेलिजेंट कंट्रोल का अनुप्रयोग
9.	श्री सौरव घोष	डॉ. सौरभ मल्लिक	पावर सिस्टम
10.	श्री चयन चक्रवर्ती	डॉ. अंजन कुमार राँय	एआई आधारित रोबोटिक्स
11.	सुश्री प्रमिला दास	डॉ. प्रदीप कुमार	पावर क्वालिटी विश्लेषण

क्रम सं.	शोधार्थी का नाम	पर्यवेक्षक(गण)	शोध क्षेत्र (विषय)
12.	श्री रोशन परियार	डॉ. अरविंद पांडा	फ्यूल सेल हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन
13.	श्री शताब्दी बंद्योपाध्याय	डॉ. सौरभ मल्लिक	पावर सिस्टम
14.	सुश्री गीता श्रीवास्तव	डॉ. अंजन कुमार राँय	इंटेलिजेंट कंट्रोल सिस्टम
15.	ज्योति कुमारी	डॉ. अभिषेक राजन	पावर सिस्टम
16.	शरद चौधरी	डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. संग्राम रे	पावर क्वालिटी
17.	सुभेदु नंदी	डॉ. विवेक कुमार और डॉ. मोले राँय	पावर सिस्टम में इंटेलिजेंट कंट्रोल का अनुप्रयोग

## अंतिम वर्ष पीजी विद्यार्थियों (2023-24) के शोधप्रबंध का विवरण

क्रम सं.	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	परियोजना का शीर्षक	मार्गदर्शक का नाम
1.	बिभूति शर्मा	M220002EE	स्विच इंडक्टर-आधारित क्यूजेडएसआई टोपोलॉजी का डिज़ाइन और विकास	डॉ. अरविंद पांडा

## अंतिम वर्ष यूजी विद्यार्थियों (2021-25) की परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	परियोजना का शीर्षक	मार्गदर्शक का नाम
1	अनुज प्रताप सिंह	B200106EE	स्थिर ग्रिड-आधारित परिवेश में मोबाइल रोबोट के लिए इष्टतम पथ नियोजन	डॉ. अंजन कुमार रे
	तीर्थकर कबीराज	B200129EE		
	बुदिरेंड्री बाला सुजीत	B200117EE		
2	अंजलि कुमारी	B200111EE	स्मार्ट ऊर्जा मीटर	डॉ. अरविंद पांडा
	मनजीत कुमार	B200023EE		
3	फैजान आलम	B200125EE	उच्च-वोल्टेज विद्युत उपकरण की सामान्य स्थिति और दोष पहचान: एक डीप लर्निंग दृष्टिकोण	डॉ. अभिषेक राजन
	बिजॉय राय	B200114EE		
4	सयाक दत्ता	B200122EE	पर्टर्ब एंड ऑब्जर्व एमपीपीटी एल्गोरिदम के माध्यम से जल पंपिंग प्रणालियों में सौर ऊर्जा दक्षता में वृद्धि	डॉ. विवेक कुमार
	अमन कुमार प्रसाद	B200103EE		
	राज कुमार कामी	B200109EE		
5	बॉबी कुमार	B200124EE	आईओटी-सक्षम फसल प्रबंधन: इष्टतम उत्पादन के लिए कृषि संसाधनों की निगरानी और सुरक्षा	डॉ. प्रदीप कुमार
	रोहित सिंह	B200120EE		
6	मिथिलेश सहारे	B200115EE	विद्युत वाहन का गतिशील वायरलेस चार्जिंग	डॉ. मोलय राँय
	रिशु कुमार	B200157EE		
	अनिकेत गुप्ता	B200107EE		
7	सौरव कुमार	B200102EE	दृष्टिबाधित व्यक्तियों की सहायता के लिए स्मार्ट पहनने योग्य दस्ताने	डॉ. अंजन कुमार राय
	कल्पना सिंह	B200116EE		
8	निककी कुमारी	B200104EE		
	विनय	B200123EE		
9	खुशी वशिष्ठ	B200149EE		
	लॉजी सुब्बा	B200108EE		

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	परियोजना का शीर्षक	मार्गदर्शक का नाम
8	नवीन प्रताप सिंह	B200113EE	लघु स्तर के हाइब्रिड पवन-सौर-बैटरी आधारित	डॉ. सौरव मलिक
	अकिता पॉल	B200101EE	माइक्रोग्रिड के लिए ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली	
	संगीत प्रधान	B200110EE		
9	अभिषेक तिवारी	B200112EE	आईओटी आधारित वन्यजीव संरक्षण प्रणाली	डॉ. निमाई चरण पटेल
	नितिन कुमार	B200105EE		
	साक्षी रानी	B200119EE	सौर, पवन और बैटरी संसाधनों को एकीकृत करते हुए यूनिफाइड पावर क्वालिटी कंडीशनिंग सिस्टम के माध्यम से ग्रिड स्थिरता और विद्युत गुणवत्ता में सुधार	
10	बनोथु अभिषेक नायक	B200128EE		डॉ. विवेक कुमार

## 2024-25 के दौरान प्रकाशनों की सूची

क्र. सं.	संकाय का नाम	पत्रिकाएं	सम्मेलन	पुस्तक अध्याय	आमंत्रित वक्तव्य
1.	डॉ. सौरभ मल्लिक	04	03	-	-
2.	डॉ. अंजन कुमार रे	06	01	02	04
3.	डॉ. अरबिंद पांडा	02	04	-	03
4.	डॉ. प्रदीप कुमार	05	04	01	01
5.	डॉ. मोलय रॉय	02	02	02	-
6.	डॉ. निमाई चरण पटेल	0	01	-	03
7.	डॉ. अभिषेक राजन	02	-	-	-
8.	डॉ. विवेक कुमार	00	01	01	-

## विभागीय गतिविधियाँ

विभाग ने वर्ष 2024-25 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित कीं -

- विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग ने 14-15 दिसंबर 2024 के दौरान तीसरी कांग्रेस ऑन स्मार्ट कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजीज (सीएससीटी 2024) का सफल आयोजन किया। यह सम्मेलन सॉफ्ट कंप्यूटिंग रिसर्च सोसाइटी (एससीआरएस) द्वारा प्रायोजित तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम द्वारा आयोजित किया गया। कांग्रेस ऑन स्मार्ट कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजीज (सीएससीटी) एक प्रमुख शैक्षणिक एवं व्यावसायिक मंच है जो स्मार्ट कंप्यूटिंग और उभरती हुई तकनीकों में नवीनतम प्रगतियों को समर्पित है। इस कार्यक्रम ने देशभर के शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और व्यावहारिक विशेषज्ञों को एक साथ लाकर उनके अनुसंधान निष्कर्षों, नवाचारों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों को साझा करने का अवसर प्रदान किया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम प्रतिष्ठित वक्ताओं के मुख्य व्याख्यान, तकनीकी शोध-पत्र प्रस्तुतियाँ, और स्मार्ट कंप्यूटिंग से संबंधित विविध विषयों पर संवादात्मक चर्चाओं से समृद्ध रहा। कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ नीचे साझा की गई हैं।



- विभाग ने 17 से 21 फरवरी 2025 तक 'एडवांस्ड एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (ईएसडीपी) ऑन रिन्यूएबल एनर्जी सोर्सिज इन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स एंड डिस्ट्रीब्यूटेड जनरेशन सिस्टम्स' का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में शिक्षाविदों और उद्योग के विशिष्ट विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने प्रतिभागियों को नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रौद्योगिकियों में हो रहे अत्याधुनिक विकासों की व्यापक जानकारी प्रदान की। सत्रों का मुख्य उद्देश्य इन तीव्रता से विकसित हो रहे क्षेत्रों में नवाचार, उद्यमिता और अनुसंधान के अवसरों को बढ़ावा देना था। यह 5-दिवसीय कार्यशाला सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित थी। कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ नीचे साझा की गई हैं:



- विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग (ईईई) ने सिक्किम के विभिन्न क्षेत्रों में 04 एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम का सफल आयोजन किया। कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है:
  - 3.1. स्मॉल पावर जनरेशन पर एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम  
तिथि: 01-03-2025, स्थान: बारफुंग ब्लॉक
  - 3.2. 3डी प्रिंटर का उपयोग कर उत्पाद विकास पर एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम  
तिथि: 04-03-2025, स्थान: क्यूजिंग
  - 3.3. किसी भी स्टार्ट-अप की स्थापना हेतु सामान्य कौशल वृद्धि पर एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम  
तिथि: 04-03-2025, स्थान: आईटीआई क्यूजिंग
  - 3.4. नवोन्मेषी स्टार्ट-अप आइडियाज की खोज पर एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम  
तिथि: 05-03-2025, स्थान: गेजिंग

**प्राप्त पुरस्कार:**

1. **श्री रोशन परियार** (PHEE230038), शोधार्थी, जो **डॉ. अरविन्द पांडा** के निर्देशन में कार्यरत हैं, ने दिसंबर 2024 में आयोजित पीईडीईएस 2024 सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत करने हेतु आईईईई आईएस नॉर्थ-ईस्ट इंडिया छात्र यात्रा पुरस्कार प्राप्त किया।
2. **श्री चंदन कुमार** (PHEE220021), शोधार्थी, जो **डॉ. अंजन कुमार रे** के निर्देशन में कार्यरत हैं, ने आईईईई की चौथी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सस्टेनेबल एनर्जी एंड फ्यूचर इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन" (एसईएफईटी-2024) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।



3. **सुश्री टुंपा दास** (PHEE220005), शोधार्थी, जो **डॉ. मोलय रॉय** के निर्देशन में कार्यरत हैं, ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "इमर्जिंग फ्रंटियर्स इन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोलॉजीज" (आईसीईएफईटी) में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार प्राप्त किया।



# यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

“

जहाँ तक गणित के नियम वास्तविकता से संबंधित होते हैं, वे निश्चित नहीं होते; और जहाँ वे निश्चित होते हैं, वे वास्तविकता से संबंधित नहीं होते।

– अल्बर्ट आइंस्टीन

“

वह ऊष्मीय प्रक्रिया जिसके माध्यम से यांत्रिक प्रभाव प्राप्त किया जा सकता है, एक पिंड से दूसरे निम्न तापमान वाले पिंड में ऊष्मा का स्थानांतरण है।

– सादी कार्नो

यांत्रिक अभियांत्रिकी उत्पादों, प्रक्रियाओं और ऊर्जा के जिम्मेदार विकास से संबंधित है, जिसका दायरा अणुओं से लेकर बड़े और जटिल प्रणालियों तक फैला हुआ है। हमारे भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कई नवाचार द्रव्यमान, गति, बल और ऊर्जा की दुनिया—अर्थात् यांत्रिक अभियंताओं की दुनिया—में निहित होंगे। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट शिक्षा और अनुसंधान के लिए पहचाना जाना है, जिससे योग्य, नवोन्मेषी, उद्यमशील और सफल अभियंता तैयार हों जो निरंतर बदलती औद्योगिक मांगों और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। विभाग का लक्ष्य नवीन अनुसंधान करना और विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करना है, जो पेशेवर, तकनीकी, विश्लेषणात्मक और संप्रेषणीय कौशलों को विकसित करे ताकि विद्यार्थी समाज में प्रभावी योगदान दे सकें।

विभाग ने अपनी यात्रा 2014 में प्रारंभ की। स्थापना के बाद से ही विभाग ने ऐसे वैश्विक स्तर पर सक्षम यांत्रिक अभियंता तैयार किए हैं, जो नवाचार के माध्यम से समाज में योगदान देने और बहुविषयी क्षेत्रों में कार्य करने में सक्षम हैं। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को बौद्धिक और व्यावहारिक अनुभवों का उपयुक्त संयोजन प्रदान करना है, जिससे वे समाज की सेवा कर सकें और मानव आवश्यकताओं की विविधता को पूरा कर सकें।

विभाग के प्रमुख लक्ष्य निम्नलिखित हैं:

- उत्कृष्ट शिक्षण, नवीन पाठ्यक्रम और अनुसंधान प्रशिक्षण के माध्यम से उच्च स्तर की शिक्षा बनाए रखना, जो समाज की बदलती आवश्यकताओं को प्रतिबिंबित करे।
- उत्साही, योग्यता-संपन्न और यांत्रिक अभियांत्रिकी में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को आकर्षित करना।
- अनुसंधान और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में उत्कृष्टता प्राप्त करना।
- विभाग में योग्य संकाय सदस्यों की भर्ती और उन्हें बनाए रखना।
- विभागीय गतिविधियों और यांत्रिक अभियांत्रिकी पेशे के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना।
- नवीनतम ज्ञान और अनुसंधान उपलब्ध कराना, साथ ही परामर्श और श्रेष्ठ प्रथाओं के आदान-प्रदान के अवसर प्रदान करना।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन, एडिटिव मैनुफैक्चरिंग, कंप्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी), कंप्यूटर एडेड मैनुफैक्चरिंग (सीएमएम), उत्पाद जीवन चक्र प्रबंधन जैसे आधुनिक यांत्रिक अभियांत्रिकी क्षेत्रों की समझ विकसित करना ताकि विनिर्माण संयंत्रों, औद्योगिक उपकरणों और मशीनरी के डिजाइन और विश्लेषण में निपुणता प्राप्त की जा सके।
- हीटिंग और कूलिंग सिस्टम, परिवहन प्रणाली, विमान, रोबोटिक्स, चिकित्सा उपकरण, हथियार आदि से संबंधित आधुनिक ज्ञान को बढ़ावा देना।
- विभिन्न उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ बहुविषयी और सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य करना।

## प्रस्तावित कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- यांत्रिक अभियांत्रिकी में स्नातक (बी.टेक.)
- यांत्रिक अभियांत्रिकी में डॉक्टरेट (पीएच.डी.)

## विद्यार्थियों की संख्या (बी. टेक.)

	स्वीकृत अभ्यर्थी संख्या	विद्यार्थियों की संख्या (2024-25)
प्रथम वर्ष	30	25
द्वितीय वर्ष	30	23
तृतीय वर्ष	30	24
चतुर्थ वर्ष	30	22

## संकाय विवरण

विभाग के सदस्य व्यावसायिकता और सत्यनिष्ठा, शिक्षण की उत्कृष्टता, तथा विद्यार्थियों की पहल और नवाचार को महत्व देते हैं। विभागीय संकाय सदस्य इन मूल्यों को प्रत्येक स्तर और परिस्थिति में अपने निर्णयों और कार्यों के लिए एक अभिन्न आधार मानते हैं।

### डॉ. अनिल लाल एस

एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष  
पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास, 2002), एम.टेक. (आईआईटी मद्रास, 1996)

**अनुसंधान क्षेत्र:** फ्लूइड मैकेनिक्स एवं हीट ट्रांसफर में संगणनात्मक विधियाँ, अभियांत्रिकी के लिए गणितीय विधियाँ, मशीन लर्निंग तकनीकें, अनुसंधान कार्यप्रणाली, अनुकूलन तकनीकें, अर्थशास्त्र

### डॉ. शंभुनाथ बर्मन

पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय, 2014), एम.एम.ई. (बीईएसयू शिबपुर, 2008)

**अनुसंधान क्षेत्र:** पदार्थ प्रसंस्करण में परिवहन घटनाओं का अध्ययन, प्रायोगिक एवं संख्यात्मक ऊष्मा अंतरण, संगणनात्मक द्रव गतिकी

### डॉ. देबजीत साहा

असिस्टेंट प्रोफेसर  
पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय, 2017), एम.टेक. (जादवपुर विश्वविद्यालय, 2010)

**अनुसंधान क्षेत्र:** द्रव यांत्रिकी एवं मशीनें, अशांति (टर्बुलेंस), संगणनात्मक द्रव गतिकी, तापीय अभियांत्रिकी

### डॉ. रंजन बसाक

एसोसिएट प्रोफेसर  
पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय, 2012), एम.एम.ई. (जादवपुर विश्वविद्यालय, 2000)

**अनुसंधान क्षेत्र:** द्रव यांत्रिकी एवं मशीन डिजाइन

### डॉ. जय गोपाल गुप्ता

असिस्टेंट प्रोफेसर  
पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर, 2016), एम.टेक. (एमएनआईटी जयपुर, 2004)

**अनुसंधान क्षेत्र:** आंतरिक दहन इंजनों में प्रदर्शन, उत्सर्जन एवं दहन, वैकल्पिक ईंधन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत

### डॉ. विश्वजीत रॉय

असिस्टेंट प्रोफेसर  
पीएच.डी. (एनआईटी सिल्वर, 2022), एम.टेक. (एनआईटी सिल्वर, 2017)

**अनुसंधान क्षेत्र:** बेयरिंग की ट्राइबोलॉजी, अनिश्चितता मापन, मशीन लर्निंग, सौर ऊर्जा

## अस्थायी संकाय सदस्यगण

### डॉ. कीर्ति तिवारी

पीएच.डी. (एनआईटी इलाहाबाद)  
**अनुसंधान क्षेत्र:** नवीकरणीय ऊर्जा, तापीय द्रव

### डॉ. दीपायन दास

पीएच.डी. (एमएनआईटी जयपुर)  
**अनुसंधान क्षेत्र:** कार्य प्रणाली डिजाइन, एर्गोनॉमिक्स एवं व्यावसायिक सुरक्षा, मानव कारक अभियांत्रिकी

### डॉ. बिभूति भूषण नायक

पीएच.डी. (एनआईटी दुर्गापुर)  
**अनुसंधान क्षेत्र:** एकल एवं सूक्ष्म स्तर पर द्वि-चरणीय प्रवाह में द्रव प्रवाह और ऊष्मा अंतरण का मॉडलिंग, संगणनात्मक द्रव गतिकी, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत, विद्युत वाहन, अपशिष्ट से ऊर्जा रूपांतरण

### डॉ. उत्तम कुमार मोहंती

पीएच.डी. (आईआईटी हैदराबाद)  
**अनुसंधान क्षेत्र:** सबमर्ज्ड आर्क वेल्डिंग, इलेक्ट्रिकल डिस्चार्ज मशीनिंग प्रक्रिया, मेटल एडिटिव मैनुफैक्चरिंग, फ्यूजन वेल्डिंग प्रक्रिया का ऊष्मा अंतरण मॉडलिंग और गलन घटनाओं का विश्लेषण

## कर्मचारी विवरण

### श्री सुनील कुमार कुशवाहा

तकनीकी सहायक  
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी), एफजीआईआईटी

### श्री अमित माइती

प्रयोगशाला तकनीशियन  
आईटीआई, डिप्लोमा (यांत्रिक)

## तकनीकी संघ / सोसाइटी की सदस्यता

- डॉ. अनिल लाल एस, इंडियन सोसाइटी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (आईएसटीई) के सदस्य
- डॉ. अनिल लाल एस, एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के सदस्य
- डॉ. अनिल लाल एस, नेशनल सोसाइटी ऑफ फ्लूइड मैकेनिक्स एंड फ्लूइड पावर (एनएसएफएमएफपी) के सदस्य
- डॉ. जय गोपाल गुप्ता, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी (आईएसईईएस) के आजीवन सदस्य

## प्रयोगशाला सुविधाएँ

अपनी स्थापना के बाद से ही विभाग समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक एवं आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना पर विशेष जोर दे रहा है। वर्तमान में विभाग निम्नलिखित प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है:

- यांत्रिक कार्यशाला
- द्रव यांत्रिकी एवं मशीनरी प्रयोगशाला
- ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला
- मशीनिंग विज्ञान प्रयोगशाला
- उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाएँ प्रयोगशाला
- सीएडी प्रयोगशाला
- सीएएम प्रयोगशाला
- मशीन ड्राइंग प्रयोगशाला
- मेट्रोलॉजी एवं मापन प्रयोगशाला
- ऊष्मा अंतरण प्रयोगशाला
- आईसी इंजन प्रयोगशाला
- प्रशीतन एवं वायु-संवातन प्रयोगशाला
- ऊर्जा रूपांतरण प्रयोगशाला
- मशीनरी की गतिकी एवं काइनेमेटिक्स प्रयोगशाला

- मेटल कटिंग प्रयोगशाला
- कंपन एवं रोटर गतिकी प्रयोगशाला

## 1. यांत्रिक कार्यशाला

इस प्रयोगशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में श्रम के प्रति सम्मान, कार्यस्थल पर परिशुद्धता एवं सुरक्षा, टीमवर्क तथा सकारात्मक दृष्टिकोण

का विकास करना है। यह पाठ्यक्रम मापन कौशल को बढ़ाने के साथ-साथ हाथ से प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों और यंत्रों की सहायता से बुनियादी अभियांत्रिकी व्यवहार में दक्षता प्रदान करता है, जो सामान्यतः किसी भी मूल कार्यशाला अभ्यास में उपयोग किए जाते हैं।



शीट बेंडिंग मशीन



इलेक्ट्रिक फर्नेस



पेडिस्टल ग्राइंडर



पावर सॉ



एमएमएडब्ल्यू मशीन



स्पॉट वेल्डिंग मशीन



एमआईजी वेल्डिंग मशीन



एमआईजी वेल्डिंग मशीन

## 2. द्रव यांत्रिकी एवं मशीनरी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य द्रव यांत्रिकी और हाइड्रोलिक मशीनों के मूल सिद्धांतों की समझ को सुदृढ़ और गहन बनाना है। यहाँ किए जाने वाले प्रयोग द्रव यांत्रिकी के बुनियादी सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करते हैं और विद्यार्थियों को इन सिद्धांतों की सहज एवं भौतिक समझ प्रदान करते हैं। इस प्रयोगशाला का प्रमुख लक्ष्य द्रव यांत्रिकी की मानक मापन तकनीकों और उनके अनुप्रयोगों पर चर्चा एवं अभ्यास कराना है। इसमें विभिन्न उपकरणों के विभिन्न परिचालन बिंदुओं पर प्रदर्शन का अध्ययन भी शामिल है। प्रयोगशाला पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

द्रव मशीनरी की अवधारणाओं को समझने में सक्षम होते हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार की टर्बाइन और पंप शामिल हैं, साथ ही वे हाइड्रोलिक मशीनों से संबंधित प्रमुख आयामरहित पैरामीटरों की पहचान कर पाते हैं। विद्यार्थी बर्नौली प्रमेय का सत्यापन करने और वेंचुरी मीटर, ऑरिफिस मीटर, नोज़ल, पिटोट ट्यूब आदि उपकरणों को कैलिब्रेट करने में दक्ष बनते हैं। इसके अतिरिक्त, वे लेमिनार और टर्बुलेंट प्रवाह की विशेषताओं का निर्धारण करने और तैरते हुए पिंडों की स्थिरता का विश्लेषण करने में सक्षम होते हैं। प्रयोगशाला की सभी सुविधाएँ उच्च गुणवत्ता की हैं, और कुछ सेटअप को पीएच.डी. स्तर के अनुसंधान प्रयोगों के लिए संशोधित किया जा सकता है।

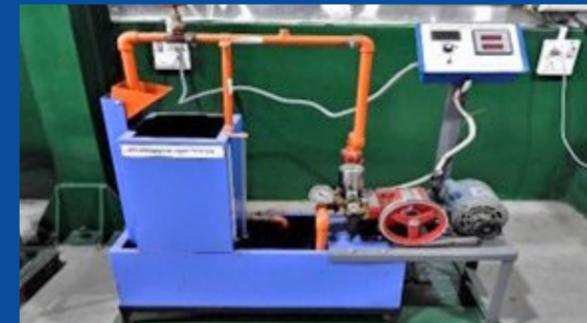
नीचे कुछ उपकरणों के चित्रात्मक दृश्य प्रस्तुत किए गए हैंः



फ्लो मापन उपकरण



टर्बाइन सेटअप



रेकिप्रोकेटिंग पंप टेस्ट रिग



सीरीज एंड पैरेलेल सेंट्रीफ्यूगल टेस्ट रिग



पेल्टन व्हील सेटअप



ओपन चैनल डिजिटल सेटअप

### 3. ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को धातुओं के विभिन्न यांत्रिक गुणों के मूल्यांकन का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है, जैसे - (क) समानुपाती सीमा, (ख) प्रत्यास्थ सीमा, (ग) उपज शक्ति, (घ) परम शक्ति, (ङ) यंग का प्रत्यास्थता गुणांक, (च) प्रतिशत दीर्घता, तथा (छ) प्रतिशत संकुचन आदि।

इस प्रयोगशाला की प्रमुख सुविधा यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन (UTM) है, जिसका उपयोग मानक परीक्षण नमूनों पर चार प्रमुख प्रयोगों - तनाव, संपीड़न, मोड़ तथा कर्तन - के संचालन के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त, टॉर्शन परीक्षण, कठोरता परीक्षण, आइजोड एवं शार्पी प्रभाव परीक्षण, तथा संपीड़न शक्ति परीक्षण भी इस प्रयोगशाला में संपन्न किए जाते हैं। नीचे कुछ उपकरणों के चित्रात्मक दृश्य प्रस्तुत हैं:



हार्डनेस टेस्टिंग मशीन



यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन



टॉर्शन टेस्टिंग मशीन



इम्पैक्ट टेस्टिंग मशीन



स्प्रिंग टेस्टिंग मशीन

### 4. सीएडी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऑटोकेड के मूल सिद्धांतों, 2-डी मॉडलिंग तथा विभिन्न यांत्रिक भागों की आइसोमेट्रिक ड्रॉइंग तैयार करने का प्रशिक्षण देना है। इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के यांत्रिक अवयवों के 3-डी मॉडल भी तैयार किए जाते हैं।



सीएडी प्रयोगशाला

### 5. मशीनिंग साइंस प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न संदर्भ प्रणालियों में औज़ार के सिग्रेचर के मूल सिद्धांतों से परिचित कराना तथा सिंगल-पॉइंट कटिंग टूल्स की तैयारी का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। यह विद्यार्थियों

में मशीनिंग के दौरान चिप की संरचना का विश्लेषण करने, औज़ार-चिप अंतरफलक पर तापमान मापने, और कटिंग बलों का अध्ययन करने की क्षमता विकसित करता है। इस प्रयोगशाला के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न उन्नत एवं अपारंपरिक मशीन उपकरणों के कार्य सिद्धांतों को भी समझते हैं।



हॉरिज़ॉन्टल सरफेस ग्राइंडिंग मशीन



लेथ मशीन



रेडियल ड्रिलिंग मशीन



शेपिंग मशीन

## 6. उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाएँ और सीएएम प्रयोगशाला

एएमपी प्रयोगशाला का उद्देश्य वास्तविक औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए जटिल अवयवों के निर्माण और निर्माण हेतु आधुनिक विनिर्माण प्रवृत्तियों को समझना है। विद्यार्थियों में उच्च-सटीक उपकरणों जैसे 3डी प्रिंटिंग, इंजेक्शन मोल्डिंग, वायर आर्क एडिटिव मैनुफैक्चरिंग, वर्टिकल मशीनिंग सेंटर और सीएनसी लेथ मशीन का उपयोग कर कार्य करने की क्षमता विकसित करना इसका उद्देश्य है। संस्थान की

सीएएम प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के डिजाइन सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण प्रदान करती है, जो विभिन्न प्रकार के मशीन घटकों के डिजाइन में उपयोगी होते हैं। इस प्रयोगशाला में विद्यार्थी सीएडी सॉफ्टवेयर (सॉलिड वर्क्स / सॉलिड एज) में 2-डी और 3-डी मॉडल विकसित कर सकते हैं। विद्यार्थियों को 3-डी मॉडल के लिए मूल बुलियन ऑपरेशनों जैसे शेल, स्वीप, रिवाँल्व, लॉफ्ट, एक्सट्रूड, फिलेटिंग, चेम्फर, स्लाइन आदि से परिचित कराया जाता है। उन्हें सीएनसी लेथ और एनसी मिलिंग के लिए मैनुअल पार्ट प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है।



वर्टिकल मिलिंग सेंटर



सीएनसी लेथ



सीएएम प्रयोगशाला का चित्रात्मक दृश्य

## 7. इंजीनियरिंग ग्राफिक्स और मशीन ड्राइंग प्रयोगशाला

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को "अभियंताओं की सार्वभौमिक भाषा" से परिचित कराना है, ताकि वे ज्यामितीय ठोसों की ड्राफ्टिंग अभ्यास के माध्यम से प्रभावी ढंग से तकनीकी संप्रेषण कर सकें। तकनीकी चित्रण (टेक्निकल ड्राइंग) का ज्ञान अभियांत्रिकी पेशे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्राफिक तकनीकों का उपयोग करके संप्रेषण करना सिखाना है। तकनीकी ग्राफिक्स का उपयोग मशीन घटकों के निर्माण और संयोजन के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी

प्रदान करने में किया जाता है। यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों को मशीन ड्राइंग के विभिन्न तत्वों के प्रदर्शन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है और उन्हें अभियांत्रिकी सामग्रियों, सतह परिष्करण, सहनशीलताओं, खंड दृश्य (सेक्शनल व्यू) और स्कू थ्रेड्स से परिचित कराती है।

इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को बोल्ट और नट, लॉकिंग उपकरण, कीज़ और कॉटर जॉइंट्स, नकल जॉइंट्स, रिवेटेड जॉइंट्स, शाफ्ट कपलिंग्स, बेयरिंग्स और पाइप जॉइंट्स के घटक चित्र बनाना सिखाया जाता है। साथ ही, विद्यार्थी स्टफिंग बॉक्स और पेडेस्टल बेयरिंग के संयोजन का असेंबली ड्राइंग तैयार करने का अभ्यास भी इस प्रयोगशाला में करते हैं।



चित्रात्मक दृश्यमशीन ड्राइंग प्रयोगशाला का चित्रात्मक दृश्य

## 8. मेट्रोलॉजी और मापन प्रयोगशाला

मेकेनिकल मेजरमेंट्स और मेट्रोलॉजी प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को सैद्धांतिक अवधारणाओं का व्यावहारिक प्रदर्शन कराना तथा विभिन्न मापन उपकरणों के उपयोग और उनके कैलिब्रेशन का अभ्यास कराना

है। विद्यार्थियों को थ्रेड प्रोफाइल मापन, ऑटोकोलिमीटर का उपयोग, प्रोफाइल प्रोजेक्टर, सतह की खुरदरापन परीक्षक, और थर्मल इमेजिंग उपकरणों के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया जाता है। नीचे कुछ उपकरणों के चित्रात्मक दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं:



वर्नियर कैलिपर



माइक्रोमीटर



डिजिटल माइक्रोमीटर



डायल गेज



बेवल प्रोट्रेक्टर और कॉम्बिनेशन सेट



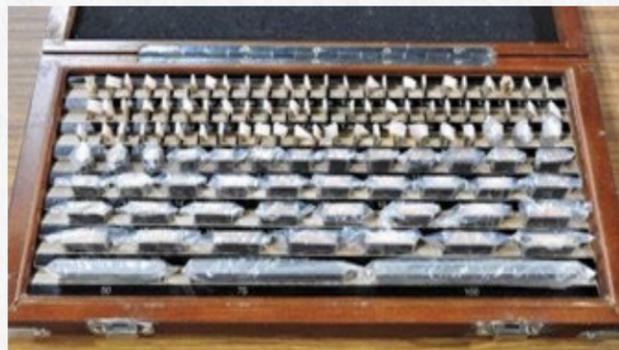
बोर गेज



ऑटोकॉलिमीटर



सरफेस रफनेस टेस्टर



स्लिप गेज



साइन बार

### 9. ऊष्मा अंतरण प्रयोगशाला

ऊष्मा अंतरण प्रयोगशाला आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों को इस विशेष क्षेत्र में उनके ज्ञान को सुदृढ़ करने में सहायता प्रदान करती है। इस प्रयोगशाला के उपकरण संस्थान के टीईक्यूआईपी-III परियोजना के अंतर्गत प्राप्त किए गए हैं। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य

विद्यार्थियों को ऊष्मा के संचालन (कंडक्शन), संवहन (कन्वेक्शन) और विकिरण (रेडिएशन) संबंधी प्रक्रियाओं का समुचित ज्ञान प्रदान करना है। ऊष्मा अंतरण, ऊष्मा परिवर्तक (हीट एक्सचेंजर), विभिन्न तापमान मापन मॉड्यूल आदि से विद्यार्थियों को परिचित कराना और उनका व्यावहारिक अभ्यास कराना इस प्रयोगशाला के मुख्य उद्देश्यों में शामिल है। नीचे कुछ उपकरणों के चित्रात्मक दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं:



बॉयलिंग एंड कंडेन्सेशन उपकरण



कैलिब्रेशन ऑफ थर्मोकपल उपकरण



रेडिएशन शील्ड अरेंजमेंट के साथ रेडिएशन उपकरण

### 10. आईसी इंजन प्रयोगशाला

आंतरिक दहन इंजन प्रयोगशाला आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों के ज्ञान को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से स्थापित की गई है। इस प्रयोगशाला के सभी उपकरण संस्थान की टीईक्यूआईपी-III योजना के तहत प्राप्त किए गए हैं। इस प्रयोगशाला में विभिन्न इंजनों के कट-सेक्शन मॉडल और वीडिडी प्लॉटिंग का प्रदर्शन विद्यार्थियों को कराया जाता है। एकल-सिलेंडर डीज़ल इंजन, पेट्रोल इंजन तथा बहु-सिलेंडर इंजनों पर प्रदर्शन परीक्षण इस प्रयोगशाला में किए जाते हैं। उपरोक्त परीक्षण

सुविधाओं के अतिरिक्त, इस प्रयोगशाला में एक मल्टी-फ्यूल वीसीआर इंजन (ओपन ईसीयू सहित) उपलब्ध है, जिसका उपयोग शोध स्तर के प्रयोगों के लिए किया जाता है। उपलब्ध उपकरणों की सहायता से विभिन्न वैकल्पिक ईंधनों का उपयोग करते हुए प्रदर्शन एवं दहन परीक्षण किए जा सकते हैं। इस प्रयोगशाला में इंजन के उत्सर्जन गुणधर्मों के परीक्षण के लिए एक मल्टी-गैस एनालाइज़र भी स्थापित है।

नीचे कुछ उपकरणों के चित्रात्मक दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं:



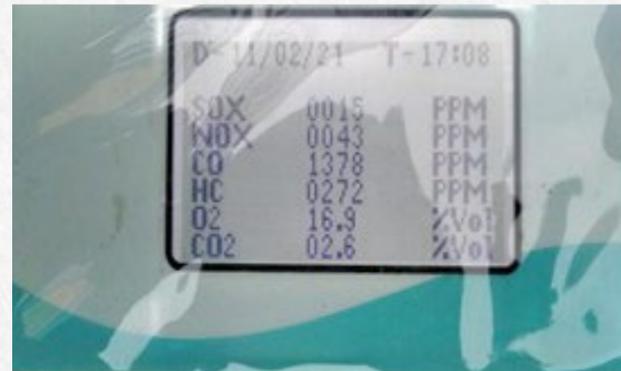
बॉम्ब कैलोरीमीटर



इंजन एवं बॉयलर के कट-सेक्शन मॉडल



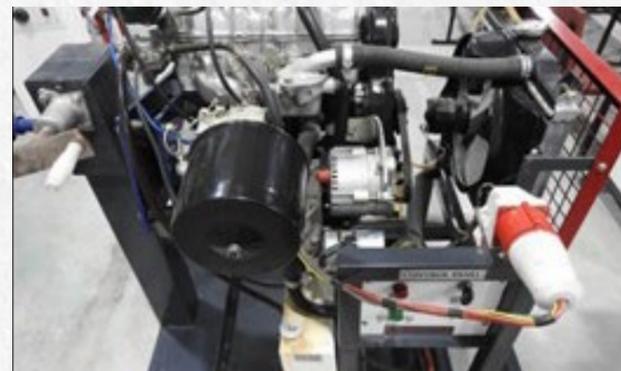
इंजन



मल्टी-गैस एनालाइज़र



इंजन का कट-सेक्शन



इंजन का कट-सेक्शन

### 11. प्रशीतन और वायु-संवातन प्रयोगशाला

प्रशीतन और वायु-संवातन प्रयोगशाला में विषय से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रयोगों के लिए आवश्यक उपकरण और यंत्र स्थापित हैं। हाल ही में, टीईक्यूआईपी-III की वित्तीय सहायता से प्रशीतन प्रयोगों से संबंधित नए उपकरण इस प्रयोगशाला में जोड़े गए हैं। कम्प्रेसर और घरेलू रेफ्रिजरेटर के कट-सेक्शन मॉडल का उपयोग आरएसी प्रणाली के कार्य सिद्धांत को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है। विद्यार्थियों को घरेलू

प्रकार के रेफ्रिजरेटर, छोटे कम्प्यूटरीकृत आइस प्लांट्स और वीएआर प्रणालियों के सीओपी (Coefficient of Performance) का निर्धारण करना सिखाया जाता है। इस प्रयोगशाला में रेफ्रिजरेट लीकेज का पता लगाने संबंधी प्रयोग भी किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला एसी टेस्ट रिग, थर्मो-इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर, विभिन्न प्रकार के कम्प्रेसर मॉडल आदि उपकरणों से सुसज्जित है।

नीचे कुछ उपकरणों के चित्रात्मक दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं:



वीसीआर टेस्ट रिग (घरेलू रेफ्रिजरेटर) – मैनुअल मोड



वीएआर टेस्ट रिग



एसी टेस्ट रिग

## 12. ऊर्जा रूपांतरण प्रयोगशाला

ऊर्जा रूपांतरण प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार की मूलभूत ऊर्जा रूपांतरण प्रक्रियाओं के अध्ययन हेतु अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इस प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के बॉयलरों के कट-सेक्शन



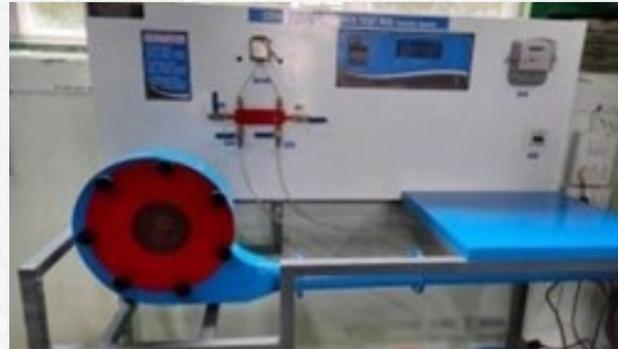
स्टर्लिंग बॉयलर का कट-सेक्शन मॉडल



लैंकाशायर बॉयलर का कट-सेक्शन मॉडल



4-एस 4-सी पेट्रोल इंजन (कार्यरत) के असेंबलिंग और डिसअसेंबलिंग सेटअप



डेटा लॉगिंग सुविधा सहित सेंट्रीफ्यूगल ब्लोअर

## 13. मेटल कटिंग प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों को मशीनिंग प्रक्रियाओं में विशेष ज्ञान और कौशल प्रदान करती है, जो इंजीनियरिंग विश्लेषण के सिद्धांतों और मर्चेट के मशीनिंग सिद्धांतों पर आधारित हैं। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योगों में प्रयुक्त सामान्य प्रक्रियाओं की जानकारी देना है, जिनका उपयोग नियंत्रित तरीके से पदार्थ को हटाकर पुर्जों के निर्माण में

किया जाता है। इस प्रयोगशाला में वांछित सटीकता और गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए सहायक उपकरणों तथा मशीनिंग विधियों का भी अध्ययन कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य ध्यान मशीनों की संरचना या उनके संचालन कौशल की बजाय मशीनिंग प्रक्रियाओं की मूलभूत विशेषताओं की समझ विकसित करने पर केंद्रित है। नीचे कुछ उपकरणों के चित्रात्मक दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं:



हॉरिज़ॉन्टल सरफेस ग्राइंडिंग मशीन



लेथ मशीन

मॉडल प्रदर्शित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, ब्लोअर टेस्ट रिग पर प्रयोग भी इस प्रयोगशाला में किए जाते हैं।

नीचे कुछ उपकरणों के चित्रात्मक दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं:



यूनिवर्सल मिलिंग मशीन



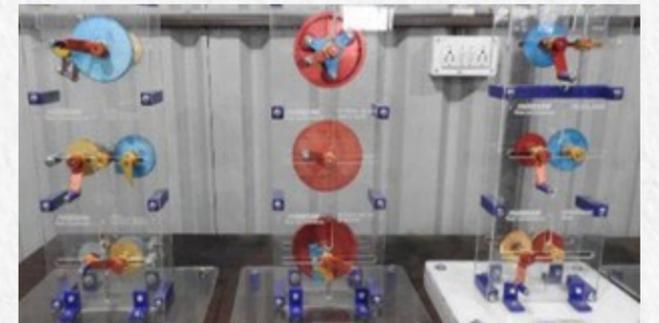
शेपिंग मशीन

## 14. मशीनरी की गतिकी और गतिविज्ञान प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को गवर्नर, जाइरोस्कोप, मोमेंट बैलेंस, कैम, एपिसाइकलिक गियर ट्रेन और शाफ्ट के वर्लिंग से संबंधित मूलभूत ज्ञान प्रदान करना है। विभिन्न यांत्रिक सिद्धांतों को प्रमाणित करने के लिए विद्यार्थी इस प्रयोगशाला में विविध सेटअप का उपयोग करते हुए प्रयोग करते हैं।



गियर मॉडल्स





कैम एनालिसिस उपकरण



कैम एनालिसिस उपकरण



जर्नल बेयरिंग उपकरण



स्टैटिक्स और डायनेमिक्स बैलेंसिंग उपकरण



गवर्नर उपकरण



व्हर्लिंग शाफ्ट उपकरण



व्हर्लिंग शाफ्ट उपकरण



व्हर्लिंग शाफ्ट उपकरण



एपिसाइकलिक गियर ट्रेन



एपिसाइकलिक गियर ट्रेन

### 15. कंपन एवं रोटर गतिकी प्रयोगशाला

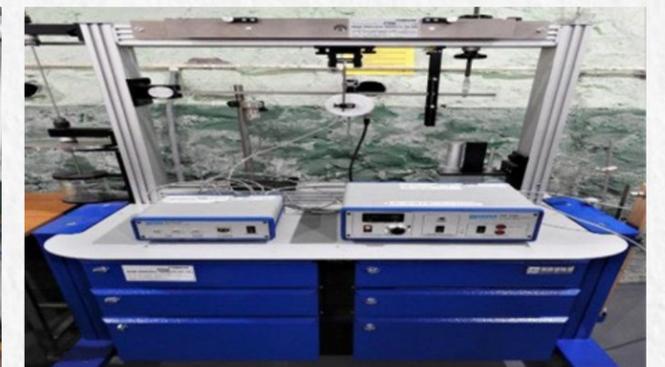
कंपन एवं रोटर गतिकी प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के यांत्रिक अवयवों के लिए मुक्त (फ्री) और बलपूर्वक (फोर्सड) कंपन विश्लेषण का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। इस प्रयोगशाला में डैम्पिंग, रेजोनेंस और एब्जॉर्बर प्रभावों से संबंधित प्रयोगों का प्रदर्शन किया जाता है। साथ ही, टॉर्शन वायर की लंबाई, व्यास और घूर्णन द्रव्यमान के आधार

पर दोलन अवधि के निर्धारण के प्रयोग भी कराए जाते हैं। यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों को मुक्त और अवमंदित (डैम्प्ड) टॉर्शनल कंपन के व्यावहारिक ज्ञान से भी परिचित कराती है। गवर्नर, प्रत्यास्थ शाफ्ट (इलास्टिक शाफ्ट) और कैम मैकेनिज्म से संबंधित विभिन्न प्रयोग इस प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थी मशीनों की गतिशीलता को समझते हैं।

नीचे कुछ उपकरणों के चित्रात्मक दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं:



फ्री एंड फोर्सड वाइब्रेशन उपकरण



यूनिवर्सल वाइब्रेशन उपकरण

## एचपीसी और सॉफ्टवेयर

- स्नातक परियोजनाएँ एचपीसी प्लेटफॉर्म तथा संस्थान के एएनएसवाईएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से संचालित की जा रही हैं।
- विभाग के पीएच.डी. विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य अपने अनुसंधान कार्यों के लिए एचपीसी सुविधा, एएनएसवाईएस तथा विभिन्न ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहे हैं।

## विभागीय गतिविधियाँ

### बीआईएस सहयोग के साथ व्यावसायिक अभ्यास

एनआईटी सिक्किम और बीआईएस (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स) के बीच सहयोग का उद्देश्य शैक्षणिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन को एकीकृत करना है, ताकि उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास को प्रोत्साहित किया जा सके। इस सहयोग का उद्देश्य संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बीआईएस की तकनीकी समितियों से जोड़ना है।

कार्यान्वयन रणनीति और गतिविधियों में बीआईएस तकनीकी समितियों के साथ सक्रिय सहयोग शामिल है, जिससे व्यावसायिक अनुभव प्राप्त हो

- विभाग द्वारा बेसिक वर्कशॉप, मेट्रोलॉजी एंड मेज़रमेंट तथा प्रोडक्शन इंजीनियरिंग जैसी प्रयोगशालाओं में विद्यार्थियों को अधिक प्रभावी ढंग से शिक्षण प्रदान करने हेतु ऑनलाइन इंटीग्रेटिव लर्निंग / प्रोग्राम टूल का भी उपयोग किया जा रहा है।

सके और मानकों के निर्माण प्रक्रिया में योगदान दिया जा सके। एनआईटी सिक्किम और बीआईएस के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (MoU), संस्थान के शैक्षणिक-औद्योगिक-अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के व्यापक नेटवर्क के साथ मिलकर, व्यावसायिक अभ्यास, गुणवत्ता शिक्षा और अनुसंधान के लिए एक सशक्त तंत्र तैयार करता है। यह रूपरेखा न केवल विद्यार्थियों के कौशल और रोजगार क्षमता को बढ़ाती है, बल्कि संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता को भी सशक्त बनाती है, जिससे संस्थान मानकीकरण, अनुरूपता मूल्यांकन और उद्योगोन्मुख शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र बनता है।



## विभागीय स्वच्छता अभियान

भारत सरकार की प्रमुख पहल \*स्वच्छ भारत अभियान\* के अनुरूप हमारे विभाग ने एक स्वच्छता अभियान आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य विभाग और उसके आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता, स्वास्थ्यकर वातावरण तथा सतत अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देना था। संकाय सदस्य, कर्मचारी और विद्यार्थी उत्साहपूर्वक इस अभियान में शामिल हुए तथा कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, स्टाफ रूम और गलियारों की सफाई की। कूड़ेदानों की सफाई की गई और उनमें अपशिष्ट पृथक्करण हेतु उचित लेबल लगाए गए। हरित पहल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभाग परिसर के आसपास छोटे पौधों का रोपण भी किया गया। यह स्वच्छता अभियान एक सफल प्रयास रहा और स्वच्छता अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप था। इसने एक स्वच्छ और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को प्रतिबिंबित किया। विभाग ऐसे प्रयासों को नियमित रूप से जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।



## विभाग से प्रकाशनों की सूची

### पत्रिकाएं

1. देबयान मंडल, इलियास हुसैन, सुदीप बनर्जी, रंजन बसाक, "स्कैच रेसिस्टेंस कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ एएल-एसआई<sub>3</sub>एन<sub>4</sub> नैनो-कॉम्पोजिट्स अंडर कॉन्स्टेंट लोड", जर्नल ऑफ द इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया): सीरीज़ डी, अक्टूबर 2024।
2. बिभूति भूषण नायक, "ए न्यूमेरिकल एनालिसिस ऑन डिफरेंट टाइप्स ऑफ सोलर एयर हीटर्स", मेडिकॉन एग्रीकल्चर एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़, खंड 8, अंक 1, पृष्ठ 04-23, आईएसएसएन: 2972-2691, डीओआई: 10.55162/एमसीईईएस.08.221, 2025।
3. देबयान मंडल, सुदीप बनर्जी, रंजन बसाक, "इन्वेस्टिगेशन ऑन करोजन कैरेक्टरिस्टिक्स एंड स्कैच बिहेवियर अंडर रैम्य लोडिंग कंडीशंस ऑफ एलएम6-एसआई<sub>3</sub>एन<sub>4</sub> नैनो-कॉम्पोजिट्स", फिज़िका स्क्रिप्टा, मार्च 2025।
4. बिभूति भूषण नायक, "ए न्यूमेरिकल स्टडी ऑन परफॉर्मेंस एनहांसमेंट फॉर द डाइवर्सिफाइड शेपड बैटरिज़ ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल", मेडिकॉन इंजीनियरिंग थीम्स, खंड 7, अंक 6, पृष्ठ 18-38, आईएसएसएन: 2834-7218, डीओआई: 10.55162/एमसीईईटी.07.249, 2024।
5. बिभूति भूषण नायक, तर्दुप लेप्चा, "ए कम्प्यूटेशनल स्टडी ऑन परफॉर्मेंस एनालिसिस ऑफ डिफरेंट टाइप्स ऑफ टैंडम

सोलर सेल्स”, मेडिकॉन इंजीनियरिंग थीम्स, खंड 7, अंक 4, पृष्ठ 39-66, आईएसएसएन: 2834-7218, डीओआई: 10.55162/एमसीईटी.07.237, 2024।

- बिभूति भूषण नायक, शिवेंद्र प्रताप सिंह, हिमांशु कुमार, “एन एक्सपेरिमेंटल एनालिसिस ऑन परफॉर्मंस असेसमेंट ऑफ ग्रीन व्हीकल्स विथ इंटीग्रेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी”, मेडिकॉन एग्रीकल्चर एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़, खंड 7, अंक 2, पृष्ठ 60-83, आईएसएसएन: 2972-2691, डीओआई: 10.55162/एमसीईएस.07.196, 2024।
- बिभूति भूषण नायक, ओम प्रकाश शर्मा, यमुपगा राज किरण, “प्रोडक्शन ऑफ बायो-फर्टिलाइज़र फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर विथ ग्रीन एनर्जी जेनेरेशन यूज़िंग ग्रीन वेस्ट्स एट क्रायोफिलिक कंडीशंस”, मेडिकॉन एग्रीकल्चर एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़, खंड 7, अंक 3, पृष्ठ 03-23, आईएसएसएन: 2972-2691, डीओआई: 10.55162/एमसीईएस.07.198, 2024।
- कृष्णा, पी. वी., मोहंती, यू. के., “इफेक्ट ऑफ मशीनिंग पैरामीटर्स ऑन मशीनिंग परफॉर्मंस ड्यूरिंग एंड मिलिंग”, साधना, खंड 50, अंक 1, पृष्ठ 1-12, डीओआई: 10.1007/एस12046-024-02639-0, जनवरी 2025।
- मोहंती, यू. के., कृष्णा, पी. वी., “मल्टी-क्राइटेरिया डिसेज़न मेकिंग फॉर इवैल्यूएटिंग ए सूटेबल एमओओ टेक्नीक टू इम्यूव द परफॉर्मंस ऑफ एआईएसआई 1040 कार्बन स्टील एंड टीआई-6एल-4वी एलॉय”, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडलिंग, सिमुलेशन एंड

साइंटिफिक कंप्यूटिंग, खंड 15, अंक 6, डीओआई: 10.1142/एस1793962325500151, दिसंबर 2024।

## सम्मेलन

- जय गोपाल गुप्ता, “हेल्थ रिस्क एग्रीट्यूइस ऑफ डीज़ल इंजिन्स फ्यूल्ड विथ बायोडीज़ल एंड मेथेनॉल ब्लेंड्स”, छठा इंटरनेशनल लिबर्टी इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज़ कॉन्फ्रेंस, 29-30 नवंबर 2024, न्यूयॉर्क।
- मोहम्मद शादाब रज़ा, जय गोपाल गुप्ता, अनिल लाल एस, “ए रिव्यू ऑन रीसेंट एडवांसमेंट्स इन डीपीएफ रीजेनेरेशन टेक्निक्स”, नवम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल एनर्जी एंड एनवायरनमेंटल चैलेंजेस (आईएक्स एसईईसी), 13-15 दिसंबर 2024, आईआईटी मंडी, भारत।
- जय गोपाल गुप्ता, “ग्रीन हाइड्रोजन: इनोवेशन्स फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर”, छठा इंटरनेशनल इस्तांबुल करंट साइंटिफिक रिसर्च कॉन्फ्रेंस, 04-05 फरवरी 2025, इस्तांबुल, तुर्की।
- नागासाई, ए. वेंकटा, एस. अनिल लाल, आर. अजित कुमार, “मेथड ऑफ कैरेक्टरिस्टिक्स एंड इट्स एप्लीकेशन टू डिजाइन ए मिनिमम लेंथ सुपरसोनिक नोज़ल”, अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिक्स कॉन्फ्रेंस सीरीज़, खंड 3162, अंक 1, 2025।

## विद्यावाचस्पति (पीएच.डी) शोधार्थियों का विवरण

विद्यार्थी का नाम	थीसिस शीर्षक / अनुसंधान क्षेत्र	पर्यवेक्षक(गण)	स्थिति
श्री आदित्य कुमार सिंह	बायोडीज़ल और अल्कोहल के डीज़ल के साथ मिश्रण के प्रभावों का वीसीआर डीज़ल इंजन पर प्रायोगिक अध्ययन	डॉ. शंभूनाथ बर्मन	प्रदान किया गया
श्री देबयान मंडल	नैनो सिलिकॉन नाइट्राइड (Si <sub>3</sub> N <sub>4</sub> ) से प्रबलित एल्युमिनियम मेटल मैट्रिक्स कॉम्पोज़िट्स का प्रायोगिक अध्ययन	डॉ. रंजन बसाक	प्रगति पर
श्री वेद प्रकाश मिश्रा	डीज़ल/अल्कोहल टर्नरी मिश्रण से संचालित सीआई इंजन के प्रदर्शन, दहन और उत्सर्जन विशेषताओं का अध्ययन	डॉ. शंभूनाथ बर्मन डॉ. प्रदीप मंडल, आईआईईएसटी शिबपुर	प्रगति पर
श्री मनू यादव	डक्ट में प्राकृतिक संवहन ऊष्मा संचरण का अध्ययन	डॉ. अनिल लाल एस	प्रगति पर
सुश्री मौमिता राय	बायोमास गैसीफायर एकीकृत सुखाने प्रणाली का प्रदर्शन, मूल्यांकन, आर्थिक विश्लेषण और डिजाइन	डॉ. शंभूनाथ बर्मन डॉ. प्रकाश चौधरी राय (जेयू कोलकाता)	प्रगति पर
श्री मोहम्मद शादाब रज़ा	वैकल्पिक ईंधनों से संचालित संपीडन प्रज्वलन इंजन के उत्सर्जन गुणधर्मों का प्रायोगिक और संख्यात्मक अध्ययन	डॉ. जय गोपाल गुप्ता और डॉ. अनिल लाल एस	प्रगति पर
श्री देबोजीत राय	एल्युमिनियम-सिलिकॉन नाइट्राइड (Al-Si <sub>3</sub> N <sub>4</sub> ) नैनोकॉम्पोज़िट्स की मशीनिंग विशेषताओं पर प्रायोगिक अध्ययन	डॉ. रंजन बसाक	प्रगति पर

## स्नातक विद्यार्थियों की इंटरशिप विवरण

स्नातक चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थीगण			
क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	कंपनी का नाम
1	अभिजीत पटेल	b210123 ME	डीआरडीओ
2	जेल एल दैमारी	B210135ME	डीआरडीओ, पीएक्सई
3	मयंक शुक्ला	B210139ME	टाटा मोटर्स, डीआरडीओ
4	वैभव बागरोडिया	B210147ME	इसरो, आईआईएससी बैंगलोर, एचएबी बायोमास
5	देबाजीत चटर्जी	B210131ME	टाटा मोटर्स, एनएचपीसी लिमिटेड, धाराक्षा इको सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
6	स्वास्तिक चक्रवर्ती	B210144ME	इसरो
7	आयुष माइती	B210128ME	आईओसीएल, टाटा मोटर्स, धाराक्षा इको सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
8	ओम त्रिपाठी	B210141ME	टाटा मोटर्स, रोबोफ्लाय प्राइवेट लिमिटेड
9	मैरी स्नेहिता राम	B210138ME	एनएचपीसी रंगित पावर स्टेशन
10	जयदीप सुबेदी	B210136ME	एनएचपीसी रंगित पावर स्टेशन
11	तेजश गुप्ता	B210145ME	मिधानी, हैदराबाद
12	अभिषेक जलुथरिया	B210124ME	मिधानी, हैदराबाद
13	उज्ज्वल प्रसाद	B210146ME	जीटीआरई, डीआरडीओ
14	बिशाखा प्रभा छेत्री	B210129ME	डीआरडीओ, हेल्स्टोन प्राइवेट लिमिटेड, हैब बायोमास
15	साक्षी वर्मा	B210142ME	इसरो, एलोर्ब टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, हैब बायोमास
16	धीरज कुमार	B210132ME	आईओसीएल पारादीप
17	नंद किशोर आनंद	B210140ME	जीटीआरई, बेंगलुरु
18	अंकित सिंह	B210126ME	पीएक्सई (डीआरडीओ), चांदीपुर, बालासोर
19	चांदनी भोई	B210130ME	ओएचपीसी, डीआरडीओ
20	अरविंद कुमार	B210127ME	मोटरमा ईवी, धाराक्षा इकोसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
21	अंकित कुमार	B210125ME	टाटा मोटर्स, धाराक्षा इकोसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड
22	विनायक दहल	B210148ME	आर के इन्फ्राक्रॉप प्राइवेट लिमिटेड
23	ज्योति कुमारी प्रसाद	B210137ME	एनएचपीसी रंगित पावर स्टेशन

स्नातक तृतीय वर्ष के विद्यार्थीगण			
क्रम सं.	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	कंपनी का नाम
1	आदित्य कुमार प्रसाद	B220123ME	एनएचपीसी लिमिटेड
2	अनीश गुरुंग	B220125ME	वेलियो प्रोडक्ट्स एलएलपी
3	अनुराग प्रसाद	B220126ME	एनएचपीसी लिमिटेड
4	धनराज सिद्ध	B220127ME	वेलियो प्रोडक्ट्स एलएलपी
5	धर्मविजय सिंह	B220128ME	एसडीएससी - शार, इसरो
6	फौजिया अरशद	B220129ME	प्रोटोमॉन्ट टेक्नोलॉजीज़
7	हर्ष वर्धन सेनी	B220130ME	वेलियो प्रोडक्ट्स एलएलपी
8	कबीर मान राय	B220132ME	एनएचपीसी लिमिटेड
9	कुंदन कुमार	B220133ME	डिफेन्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (1 माह)
10	मनीष कुमार साह	B220134ME	वी. के. इंजिटेक प्राइवेट लिमिटेड
11	मोहम्मद अब्दुल मुमिन	B220135ME	स्टेमबोटिक्स

स्नातक तृतीय वर्ष के विद्यार्थीगण			
क्रम सं.	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	कंपनी का नाम
12	मोहम्मद सहरियार हुसैन	B220136ME	एलाइड इलेक्ट्रो मैकेनिकल प्राइवेट लिमिटेड
13	नवनीत कुमार शर्मा	B220137ME	धरक्ष इकोसोल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड
14	नेहा साहा	B220138ME	धरक्ष इकोसोल्यूशन्स
15	निशा रानी	B220139ME	एस्केयर इंफोटेक कंसल्टेंसी
16	राहुल कुमार प्रसाद	B220143ME	एनएचपीसी लिमिटेड
17	राकेश चंद्र मंडल	B220144ME	डिफेन्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन
18	रवि कांत रजक	B220146ME	डिफेन्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन
19	रोहन दर्जी	B220147ME	मिश्रा धातु निगम लिमिटेड
20	सांगे चोपेल भूटिया	B220148ME	एनएचपीसी लिमिटेड
21	सुजल राय	B220150ME	एनएचपीसी लिमिटेड
22	तमन्ना गौतम	B220151ME	आईआईटी जम्मू
23	वैभव मिश्रा	B220152ME	ग्रेविटास लेबोरेट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड
24	सोनम शेरिंग	B210143ME	एनएचपीसी लिमिटेड

## अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परियोजनाएँ

क्रम सं.	अनुक्रमांक	नाम	परियोजना मार्गदर्शक	परियोजना शीर्षक
1	B210144ME	स्वास्तिक चक्रवर्ती	डॉ. आर बसाक	एयर ऑगमेंटेड हाइपरसोनिक रॉकेट में अपस्ट्रीम फ्यूल इंजेक्शन का न्यूमेरिकल विश्लेषण
2	B210125ME	अंकित कुमार	डॉ. अनिल लाल एस	हॉस्पिटल मैनेजमेंट ऐप
3	B210147ME	वैभव बागरोडिया	डॉ. अनिल लाल एस और	ऑर्थोगोनल कटिंग ऑपरेशन का फाइनाइट एलिमेंट
4	B210141ME	ओम त्रिपाठी	डॉ. यू के मोहंती	विश्लेषण
5	B210126ME	अंकित सिंह	डॉ. बी रॉय	मशीन लर्निंग आधारित स्वायत्त मोबाइल रोबोट
6	B210127ME	अरविंद कुमार	डॉ. बी रॉय और डॉ. डी साहा	वाटर ड्रॉपलेट इरोजन टेस्टर का उपयोग करके सामग्री के क्षरण प्रतिरोध का मूल्यांकन
7	B210129ME	बिशाखा प्रभा छेत्री	डॉ. डी साहा	अचानक विस्तार वाले प्रवाह में द्रव प्रवाह का संख्यात्मक विश्लेषण
8	B210124ME	अभिषेक जलुथरिया	डॉ. जे जी गुप्ता	स्पीड ब्रेकर तंत्र का उपयोग करके विद्युत उत्पादन
9	B210131ME	देबाजीत चटर्जी	डॉ. के तिवारी	हाइब्रिड सोलर ग्रास कटर का एक्सगो-इकोनॉमिक विश्लेषण
10	B210123ME	अभिजीत पटेल	डॉ. दीपायन दास	सिक्किम, भारत में हस्तशिल्प कर्मियों के बीच व्यावसायिक स्वास्थ्य का एर्गोनॉमिक अध्ययन
11	B210132ME	धीरज कुमार	डॉ. एस एन बर्मन	आधुनिक ड्रायर के तापीय प्रदर्शन का न्यूमेरिकल विश्लेषण
12	B210140ME	नंद किशोर आनंद	डॉ. यू के मोहंती	डीएमएलएस प्रक्रिया का उपयोग करके टर्बाइन ब्लेड के निर्माण हेतु फाइनाइट एलिमेंट विश्लेषण
13	B210146ME	उज्ज्वल प्रसाद		
14	B210135ME	जैल एल दैमारी		
15	B210138ME	मैरी सेहिता राम		
16	B210148ME	विनायक दहल		
17	B210139ME	मयंक शुक्ला		
18	B210142ME	साक्षी वर्मा		

क्रम सं.	अनुक्रमांक	नाम	परियोजना मार्गदर्शक	परियोजना शीर्षक
19	B210145ME	तेजश गुप्ता	डॉ. बी बी नायक और	एडीएस तकनीक का उपयोग करते हुए इलेक्ट्रिक
20	B210130ME	चांदनी भोई	डॉ. आर बसाक	वाहन के स्वचालित ब्रेकिंग सिस्टम में वाहन सुरक्षा का प्रायोगिक विश्लेषण
21	B210136ME	जयदीप सुबेदी		

## स्नातक विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

### कैंपस प्लेसमेंट स्थिति

क्रम सं.	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	कंपनी का नाम
1	अभिजीत पटेल	B210123ME	एल एंड टी
2	जेल एल दैमारी	B210135ME	टेक्वर प्राइवेट लिमिटेड
3	मयंक शुक्ला	B210139ME	आरएचआई मैग्रीसीटा
4	वैभव बागरोडिया	B210147ME	एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड
5	देबाजीत चटर्जी	B210131ME	वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड
6	स्वास्तिक चक्रवर्ती	B210144ME	एल एंड टी कंस्ट्रक्शन
7	आयुष मैती	B210128ME	वेदांता लिमिटेड
8	ओम त्रिपाठी	B210141ME	रिलायंस इंडस्ट्रीज़
9	जयदीप सुबेदी	B210136ME	हाई टेकनेक्स्ट इंजीनियरिंग एंड टेलीकॉम
10	तेजश गुप्ता	B210145ME	तोशिबा प्राइवेट लिमिटेड
11	अभिषेक जलुथरिया	B210124ME	ड्यूकॉम इंस्ट्रूमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
12	उज्ज्वल प्रसाद	B210146ME	इंटेलिपाट
13	बिशाखा प्रभा छेत्री	B210129ME	वेदांता लिमिटेड
14	साक्षी वर्मा	B210142ME	डेलॉइट और महिंद्रा एंड महिंद्रा
15	नंद किशोर आनंद	B210140ME	एल एंड टी हाइड्रोकार्बन
16	अंकित सिंह	B210126ME	एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड
17	चांदनी भोई	B210130ME	आरएचआई मैग्रीसीटा
18	अरविंद कुमार	B210127ME	आरएचआई मैग्रीसीटा
19	अंकित कुमार	B210125ME	फ्रिस्टीन इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड
20	विनायक दहल	B210148ME	रेस्पॉन्सिव इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के निम्नलिखित विद्यार्थियों ने गेट 2024 और गेट 2025 में सफलता प्राप्त की है।

क्रम सं.	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	विवरण
1	मयंक शुक्ला	B210139ME	गेट 2024 (अंक 398)
2	वैभव बागरोडिया	B210147ME	गेट 2024 (अंक 367), गेट 2025 (अंक 359)
3	स्वास्तिक चक्रवर्ती	B210144ME	गेट 2025 (अंक 445)
4	आयुष मैती	B210128ME	गेट 2024 (अंक 359)
5	ओम त्रिपाठी	B210141ME	गेट 2024 (अंक 494)
6	अभिषेक जलुथरिया	B210124ME	गेट 2024 (अंक 264), गेट 2025 (अंक 279)
7	धर्मविजय सिंह	B220128ME	गेट 2025 (एआईआर 4104)
8	राकेश चंद्र मंडल	B220144ME	गेट 2025 (एआईआर 12421)
9	रोहन दर्जी	B220147ME	गेट 2025 (एआईआर 15818)

## विद्यार्थी गतिविधियाँ

### यंत्रिका: विभागीय क्लब

**संकाय प्रभारी:** डॉ. दीपायन दास

**सचिव:** साक्षी वर्मा कोषाध्यक्ष: उज्वल प्रसाद संयोजक: अभिषेक जलुठरिया

यंत्रिका की स्थापना वर्ष 2015 में यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के विभागीय क्लब के रूप में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आवश्यक कौशलों का विकास करना तथा उन्हें प्रौद्योगिकी-संचालित युग में सफलता प्राप्त करने हेतु आवश्यक उपकरणों और सॉफ्टवेयर के ज्ञान से सुसज्जित करना है। यह क्लब विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है जो प्रतिभागियों की मूलभूत और तकनीकी दक्षताओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित हैं। यंत्रिका का मानना है कि कोई भी उत्कृष्ट विचार तब तक सार्थक नहीं होता जब तक उसे प्रभावी रूप से व्यक्त न किया जा सके। इसी कारण क्लब संप्रेषण कौशल के महत्व पर विशेष बल देता है, ताकि विद्यार्थी अपने विचारों को व्यावहारिक संभावनाओं में परिवर्तित कर सकें। इन कौशलों के महत्व को स्वीकारते हुए, यंत्रिका प्रतिभागियों के समग्र विकास, मूलभूत, तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स, को प्रोत्साहित करता है। स्थापना के बाद से, यंत्रिका छात्रों के लिए एक अनुकूल शिक्षण वातावरण तैयार करने हेतु समर्पित रहा है। यह क्लब विद्यार्थियों को सक्रिय भागीदारी और सहयोग के लिए प्रेरित करता है, जिससे सदस्यों के बीच



आपसी सौहार्द की भावना विकसित होती है। विद्यार्थियों को विचार साझा करने, सहयोगात्मक रूप से सीखने और एक-दूसरे से ज्ञान अर्जित करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, यंत्रिका उद्योग विशेषज्ञों से संपर्क और संवाद का एक सशक्त मंच भी प्रदान करता है, जिससे विद्यार्थियों के भविष्य के करियर अवसरों के लिए नए मार्ग प्रशस्त होते हैं।

### वर्ष की प्रमुख झलकियाँ

पूर्व विद्यार्थी संवाद सत्र श्री निखिल रेड्डी शेरी के साथ\*\*

दिनांक: 27 सितंबर 2024

वर्ष की शुरुआत एक प्रेरणादायक आयोजन से हुई — एलुमनाई टॉक शो, जिसमें 2014-2018 बैच के गौरवशाली पूर्व छात्र श्री निखिल रेड्डी शेरी ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। वर्तमान में वे एस्केएफ ग्रुप-साउथ में की अकाउंट मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं और इससे पूर्व एल एंड टी में असिस्टेंट मैनेजर रह चुके हैं। श्री रेड्डी ने अपने व्यावसायिक सफर के प्रेरक अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों को कैम्पस से कॉर्पोरेट जीवन में परिवर्तन की प्रक्रिया को समझने और सफलतापूर्वक अपनाने के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। यह सत्र न केवल प्रेरणादायक रहा, बल्कि विद्यार्थियों के लिए अपने करियर पथ की दिशा को स्पष्ट रूप से समझने में भी अत्यंत सहायक सिद्ध हुआ।

## द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम

दिनांक: 31 अक्टूबर 2024

यंत्रिका ने द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का स्वागत उत्साह और आत्मीयता के साथ एक संवादात्मक अभिमुखीकरण सत्र के माध्यम से किया। इस कार्यक्रम में नए सदस्यों को क्लब की दृष्टि, चल रही गतिविधियों और



## द इंटरव्यू रूम – एक मॉक इंटरव्यू पहल

दिनांक: 22 मार्च 2025 और 26 अप्रैल 2025

इस वर्ष की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही द इंटरव्यू रूम, जो एक मॉक इंटरव्यू श्रृंखला थी, जिसे वास्तविक साक्षात्कार अनुभव का अनुकरण करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। प्रतिभागियों ने ऐसे सत्रों में भाग लिया जिनका उद्देश्य उनकी संप्रेषण क्षमता, आत्मविश्वास और व्यावसायिकता



सहभागिता के अवसरों से अवगत कराया गया। वरिष्ठ सदस्यों ने अपने व्यक्तिगत अनुभव, प्रोजेक्ट्स तथा अकादमिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के उपयोगी सुझाव साझा किए। यह आयोजन सफलतापूर्वक एक सकारात्मक और समावेशी वातावरण स्थापित करने में सक्षम रहा तथा विद्यार्थियों को यंत्रिका की भावी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।



को सुदृढ़ करना था। इस पहल के तहत विद्यार्थियों को व्यक्तिगत फीडबैक तथा व्यावहारिक सुझाव प्रदान किए गए, जिनमें रिज्यूमे सुधार, बॉडी लैंग्वेज और समस्या समाधान तकनीकों को परिष्कृत करने के उपाय शामिल थे। विद्यार्थियों ने इस चुनौती को उत्साहपूर्वक स्वीकार किया, और उनके दृष्टिकोण तथा आत्म-प्रस्तुति में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला। यह आयोजन वर्ष के सबसे प्रभावी और व्यावहारिक शिक्षण अनुभवों में से एक के रूप में सराहा गया।



## साइबर सुरक्षा जागरूकता डिज़ाइन प्रतियोगिता

दिनांक: 14 अप्रैल 2025

सिक्किम पुलिस के सहयोग से यंत्रिका ने राज्यस्तरीय साइबर सुरक्षा जागरूकता डिज़ाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य डिजिटल सुरक्षा और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार को प्रोत्साहित करना था, साथ ही सिक्किम की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देना भी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दो श्रेणियों में भाग लिया:

- फ्लिपबुक कस्टमाइज़ेशन – जिसमें सिक्किमी सांस्कृतिक तत्वों को शामिल किया गया।
- पोस्टर डिज़ाइन – साइबर सुरक्षा की सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु।

सभी शाखाओं से उत्साही भागीदारी और आकर्षक पुरस्कारों के साथ यह प्रतियोगिता न केवल जागरूकता बढ़ाने में सफल रही, बल्कि विद्यार्थियों की रचनात्मकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को भी प्रदर्शित किया।



अपनी तैयारी यात्रा, मानसिक रणनीतियाँ और सेंट्रल पावर इंजीनियरिंग सर्विसेज में कार्य अनुभव साझा किया। उनकी स्पष्ट बातचीत, परीक्षा संबंधी सुझाव और प्रेरणादायक विचार विद्यार्थियों के साथ गहराई से जुड़े और उन पर स्थायी प्रभाव छोड़ा। यह सत्र वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों में से एक रहा तथा इग्राइट के आगामी संस्करणों के लिए एक उच्च मानक स्थापित किया।

## इग्राइट – टॉक शो 1.0 श्री रोमित शर्मा के साथ

दिनांक: 9 मई 2025

यंत्रिका ने गर्वपूर्वक अपनी प्रमुख टॉक श्रृंखला इग्राइट की शुरुआत की, जिसमें वक्ता थे श्री रोमित शर्मा — ईएसई 2023 में एआईआर 1 और गेट 2023 में एआईआर 299 प्राप्तकर्ता। वर्चुअल रूप से जुड़े श्री शर्मा ने



## शिक्षक दिवस समारोह

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में 5 सितंबर 2024 को शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और आदर के साथ मनाया गया। यह आयोजन समाज तथा विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में शिक्षकों के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों द्वारा विभागाध्यक्ष और संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में किया गया। समारोह का आरंभ प्रातः 10:00 बजे छात्र संचालक के स्वागत भाषण से हुआ, जिसके बाद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस के महत्व पर एक संक्षिप्त भाषण दिया गया। पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, तत्पश्चात विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक



यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में शिक्षक दिवस समारोह

जब हम शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई दे रहे हैं, यह क्षण आनंद और भावनाओं से भरा हुआ है। इन वर्षों में विद्यार्थियों ने न केवल शैक्षणिक रूप से प्रगति की है, बल्कि ऐसी अनेक यादें भी बनाई हैं जिन्हें उनके साथियों, जूनियर्स और शिक्षकों द्वारा स्नेहपूर्वक याद किया जाएगा। वर्ष 2021-25 बैच के अंतिम वर्ष के विद्यार्थी हमारे संस्थान



विभागीय संकाय सदस्य 2021-25 बैच के विद्यार्थियों के साथ

प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिक्षकों के लिए हल्के-फुल्के खेल और मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिससे एक आनंददायक और सौहार्दपूर्ण वातावरण बना। संकाय सदस्यों को विद्यार्थियों द्वारा आभार स्वरूप व्यक्तिगत धन्यवाद-पत्र और स्मृति चिह्न भेंट किए गए। विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल लाल एस ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों की पहल की सराहना की और शिक्षक-विद्यार्थी सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। अन्य संकाय सदस्यों ने भी अपने विचार और अनुभव साझा करते हुए समारोह की गरिमा को और बढ़ाया।



की यात्रा का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। उनका परिश्रम, उत्साह और आपसी सहयोग सदैव स्मरणीय रहेगा। हम उनके साथ बिताए पलों के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं और उनके उज्वल भविष्य एवं सफल जीवन की कामना करते हैं।

## विभागीय समितियां

क्रम सं.	संकाय सदस्यों के नाम	समिति का नाम
1	1. संयोजक (डीयूजीसी): डॉ. जय गोपाल गुप्ता 2. विभागाध्यक्ष (एचओडी): डॉ. अनिल लाल एस 3. संयोजक (डीपीजीसी): डॉ. शंभुनाथ बर्मन 4. संकाय सदस्य (यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग): क) डॉ. रंजन बसाक ख) डॉ. देबाजित साहा	विभागीय स्नातक समिति (डीयूजीसी)
2	1. संयोजक (डीपीजीसी): डॉ. शंभुनाथ बर्मन 2. विभागाध्यक्ष (एचओडी): डॉ. अनिल लाल एस 3. संयोजक (डीयूजीसी): डॉ. जय गोपाल गुप्ता 4. संकाय सदस्य (यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग): क) डॉ. रंजन बसाक ख) डॉ. देबाजित साहा ग) डॉ. विश्वजीत राँय 5. संकाय सदस्य (वेयरपर्सन, सीनेट द्वारा नामांकित): डॉ. अरविन्द पांडा, असिस्टेंट प्रोफेसर, ईईईई विभाग	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)
3	1. विभागाध्यक्ष: डॉ. अनिल लाल एस 2. संयोजक (डीयूजीसी): डॉ. जय गोपाल गुप्ता 3. संकाय सलाहकार: 2024-28 बैच - डॉ. किर्ति तिवारी 2023-27 बैच - डॉ. दिपायन दास 2022-26 बैच - डॉ. बिभूति भूषण नायक 2021-25 बैच - डॉ. उत्तम कुमार महांती 4. संकाय सदस्य (एचओडी द्वारा नामांकित): डॉ. शंभुनाथ बर्मन 5. संकाय सदस्य (डीन, एकेडमिक द्वारा नामांकित): डॉ. अनिल बिस्वास, एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग	शैक्षणिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (एपेक)
4	1. डॉ. अनिल लाल एस (विभागाध्यक्ष, एमई विभाग) 2. डॉ. शंभुनाथ बर्मन (संयोजक, डीपीजीसी) 3. डॉ. रंजन बसाक (संकाय सदस्य, एमई विभाग) 4. डॉ. जय गोपाल गुप्ता (संकाय सदस्य, एमई विभाग) 5. डॉ. देबाजित साहा (संकाय सदस्य, एमई विभाग) 6. डॉ. विश्वजीत राँय (संकाय सदस्य, एमई विभाग) 7. डॉ. किर्ति तिवारी (संकाय सदस्य, एमई विभाग) 8. डॉ. मोलय राँय (संकाय सदस्य, ईईईई विभाग)	विभागीय प्रवेश समिति (डीएसी)
5	i. डॉ. अनिल लाल एस - विभागाध्यक्ष ii. डॉ. जय गोपाल गुप्ता - संयोजक (डीयूजीसी) iii. संकाय सलाहकार: प्रथम वर्ष - डॉ. कीर्ति तिवारी द्वितीय वर्ष - डॉ. दिपायन दास तृतीय वर्ष - डॉ. बिभूति भूषण नायक चतुर्थ वर्ष - डॉ. उत्तम कुमार महांती iv. परीक्षा प्रकोष्ठ से संकाय सदस्य - डॉ. कीर्ति तिवारी	विभागीय छात्र शिकायत निवारण प्रकोष्ठ (डीएसजीसी)

क्रम सं.	संकाय सदस्यों के नाम	समिति का नाम
6	संकाय सलाहकार: 2024-28 बैच - डॉ. कीर्ति तिवारी संकाय सलाहकार: 2023-27 बैच - डॉ. दिपायन दास संकाय सलाहकार: 2022-26 बैच - डॉ. बिभूति भूषण नायक संकाय सलाहकार: 2021-25 बैच - डॉ. उत्तम कुमार महांती अनुसंधान विद्वान सलाहकार - डॉ. कीर्ति तिवारी	संकाय सलाहकार
7	1. डॉ. कीर्ति तिवारी (संयोजक) 2. सदस्य: क) डॉ. दिपायन दास (संकाय सलाहकार, 2023-27 बैच) ख) डॉ. बिभूति भूषण नायक (संकाय सलाहकार, 2022-26 बैच) ग) डॉ. उत्तम कुमार महांती (संकाय सलाहकार, 2021-25 बैच) घ) डॉ. कीर्ति तिवारी (अनुसंधान विद्वान संकाय सलाहकार)	विभागीय परीक्षा एवं परिणाम समिति
8	1. डॉ. विश्वजीत राँय (संयोजक) 2. सदस्य: क) डॉ. दिपायन दास (संकाय सलाहकार, 2023-27 बैच) ख) डॉ. बिभूति भूषण नायक (संकाय सलाहकार, 2022-26 बैच) ग) डॉ. उत्तम कुमार महांती (संकाय सलाहकार, 2021-25 बैच) घ) श्री अमित माइती (वरिष्ठ तकनीशियन, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग)	समय-सारणी / कक्षा कक्ष / भार वितरण समिति
9	1. डॉ. बिभूति भूषण नायक (संयोजक) 2. सदस्य: क) डॉ. कीर्ति तिवारी (संकाय सलाहकार, 2024-28 बैच) ख) डॉ. दिपायन दास (संकाय सलाहकार, 2023-27 बैच) ग) डॉ. बिभूति भूषण नायक (संकाय सलाहकार, 2022-26 बैच) घ) डॉ. उत्तम कुमार महांती (संकाय सलाहकार, 2021-25 बैच)	विभागीय पुस्तकालय समिति
10	1. डॉ. दिपायन दास (संयोजक) 2. सदस्य: क) डॉ. दिपायन दास (संकाय सलाहकार, 2023-27 बैच) ख) डॉ. बिभूति भूषण नायक (संकाय सलाहकार, 2022-26 बैच) ग) डॉ. उत्तम कुमार महांती (संकाय सलाहकार, 2021-25 बैच)	प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट, गेट, प्रोफेशनल प्रैक्टिस समिति
11	1. डॉ. देबाजित साहा (संयोजक) 2. सदस्य: क) डॉ. अनिल लाल एस ख) डॉ. रंजन बसाक ग) डॉ. शंभुनाथ बर्मन घ) डॉ. जय गोपाल गुप्ता ङ) डॉ. विश्वजीत राँय च) डॉ. कीर्ति तिवारी छ) डॉ. दिपायन दास ज) डॉ. उत्तम कुमार महांती झ) डॉ. बिभूति भूषण नायक	विभागीय अनुशासन समिति (डीडीसी)

### कार्यशाला / एसटीसी / एफडीपी जिनमें संकाय सदस्यों ने भाग लिया/आयोजन किया

- क) डॉ. जय गोपाल गुप्ता – 27 से 31 मई 2024 तक एनआईटी सिक्किम में “उद्यमिता और कौशल विकास” पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया, जिसे कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया।
- ख) डॉ. अनिल लाल एस – “कॉन्टैक्ट मेकेनिक्स एंड एलिमेंट्स ऑफ ट्राइबोलॉजी” ओपन कोर्स, माइन्स-पेरिस पीएसएल, फ्रांस, 24 से 28 फरवरी 2025 तक में भाग लिया।
- ग) डॉ. अनिल लाल एस – “कॉन्टैक्ट मेकेनिक्स” पर ग्यान कोर्स में भाग लिया, 20 से 24 जनवरी 2025, आईआईटी पलक्काड।
- घ) डॉ. अनिल लाल एस – सेंट्रल वाटर एंड पावर रिसर्च स्टेशन, पुणे में “फिजिकल एंड न्यूमेरिकल मॉडलिंग हाइड्रोलिक डिजाइन ऑफ रिज़रवॉयर एंड एप्पूरटिमेंट स्ट्रक्चर्स” कार्यक्रम में भाग लिया।
- ङ) डॉ. बिभूति भूषण नायक – 17 से 21 फरवरी 2025 तक आयोजित पाँच दिवसीय “उन्नत उद्यमिता और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम” में भाग लिया, विषय: इलेक्ट्रिक वाहन और डिस्ट्रीब्यूटेड जनरेशन सिस्टम में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत।
- च) डॉ. विश्वजीत राँय – 5 से 6 दिसंबर 2024 तक बीआईएस द्वारा राष्ट्रीय मानकीकरण प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा में आयोजित “मनक प्रवर्धक – बीआईएस कार्यक्रम” में भाग लिया, जिसका उद्देश्य युवाओं को मानकीकरण से जोड़ना था।

### संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान

- क) डॉ. जय गोपाल गुप्ता – आईआईटी मंडी, हिमाचल प्रदेश में 13 से 15 दिसंबर 2024 तक आयोजित नवम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन “सस्टेनेबल एनर्जी एंड एनवायरनमेंटल चैलेंजेज़ (IX SEEI)” के ऊर्जा संबंधी तकनीकी सत्र में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। यह सम्मेलन इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी (ISEES) के तत्वावधान में आयोजित किया गया था।
- ख) डॉ. अनिल लाल एस – ईस्वरी इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई द्वारा आयोजित “इंट्रोडक्शन टू वैरियस टेक्निक्स इन सीएफडी” विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- ग) डॉ. देबाजित साहा – 11 से 15 नवंबर 2024 तक सनाका एजुकेशनल ट्रस्ट्स ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित एक सप्ताहीय संकाय विकास कार्यक्रम में “रीसेंट इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड एप्लिकेशंस इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग” विषय पर मुख्य वक्ता / संसाधन व्यक्ति के रूप में योगदान दिया।
- घ) डॉ. विश्वजीत राँय – 5 से 9 अगस्त 2024 तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान मिजोरम द्वारा आयोजित “द फ्यूचर ऑफ ग्रीन एनर्जी: इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड टेक्नोलॉजीज” विषय पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किए गए।



## सिविल इंजीनियरिंग विभाग

किसी भी देश का विकास उसकी अवसंरचना से गहराई से जुड़ा होता है, जिसका विस्तार उसके इंजीनियरों की सामूहिक बुद्धिमत्ता से संचालित होता है। नवीन और सतत प्रौद्योगिकी नवाचार भारत जैसे उभरते हुए राष्ट्र की प्रगति की कुंजी हैं, जो वर्तमान में एक सामाजिक-आर्थिक क्रांति के मुहाने पर खड़ा है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या और निरंतर बढ़ती बुनियादी आवश्यकताओं के चलते देश के लिए यह अत्यावश्यक है कि वह एक मजबूत अवसंरचनात्मक ढांचा विकसित करे, जो निकट और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। इस परिप्रेक्ष्य में, सिविल इंजीनियरिंग का क्षेत्र—अपने विविध आयामों जैसे संरचनात्मक अभियांत्रिकी, पर्यावरण अभियांत्रिकी, भूकंप अभियांत्रिकी, भू-तकनीकी अभियांत्रिकी, जल संसाधन अभियांत्रिकी, जियोमैटिक्स, और परिवहन अभियांत्रिकी—के माध्यम से देश के भविष्य के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

देश की आवश्यकताओं के अनुरूप, एनआईटी सिक्किम ने वर्ष 2013 में सिविल इंजीनियरिंग विभाग की स्थापना की, जिसमें बी.टेक. और पी.एच.डी. कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। बी.टेक. कार्यक्रम में 30 विद्यार्थियों का प्रवेश होता है। ऐसे सिविल इंजीनियर जो सैद्धांतिक अवधारणाओं को व्यावहारिक, उपयोगी एवं लागू करने योग्य समाधानों में बदलने की क्षमता रखते हैं, विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में अत्यधिक मांग में हैं। सिविल इंजीनियरिंग विभाग का पाठ्यक्रम इस प्रकार संरचित है कि यह विद्यार्थियों को कुशल व्यावहारिक अभियंता बनने के साथ-साथ शोध के प्रति गहरी रुचि विकसित करने में सक्षम बनाता है, जिससे वे उद्योग और अनुसंधान दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें। विभाग सतत एवं हरित प्रौद्योगिकियों पर विशेष बल देते हुए व्यापक वैकल्पिक विषयों की पेशकश करता है। वर्तमान में विभाग में आठ प्रयोगशालाएँ हैं— सर्वेक्षण प्रयोगशाला, सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला, भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, संरचनात्मक डिजाइन प्रयोगशाला, परिवहन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, सॉफ्टवेयर विश्लेषण प्रयोगशाला, पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला और जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला। निकट भविष्य में विभाग सिविल इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में एम.टेक. कार्यक्रम प्रारंभ करने की योजना बना रहा है। विभाग गर्व के साथ साझा करता है कि इसके पूर्व विद्यार्थी वर्तमान में विभिन्न सरकारी एवं प्रतिष्ठित निजी संस्थानों में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, कई विद्यार्थी सिविल इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च शिक्षा भी प्राप्त कर रहे हैं। विभाग के संकाय सदस्य एनआईटी सिक्किम परिसर के निर्माण और अनुरक्षण गतिविधियों में सक्रिय रूप से संलग्न हैं।

### सिविल इंजीनियरिंग विभाग का ध्येय

सिविल इंजीनियरिंग विभाग का उद्देश्य सभी विशिष्टताओं में विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाला और अत्याधुनिक अभियांत्रिकी ज्ञान प्रदान करना है, ताकि वे देश की बढ़ती आर्थिक और सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप सिविल अवसंरचना का विकास कर सकें और साथ ही वैश्विक मानकों को भी प्राप्त कर सकें।

“

सिविल इंजीनियरिंग वह कला है जिसके माध्यम से प्रकृति की महान शक्तियों का मानव के उपयोग और सुविधा हेतु निर्देशन किया जाता है।

– थॉमस ट्रेडगोल्ड

## सिविल इंजीनियरिंग विभाग का मिशन

- विद्यार्थियों में तकनीकी दृष्टिकोण, ईमानदारी, समयनिष्ठा और नैतिक मूल्यों का विकास करना, ताकि वे उत्कृष्ट अभियंता, आविष्कारक, उद्यमी और विद्वान बनकर उद्योग तथा समाज की उन्नति में योगदान दे सकें।
- उद्योगों, सरकारी संस्थाओं और अन्य संगठनों के साथ रचनात्मक संयुक्त पहल करके सामाजिक समस्याओं का समाधान करना और व्यावहारिक समाधान प्रदान करना।

- भारत के पर्वतीय क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए, शोध और शिक्षण क्षमताओं का वैश्विक स्तर पर अधिकतम उपयोग करना।

## विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक.
- सिविल इंजीनियरिंग में पी.एच.डी.

## संकाय विवरण

### डॉ. जॉय पाल

असिस्टेंट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष

**अनुसंधान क्षेत्र:** संरचनात्मक इंजीनियरिंग

### डॉ. अंकित भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर

**अनुसंधान क्षेत्र:** फ्लेक्सुरल सदस्यों के लिए तन्यता के अधीन कंक्रीट का दीर्घकालिक व्यवहार, चिपकने वाले बंधित स्टील-कंक्रीट मिश्रित फ्लेक्सुरल सदस्य, समय-निर्भर (क्रीप और श्रिंकज) विश्लेषण, कोल्ड फॉर्म स्टील संरचनाओं की स्थिरता, वाणिज्यिक सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए फाइनाइट एलिमेंट मॉडलिंग, विश्लेषणात्मक समाधान, डिजाइन प्रैक्टिस का विकास

### डॉ. अनिर्बान बनिक

असिस्टेंट प्रोफेसर

**अनुसंधान क्षेत्र:** हाइड्रो-इन्फॉर्मेटिक्स, ओपन चैनल हाइड्रोडायनेमिक्स

### डॉ. कृष्ण कुमार मौर्य

असिस्टेंट प्रोफेसर

**अनुसंधान क्षेत्र:** संरचनात्मक अभियांत्रिकी, संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी, संवेदक प्रणाली, गैर-विध्वंसक परीक्षण तकनीकें, उन्नत कंक्रीट प्रौद्योगिकी, जीवाणु कंक्रीट

### डॉ. नीलांजन दत्ता

असिस्टेंट प्रोफेसर

**अनुसंधान क्षेत्र:** भूजल और अपशिष्ट जल उपचार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

### डॉ. नारायण

असिस्टेंट प्रोफेसर

**अनुसंधान क्षेत्र:** ब्रेस और ब्रेस्ड फ्रेम्स का अलोचनीय विश्लेषण, पारंपरिक और ऊर्जा अवशोषक ब्रेसिंग प्रणालियाँ, ट्रेस पुलों का उन्नयन, इस्पात-लकड़ी सम्मिश्र संरचनाएँ, धातुओं की गतिशील उपज शक्ति

### डॉ. अंकुश कुमार

असिस्टेंट प्रोफेसर

**अनुसंधान क्षेत्र:** सड़क निर्माण सामग्री का गुणधर्म विश्लेषण — भौतिक, रासायनिक तथा सूक्ष्म-संरचनात्मक अध्ययन; संशोधित डामर बाइंडर, मिश्रित डामर, डामर पुनर्चक्रण, जैव-डामर बाइंडर, सड़क डिजाइन और निर्माण, सीमांत एवं अपशिष्ट सामग्रियों का उपयोग, कम तापमान मिश्रण तकनीक, खुले ग्रेड डामर घर्षण परतें, और स्टोन मैट्रिक्स डामर।

## कर्मचारी विवरण

क्र. सं.	नाम एवं पदनाम
1	श्रीमती चंदा मोकतान प्रयोगशाला तकनीशियन
2	श्री सुमित कुमार तकनीकी सहायक
3	श्री शोनु शर्मा
4	सुश्री प्रणिशा छेत्री
5	श्री राजेश भट्टाराई
6	सुश्री हीना तमांग

## तकनीकी संघ / सोसाइटी की सदस्यता

क्र. सं.	तकनीकी सोसाइटी	सदस्यता का प्रकार	संकाय का नाम
1	इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग (सदस्यता संख्या: एएम-786)	सहयोगी सदस्य	डॉ. नीलांजन दत्ता
	द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) (सदस्यता संख्या: एम1801295)	सदस्य	
2	द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) (सदस्यता संख्या: एएम1743964)	सहयोगी सदस्य	डॉ. अनिर्बान बनिक
	इंटरनेशनल वाटर रिसोर्सेज एसोसिएशन (सदस्यता संख्या: एम-09950)	सदस्य	
	इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स (आईईएनजी): (सदस्यता संख्या: 193407)	सदस्य	
	यूनिवर्सल एसोसिएशन ऑफ सिविल, स्ट्रक्चरल एंड एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स (यूएसीएसई) (सदस्यता संख्या: एएम2020081978) (03/09/2020 से मान्य और 31/08/2023 तक वैध)	सहयोगी सदस्य	
3	इंडियन रोड्स कांग्रेस (आईआरसी) (सदस्यता संख्या: 104266)	आजीवन सदस्य	डॉ. अंकुश कुमार
	इंटरनेशनल यूनिवर्सल ऑफ लेबोरेट्रीज एंड एक्सपर्ट्स इन कंस्ट्रक्शन मटेरियल्स, सिस्टम्स एंड स्ट्रक्चर्स (रिलेम — फ्रेंच नाम से) (सदस्यता संख्या: 48085)	युवा सदस्य	

## प्रयोगशाला सुविधाएं

क्र.सं.	प्रयोगशाला का नाम	संकाय प्रभारी	कर्मचारी प्रभारी
1	कंक्रीट टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला	डॉ. कृष्ण कुमार मोर्य	सुश्री चंदा मोक्तान
2	परिवहन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला	डॉ. अंकुश कुमार	सुश्री चंदा मोक्तान
3	भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला	डॉ. नारायण	श्री सुमित कुमार
4	सर्वेक्षण प्रयोगशाला	डॉ. अनिबर्न बनिक	सुश्री चंदा मोक्तान
5	कंप्यूटर अनुप्रयोग प्रयोगशाला	डॉ. अंकित भारद्वाज	श्री सुमित कुमार
6	पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला	डॉ. नीलांजन दत्ता	सुश्री चंदा मोक्तान
7	जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला	डॉ. अनिबर्न बनिक	श्री सुमित कुमार
8	संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला	डॉ. जॉय पाल	श्री सुमित कुमार

## 1. सर्वेक्षण प्रयोगशाला

सर्वेक्षण वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से विभिन्न बिंदुओं की सापेक्ष स्थिति और दूरी का निर्धारण किया जाता है। यह सिविल इंजीनियरिंग शिक्षा और प्रशिक्षण का अभिन्न अंग है। किसी क्षेत्र का सर्वेक्षण सभी सिविल इंजीनियरिंग परियोजनाओं—जैसे राजमार्ग, पुल, रेलमार्ग, जलापूर्ति, सीवेज निपटान, जलाशय एवं बांध, भवन निर्माण, ट्रांसमिशन टावर, सिंचाई नहरें आदि की डिज़ाइन के लिए अत्यंत आवश्यक होता है। सर्वेक्षण के उद्देश्य परियोजना के प्रकार और आवश्यकताओं के अनुसार भिन्न हो सकते हैं। किसी भी अभियांत्रिकी परियोजना की आर्थिक व्यवहार्यता का सही मूल्यांकन सर्वेक्षण कार्य के बिना संभव नहीं है। इस प्रयोगशाला

का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न सर्वेक्षण उपकरणों जैसे टोटल स्टेशन, थियोडोलाइट, ऑटो लेवल, ग्लोबल पोज़िशनिंग सिस्टम (जीपीएस), प्लेन टेबल, कम्पास आदि का उपयोग करते हुए उचित पैमाने पर नक्शा तैयार करने में दक्ष बनाना है। विद्यार्थी पारंपरिक और आधुनिक दोनों प्रकार की सर्वेक्षण विधियों और तकनीकों का अध्ययन करते हैं। सर्वेक्षण प्रयोगशाला विद्यार्थियों को उन्नत सर्वेक्षण उपकरणों के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है, जिससे वे उद्योग में उपयोग हो रही नवीनतम तकनीकों से परिचित हो सकें। मानक छोटे उपकरणों के अतिरिक्त, प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रमुख उपकरण उपलब्ध हैं:

क्र. सं.	उपकरण का नाम	किए जाने वाले प्रयोग
1	डम्पी लेवल, ऑटो लेवल	दिए गए डेटम के सापेक्ष निर्दिष्ट बिंदुओं की ऊँचाई का निर्धारण करना।
2	ट्रांज़िट थियोडोलाइट, डिजिटल थियोडोलाइट	दोहराव और पुनरावृत्ति विधि द्वारा क्षैतिज कोणों का मापन करना तथा नियंत्रण बिंदुओं की स्थापना करना, जिनकी स्थिति ट्रैवर्स स्टेशनों के बीच की दूरी और आसन्न स्टेशनों पर बने कोणों के मापन से निर्धारित की जाती है।
3	टोटल स्टेशन	यह उपकरण न केवल क्षैतिज और ऊर्ध्व कोणों का मापन करने में सक्षम है, बल्कि किसी वस्तु और उपकरण के बीच की दूरी भी सटीक रूप से माप सकता है।
4	जीपीएस	जीपीएस वर्तमान समय में सर्वेक्षण के लिए तीव्र गति से अपनाई जा रही आधुनिक तकनीक है, क्योंकि यह बिना मध्यवर्ती बिंदुओं के बीच कोण या दूरी मापे सीधे स्थिति (अक्षांश, देशांतर और ऊँचाई) प्रदान करता है, जिससे सर्वेक्षण कार्य अधिक त्वरित और सटीक हो जाता है।



क्षेत्र सर्वेक्षण



## 2. सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला

सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला विद्यार्थियों को निर्माण सामग्रियों के विभिन्न गुणों से परिचित कराती है और उन्हें सामग्रियों के अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक यांत्रिक और स्थायित्व संबंधी गुणों को समझने में सहायता करती है। निर्मित संरचनाओं की स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए गैर-विनाशकारी परीक्षणों पर भी ध्यान दिया जाता है। स्थायित्व की अवधारणा और उसके संदर्भ में सामग्रियों के प्रभाव पर भी बल दिया जाता है। यह

प्रयोगशाला पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को निर्माण उद्योग में प्रचलित परीक्षण मानकों से परिचित कराने और उन्हें सामग्री विज्ञान के क्षेत्र से संबंधित व्यापक संभावनाओं से अवगत कराने के उद्देश्य से बनाया गया है। मानक उपकरणों के अतिरिक्त, प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रमुख उपकरण उपलब्ध हैं:

क्रम सं.	उपकरण का नाम	किए जाने वाले प्रयोग
1	एग्रीगेट इम्पैक्ट टेस्टर	एग्रीगेट्स का एग्रीगेट इम्पैक्ट मान (एआईवी) निर्धारित करना, जो किसी एग्रीगेट की अचानक झटके या प्रभाव के प्रति प्रतिरोध क्षमता का सापेक्ष माप प्रदान करता है।
2	एयर पारगम्यता उपकरण	पोर्टलैंड सीमेंट की महीनता का निर्धारण, जिसमें परीक्षण नमूने के प्रति ग्राम में महीन कणों के विशिष्ट पृष्ठ क्षेत्रफल को वर्ग सेंटीमीटर में मापा जाता है।
3	कंक्रीट मिक्सर (मोटर चालित)	सीमेंट, एग्रीगेट और पानी को मिलाकर कंक्रीट तैयार करने के लिए उपयोग किया जाता है।
4	कम्पैक्शन फैक्टर उपकरण	कम, मध्यम और उच्च कार्यक्षमता वाले कंक्रीट का कम्पैक्शन फैक्टर निर्धारित करना।
5	वी-बी कंसिस्टोमीटर	नव-मिश्रित कंक्रीट की कार्यक्षमता का निर्धारण करना। वी-बी परीक्षण नव-मिश्रित कंक्रीट की प्रवाहशीलता और संकुचित होने की क्षमता का संकेत देता है।
6	रीबाउंड हैमर	कंक्रीट की संपीड़न शक्ति निर्धारित करने की एक गैर-विनाशकारी विधि।
7	अल्ट्रा-सोनिक पल्स वेग परीक्षण मशीन	यह एक स्थल-पर (इन-सिटू) गैर-विनाशकारी परीक्षण है जो कंक्रीट की गुणवत्ता जांचने के लिए किया जाता है। इस परीक्षण में, संबंधित कंक्रीट नमूने से होकर गुजरने वाली अल्ट्रासोनिक पल्स की गति मापकर उसकी गुणवत्ता का आकलन किया जाता है।
8	डिजिटल संपीड़न परीक्षण मशीन	कंक्रीट क्यूब और सिलेंडर (अर्थात् कठोर कंक्रीट) की संपीड़न शक्ति का निर्धारण करना।
9	फ्लो टेबल उपकरण	यह परीक्षण उन कंक्रीट नमूनों के लिए किया जाता है जो स्लंप परीक्षण से मापने के लिए अत्यधिक द्रव (कार्यशील) होते हैं।



सीमेंट की सुसंगतता

### 3. भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला स्नातक विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा केंद्र है जहाँ वे मृदा यांत्रिकी के मूल सिद्धांतों, मानक मृदा परीक्षणों का अध्ययन करते हैं और आगे की समझ के लिए एक मजबूत आधार बनाते हैं। यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों को उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ प्रदान करती है। विस्तृत सुविधाओं से सुसज्जित यह प्रयोगशाला

दानेदार पदार्थों के गुणधर्म निर्धारण, प्रसारशील मिट्टी, अल्पगहराई नींव और भूमि सुधार तकनीकों के क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान की सुविधा प्रदान करती है। भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रयोग किए जा सकते हैंः

क्र. सं.	उपकरण का नाम	किए जाने वाले प्रयोग
1.	इंडियन स्टैंडर्ड सिक्स	मृदा के दानों के आकार वितरण का निर्धारण यांत्रिक छलनी विश्लेषण द्वारा।
2.	साइल हाइड्रोमीटर	75 माइक्रॉन आई.एस. छलनी से पारित मृदा के दानों के आकार वितरण का निर्धारण।
3.	कासाग्रांडे का लिक्विड लिमिट उपकरण	सूक्ष्म दानेदार मृदा के लिए द्रव सीमा (लिक्विड लिमिट) का निर्धारण।
4.	प्लास्टिक लिमिट परीक्षण उपकरण	सूक्ष्म दानेदार मृदा के लिए प्लास्टिक सीमा का निर्धारण।
5.	संकुचन सीमा परीक्षण किट	सूक्ष्म दानेदार मृदा के लिए संकुचन गुणों का निर्धारण।
6.	कौर कटर और सैंड पोरिंग सिलेंडर	मृदा की इन-सिटू घनत्व का निर्धारण।
7.	लाइट और हेवी कम्पैक्शन के लिए इंडियन स्टैंडर्ड रेमर और मोल्ड	जलांश-शुष्क घनत्व संबंध का निर्धारण।
8.	सापेक्ष घनत्व उपकरण	स्थूल दानेदार मृदा के लिए सापेक्ष घनत्व का निर्धारण।
9.	पारगम्यता उपकरण	प्रत्यक्ष प्रयोगशाला विधि से पारगम्यता का निर्धारण।
10.	डायरेक्ट शीयर उपकरण (मोटर चालित, 12 गति, डेटा अधिग्रहण प्रणाली सहित)	मृदा या शैल पदार्थ की या मृदा/शैल द्रव्यमानों में असंततताओं की कतरन शक्ति गुणों का मापन।
11.	अनकम्पाईड संपीडन शक्ति परीक्षण मशीन (मोटर चालित)	संयोजी मृदा के लिए असंवरणीय संपीडन शक्ति का आकलन।
12.	ट्रायएक्सियल शीयर परीक्षण उपकरण (डेटा अधिग्रहण प्रणाली सहित)	मृदा के तनाव-विकृति गुणों तथा कतरन शक्ति पैरामीटर — संधारण (g) और आंतरिक घर्षण कोण (φ) — का निर्धारण।
13.	प्रयोगशाला वेन शीयर परीक्षण उपकरण (मोटर चालित)	संयोजी मृदा की कतरन शक्ति का मापन; यह परीक्षण उन मृदाओं के लिए उपयोगी है जिनकी कतरन शक्ति लगभग 0.5 किलोग्राम/सेमी <sup>2</sup> से कम होती है। यह परीक्षण मृदा की असंवरणीय शक्ति को अप्रभावित तथा पुनःसंयोजित अवस्थाओं में प्रदान करता है।
14.	संपीडन (कंसोलिडेशन) उपकरण	एक-आयामी ओडोमीटर परीक्षण द्वारा मृदा के प्राथमिक संपीडन के कारण होने वाले अवतलन (सेटलमेंट) का निर्धारण।
15.	कैलिफोर्निया बेयरिंग रेशियो परीक्षण उपकरण	50 मिमी व्यास वाले प्लंजर से पैठ परीक्षण कर सड़कों और फर्शों के लिए सबग्रेड शक्ति का मूल्यांकन।
16.	यूनिवर्सल साइल सैंपल एक्सट्रूडर (इलेक्ट्रॉनिक और मैनुअल दोनों संचालन वाला)	मृदा, डामर और कंक्रीट के नमूने निकालने के लिए व्यापक रूप से प्रयुक्त।
17.	सूजन दाब परीक्षण उपकरण (प्रूविंग रिंग और डायल गेज सहित)	स्थिर आयतन विधि द्वारा प्रसारशील मृदाओं का सूजन दाब अनुमान।
18.	स्टैंडर्ड पेनेट्रेशन परीक्षण उपकरण	मृदा (विशेषकर स्थूल दानेदार मृदा) के लिए एस.पी.टी. मान (एन) का निर्धारण।



हाइड्रोमीटर विश्लेषण



स्टैंडर्ड पेनेट्रेशन टेस्ट

### 4. पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को जल और वायु से उत्पन्न होने वाले पर्यावरण प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस प्रयोगशाला में पीएच मीटर, टीडीएस मीटर, डीओ मीटर, यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, बीओडी इनक्यूबेटर, सीओडी मापन उपकरण, वॉटर बाथ, ऑटोक्लेव, सूक्ष्मजीव विश्लेषण संयोजन, आर्सेनिक परीक्षक यंत्र, फ्लोराइड, नाइट्रेट और अमोनिया के लिए इलेक्ट्रोड, टाइट्रेशन टेस्ट किट, शेकर, निस्पंदन संयोजन और जार टेस्ट उपकरण

जैसे यंत्र उपलब्ध हैं, जिनकी सहायता से विद्यार्थी पर्यावरण अभियांत्रिकी के मौलिक सिद्धांतों को समझते हैं। प्रयोगशाला में अत्याधुनिक अनुसंधान उपकरण भी हैं, जिनमें डुअल-बीम यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर शामिल है, जिसका उपयोग धातु आयन, अत्यधिक संयुग्मित कार्बनिक यौगिकों और जैविक मैक्रोमोलेक्यूल्स जैसे विभिन्न विश्लेषकों के मात्रात्मक निर्धारण के लिए किया जाता है। मानक लघु उपकरणों के अतिरिक्त, प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रमुख उपकरण उपलब्ध हैं:

क्र. सं.	उपकरण का नाम	किए गए प्रयोग
1	बीओडी इनक्यूबेटर	दिए गए जल नमूने का बीओडी ज्ञात करने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसका उपयोग विभिन्न पर्यावरणीय विश्लेषणों में भी होता है।
2	माइक्रोबायोलॉजिकल बैक्टीरिया डिटेक्टर	यह उपकरण किसी नमूने में उपस्थित कोशिकाओं या कॉलोनियों की संख्या स्वचालित रूप से गिनता है और यह निर्धारित करता है कि वे जीवित हैं या नहीं।
3	सीओडी डाइजेस्टर	सीओडी डाइजेस्टर का उपयोग अपशिष्ट जल या अन्य तरल नमूनों में रासायनिक ऑक्सीजन मांग मापने के लिए किया जाता है।
4	टर्बिडिटी उपकरण	टर्बिडिटी को उस प्रकाश की तीव्रता से मापा जाता है जो जल नमूने से गुजरते समय बिखरती है।
5	जार टेस्ट उपकरण	जार टेस्ट उपकरण, जिन्हें फ्लोक्युलेटर कहा जाता है, जल शोधन प्रयोगशालाओं में नमूनों के समान मिश्रण और प्रभावी फ्लोक्युलेशन के लिए उपयोग किए जाते हैं।
6	कंडक्टिविटी मीटर	कंडक्टिविटी मीटर किसी द्रव की विद्युत चालकता मापने के लिए प्रयोग किया जाता है, जिससे उसकी धारा प्रवाहित करने की क्षमता ज्ञात होती है।

क्र. सं.	उपकरण का नाम	किए गए प्रयोग
7	पीएच मीटर	पीएच मीटर का उपयोग किसी विलयन की अम्लीयता या क्षारीयता मापने के लिए किया जाता है।
8	टीडीएस मीटर	टीडीएस मीटर जल नमूने में कुल घुलित ठोस पदार्थों की मात्रा मापने के लिए प्रयोग किया जाता है।



मैलापन मीटर



बीओडी परीक्षण

## 5. संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला बार्स के बलकिंग व्यवहार, गेरबर बीम पर प्रभाव रेखा, तीन-कड़ी वाले मेहराब, परवल्यिक मेहराब, दो सहारों पर स्थित बीम के कतरनी बल और झुकाव आघूर्ण, तथा एक-

समतली टूस जैसे उपकरणों से सुसज्जित है। यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों को संरचनात्मक विश्लेषण और अभिकल्पना के मूल सिद्धांतों को देखने, समझने और सत्यापित करने में सक्षम बनाती है।

क्र. सं.	उपकरण का नाम	किए जाने वाले प्रयोग
1	छड़ का बकलिंग व्यवहार	इस उपकरण का उपयोग विभिन्न कारकों, जैसे सामग्री के गुणधर्म और प्रभावी लंबाई, का बार्स के बकलिंग व्यवहार पर प्रभाव अध्ययन करने के लिए किया जाता है।
2	गेरबर बीम पर प्रभाव रेखा	गेरबर बीम पर यह उपकरण गतिशील भारों के कारण उत्पन्न आंतरिक प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने में सहायक है।
3	तीन-कड़ी वाला मेहराब	तीन-कड़ी वाले मेहराब पर स्थिर एवं गतिशील भारों के प्रभाव से उत्पन्न सहारा प्रतिक्रियाओं का अवलोकन करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है।
4	परवल्यिक मेहराब	परवल्यिक मेहराब पर लगाए गए स्थिर और गतिशील भारों से उत्पन्न सहारा प्रतिक्रियाओं का अध्ययन इस उपकरण के माध्यम से किया जाता है।

क्र. सं.	उपकरण का नाम	किए जाने वाले प्रयोग
5	दो सहारों पर स्थित बीम – कतरनी बल एवं झुकाव आघूर्ण	बीम पर लगाए गए बिंदु भारों के कारण उत्पन्न झुकाव आघूर्ण और कतरनी बलों का विश्लेषण करने के लिए यह उपकरण प्रयुक्त होता है।
6	एक-समतली टूस	एक-समतली टूस में बाह्य बल लागू होने पर उत्पन्न बार बलों का मापन इस प्रयोग का मुख्य उद्देश्य है।



छड़ का बकलिंग व्यवहार



शीयर फोर्स और बेंडिंग मोमेंट

## 6. जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला एक प्रयोगात्मक फ्लूम से सुसज्जित है, जिसके माध्यम से दो अनुभागों के बीच का डिस्चार्ज, हेड लॉस, जल की

वेग, तथा जल में तलछट की उपस्थिति के कारण जलस्तर पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे मानकों का मापन किया जा सकता है।

क्र. सं.	उपकरण का नाम	किए जाने वाले प्रयोग
1	बर्नौलीज़ प्रिंसिपल डिमॉन्स्ट्रेटर	<ul style="list-style-type: none"> <li>बर्नौली के सिद्धांत का प्रदर्शन</li> <li>वेंदुरी नोज़ल के साथ दाब का मापन</li> <li>प्रवाह दर गुणांक K का निर्धारण</li> <li>विभिन्न फ्लो मीटरों की तुलना</li> </ul>
2	6-ट्यूब मैनोमीटर पैनल	<ul style="list-style-type: none"> <li>प्रवाह मापन में प्रवाह और दाब के बीच संबंधों की जांच</li> <li>फ्लो गुणांकों का निर्धारण</li> <li>फ्लो मीटरों का कैलिब्रेशन</li> </ul>
3	ऑस्बॉर्न रेनॉल्ड्स डिमॉन्स्ट्रेटर	<ul style="list-style-type: none"> <li>लेमिनार और टर्बुलेंट फ्लो का प्रदर्शन</li> </ul>
4	टर्बाइन सप्लाय यूनिट	<ul style="list-style-type: none"> <li>पेल्टन और फ्रांसिस टर्बाइन की तुलना</li> <li>वेंदुरी फ्लूम का कार्य सिद्धांत</li> <li>डिस्चार्ज गुणांक का निर्धारण</li> </ul>
5	वेंदुरी फ्लूम	<ul style="list-style-type: none"> <li>सबक्रिटिकल और सुपरक्रिटिकल प्रवाह अवस्थाओं के बीच का अंतर</li> <li>फ्रोज संख्या की गणना द्वारा वेंदुरी फ्लूम में प्रवाह अवस्था का निर्धारण</li> <li>ओपन चैनल में बर्नौली समीकरण का प्रयोग</li> </ul>

क्र. सं.	उपकरण का नाम	किए जाने वाले प्रयोग
6	एक्सपेरिमेंटल फ्लूम	<ul style="list-style-type: none"> <li>समान और असमान अपप्रवाह</li> <li>प्रवाह संक्रमण</li> <li>अस्थायी प्रवाह</li> <li>स्टिलिंग बेसिन में ऊर्जा अपव्यय</li> <li>स्लुइस गेट और रेडियल गेट के नीचे का डिस्चार्ज</li> <li>कलवर्ट में अपप्रवाह के प्रकार</li> <li>विभिन्न नदी तल की खुरदरापन अवस्थाएँ</li> <li>विभिन्न बीच परिस्थितियों का सिमुलेशन</li> <li>तलछट परिवहन</li> <li>चैनल और ईसर्ट्स के साथ विभिन्न प्रवाह अवस्थाओं का प्रदर्शन</li> </ul>
7	डिजिटल एक्सपॉमेंटल फ्लूम	<ul style="list-style-type: none"> <li>हाइड्रॉलिक जंप की प्रक्रिया का स्पष्टीकरण</li> <li>हाइड्रॉलिक जंप की दो संयुक्त ऊँचाइयों की गणना</li> <li>ओजी-क्रेस्टेड वीयर और स्की जंप वाले ओजी-क्रेस्टेड वीयर के डिस्चार्ज के बीच अंतर का विश्लेषण</li> <li>रेडियल गेट में मुक्त और अवगमित प्रवाह तथा जेट संकुचन का प्रदर्शन</li> </ul>
8	रेडियल गेट	<ul style="list-style-type: none"> <li>रेडियल गेट के नीचे प्रवाह की गणना</li> <li>हाइड्रॉलिक जंप का अवलोकन</li> </ul>
9	स्लुइस गेट	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्लुइस गेट में मुक्त और अवगमित प्रवाह तथा जेट संकुचन का प्रदर्शन</li> <li>स्लुइस गेट के नीचे प्रवाह की गणना</li> <li>हाइड्रॉलिक जंप का अवलोकन</li> </ul>
10	क्रम्प वीयर	<ul style="list-style-type: none"> <li>क्रम्प वीयर पर मुक्त और अवगमित ओवरफॉल</li> <li>सिल पर डिस्चार्ज</li> </ul>
11	ब्रॉड-क्रेस्टेड वीयर	<ul style="list-style-type: none"> <li>ब्रॉड-क्रेस्टेड वीयर पर मुक्त और अवगमित ओवरफॉल</li> <li>विभिन्न गोल किनारों वाले ब्रॉड-क्रेस्टेड वीयर पर प्रवाह की तुलना</li> </ul>
12	ओजी-क्रेस्टेड वीयर	<ul style="list-style-type: none"> <li>ओजी-क्रेस्टेड वीयर पर हाइड्रोडायनामिक ओवरफॉल</li> <li>वीयर के डाउनस्ट्रीम भाग में विभिन्न प्रवाह स्थितियों के साथ दाब वितरण और नैप पृथक्करण का अध्ययन</li> </ul>



एक्सपेरिमेंटल फ्लूम

## 7. परिवहन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

परिवहन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में राजमार्ग निर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों की गुणवत्ता और मार्ग सतह के मूल्यांकन के लिए आवश्यक सभी मानक परीक्षणों हेतु उपकरण उपलब्ध हैं। यह प्रयोगशाला मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार के भार जैसे कुचलन, घर्षण और आघात भार के अंतर्गत राजमार्ग सामग्रियों के गुणधर्म और उनके व्यवहार का अध्ययन करती है। यहाँ मोटे एग्रीगेट की लंबाई और चपटीपन के गुणों का मापन, सूक्ष्म एवं मोटे एग्रीगेट की जल अवशोषण क्षमता और विशिष्ट गुरुत्व का निर्धारण किया जाता है। साथ ही बिटुमेन की लचक तथा कोमलन बिंदु का परीक्षण भी किया जाता है। मानक छोटे उपकरणों के अतिरिक्त, प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रमुख उपकरण उपलब्ध हैं:



लॉस एंजेलिस घर्षण परीक्षण यंत्र



मार्शल उपकरण



असफाल्ट सामग्री परीक्षण यंत्र



असफाल्ट मिक्सर



स्किड रेज़िस्टेन्स टेस्टर

क्र. सं.	उपकरण का नाम	किए जाने वाले प्रयोग
1	अस्फाल्ट कॉन्टेन्ट टेस्टर	यह उपकरण मिश्रण में अस्फाल्ट का प्रतिशत ज्ञात करने के लिए उपयोग किया जाता है। इसमें सामान्यतः एक हीटिंग यूनिट और सेंटीपीयूज होता है, जो मिश्रण से अस्फाल्ट को अलग करता है।
2	अस्फाल्ट मिक्सर	अस्फाल्ट प्लांट या अस्फाल्ट मिक्सिंग प्लांट वह संयंत्र है जिसका उपयोग सूखे और गर्म एग्रीगेट, पाउडर तथा अस्फाल्ट को आवश्यक तापमान पर समान रूप से मिश्रित करने के लिए किया जाता है।
3	इलेक्ट्रिक ओवन	इलेक्ट्रिक ओवन विद्युत तत्वों (कॉइल या ट्यूब) की सहायता से गर्मी उत्पन्न करता है। यह तत्व विद्युत ऊर्जा को प्रतिरोध की प्रक्रिया द्वारा ऊष्मा में परिवर्तित करता है।
4	अस्फाल्ट मिक्सचर डेंसिटी मीटर	यह उपकरण वैक्यूम विधि द्वारा अस्फाल्ट मिश्रण की सैद्धांतिक घनत्व ज्ञात करने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसका उपयोग अस्फाल्ट मिश्रण की डिजाइन, सड़क की स्थिति के अध्ययन, छिद्रता और सघनता की गणना तथा सड़क निर्माण की गुणवत्ता प्रबंधन में किया जाता है।
5	सेंटीपीयूज एक्सट्रैक्टर	यह उपकरण निर्दिष्ट विलायकों का उपयोग करके अस्फाल्ट पेविंग मिश्रणों से बिटुमेन को निकालकर उसमें उपस्थित बिटुमेन का प्रतिशत ज्ञात करने के लिए प्रयुक्त होता है।
6	मार्शल एपरेटस	यह उपकरण बेलनाकार बिटुमिनस मिश्रण नमूनों की पार्श्व सतह पर लोड लगाए जाने पर उनके प्लास्टिक प्रवाह के प्रतिरोध को मापने के लिए प्रयोग किया जाता है।
7	फिल्म स्ट्रिपिंग डिवाइस	यह उपकरण बिटुमिनस मिश्रण में अस्फाल्ट के एग्रीगेट कणों से अलग होने के प्रतिरोध को मापने के लिए उपयोग किया जाता है। सामान्यतः इसका उपयोग खनिज एग्रीगेट के मूल्यांकन तथा बिटुमिनस पदार्थों के आसंजन का आकलन करने के लिए किया जाता है।
8	विस्कोमीटर बाथ	यह उपकरण द्रव अस्फाल्ट की गतिशील और काइनेमेटिक सान्द्रता को निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाता है, जिसमें केपिलरी प्रकार के विस्कोमीटर को समान तापमान पर रखा जाता है।
9	स्किड रेजिस्टेन्स टेस्टर	यह उपकरण एक रबर स्लाइडर (जो एक पेंडुलम आर्म के सिरे पर लगा होता है) और परीक्षण सतह के बीच फिसलन प्रतिरोध को मापने के लिए प्रयोग किया जाता है।
10	डक्टिलिटी टेस्टिंग मशीन	यह उपकरण बिटुमिनस पदार्थों की लचकता ज्ञात करने के लिए प्रयुक्त होता है। इसमें एक साँचे में रखे गए नमूने को 50 मिमी प्रति मिनट की स्थिर गति से खींचा जाता है और टूटने की लंबाई को मापा जाता है। यह एक साथ तीन नमूनों के परीक्षण के लिए बनाया गया है।
11	सेबॉल्ट विस्कोमीटर	सेबॉल्ट विस्कोमीटर एक उपकरण है जो पेट्रोलियम तेलों की सान्द्रता को मापने के लिए उपयोग किया जाता है। यह इस पर आधारित है कि एक निश्चित मात्रा में तेल नियंत्रित तापमान पर एक छिद्र से होकर कितने सेकंड में 60 मिलीलीटर की मात्रा वाले पात्र में एकत्रित होता है।
12	मैस्टिक अस्फाल्ट टेस्ट मशीन	यह उपकरण अस्फाल्ट सामग्री की कठोरता ज्ञात करने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसकी संरचना में सीधा ऊर्ध्वाधर लोडिंग तंत्र होता है, जिसमें भार थ्रस्ट बियरिंग पर रहता है, जिससे लोड नमूने पर बिना किसी झटके के लागू होता है।
13	रिंग एंड बॉल एपरेटस	यह उपकरण उस तापमान को ज्ञात करने के लिए प्रयोग किया जाता है जिस पर एक निर्दिष्ट भार वाले स्टील बॉल के साथ बिटुमिनस नमूना, निर्दिष्ट स्थितियों में गर्म करने पर एक निश्चित दूरी तक नीचे गिरता है।
14	स्टैंडर्ड पेनिट्रोमीटर	यह उपकरण एक मापांकित छड़ से बना होता है जिसके सिरे पर शंकु या सुई के आकार का सिरा होता है। इसे मिट्टी में लंबवत दबाया जाता है और गहराई तथा प्रतिरोध को मापा जाता है। इस प्रकार का पेनिट्रोमीटर सामान्यतः मिट्टी की सघनता के परीक्षण में उपयोग किया जाता है।
15	लॉस एंजेलिस टेस्टिंग मशीन	यह उपकरण इस बात को मापता है कि मानक ग्रेडिंग वाले एग्रीगेट्स घर्षण और आघात के प्रभाव में एक घूमने वाले स्टील ड्रम में स्टील बॉल के साथ कितनी हानि या अपघटन सहन करते हैं।

क्र. सं.	उपकरण का नाम	किए जाने वाले प्रयोग
16	रोटरी हाई वैक्यूम पंप	रोटरी हाई वैक्यूम पंप के संचालन के दौरान, गैस अणु इनलेट से पंप में प्रवेश करते हैं और रोटर के असमान माउंटिंग के कारण उत्पन्न स्थान में पहुँचते हैं। यह अर्धवृत्ताकार गैस आयतन संपीड़ित होकर निकास वाल्व को खोल देता है जिससे गैस बाहर निकल जाती है।

### परामर्श एवं परीक्षण

सिविल अभियांत्रिकी विभाग निर्माण सामग्रियों के परीक्षण, भू-तकनीकी जांच, संरचनात्मक ऑडिट आदि के लिए परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है। वित्तीय वर्ष 2023-2024 में विभाग द्वारा किए गए प्रमुख परामर्श एवं परीक्षण कार्य निम्न तालिका में प्रदर्शित हैं :-

क्र. सं.	परामर्श विवरण	ग्राहक विवरण	प्रमुख अन्वेषक	परामर्श शुल्क (₹.)
1	पाक्योग एयरपोर्ट का संरचनात्मक ऑडिट	एएआई पाक्योग	डॉ. जॉय पाल, डॉ. अनिर्बान बनिक, डॉ. अंकित भारद्वाज	4,74,576.27/-
2	कूचबिहार एयरपोर्ट का संरचनात्मक ऑडिट	एएआई बागडोगरा	डॉ. जॉय पाल, डॉ. अनिर्बान बनिक, डॉ. अंकित भारद्वाज, डॉ. नीलांजन दत्ता	6,00,000.00/-
3	जेएनवी रोहतक, सोरेंग का संरचनात्मक ऑडिट	जेएनवी रोहतक, सोरेंग	डॉ. के. के. मोर्य, डॉ. अंकित भारद्वाज	4,23,728.80/-

### मुख्य वक्ता / विशेषज्ञ व्याख्यान

विषय	स्थान एवं तिथि	वक्ता
सिविल अभियांत्रिकी में सामग्री, विधियाँ एवं तकनीकें	आनंद इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, 24 फरवरी - 1 मार्च 2025	डॉ. नारायण डॉ. अंकित भारद्वाज
उभरती सामग्रियाँ एवं सतत सिविल अभियांत्रिकी अवसंरचना विकास	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम 13 - 17 सितंबर 2024	डॉ. राम शंकर, डॉ. शशि नारायण, डॉ. अनुपम रावत, डॉ. कश्यप पटेल, डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. जितेश चावड़ा, डॉ. जितेंद्र सिंह यादव, डॉ. अभिषेक शर्मा, डॉ. विशिष्ट भैया, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. रूप किशोर, डॉ. अमरदीप दहिया
संरचनात्मक डिजाइन एवं भू-तकनीकी समाधान पर एक सप्ताहीय कार्यशाला (मिडास सॉफ्टवेयर के उपयोग द्वारा)	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम 21 - 25 अप्रैल 2025	श्री विक्रान्त विजय पार्थे एवं श्री पुनिथ कुमार एन
सतत अवसंरचना हेतु उन्नत सामग्रियाँ	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम 5 - 9 जून 2025	इंजी. प्रसन्ना कुमार पंडित, डॉ. कनिका सक्सेना, डॉ. प्रकाश सोनी, डॉ. अमरदीप दहिया, डॉ. बिनीत कुमार, डॉ. शेख महाबू सुभानी, डॉ. अंकित भारद्वाज, डॉ. संदीप सिंह एवं श्री रूपम सैकिया



शैक्षणिक क्षेत्र भ्रमण – एस.टी.पी. आदमपूल, गंगटोक



### विभागीय समितियां / प्रकोष्ठ

**शैक्षणिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (एपीईसी) (स्नातक कार्यक्रमों के नियम एवं विनियम की धारा संख्या 2.8 के अनुसार)**

1. सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष
2. डॉ. अंकित भारद्वाज (संयोजक, डीयूजीसी)
3. डॉ. नीलांजन दत्ता (संकाय सलाहकार, चतुर्थ वर्ष)
4. डॉ. कृष्ण कुमार मौर्य (संकाय सलाहकार, तृतीय वर्ष)
5. डॉ. नारायण (संकाय सलाहकार, द्वितीय वर्ष)
6. डॉ. अनिर्बान बनिक (विभागाध्यक्ष द्वारा नामित संकाय सदस्य)
7. डॉ. सुमित साहा (डीन अकादमिक द्वारा नामित संकाय सदस्य)

**विभागीय संकाय बोर्ड (डीएफबी) (स्नातक कार्यक्रमों के नियम एवं विनियम की धारा संख्या 2.9 के अनुसार)**

1. डॉ. जॉय पाल, विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग
2. डॉ. कृष्ण कुमार मौर्य (सदस्य)
3. डॉ. अंकित भारद्वाज (सदस्य)
4. डॉ. अनिर्बान बनिक (सदस्य)
5. डॉ. नीलांजन दत्ता (सदस्य)
6. डॉ. नारायण (सदस्य)
7. डॉ. अंकुश कुमार (सदस्य)

**विभागीय स्नातक समिति (डीयूजीसी) (स्नातक कार्यक्रमों के नियम एवं विनियम की धारा संख्या 2.10 के अनुसार)**

1. डॉ. अंकित भारद्वाज (संयोजक, डीयूजीसी)
2. डॉ. जॉय पाल (विभागाध्यक्ष)
3. डॉ. कृष्ण कुमार मौर्य (संयोजक, डीपीजीसी)

4. डॉ. अनिर्बान बनिक (विभागाध्यक्ष द्वारा नामित संकाय सदस्य)
5. डॉ. नीलांजन दत्ता (विभागाध्यक्ष द्वारा नामित संकाय सदस्य)
6. डॉ. अंकुश कुमार (सदस्य)

**डिपार्टमेंटल एग्जामिनेशन सेल कमेटी इस तरह बनाई गई है:**

1. विभागाध्यक्ष (संयोजक)
2. डॉ. अनिर्बान बनिक (समन्वयक)
3. डॉ. नीलांजन दत्ता (सदस्य)
4. श्री सुमित कुमार (सदस्य)
5. श्री सोनू शर्मा (सदस्य)
6. श्रीमती चंदा मोकतान (सदस्य)
7. सुश्री प्रनीशा छेत्री (सदस्य)
8. श्री राजेश भट्टाराई (सदस्य)

**अन्य विभागीय जिम्मेदारियाँ:**

1. प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट: डॉ. कृष्ण कुमार मौर्य (समन्वयक), डॉ. नारायण (सदस्य)
2. प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित कार्य: डॉ. कृष्ण कुमार मौर्य (समन्वयक), डॉ. नारायण (सदस्य)
3. समय-सारणी (टाइमटेबल): डॉ. अनिर्बान बनिक (समन्वयक), डॉ. नीलांजन दत्ता (सदस्य)

**विभागीय प्रवेश समिति (डीएसी) (पीएच.डी. प्रवेश के मूल्यांकन एवं परीक्षा प्रक्रिया हेतु प्रस्तावित)**

1. डॉ. जॉय पाल (विभागाध्यक्ष, सीई एवं संयोजक, डीएसी)
2. डॉ. अनिर्बान बनिक (सदस्य)
3. डॉ. के. के. मौर्य (संयोजक, डीपीजीसी)

4. डॉ. अंकित भारद्वाज (संयोजक, डीयूजीसी)
5. डॉ. रंजन बसाक (अन्य विभाग से सदस्य)

**डिपार्टमेंटल पोस्टग्रेजुएट कमेटी (DPGG), [Ph.D. प्रोग्राम के लिए रूल्स और रेगुलेशन का क्लॉज़ नंबर 2.4]**

1. डॉ. कृष्ण कुमार मौर्य (संयोजक, डीपीजीसी)
2. डॉ. जॉय पाल (विभागाध्यक्ष)
3. डॉ. अंकित भारद्वाज (संयोजक, डीयूजीसी)

## शोध एवं प्रकाशन

### पत्रिका लेख

1. अंकुश कुमार और रंजन चौधरी (2025)। अपशिष्ट से प्राप्त रबर और तेल संशोधक द्वारा मिश्रित अस्फाल्ट बाइंडर संशोधन – एक व्यापक समीक्षा। जर्नल ऑफ ट्रांसपोर्ट इंजीनियरिंग (अंग्रेज़ी संस्करण), एल्सेवियर। (स्वीकृत, प्रकाशनाधीन) [ईएससीआई एवं स्कोपस सूचीबद्ध] [प्रभाव कारक: 7.4]
2. सस्वत विश्वप्रिय दाश, रंजन चौधरी, अंकुश कुमार और आशीष शर्मा (2025)। तापमान और नमी के संयुक्त प्रभाव के अंतर्गत स्टोन मैट्रिक्स अस्फाल्ट में एग्रीगेट बॉन्ड स्लिपेज विफलताओं की जांच। जर्नल ऑफ मटेरियल्स इन सिविल इंजीनियरिंग, एएससीआई। (स्वीकृत, प्रकाशनाधीन) [एससीआई एवं स्कोपस सूचीबद्ध] [प्रभाव कारक: 3.1]
3. आशीष शर्मा, रंजन चौधरी, सस्वत विश्वप्रिय दाश और अंकुश कुमार (2025)। प्राकृतिक केले के रेशे के लिए क्षारीय उपचार पैरामीटरों के अनुकूलन और ओपन ग्रेडेड फ्रिक्शन कोर्स मिश्रणों में स्थिरकारी के रूप में इसकी भूमिका पर अध्ययन। जर्नल ऑफ मटेरियल्स इन सिविल इंजीनियरिंग, एएससीआई। (स्वीकृत, प्रकाशनाधीन) [एससीआई एवं स्कोपस सूचीबद्ध] [प्रभाव कारक: 3.1]
4. आशीष शर्मा, रंजन चौधरी, संजय कुमार निर्मल और अंकुश कुमार (2025)। प्राकृतिक केले के रेशे द्वारा ओपन ग्रेडेड फ्रिक्शन कोर्स मिश्रणों के रटिंग प्रदर्शन में सुधार। इंडियन हाईवेज, इंडियन रोड्स कांग्रेस, 53(5), 36–51।
5. नरेश एम., कुमार वी., एवं पाल जे. (2024)। बहुमंजिला 3डी स्टील फ्रेम संरचना के जोड़ों के स्वास्थ्य निगरानी हेतु कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क आधारित तकनीक। मल्टीस्केल एंड मल्टीडिसिप्लिनरी मॉडलिंग, एक्सपेरिमेंट्स एंड डिज़ाइन, 7(5), 4947–4963।
6. सहारण एन., कुमार पी., एवं पाल जे. (2024)। पवन टरबाइन ब्लेड के लिए कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क आधारित संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी ढांचा। जर्नल ऑफ वाइब्रेशन एंड कंट्रोल, 30(19–20), 4650–4664।

4. डॉ. अनिर्बान बनिक (विभागाध्यक्ष द्वारा नामित संकाय सदस्य)
5. डॉ. रंजन बसाक (अन्य विभाग से संकाय सदस्य)

**यूजी रूल्स एंड रेगुलेशन जून 2019 (क्ल.4.5) के अनुसार संकाय सलाहकार**

1. डॉ. नीलांजन दत्ता (संकाय सलाहकार, चतुर्थ वर्ष)
2. डॉ. कृष्ण कुमार मौर्य (संकाय सलाहकार, तृतीय वर्ष)
3. डॉ. नारायण (संकाय सलाहकार, द्वितीय वर्ष)

7. नरेश एम., कुमार वी., पाल जे., सिकदर एस., बनर्जी एस., एवं बनर्जी पी. (2024)। स्टील संरचनाओं के जोड़ों की स्वास्थ्य निगरानी पर एक व्यापक समीक्षा। स्मार्ट मटेरियल्स एंड स्ट्रक्चर्स।
8. पलसारा सी., कुमार वी., पाल जे., एवं नरेश एम. (2024)। मशीन लर्निंग एल्गोरिथम का उपयोग कर एएससीआई बेंचमार्क बिल्डिंग की संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी। एशियन जर्नल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, 25(1), 303–316।
9. नरेश एम., कुमार वी., एवं पाल जे. (2024)। कंपन डेटा के सांख्यिकीय गुणों का उपयोग कर स्टील फ्रेम संरचना की स्वास्थ्य निगरानी हेतु मशीन लर्निंग दृष्टिकोण। एशियन जर्नल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, 25(1), 39–49।
10. दत्ता, एन., डे, पी., और पाल, जे. (2025)। जलीय घोल से मैलापन हटाने के लिए मशीन लर्निंग का अनुकूलन और मॉडलिंग का अनुप्रयोग। एनवायर्नमेंटल प्रोग्रेस एंड सस्टेनेबल एनर्जी, 44(1), e14494.

### सम्मेलन

1. सन्नी कुमार, रंजन चौधरी एवं अंकुश कुमार। पॉलिमर एवं रबर संशोधित बाइंडर तथा वॉर्म मिक्स एडिटिव के साथ स्टोन मैट्रिक्स अस्फाल्ट मिश्रणों के मिश्रण एवं सघनन तापमानों पर अध्ययन। 8वां कॉन्फ्रेंस ऑफ ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च ग्रुप ऑफ इंडिया (सीटीआरजी-2025), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, असम, भारत, 17–20 दिसंबर 2025।
2. आशीष शर्मा, रंजन चौधरी, सस्वत विश्वप्रिय दाश एवं अंकुश कुमार (2025)। बिटुमिनस मिश्रणों में उपयोग हेतु प्राकृतिक रेशे का उपचार। 3<sup>rd</sup> इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंस्ट्रक्शन मटेरियल्स एंड स्ट्रक्चर्स (आईसीसीएमएस 2025) – सिनर्जी ऑफ मटेरियल्स एंड स्ट्रक्चर्स (एसएमएस), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति, आंध्र प्रदेश, भारत, 3–5 जुलाई 2025।

- अंकुश कुमार, रंजन चौधरी एवं मधुलिशा पटनायक। पाइरोलिसिस तेल एवं अपशिष्ट रबर से संशोधित बिटुमेन के उच्च तापमान रियोलॉजिकल प्रदर्शन का मूल्यांकन। 4<sup>th</sup> इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट डेवलपमेंट्स इन सस्टेनेबल इन्फ्रास्ट्रक्चर (आईसीआरडीएसआई 2024-25), केआईआईटी भुवनेश्वर, भारत, 20-22 मार्च 2025।
- आशीष शर्मा, रंजन चौधरी, अंकुश कुमार एवं सस्वत विश्वप्रिय दाश। ओपन ग्रेडेड अस्फाल्ट फ्रिक्शन कोर्सेस के रखरखाव की रणनीतियाँ – एक व्यापक समीक्षा। 4<sup>th</sup> इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट डेवलपमेंट्स इन सस्टेनेबल इन्फ्रास्ट्रक्चर (आईसीआरडीएसआई 2024-25), केआईआईटी भुवनेश्वर, भारत, 20-22 मार्च 2025।
- रंजन चौधरी, आशुतोष कुमार सिंह, सस्वत विश्वप्रिय दाश, आशीष शर्मा एवं अंकुश कुमार। रिच डेंस बिटुमिनस मिश्रणों के यांत्रिक गुणों का मूल्यांकन। 4<sup>th</sup> इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट डेवलपमेंट्स इन सस्टेनेबल इन्फ्रास्ट्रक्चर (आईसीआरडीएसआई 2024-25), केआईआईटी भुवनेश्वर, भारत, 20-22 मार्च 2025।
- नारायण, कृष्ण कांत पाठक। भारतीय संदर्भ में भूकंपीय बल प्रतिरोध के लिए बकलिंग रेस्ट्रेंट ब्रेस की व्यवहार्यता। इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसेड इन स्ट्रक्चरल एंड जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग (एएसएजीई-25), डीसीईई, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना, बिहार, भारत, 6-8 फरवरी 2025।

## सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ / छात्र संघ

**निर्माण: सिविल इंजीनियरिंग विभागीय क्लब, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम**  
परिचय

'निर्माण' राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के सिविल इंजीनियरिंग विभाग का आधिकारिक क्लब है। यह क्लब नवोदित सिविल इंजीनियरों में तकनीकी ज्ञान, व्यावसायिक कौशल और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। यह एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है, जहाँ विद्यार्थी सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में खोज, नवाचार और योगदान के अवसर प्राप्त करते हैं।

## उद्देश्य

'निर्माण' का मुख्य उद्देश्य कक्षा आधारित शिक्षण और वास्तविक इंजीनियरिंग चुनौतियों के बीच की दूरी को कम करना है। यह क्लब विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता, नेतृत्व क्षमता और टीमवर्क कौशल को विकसित करने के साथ-साथ सिविल इंजीनियरिंग में सतत विकास और नवाचार को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।

## मुख्य केंद्रित क्षेत्र

### 1. तकनीकी कौशल विकास

- सिविल इंजीनियरिंग में उभरते रुझानों जैसे सतत निर्माण, जीआईएस और रिमोट सेंसिंग, तथा स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर पर कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और अतिथि व्याख्यानो का आयोजन।
- विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने हेतु सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण सत्रों (जैसे ऑटोकैड, स्टैड प्रो, प्राइमेवेरा) का संचालन।

### 2. नवाचार और अनुसंधान

- तकनीकी प्रतियोगिताओं, पेपर प्रस्तुतियों और लघु अनुसंधान परियोजनाओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
- समुदाय और उद्योग की आवश्यकताओं से मेल खाते नवोन्मेषी छात्र परियोजनाओं को समर्थन प्रदान करना।

### 3. उद्योग से संवाद

- औद्योगिक भ्रमण, विशेषज्ञ वार्ता और पूर्व छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग विशेषज्ञों के साथ संबंध स्थापित करना।
- विद्यार्थियों को वास्तविक निर्माण स्थलों और कार्यप्रणालियों का अनुभव प्रदान करना।

### 4. सामुदायिक जुड़ाव और सततता

- अभियंत्रण के सतत अभ्यासों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु अभियानों और जनजागरण कार्यक्रमों का आयोजन।
- विद्यार्थियों को सामाजिक परियोजनाओं जैसे कम लागत वाले आवास समाधान और जल संरक्षण पहलों में सम्मिलित करना।

## वर्तमान सदस्यगण

क्रम सं.	पद	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	संपर्क नंबर
1	संयोजक	निरंकुश भारद्वाज	B220110CE	9435787357
2	सचिव	मुस्कान	B220107CE	8957761373
3	कोषाध्यक्ष	आयुष भूषण	B220098CE	7488252185

क्रम सं.	पद	विद्यार्थी का नाम	अनुक्रमांक	संपर्क नंबर
1	सोशल मीडिया प्रभारी	अंकित पटेल	B220097CE	9305700161
2	ग्राफिक्स प्रभारी	हिमांशु रंजन	B220103CE	8539878293
3	सामग्री प्रभारी	गौरव कृष्ण	B220102CE	7310018091
4	सामग्री प्रभारी	शेरिंग टी भूटिया	B220121CE	8927788071
5	खेल प्रभारी	प्रिस कुमार	B220113CE	7250465717
6	खेल प्रभारी	मोहम्मद औरंगजेब	B220106CE	9775014346

## आयोजित विगत कार्यक्रमों की सूची (01/04/2024 से 01/04/2025 के बीच)

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि
1.	आर्किटेक्चरल आर्टिस्ट्री	13/04/2024
2.	ओरिएंटेशन (बैच 2023-27)	03/05/2024
3.	वार्ता सत्र	19/10/2024

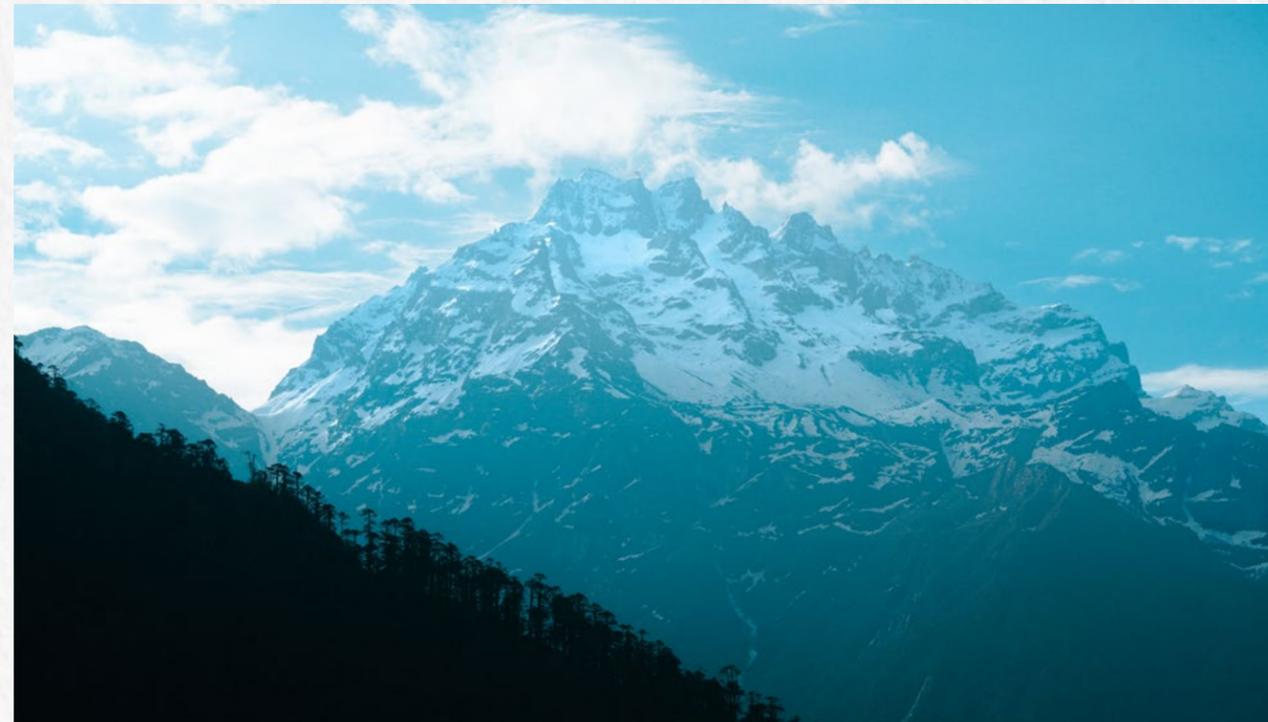
## वर्तमान शोधार्थी

क्रम सं.	विद्यार्थी का नाम एवं अनुक्रमांक	शोध क्षेत्र	पर्यवेक्षक
1	सुश्री नेहा ठाकुर (phce230032@nitsikkim.ac.in)	अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग कर ईट निर्माण	डॉ. जॉय पाल
2	प्रियंका शर्मा (phce230033@nitsikkim.ac.in)	जियोपॉलिमर कंक्रीट	डॉ. जॉय पाल
3	सुमित कुमार (phce240019@nitsikkim.ac.in)	पृथ्वी धारण संरचनाएँ	डॉ. अंकित भारद्वाज

## अंतिम वर्ष स्नातक परियोजनाएँ (बैच 2021-2025)

क्रम सं.	पर्यवेक्षक	परियोजना का शीर्षक	विद्यार्थी का नाम एवं अनुक्रमांक	क्षेत्र
1	डॉ. अंकित भारद्वाज	स्टील-कंक्रीट मिश्रित पुल का विश्लेषण एवं डिजाइन	दीपेन कार्की (B210104CE)	संरचनात्मक
			नीरज कुमार (B210108CE)	अभियांत्रिकी
			संध्या कुमारी (B210118CE)	
2	डॉ. जाय पाल	बंधवार, बिहार में इंटरज ओवरहेड वाटर टैंक का विश्लेषण एवं डिजाइन	दीपु कुमार (B210105CE)	संरचनात्मक
			मिंटु कुमार (B210107CE)	अभियांत्रिकी
			राज सिंह (B210114CE)	
3	डॉ. नारायण	बीम के लिए नए प्रकार के शियर सुट्टीकरण का विकास	रितेश शर्मा (B200016CE)	संरचनात्मक
			विवेक निरोला (B210103CE)	अभियांत्रिकी

क्रम सं.	पर्यवेक्षक	परियोजना का शीर्षक	विद्यार्थी का नाम एवं अनुक्रमांक	क्षेत्र
4	डॉ. कृष्ण कुमार मौर्य	संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी ठंडे क्षेत्रों में कंक्रीट पर त्वरक मिश्रण के प्रभाव का अध्ययन	आयुष सागर (B210102CE)	संरचनात्मक
			अभय गुप्ता (B210098CE)	अभियांत्रिकी
			शशिकांत दास (B210119CE)	
5	डॉ. अंकुश कुमार	स्टोन डस्ट का उपयोग कर सबग्रेड मृदा स्थिरीकरण पर अध्ययन सबग्रेड प्रदर्शन पर बाँस की पत्तियों की राख के प्रभाव का अध्ययन	अश्विन लम्साल (B210101CE)	संरचनात्मक
			श्रिषांत प्रधान (B210121CE)	अभियांत्रिकी
			आदित्य (B210100CE)	
			प्रिय रंजन (B210110CE)	
			अमित नेगी (B200019CE)	परिवहन
6	डॉ. नीलांजन दत्ता	चावल की भूसी की राख द्वारा आंशिक सीमेंट प्रतिस्थापन से कंक्रीट की शक्ति एवं स्थायित्व में वृद्धि अपशिष्ट जल उपचार हेतु संशोधित ग्रेन्युलर सक्रिय कार्बन द्वारा रासायनिक ऑक्सीजन मांग (सीओडी) की निकासी	सिद्धार्थ रंजन (B210122CE)	अभियांत्रिकी
			आत्सुर ग्यात्सो लेप्चा (B210097CE)	
			शिवा सिंह (B210120CE)	
			प्रणिता रिजाल शर्मा (B210109CE)	पर्यावरण
7	डॉ. अनिर्बान बनिक	तरंगित खुरदरी सतह पर हाइड्रोलिक जम्प का प्रायोगिक एवं संख्यात्मक अनुकरण	अभिषेक लिम्बू (B210099CE)	अभियांत्रिकी
			रिया भगत (B210115CE)	
			पुष्कर श्रीवास्तव (B210112CE)	
			साई आशीर्वाद (B210116CE)	जल संसाधन अभियांत्रिकी



## गणित विभाग

गणित विश्व की वैज्ञानिक क्रांति का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है, और भारत ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। प्राचीन भारत अपने गणितज्ञों और उनकी क्रांतिकारी अवधारणाओं के लिए प्रसिद्ध रहा है। आर्यभट्ट, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त और भास्कर द्वितीय अपने समय के प्रमुख पथप्रदर्शक थे। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैदिक काल तक भारत ने 'व्यावहारिक गणित' की नींव रखी, जिसमें ऐसे गणितीय उपकरणों का विकास हुआ जिनका सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ा।

गणित विज्ञान, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी के सभी क्षेत्रों का अभिन्न एवं मौलिक भाग है। गणित विभाग की स्थापना वर्ष 2010 में संस्थान के आरंभ से ही हुई। प्रारंभ से ही विभाग विद्यार्थियों को विषय में मजबूत आधार प्रदान करने हेतु सतत प्रयासरत रहा है। इस विषय में सुदृढ़ नींव विद्यार्थियों को शैक्षणिक, वास्तविक एवं शोध संबंधी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम बनाती है। सामान्यतः, उत्कृष्ट गणितीय दक्षता रखने वाले विद्यार्थी बेहतर और सुविचारित निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। विभाग सक्रिय रूप से स्नातक एवं पीएच.डी. विद्यार्थियों के शिक्षण कार्य में संलग्न है। विभाग वर्तमान में सभी शाखाओं के स्नातक विद्यार्थियों के लिए दो अनिवार्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है — गणित-I और गणित-II। इसके अतिरिक्त, विभाग सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए गणित-III तथा कंप्यूटर साइंस, विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए कम्प्यूटेशनल गणित भी पढ़ाता है। पीएच.डी. विद्यार्थियों के लिए विभाग उनके शोध और व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार कई वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी प्रस्तुत करता है। विभाग संचालन अनुसंधान और स्पेक्ट्रल ग्राफ सिद्धांत में पीएच.डी. कार्यक्रम भी संचालित करता है। संचालन अनुसंधान में विश्लेषणात्मक विधियों का उपयोग बेहतर निर्णय लेने के लिए किया जाता है, इसीलिए यह व्यावहारिक दृष्टिकोण से अत्यंत उपयोगी विषय माना जाता है। स्पेक्ट्रल ग्राफ सिद्धांत ग्राफ से संबंधित मैट्रिक्सों के स्वमूल्य और स्ववेक्टर के माध्यम से ग्राफ के गुणों का अध्ययन करती है।

### ध्येय

विभाग की दृष्टि देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में गणितीय कौशल को विकसित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्रों में से एक बनना है। विभाग अधिकाधिक पीएच.डी. विद्यार्थियों को प्रवेश देकर उत्कृष्ट शोध एवं सहयोग का मार्ग प्रशस्त करना चाहता है। आगे बढ़ते हुए, विभाग अनुप्रयुक्त गणित और सांख्यिकी पर आधारित परियोजनाएँ लेकर देश और सिकिम राज्य के विकास में योगदान देना चाहता है।

### लक्ष्य

विभाग का उद्देश्य गणित के क्षेत्र में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों दोनों के लिए उत्कृष्टता प्राप्त करना है। हमारा मिशन युवा विद्यार्थियों में गणित के प्रति ऐसी जिज्ञासा उत्पन्न करना है जिससे वे इसे स्वयं अन्वेषण करें।

“  
गणित मानव  
मस्तिष्क की  
सबसे सुंदर और  
सबसे शक्तिशाली  
रचना है।

— स्टेफ़न बानाख

“  
किसी भी विषय  
में गहराई तक  
उतरिए, वहाँ  
आपको गणित  
अवश्य मिलेगा।

— डीन शिल्क्वटर

साथ ही, विभाग शिक्षण, शोध और गणित के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समान प्राथमिकता देता है। विभाग के सभी पाठ्यक्रम समय-समय पर प्रतिष्ठित संस्थानों एवं उद्योग विशेषज्ञों की सलाह से अद्यतन किए जाते हैं।

## मूल्य

विभाग समावेशी शिक्षा और खुली चर्चा की भावना में विश्वास रखता है तथा विद्यार्थियों में अच्छे नैतिक और आचारिक मूल्य विकसित करने का

प्रयास करता है। शिक्षण, शोध प्रकाशन या एल्गोरिथ्म विकास — हर स्तर पर विभाग समानता और अवसर की भावना को बढ़ावा देता है। साथ ही, विभाग शिक्षा के प्रति समग्र दृष्टिकोण को भी पोषित करने में विश्वास रखता है।

## संकाय विवरण

### डॉ. रवि श्रीवास्तव

असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष  
पीएच.डी. (आईआईटी गुवाहाटी – 2012), नेट-जेआरएफ, गेट, एम.एससी. (बीएचयू, वाराणसी),  
बी.एससी. (उदई प्रताप स्वायत्तशासी महाविद्यालय, वाराणसी)  
**अनुसंधान क्षेत्र:** स्पेक्ट्रल ग्राफ सिद्धांत

### डॉ. अरूप कुमार माइती

अस्थायी संकाय सदस्य  
पीएच.डी. (एचआरआई प्रयागराज – 2013), नेट-जेआरएफ, गेट, एम.एससी. (आईआईईएसटी शिवपुर),  
बी.एससी. (विद्यासागर विश्वविद्यालय)  
**अनुसंधान क्षेत्र:** यूक्लिडीय हार्मोनिक विश्लेषण

### डॉ. ओम प्रकाश

असिस्टेंट प्रोफेसर  
पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर – 2013), नेट-जेआरएफ, एम.एससी. (बीएचयू, वाराणसी),  
बी.एससी. (वी.बी.एस. पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर)  
**अनुसंधान क्षेत्र:** उत्पादन नियोजन एवं भंडारण नियंत्रण, परिचालन अनुसंधान, गणितीय वित्त

## विभागीय समितियां

क्रम सं.	संकाय सदस्यों के नाम	समिति का नाम
1.	i) डॉ. ओम प्रकाश (संयोजक)	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)
	ii) डॉ. रवि श्रीवास्तव (सदस्य एवं विभागाध्यक्ष)	
	iii) डॉ. अनिद्य बिस्वास (सदस्य)	भौतिकी विभाग
	iv) डॉ. प्रदीप कुमार (सदस्य)	इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग

## शोधार्थियों का विवरण

क्रम सं.	शोधार्थी	मार्गदर्शक	शोध क्षेत्र
1.	सुश्री नीपा बिस्वास	डॉ. ओम प्रकाश	भंडारण मॉडल
2.	श्री सत्याम गुरगैन	डॉ. रवि श्रीवास्तव	स्पेक्ट्रल ग्राफ सिद्धांत
3.	श्री विशाल सोनार	डॉ. रवि श्रीवास्तव	स्पेक्ट्रल ग्राफ सिद्धांत
4.	श्री शुभम प्रियदर्शी	डॉ. ओम प्रकाश	परिचालन अनुसंधान
5.	सुश्री आरती शर्मा	डॉ. रवि श्रीवास्तव	स्पेक्ट्रल ग्राफ सिद्धांत

## कार्यशालाएँ / सम्मेलनों में संकाय सदस्यों एवं पीएच.डी. छात्रों की भागीदारी

- डॉ. रवि श्रीवास्तव ने "नेशनल वर्कशॉप ऑन एल्जेब्रा एंड इट्स एप्लिकेशन" में एक सत्र की अध्यक्षता की, जो गणित विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा 18 से 23 नवंबर 2024 के दौरान आयोजित की गई।
- डॉ. रवि श्रीवास्तव ने "ऑन द स्पेक्ट्रम ऑफ साइनड ग्राफ प्रोडक्ट एंड इट्स एप्लिकेशन" शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया, जो "इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मैथमैटिकल साइंसेस एंड इट्स एप्लिकेशन" में श्री तेग बहादुर खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 15 से 17 अप्रैल 2024 के दौरान आयोजित किया गया।
- श्री सत्याम गुरगैन ने "एडवांसेस इन ग्राफ थ्योरी एंड लिनियर एल्जेब्रा (एजीटीएलए)" विषय पर 5-दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में सफलतापूर्वक भाग लिया, जो गणित विभाग, स्कूल ऑफ एडवांस्ड साइंसेस (एसएएस), वीआईटी-एपी यूनिवर्सिटी, इंडिया द्वारा 1 से 5 अक्टूबर 2024 के बीच आयोजित किया गया।
- श्री विशाल सोनार ने "एडवांसेस इन ग्राफ थ्योरी एंड लिनियर एल्जेब्रा (एजीटीएलए)" विषय पर 5-दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में सफलतापूर्वक भाग लिया, जो गणित विभाग, स्कूल ऑफ एडवांस्ड साइंसेस (एसएएस), वीआईटी-एपी यूनिवर्सिटी, इंडिया द्वारा 1 से 5 अक्टूबर 2024 के बीच आयोजित किया गया।
- श्री शुभम प्रियदर्शी ने "रोल ऑफ ऑर्डर साइज इन इंटीग्रेटेड इन्वेंटरी मॉडल: प्राइस डिस्काउंट्स एंड बाई-लेवल पार्टियल ट्रेड क्रेडिट अंडर फर्ज़ी डिमांड" शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया, जो "इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन स्टैटिस्टिकल लर्निंग 2025" में गणित विभाग एवं सेंटर फॉर एप्लाइड रिसर्च इन डेटा साइंस, आईआईटी रोपड़ द्वारा 6 से 8 मार्च 2025 के बीच आयोजित किया गया।



# भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2010 में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम की स्थापना के साथ ही हुई थी। यह विभाग संस्थान का अभिन्न अंग है। विभाग के संकाय सदस्य संस्थान के शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक कार्यों में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। विभाग का अनुसंधान कार्य निम्नलिखित क्षेत्रों में केंद्रित है – परिमाणात्मक वित्त, शेयर बाजार की समय-श्रृंखला विश्लेषण, अनरेखीय गतिविज्ञान, निम्न ताप भौतिकी, क्रांटम सूचना तथा इसका बहु-कण भौतिकी के साथ समन्वय।

वर्तमान में विभाग पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित कर रहा है और शीघ्र ही एम.एससी. कार्यक्रम प्रारंभ करने की योजना बना रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विभाग भौतिकी में बी.एससी. कार्यक्रम प्रारंभ करने का भी लक्ष्य रखता है। विभाग के विस्तार कार्यक्रम के लिए ऐसे योग्य शिक्षकों की आवश्यकता है जो शिक्षण और अनुसंधान दोनों क्षेत्रों में विभाग की क्षमताओं को सशक्त बना सकें। विभाग के पास क्रांटम सूचना, गणनात्मक भौतिकी और गतिशील प्रणालियों जैसे आधुनिक शोध क्षेत्रों में विशेषज्ञता है, और निकट भविष्य में यह विभिन्न नवीनतम अनुसंधान क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता का विस्तार करने की योजना बना रहा है। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों में जिज्ञासा का भाव विकसित करना, विषय का व्यापक ज्ञान प्रदान करना, उन्हें तेजी से बदलती दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सक्षम बनाना और उन्हें एक सार्थक एवं सफल जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है।

वर्तमान में विभाग बी.टेक. कार्यक्रम की विभिन्न इंजीनियरिंग शाखाओं के लिए इंजीनियरिंग भौतिकी पाठ्यक्रम संचालित करता है। पिछले कुछ वर्षों में विभाग ने बी.टेक. विद्यार्थियों को विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र सिद्धांत, इलेक्ट्रॉनिक्स अभियंत्रण व्यवसाय का परिचय, गणित, ठोस अवस्था उपकरण आदि जैसे पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं। विभाग शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए एनपीटीईएल तथा अन्य ऑनलाइन शिक्षा मंचों पर उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाले पाठ्यक्रमों का उपयोग करता है। अस्थायी परिसर की सीमाओं के बावजूद, विभाग विद्यार्थियों को भौतिकी के मूलभूत सिद्धांतों को समझाने हेतु आवश्यक प्रयोगशाला सुविधाएँ प्रदान करता है। प्रयोगशालाएँ उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों से सुसज्जित हैं, जो विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक अधिगम के माध्यम से विज्ञान के नियमों की गहराई तक समझ विकसित करने में सक्षम बनाती हैं।

## संकाय विवरण

### डॉ. अनिंद बिस्वास

एसोसिएट प्रोफेसर

पोस्टडॉक एचआरआई इलाहाबाद (प्रयागराज), आईएमएससी चेन्नई, आईएसीएस कोलकाता, पीएच.डी. (कलकत्ता यूनिवर्सिटी)

एम.एससी. (कलकत्ता यूनिवर्सिटी)

**अनुसंधान क्षेत्र:** निम्न ताप भौतिकी, बीईसी, क्रांटम सूचना तथा इसका बहु-कण भौतिकी के साथ समन्वय

### डॉ. मो. नुरुजजमा

एसोसिएट प्रोफेसर

पोस्टडॉक टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च सेंटर फॉर एप्लिकेबल मैथमेटिक्स, बेंगलुरु, पीएच.डी. (होमी भाभा नेशनल इंस्टीट्यूट, बार्क), एम.एससी. (जादवपुर यूनिवर्सिटी)

**अनुसंधान क्षेत्र:** प्रायोगिक अनरेखीय गतिविज्ञान, परिमाणात्मक वित्त, शेयर बाजार गतिकी

## कर्मचारी विवरण

### श्री हैप्पी मंडल

वरिष्ठ तकनीशियन

## प्रयोगशाला सुविधाएं

- **अभियांत्रिकी भौतिकी प्रयोगशाला :** भौतिकी विभाग की अभियांत्रिकी भौतिकी प्रयोगशाला आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है, जिससे प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को विषय की व्यापकता का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है। इस प्रयोगशाला में अर्धचालक, लेज़र डायोड, हॉल प्रभाव, विद्युत धारा वहन करने वाली कुंडलियों से उत्पन्न चुंबकीय क्षेत्र, द्रवों की चुंबकीय संवेदनशीलता आदि के गुणों की जांच के लिए प्रयोगात्मक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को कुछ प्रकाशीय घटनाओं जैसे प्रकाश का पूर्ण आंतरिक परावर्तन

और प्रकाश का व्यतिकरण भी प्रयोगों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है, जिनमें ऑप्टिकल फाइबर, न्यूटन रिंग यंत्र और माइकलसन इंटरफेरोमीटर का उपयोग किया जाता है। ऑप्टिकल फाइबर उपकरण का उपयोग फाइबर की संख्यात्मक एपर्चर मापने के लिए किया जाता है, जबकि माइकलसन इंटरफेरोमीटर का उपयोग प्रकाश स्रोत की तरंगदैर्घ्य ज्ञात करने हेतु किया जा सकता है। ये सभी प्रयोग विद्यार्थी अपने सैद्धांतिक अभियांत्रिकी भौतिकी पाठ्यक्रम के साथ प्रयोगात्मक रूप से भी करते हैं।



भौतिकी विभाग के सदस्य

“

बीते कल से सीखो, आज के लिए जियो, और आने वाले कल के लिए आशा रखो। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रश्न पूछना बंद मत करो।

– अल्बर्ट आइंस्टीन

## विभागीय समितियां

क्र. सं.	समिति का नाम	संकाय सदस्यों का नाम
1	विभागाध्यक्ष	डॉ. मो. नुरुजजमां
2	विभागीय संकाय बोर्ड (डीएफबी)	1. डॉ. मो. नुरुजजमां (विभागाध्यक्ष) 2. डॉ. अनिंद बिस्वास (सदस्य)
3	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)	1. डॉ. अनिंद बिस्वास (संयोजक) 2. डॉ. मोहम्मद नुरुजजमां (सदस्य) 3. डॉ. ओम प्रकाश (सदस्य) गणित विभाग
4	प्रयोगशाला प्रभारी	डॉ. अनिंद बिस्वास, भौतिकी विभाग

## अन्य विभागों / संस्थानों के साथ सहयोग

विभाग का सक्रिय शोध सहयोग साहा इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता; जादवपुर यूनिवर्सिटी; प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी; और हरीश-चंद्र रिसर्च इंस्टिट्यूट, प्रयागराज के साथ है। जादवपुर यूनिवर्सिटी के सहयोग से एनआईटी सिक्किम में रेडॉन गैस मॉनिटरिंग सिस्टम स्थापित किया गया है, जो प्रारंभिक भूकंप पहचान के लिए एक संभावित उपाय हो सकता है।

### प्रकाशन:

- कॉम्प्लेक्स नेटवर्क एनालिसिस ऑफ क्रिस्टोकरेसी मार्केट ड्यूरिंग क्रेशेज; के. मुखिया, ए. राय, एस. आर. लुवांग, एम. नुरुजजमां, एस. मजही, सी. हेन्स; फिजिका ए: स्टैटिस्टिकल मेकानिक्स एंड इट्स एप्लिकेशन्स 653, 130095

- आइडेंटिफाइंग एक्सट्रीम इवेंट्स इन द स्टॉक मार्केट: ए टोपोलॉजिकल डेटा एनालिसिस; ए. राय, बी. नाथ शर्मा, एस. रबिन्द्रजीत लुवांग, एम. नुरुजजमां, एस. मजही; केऑस: एन इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ नॉनलीनियर साइंस 34 (10)
- फिडेलिटी एंड एंटीगलमेंट ऑफ रैंडम बाइपार्टाइट प्योर स्टेट्स: इनसाइट्स एंड एप्लिकेशन्स; जी. बिस्वास, एस. एच. हु, जे. वाई. वू, डी. बिस्वास, ए. बिस्वास; फिजिका स्क्रिप्टा 99 (7), 075103

### उपलब्धि:

भौतिकी विभाग के पीएच.डी. शोधार्थी श्री सयान सेनगुप्ता को "फायकॉन-25" सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता के दौरान "बेस्ट पोस्टर अवार्ड" से सम्मानित किया गया। यह सम्मेलन 21-22 मार्च 2025 को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रोपड़ के फिजिक्स डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित किया गया था।

## अनुसंधानार्थियों का विवरण

क्रम सं.	शोधार्थी	मार्गदर्शक(गण)	अनुसंधान का क्षेत्र	Remarks
1	अनीश राय	डॉ. मो. नुरुजजमां	अरेखीय टाइम-सीरीज़ विश्लेषण, स्टॉक मार्केट का लक्षण निर्धारण	प्रगति पर
2	शांतनु सरकार	डॉ. अनिंद बिस्वास	क्वांटम सूचना और गणना	प्रगति पर
3	सलाम रवींद्रजीत लुवांग	डॉ. मो. नुरुजजमां	अरेखीय टाइम-सीरीज़ विश्लेषण, स्टॉक मार्केट का लक्षण निर्धारण	प्रगति पर
4	सयान सेनगुप्ता	डॉ. अनिंद बिस्वास	क्वांटम सूचना और गणना	प्रगति पर
5	ऋत्विजा रॉय	डॉ. अनिंद बिस्वास	क्वांटम सूचना और क्वांटम गणना	प्रगति पर
6	कुंदन मुखिया	डॉ. मो. नुरुजजमां	मशीन लर्निंग और अनरेखीय टाइम-सीरीज़ विश्लेषण	प्रगति पर
7	अनीश शर्मा	डॉ. अनिंद बिस्वास	क्वांटम ऊष्मागतिकी	प्रगति पर
8	बुद्ध नाथ शर्मा	डॉ. मो. नुरुजजमां	टोपोलॉजिकल डेटा विश्लेषण, अरेखीय गतिकी	प्रगति पर
9	सबत राय	डॉ. मो. नुरुजजमां	जटिल प्रणाली और इकॉनॉमिक्स	प्रगति पर

# रसायन विज्ञान विभाग

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम (एनआईटी सिक्किम) की स्थापना के साथ ही रसायन विज्ञान विभाग इसका अभिन्न अंग रहा है। विभाग ने सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने और अपने विद्यार्थियों को शोध का अनुभव देने का प्रयास किया है। वर्तमान में एनआईटी सिक्किम का रसायन विज्ञान विभाग एक समग्र विभाग के रूप में विकसित हो चुका है, जो रसायन विज्ञान में दो-वर्षीय एम.एससी. कार्यक्रम और पीएच.डी. की डिग्री प्रदान करता है, जिसमें कार्बनिक संश्लेषण, अकार्बनिक रसायन, उत्प्रेरण, अक्षय ऊर्जा आदि में विशेषज्ञता शामिल है।

विभाग के युवा, ऊर्जावान, प्रेरित और अत्यंत योग्य संकाय सदस्य विद्यार्थियों को उच्च-स्तरीय शिक्षा प्रदान करने तथा समाज से जुड़े मुद्दों और समकालीन वैज्ञानिक चुनौतियों के समाधान हेतु उन्नत शोध कार्य करने के लिए समर्पित हैं। उनकी प्रतिबद्धता उनके उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) आदि से वित्तपोषित परियोजनाओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है।

संस्थान और अन्य वित्त पोषक एजेंसियों के उदार सहयोग के कारण विभाग आज अत्याधुनिक उपकरणों और गणनात्मक सुविधाओं से सुसज्जित है। विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरणों में गैस क्रोमैटोग्राफी (जीसी) सिस्टम, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन, पोर्टेबिलिटी विद स्पेक्ट्रो-इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री सेटअप, रोटरी एवैपोरेटर, डायोड-अरे यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एफटी-आईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, निम्न ताप (-80°C) बाथ, ऑटोक्लेव आदि शामिल हैं। विभाग की कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री प्रयोगशाला में उच्च स्तरीय सर्वर और सॉफ्टवेयर (जैसे गॉसियन 16, एम्स्टर्डम डेंसिटी फंक्शनल (एडीएफ), टर्बोमोल आदि) उपलब्ध हैं।

एम.एससी. (रसायन विज्ञान) के दो-वर्षीय कार्यक्रम में प्रवेश सेंट्रलाइज्ड काउंसिलिंग फॉर एम.एससी./एम.टेक. (सीसीएमएन) प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाता है, जो उम्मीदवारों के जैम स्कोर पर आधारित होता है। शेष रिक्त स्थान संस्थान द्वारा आयोजित इंस्टीट्यूट एडमिशन टेस्ट (आईएटी) के माध्यम से भरे जाते हैं। विभाग का पाठ्यक्रम अत्यंत सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है, जिसमें रसायन विज्ञान के विविध क्षेत्रों के मौलिक सिद्धांतों और उन्नत अवधारणाओं को शामिल किया गया है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को अनुसंधान आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है, जिससे वे उद्योग और शिक्षाविश्व दोनों में सफलता प्राप्त करने के लिए सक्षम बनते हैं। विभाग यह सुनिश्चित करता है कि सभी रासायनिक प्रयोगशालाओं में सुरक्षा प्रोटोकॉल का कठोर पालन किया जाए। साथ ही, विभाग एक सुरक्षित, समावेशी, लैंगिक रूप से निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण के निर्माण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है, जिससे रासायनिक विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहन मिले।

## ध्येय

विभाग का ध्येय एक राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित शिक्षण और अनुसंधान संस्थान के रूप में अपनी पहचान को और सुदृढ़ करना है, जो नवाचार, उत्कृष्टता और खोज के लिए जाना जाए, और जो देशभर के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को आकर्षित करे। पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए तैयार किया गया है और उन्हें उद्योग के लिए तैयार करने हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। विभाग का लक्ष्य उत्तर-पूर्व के एनआईटी संस्थानों में सर्वश्रेष्ठ बनना है, और आगामी वर्षों में भारत के शीर्ष 10 एनआईटी रसायन विज्ञान विभागों तथा शीर्ष 50 रासायनिक विज्ञान शिक्षण संस्थानों में शामिल होना है।

## लक्ष्य

विभाग का लक्ष्य शिक्षण और अनुसंधान की प्रासंगिकता, सुविधाओं, अधिगम अवसरों और कार्य अनुभव के मामले में किसी भी शीर्ष विभाग के समकक्ष बने रहना है। विभाग का प्रयास रसायन शिक्षा, अनुसंधान और सेवा के माध्यम से समाज की उन्नति करना है, जो अंतःविषयक और अंतरराष्ट्रीय सहयोग, मार्गदर्शन, नेतृत्व तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उद्यमिता के माध्यम से आर्थिक प्रभाव उत्पन्न करे। विभाग विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए उपलब्धियों, पेशेवर सेवाओं, मान्यता और वैश्विक सहभागिता को सक्षम बनाता है, जो एनआईटी सिक्किम की प्रमुख वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षमताओं पर आधारित हैं।

## मूल्य

विभाग उच्च व्यावसायिक और शैक्षणिक मानकों पर आधारित मूल्यों का पालन करता है, जो विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के व्यक्तिगत विकास और संतुष्टि को सुनिश्चित करते हैं। यह उत्कृष्टता, टीमवर्क, आपसी सम्मान, विश्वास, सत्यनिष्ठा और नैतिक आचार पर आधारित कार्यसंस्कृति में विश्वास रखता है।

## उद्देश्य

विभाग का उद्देश्य अपने एम.एससी. और पीएच.डी. विद्यार्थियों को अकादमिक, अनुसंधान एवं विकास और औद्योगिक क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर दक्ष बनाना है। साथ ही, प्रथम वर्ष के बी.टेक. विद्यार्थियों को अभियांत्रिकी पाठ्यक्रमों में रसायन विज्ञान के महत्व से परिचित कराना भी विभाग का उद्देश्य है।

## विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम

### विज्ञान में स्नातकोत्तर (रसायन विज्ञान में एम.एससी.)

- एनआईटी सिक्किम का रसायन विज्ञान विभाग एक सुदृढ़ और उन्नत विभाग है, जो दो-वर्षीय विज्ञान में स्नातक (रसायन विज्ञान में एम.एससी.) कार्यक्रम प्रदान करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के मौलिक सिद्धांतों और आधुनिक अनुसंधान प्रवृत्तियों का गहन ज्ञान प्रदान करना है, ताकि वे उद्योग,

अनुसंधान तथा अकादमिक जगत में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें। इस कार्यक्रम में प्रवेश सेंट्रलाइज्ड काउंसिलिंग फॉर एम.एससी./एम.टेक. (सीसीएमएन) प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाता है, जो अभ्यर्थियों के जैम स्कोर पर आधारित होता है। सीसीएमएन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद, संस्थान शेष रिक्त स्थानों को भरने हेतु इंस्टीट्यूट एडमिशन टेस्ट आयोजित करता है। कार्यक्रम में रसायन विज्ञान के प्रमुख उपक्षेत्र — कार्बनिक, अकार्बनिक, भौतिक और अनुप्रयुक्त रसायन — को समाहित किया गया है। विभाग विद्यार्थियों को पारंपरिक और उन्नत दोनों प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिनमें प्रयोगात्मक अनुसंधान, औद्योगिक प्रशिक्षण और परियोजना-आधारित अध्ययन शामिल हैं। इससे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान अभिरुचि और व्यावहारिक कौशल का विकास होता है।

### डॉक्टरल कार्यक्रम (पीएच.डी.)

- एनआईटी सिक्किम का रसायन विज्ञान विभाग पीएच.डी. कार्यक्रम के अंतर्गत रसायन विज्ञान और संबंधित विषयों में शोध कार्य करने का अवसर प्रदान करता है। एम.एससी. (रसायन विज्ञान) पूर्ण करने वाले विद्यार्थी इस कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। विभाग में निम्नलिखित फेलोशिप विकल्पों के अंतर्गत शोध अवसर उपलब्ध हैं — (क) संस्थान-वित्तपोषित पीएच.डी. (ख) बाहरी एजेंसियों द्वारा वित्तपोषण, जैसे एसईआरबी, सीएसआईआर, इंडियाय, जूनियर रिसर्च फेलोशिप, गेट आदि।

### अनुसंधान क्षेत्र

- अकार्बनिक रसायन:** बायो-प्रेरित उत्प्रेरण, डायऑक्सीजन सक्रियण और अपचयन, कृत्रिम प्रकाश-संश्लेषण, उच्च संयोजकता वाले धातु ऑक्सो यौगिक, इलेक्ट्रो-कैटालिसिस, सूक्ष्म प्रदूषकों का अपघटन, तथा ट्रांजिशन मेटल कॉम्प्लेक्स द्वारा सी-एच सक्रियण।
- कार्बनिक संश्लेषण रसायन:** फोटोरेडॉक्स उत्प्रेरण, प्राकृतिक उत्पादों का संश्लेषण, मैक्रोलाइड्स, नई संश्लेषण विधियाँ, सी-एच सक्रियण, हेटरोसायक्लिक यौगिक, कार्बोहाइड्रेट रसायन, हरित कार्बनिक संश्लेषण, तथा इलेक्ट्रोसिंथेसिस।
- भौतिक रसायन:** अणुओं की निम्न-उत्तेजित अवस्थाओं के गुणों का अध्ययन करने हेतु सटीक सैद्धांतिक विधियों का विकास; क्वांटम रासायनिक विधियों द्वारा अणुओं के प्रकाश-रासायनिक गुणों का अध्ययन; समरूप और विषम प्रतिक्रियाओं का मॉडलिंग; जैविक अनुप्रयोगों हेतु नए कार्बनिक अणुओं का संश्लेषण; गैस अवस्था में अणुओं के फोटो-भौतिक गुणों को मापने के लिए लेजर आधारित जेट-कूल्ड सेटअप का निर्माण; विभिन्न जैविक माध्यमों में फ्लोरोफोर अणुओं के फोटो-भौतिक गुणों का अध्ययन; तथा प्रयोगात्मक रूप से देखी गई उत्तेजित अवस्थाओं की सैद्धांतिक जांच।

### बी.टेक. विद्यार्थियों हेतु विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

- अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान, अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान प्रयोगशाला

## वर्तमान विद्यार्थियों की संख्या

स्नातकोत्तर विद्यार्थी (एम.एस.सी.)	पीएच.डी. शोधार्थी
21	13

## संकाय विवरण

### डॉ. अचिन्तेश एन. विश्वास

एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष  
पोस्टडॉक (यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा, अमेरिका, 2012-13),  
पीएच.डी. (नॉर्थ बंगाल यूनिवर्सिटी, 2011), एम.एससी. (नॉर्थ बंगाल यूनिवर्सिटी, 2003)

**अनुसंधान क्षेत्र:** जल शुद्धिकरण, कृत्रिम प्रकाश-संश्लेषण, लघु अणु सक्रियण, जैव-प्रेरित उत्प्रेरण

### डॉ. सुमित साहा

एसोसिएट प्रोफेसर  
पीएच.डी. (आईएसीएस/जादवपुर यूनिवर्सिटी, 2012), एम.एससी.  
(आईआईटी खड़गपुर, 2007)

**अनुसंधान क्षेत्र:** कार्बनिक संश्लेषण रसायन, प्राकृतिक उत्पादों का संपूर्ण संश्लेषण

### डॉ. सुमन्त भट्टाचार्य

अस्थायी संकाय सदस्य  
पोस्टडॉक (यूएनआईटीएस, दक्षिण कोरिया, 2014-15)  
पीएच.डी. (एनसीएल पुणे/सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी, 2013),  
एम.एससी. (बीएचयू, 2005)

**अनुसंधान क्षेत्र:** सैद्धांतिक एवं संगणकीय क्वांटम रसायन, अणुओं की उत्तेजित अवस्था की संरचना एवं गुणधर्म, समरूप और विषम उत्प्रेरण, निम्न-उत्तेजित अवस्थाओं के लिए अत्यंत सटीक क्वांटम रासायनिक विधियों का विकास (एफएसएमआरसीसी विधि)।

### डॉ. अच्युत्यलाल बाबू रमैया सुब्रमणियम

पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास, 1999)

**अनुसंधान क्षेत्र:** प्रायोगिक भौतिक रसायन, विद्युत रसायन, रंगों के अपघटन और नाइट्रेट निष्कासन हेतु विद्युत रासायनिक विधियाँ, स्पेक्ट्रोस्कोपी।

### डॉ. तारकनाथ कुंडू

एसोसिएट प्रोफेसर  
पोस्टडॉक (बोस इंस्टीट्यूट, 2008-09; आईआईएससी बेंगलुरु,  
2009-12)

पीएच.डी. (बोस इंस्टीट्यूट/जादवपुर यूनिवर्सिटी, 2008), एम.एससी.  
(कलकत्ता यूनिवर्सिटी, 2001)

**अनुसंधान क्षेत्र:** कार्बनिक संश्लेषण रसायन, औषधीय रसायन

### डॉ. निधि गोविल

अस्थायी संकाय सदस्य  
पीएच.डी. (एमएनआईटी जयपुर), एम.एससी. (आईआईटी रुड़की)  
**अनुसंधान क्षेत्र:** विश्लेषणात्मक रसायन, विद्युत-विश्लेषणात्मक विधियाँ

### डॉ. दीपमाल्या बसाक

अस्थायी संकाय सदस्य  
पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर, 2021), एम.एससी. (एनआईटी दुर्गापुर,  
2013)

**अनुसंधान क्षेत्र:** विषमधात्विक 3d-4f यौगिकों की संरचनाएँ एवं उनके चुम्बकीय गुण (सिंगल मॉलिक्यूलर मैग्नेट्स, मैग्नेटोकैलोरिक प्रभाव आदि) के साथ-साथ उनके प्रकाश-दीप्ति और उत्प्रेरक गुणों का अध्ययन।

## कर्मचारीगण

## श्री सुमन पाठक

एम.एससी.  
पदनाम: वरिष्ठ तकनीशियन

## सुश्री चंद्रिमा मजूमदार

एम.एससी.  
पदनाम: वरिष्ठ तकनीशियन

## पीएच.डी. शोधार्थी

क्र. सं.	पीएच.डी. शोधार्थी	विषय	पर्यवेक्षक
1	श्री रामानंद दास	सी-ग्लाइकोसाइड्स का संश्लेषण	डॉ. तारकनाथ कुंडू
2	श्री रावण कुमार	प्राकृतिक उत्पादों का पूर्ण संश्लेषण	डॉ. सुमित साहा
3	श्री सैकत दास	जल शोधन	डॉ. अचिंतेश एन. बिस्वास
4	श्री दीप राज राय	सी-ग्लाइकोसाइड्स का संश्लेषण	डॉ. तारकनाथ कुंडू
5	श्री अर्पण बेरा	कार्बनिक संश्लेषण	डॉ. सुमित साहा
6	सुश्री राचेल अंजौस	कार्बनिक संश्लेषण	डॉ. सुमित साहा
7	श्री सुमन जोआरदार (पार्ट-टाइम)	संक्रमण धातु द्वारा उत्प्रेरित सी-एच सक्रियण	डॉ. तारकनाथ कुंडू
8	श्री गुंदरू प्रभाकर राव (पार्ट-टाइम)	निर्देशित सी-एच सक्रियण	डॉ. तारकनाथ कुंडू
9	श्री कंचन चक्रवर्ती (पार्ट-टाइम)	कार्बनिक संश्लेषण	डॉ. सुमित साहा
10	श्री अनिकेत मुखर्जी	उत्प्रेरक लघु अणु सक्रियण	डॉ. अचिंतेश एन. बिस्वास
11	सुश्री शुभलक्ष्मी दास	जल विघटन	डॉ. अचिंतेश एन. बिस्वास

## वर्ष 2024-25 में विद्यावाचस्पति (पीएच.डी) प्रदान

क्र. सं.	नाम	शोध क्षेत्र	पर्यवेक्षक	वर्तमान पदनाम
1	डॉ. सुजन नारायण चौधरी	डायऑक्सीजन अपचयन	डॉ. अचिंतेश एन. बिस्वास	एसोसिएट प्रोफेसर
2	डॉ. पंजो लेप्चा	विद्युत-उत्प्रेरक जल ऑक्सीकरण	डॉ. अचिंतेश एन. बिस्वास	एसोसिएट प्रोफेसर

## प्रयोगशालाएँ और शोध सुविधाएँ

क्र. सं.	प्रयोगशाला का नाम	उद्देश्य	उपलब्ध उपकरण	प्रभारी संकाय सदस्य
1	अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान	बी.टेक. कार्यक्रम के सभी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को पदार्थ विज्ञान, गुणात्मक और मात्रात्मक आकलन तथा पर्यावरणीय प्रभावों के ज्ञान से सुसज्जित करना। एम.एससी. विद्यार्थियों को कार्बनिक यौगिकों के गुणात्मक एवं मात्रात्मक विश्लेषण, कार्बनिक अणुओं के फंक्शनलाइजेशन, प्राकृतिक उत्पादों के पृथक्करण एवं संरचना निर्धारण, बहु-चरणीय संश्लेषण तथा जैव-रसायन प्रयोगों का प्रशिक्षण देना।	माइक्रोबैलेंस, माइक्रोसेंटीफ्यूज, पीएच मीटर, कंडक्टोमीटर, हॉट एयर ओवन, वैक्यूम पंप, रेफ्रिजरेटर आदि।	डॉ. तारकनाथ कुंडू
2	एम.एससी. कार्बनिक रसायन		एडला रोटरी एवैपोरेटर विद -20°C चिलर, एडला PSL1810 (-80°C) रिएक्शन चैम्बर, मेटलर-टोलेडो 0.01 मि.ग्रा. माइक्रोबैलेंस, ग्लोव बॉक्स आदि।	डॉ. सुमित साहा

क्र. सं.	प्रयोगशाला का नाम	उद्देश्य	उपलब्ध उपकरण	प्रभारी संकाय सदस्य
3	एम.एससी. अकार्बनिक रसायन	एम.एससी. विद्यार्थियों को लवणों की पहचान, गुणात्मक एवं मात्रात्मक आकलन, उत्प्रेरक गतिविधियों तथा जैव-अकार्बनिक रसायन का अध्ययन कराना।	डायोड-अरे यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर विद पेल्टियर, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन, हेंसाटेक ऑक्सीग्राफ, स्पेक्ट्रो-इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन।	डॉ. अचिंतेश एन. बिस्वास
4	एम.एससी. भौतिक रसायन	भौतिक स्थिरांकों के मात्रात्मक आकलन तथा जैव-भौतिक प्रयोगों का संचालन।	पोटेंशियोमीटर, पोलारीमीटर, कलरीमीटर, इलेक्ट्रोड असेंबली, जल शुद्धिकरण संयंत्र, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर आदि।	डॉ. सुभाष सी. मखल और डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य
5	एम.एससी. विश्लेषणात्मक एवं पर्यावरण रसायन	पर्यावरण प्रदूषकों का गुणात्मक एवं मात्रात्मक विश्लेषण।	बीओडी इन्क्यूबेटर, सीओडी डाइजेस्टर, आर्सेनिक/फ्लोराइड डिटेक्टर, मफल फर्नेस, डिऑक्सीजन (डीओ) सेंसर, माइक्रोबैलेंस आदि।	डॉ. निधि गोविल
5	संगणनात्मक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला	अणु सिमुलेशन, क्रांम रासायनिक ऊर्जा गणना तथा अभिक्रिया मार्गों की भविष्यवाणी।	गॉसियन, एम्स्टर्डम डेंसिटी फंक्शनल (एडीएफ), टर्बोमोल आदि।	डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य
6	उपकरण प्रयोगशाला	संश्लेषित एवं प्राकृतिक यौगिकों का विश्लेषण।	गैस क्रोमैटोग्राफी सिस्टम, यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एफटी-आईआर स्पेक्ट्रोमीटर, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम, बायोसेप्टी कैबिनेट आदि।	डॉ. तारकनाथ कुंडू
7	अनुसंधान प्रयोगशाला	पीएच.डी. अनुसंधान हेतु प्रयोग।	तीन फ्यूम हुड, आईकेए रोटरी एवैपोरेटर, और अन्य प्रायोगिक सेटअप।	डॉ. सुमित साहा

## विभाग में प्रचलित परियोजनाएँ

- इलेक्ट्रोकेमिकल रूप से उत्पन्न ऑक्सोमेटल कॉम्प्लेक्सेस द्वारा जल शोधन (CRG/2021/002064) — विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), नई दिल्ली द्वारा ₹43 लाख की राशि से वित्तपोषित।  
प्रधान अन्वेषक: डॉ. अचिंतेश एन. बिस्वास।
  - सरफेस वूड केयर हेतु स्मार्ट, स्व-श्वसनशील पट्टी का डिजाइन (BIRAC/KIIT01800/BIG-SP/02/22) — डीबीटी-बायोरैक (उत्तर-पूर्व क्षेत्र) द्वारा 2 वर्षों के लिए ₹50 लाख की राशि से वित्तपोषित।  
प्रधान अन्वेषक: डॉ. तारकनाथ कुंडू।
- नॉर्थ बंगाल यूनिवर्सिटी, सिलीगुड़ी – डॉ. अचिंतेश नारायण बिस्वास / डॉ. सुमित साहा
  - सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ सिक्किम, सिक्किम – विभाग के सभी संकाय सदस्य
  - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून – डॉ. सुमन्त भट्टाचार्य
  - इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस, कोलकाता – डॉ. अचिंतेश नारायण बिस्वास / डॉ. सुमित साहा
  - नेशनल केमिकल लेबोरेटरी, पुणे – डॉ. सुमन्त भट्टाचार्य
  - सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून – डॉ. सुमन्त भट्टाचार्य
  - कलकत्ता यूनिवर्सिटी, कोलकाता – डॉ. तारकनाथ कुंडू
  - सिस्टर निवेदिता यूनिवर्सिटी, कोलकाता – डॉ. तारकनाथ कुंडू
  - आईआईटी खड़गपुर – डॉ. तारकनाथ कुंडू एवं डॉ. दिपमल्या बसाक

## अन्य संस्थानों के साथ सहयोग

उन्नत अनुसंधान कार्यों को आगे बढ़ाने हेतु विभाग का निम्नलिखित संस्थानों के साथ सहयोग है —

- यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क, यूनाइटेड किंगडम – डॉ. अचिंतेश नारायण बिस्वास

## प्रकाशन

### सहकर्मी-समीक्षित एससीआई जर्नल (2024-25)

- अभिषेक दास, सृजन नारायण चौधरी, साचिदुलाल बिस्वास, रजिब समंता, अचिन्तेश एन. बिस्वास, तपन कान्ति पैन, "इनफ्लुएंस ऑफ हेमिलैबाइल आर्म एंड अमाइड फंक्शनैलिटी इन द लिगैंड बैकबोन ऑन केमिकल एंड इलेक्ट्रोकेमिकल डायऑक्सीजन रिडक्शन कैटेलाइज्ड बाय मोनोन्यूक्लियर कॉपर (II) कॉम्प्लेक्सेस", इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 2025, 64, 4983-4995।
- साचिदुलाल बिस्वास, सृजन नारायण चौधरी, सैकत दास, सुरंजन बोस, जॉयाशिष देबगुप्ता, सतदल पॉल, अचिन्तेश एन. बिस्वास, "एक्सप्लोरिंग मेकेनिस्टिक डीटेल्स एंड कैटेलिस्ट रेजिलियंस इन इलेक्ट्रोकेटैलिटिक वाटर ऑक्सीडेशन विथ ए कॉपर (II) कॉम्प्लेक्स बेयरिंग ए रेडॉक्स-एक्टिव लिगैंड", केमकेटकेम, 2025, 17, e2024013571।
- सुमन कुमार जोर्डर, गुंतुरु प्रभाकर राव, जक्कानी सौम्या, सौरभी मिड्या, रमनंद दास, मृणालकांति कुंडु, तारकनाथ कुंडु, "8-अमीनोइमिडाजो[1,2-a] पाइरीडिन-डायरेक्टेड निकल-कैटेलाइज्ड  $\beta$ -C(sp<sup>2</sup>)-H एराइलेशन एंड अल्काइलेशन: इम्प्लीमेंटेशन फॉर लेट-स्टेज C-H एक्टिवेशन टुवर्ड्स बायोलॉजिकली रिलिवेंट कंपाउंड्स", सिंथेसिस, 2025, 57, 2207-2220।
- रमानंद दास, दीप राज राई, जोन्सवार बसुमातारी, बिस्वजीत गोपाल राँय, देबराज मुखर्जी, तारकनाथ कुंडु, "फोटोइंड्यूस्ड एक्साइटेड-स्टेट पैलेडियम (0)-कैटेलाइज्ड स्टीरियोसेलेक्टिव C-ग्लाइकोसाइलेशन ऑफ 1-ब्रोमोसुगर विथ किनॉक्सालिन-2(1H)-वन", केमिस्ट्री - ए यूरोपियन जर्नल, 2025, 31, e202500882।
- रमानंद दास, नोरेन सकंदर, संचारि कुंडु, देबराज मुखर्जी, तारकनाथ कुंडु, "विजिबल लाइट-प्रोमोटेड इरिडियम (III)-कैटेलाइज्ड स्टीरियोसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ अज़ाउरासिल-C-न्यूक्लियोसाइड्स फ्रॉम 1-ब्रोमोसुगर", ऑर्गेनिक लेटर्स, 2025, 5491-5496।
- रमानंद दास, राहुल हलदार, इरशाद अहमद जरगर, एस.के. बप्पा, तारकनाथ कुंडु, देबराज मुखर्जी, "ए ब्रीफ अकाउंट ऑफ द एप्लिकेशन ऑफ ग्लाइकोसाइल हेलाइड एंज ग्लाइकोसाइल रेडिकल प्रीकर्सर टुवर्ड्स ग्लाइकोसाइलेशन थू विजिबल लाइट कैटालिसिस", कार्बोहाइड्रेट रिसर्च, 2025, 554, 109537।
- रमानंद दास, दीप राज राई, दीपिका किंडो, किमरोन प्रोटिम फुकन, तारकनाथ कुंडु, "सिलिका मेडिएटेड 1,6-कंजुगेट एडिशन ऑफ इंडोल्स एंड अदर हेटरोसाइक्ल्स टू पी-क्विनोन मिथाइड्स अंडर सॉल्वेंट-फ्री कंडीशन", टेराहेड्रॉन लेटर्स, 2025, 254, 155398।
- रवण कुमार, अमित बनर्जी, सुमित साहा, "डेवलपमेंट ऑफ ए स्टीरियोस्पेसिफिक स्ट्रेटेजी फॉर द टोटल सिंथेसिस ऑफ डिप्लोडियालाइड C एंड फॉर्मल सिंथेसिस ऑफ (-)-कर्बुलारिन", सिनलेट, 2025, 36, 679-682।
- बिलाश चंद्र राँय, अर्नेस्ट देबबर्मा, दिपान्विता चक्रवर्ती, बिस्वजीत डे, दिपमल्या बसाक, सुशांत घोष, तुफान सिंघा महापात्र, "आइसोस्ट्रक्चरल स्क्रायर प्लानर मोनोन्यूक्लियर कॉपर (II) एंड निकल (II) कॉम्प्लेक्सेस: कैटेकोलेस एंड फेनोक्साज़िनोन सिंथेस एक्टिविटी, प्रोटीन एंड डीएनए-बाइंडिंग इनसाइट्स, एंड मॉलिक्यूलर डॉकिंग", पॉलीहेड्रॉन, 2025, 273, 117492।

### अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय सम्मेलन (2023-24)

- डॉ. अचिन्तेश एन. बिस्वास ने "करंट ट्रेड्स इन केमिस्ट्री" विषय पर 6 मार्च 2025 को बारद सदन, सिक्किम यूनिवर्सिटी, 5वां माइल, तदोंग, सिक्किम में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. अचिन्तेश एन. बिस्वास ने "अनरैवलिंग इंडियन रिचुअल्स एंड फेस्टिवल्स: द इंटरप्ले ऑफ कल्चर, साइंस एंड नॉलेज सिस्टम्स" शीर्षक राष्ट्रीय अंतःविषयक संगोष्ठी में सूर्यासेन महाविद्यालय, सिलीगुड़ी में 10-11 जनवरी 2025 को आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. अचिन्तेश एन. बिस्वास ने 24-25 जनवरी 2025 को सिलीगुड़ी कॉलेज में आयोजित 7वें क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस में भाग लिया और पर्यावरण विज्ञान (जिसमें जलवायु परिवर्तन अनुभाग शामिल था) के लिए निर्णायक के रूप में कार्य किया।

## विभागीय उत्तरदायित्व

क्र. सं. उत्तरदायित्व	प्रभारी संकाय सदस्य
01. विभागाध्यक्ष एम.एससी. प्रवेश	डॉ. अचिन्तेश एन. बिस्वास
02. (उप-प्रभारी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में एम.एससी. हेतु केंद्रीकृत परामर्श 2024)	डॉ. अचिन्तेश एन. बिस्वास

क्र. सं. उत्तरदायित्व	प्रभारी संकाय सदस्य
03. संयोजक, एम.टेक./एम.एससी. कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु संस्थान प्रवेश परीक्षा 2022	डॉ. अचिन्तेश एन. बिस्वास
04. विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)	डॉ. तारकनाथ कुंडु (संयोजक) डॉ. अचिन्तेश एन. बिस्वास (विभागाध्यक्ष) डॉ. सुमित साहा (सदस्य) डॉ. निधि गोविल (सदस्य) डॉ. सुमन्त भट्टाचार्य (सदस्य) डॉ. धनंजय त्रिपाठी (सीनेट अध्यक्ष द्वारा नामित सदस्य)
05. शैक्षणिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति	डॉ. तारकनाथ कुंडु (संयोजक) डॉ. अचिन्तेश नारायण बिस्वास (सदस्य) डॉ. सुमित साहा (सदस्य) डॉ. निधि गोविल (सदस्य)
06. एम.एससी. भौतिक रसायन प्रयोगशाला	डॉ. सुमन्त भट्टाचार्य
07. एम.एससी. अकार्बनिक रसायन प्रयोगशाला	डॉ. अचिन्तेश एन. बिस्वास
08. एम.एससी. कार्बनिक रसायन प्रयोगशाला	डॉ. सुमित साहा
09. एम.एससी. विश्लेषणात्मक एवं पर्यावरण रसायन प्रयोगशाला	डॉ. निधि गोविल
10. एम.एससी. संगणनात्मक रसायन प्रयोगशाला	डॉ. सुमन्त भट्टाचार्य
11. बी.टेक. अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान प्रयोगशाला	डॉ. तारकनाथ कुंडु
12. परीक्षा प्रकोष्ठ में विभागीय सदस्य	डॉ. अचिन्तेश एन. बिस्वास
13. संस्थान अनुसंधान समिति में विभागीय सदस्य	डॉ. सुमित साहा
14. विभागीय अभिलेख संधारण	डॉ. अचिन्तेश एन. बिस्वास डॉ. अचिन्तेश एन. बिस्वास
15. संकाय परामर्शदाता	डॉ. तारकनाथ कुंडु डॉ. सुमित साहा

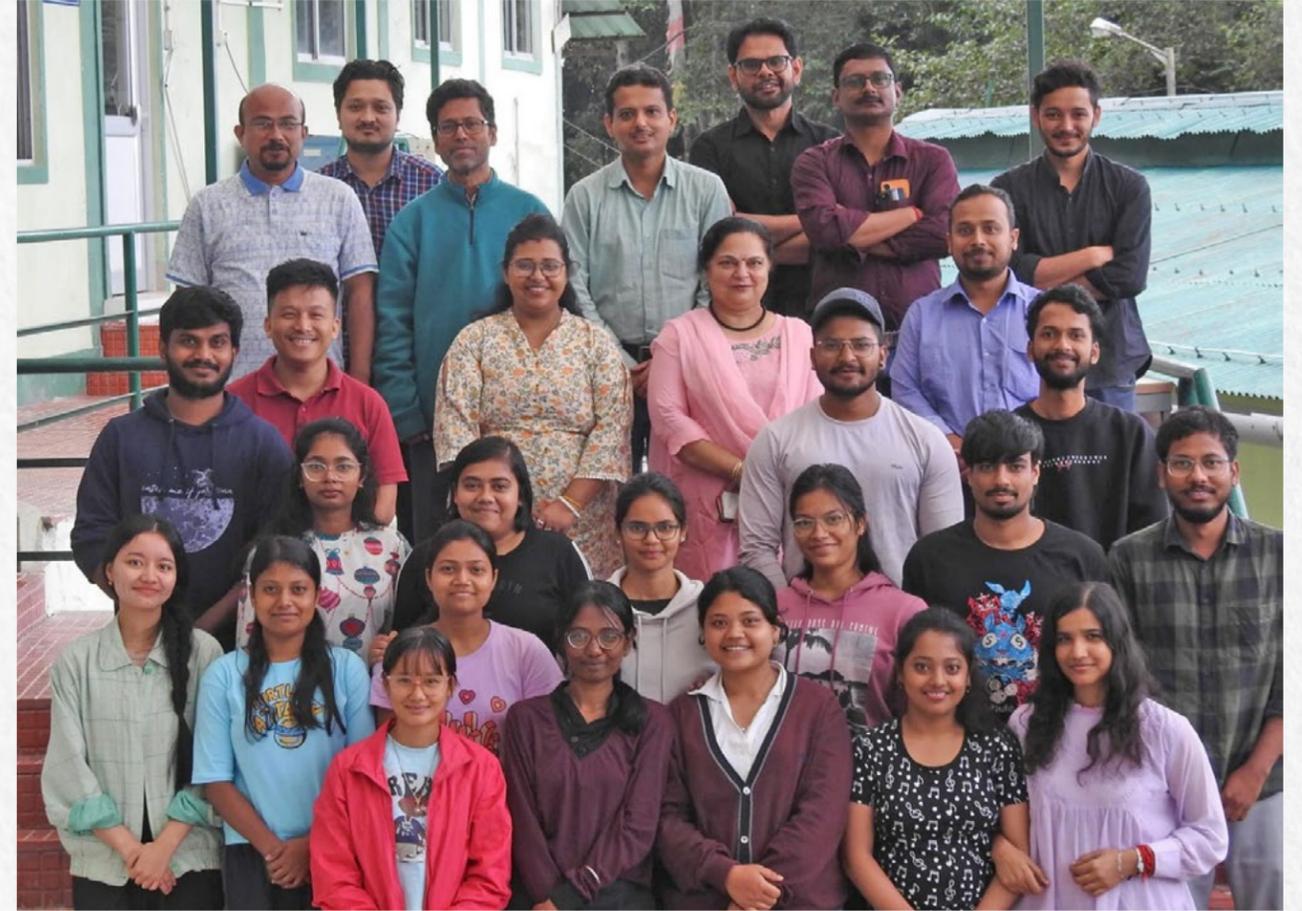
## छायाचित्र दीर्घा



रसायन विज्ञान विभाग



एम.एससी. 2023-25 बैच औद्योगिक भ्रमण के दौरान



संकाय सदस्य एम.एससी. 2024-26 बैच के विद्यार्थियों के साथ



संकाय सदस्य एम.एससी. 2023-25 बैच के विद्यार्थियों के साथ

# मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

वर्ष 2014 में स्थापित, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम का मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग तकनीकी शिक्षा को एक अंतर्विषयी दृष्टिकोण के साथ पूरक बनाता है। यह विभाग इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, और प्रबंधन के स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके और उनमें सतत विकास उन्मुख दृष्टिकोण विकसित हो। शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त, विभाग ने एक शोध कार्यक्रम प्रारंभ किया है और निकट भविष्य में स्नातकोत्तर शिक्षा की दिशा में विस्तार की योजना बना रहा है। वर्तमान में विभाग का शोध प्रकोष्ठ — जिसमें संकाय सदस्य एवं विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.) शोधार्थी शामिल हैं — आधुनिक भारतीय कथा साहित्य, शेक्सपियर के सिनेमाई रूपांतरण, उत्तर-पूर्वी साहित्य, जेंडर स्टडीज़, मानवता के प्रश्न, काल-स्थानिक प्रतिनिधित्व एवं अंग्रेजी साहित्य, उत्तर-मानवतावाद, दक्षिण एशियाई विज्ञान-कथा, पारिस्थितिक कथा, औद्योगिक अर्थशास्त्र एवं उद्यमिता जैसे शोध क्षेत्रों पर केंद्रित है। विभाग के संकाय सदस्य और शोधार्थी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में अपने शोध प्रकाशित कर रहे हैं तथा प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलनों में शोध-पत्र प्रस्तुत कर रहे हैं।

## विभागीय साहित्यिक क्लब — दि रेग्रेन्ट इंक

विभाग का साहित्यिक क्लब दि रेग्रेन्ट इंक विविध प्रकार की गतिविधियों का आयोजन करता है, जिनमें किज़ प्रतियोगिताएँ, फिल्म प्रदर्शन, निबंध लेखन, पोस्टर डिज़ाइन प्रतियोगिता, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, हिंदी पखवाड़ा समारोह तथा विशिष्ट वक्ताओं के अतिथि व्याख्यान शामिल हैं। विशेष रूप से, इस क्लब ने भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति को संस्थान स्तर पर पुनःप्रेरित और प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में क्लब ने जन्माष्टमी, राम नवमी और जनजातीय गौरव दिवस को अत्यंत उत्साह के साथ मनाया तथा पौराणिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक परंपराओं पर आधारित किज़ प्रतियोगिताएँ आयोजित कीं। क्लब ने 14 अगस्त 2024 को विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर 1947 के विभाजन के दुख और पीड़ा को भी स्मरण किया। क्लब औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिनमें सूचनात्मक प्रश्नोत्तरी, रचनात्मक खेल, और कल्पनाशील प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। "रहस्यमयी कड़ी", "पोएटिक", "वेद युद्ध", "तीन लोग क्या कहेंगे", "टू डिटेक्टिव्स" और "वाद-विवाद प्रतियोगिता" जैसे आयोजन विद्यार्थियों को समालोचनात्मक चिंतन, अभिव्यक्ति, और सामूहिक अधिगम के लिए एक रोचक मंच प्रदान करते हैं। क्लब का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करते हुए विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति, सृजनशीलता, कथा-कला और आत्म-अभिव्यक्ति की विशिष्ट प्रतिभा को विकसित करना है।



## उद्देश्य

- विभाग भविष्य में कई नए पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की योजना बना रहा है, जिनमें कम्प्युनिकेटिव स्किल्स, फोनेटिक्स, लिंग्विस्टिक्स के साथ-साथ विदेशी और क्षेत्रीय भाषाओं में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शामिल हैं।
- यह विभाग भारत के प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित कर अंतर्विषयी और एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है।
- विभाग का उद्देश्य स्नातक विद्यार्थियों को वैश्विक औद्योगिक परिवेश में सफलता प्राप्त करने हेतु तैयार करना है, जिसमें शैक्षणिक ज्ञान और व्यावहारिक दक्षता दोनों पर बल दिया जाता है।
- विद्यार्थियों की बदलती आवश्यकताओं तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रोजगार बाजार के अनुरूप पाठ्यक्रम को नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।
- विभाग का पीएच.डी. कार्यक्रम अंतर्विषयी अनुसंधान पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक और औद्योगिक ज्ञान तंत्र में महत्वपूर्ण योगदान देना है।
- विभाग का लक्ष्य है कि वह कार्यशालाओं, अतिथि व्याख्यानों तथा कौशल-विकास कार्यक्रमों का नियमित आयोजन करे, ताकि कक्षा शिक्षण को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ा जा सके और विद्यार्थियों को वास्तविक औद्योगिक चुनौतियों से परिचित कराया जा सके।
- विभाग विद्यार्थियों को संगोष्ठियों, सम्मेलनों और शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे उनमें अनुसंधान की रुचि और समालोचनात्मक सोच विकसित हो सके।
- विभाग निकट भविष्य में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रारंभ करने के प्रयास में है, जिससे इसकी शैक्षणिक और शोध संबंधी नींव और सुदृढ़ हो सके।

## विभाग के पाठ्यक्रम में किए गए अद्यतन

सेनेट की स्वीकृति के उपरांत विभाग ने 2017 की करिकुलम डेवलपमेंट वर्कशॉप के आधार पर दो नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए — इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर तथा ह्यूमन वैल्यूज़ एंड इफेक्टिव कम्प्युनिकेशन इन इंग्लिश। अर्थशास्त्र और प्रबंधन के मौजूदा पाठ्यक्रमों को इंजीनियरिंग की आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित कर इंजीनियरिंग इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट (HS15102) तथा आंत्रप्रेन्योरशिप एंड स्टार्ट-अप (HS16102) के रूप में रूपांतरित किया गया है, जिन्हें बी.टेक. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है।

मई 2019 में एक करिकुलम डेवलपमेंट वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें विशेषज्ञों के सुझावों और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के आधार पर पाठ्यक्रम को आधुनिक बनाया गया। विभाग ने विद्यार्थियों के उच्चारण, स्वराघात और संप्रेषण कौशल में सुधार के लिए एक लैंग्वेज लैब की भी स्थापना की है, जिससे वे अपने करियर के लिए अधिक तैयार हो सकें। वर्तमान में विभाग प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर (HS11102) पाठ्यक्रम प्रदान करता है, साथ ही दो व्यावहारिक पाठ्यक्रम — लैंग्वेज लैब-1 (HS11201) और ह्यूमन वैल्यूज़ एंड इफेक्टिव कम्प्युनिकेशन (HS12202) — भी प्रथम वर्ष के बी.टेक. कार्यक्रम के पहले दो सेमेस्टर्स में संचालित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को व्यावसायिक संप्रेषण के गहन अभ्यास के लिए अतिरिक्त ट्यूटोरियल सत्र भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

## विभाग द्वारा बी.टेक. विद्यार्थियों के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम:

- इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर (HS11102) – बी.टेक. प्रथम वर्ष
- ह्यूमन वैल्यूज़ एंड इफेक्टिव कम्प्युनिकेशन (HS12202) – बी.टेक. प्रथम वर्ष
- लैंग्वेज लैबोरेटरी (HS11201) – बी.टेक. प्रथम वर्ष
- इंजीनियरिंग इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट (HS15102) – बी.टेक. तृतीय वर्ष
- आंत्रप्रेन्योरशिप एंड स्टार्ट-अप (HS16102) – बी.टेक. तृतीय वर्ष



साहित्य वास्तविकता को केवल वर्णित नहीं करता, बल्कि उसे विस्तार देता है। यह हमारे दैनिक जीवन में आवश्यक क्षमताओं को समृद्ध बनाता है; और इस दृष्टि से, यह उन रेगिस्तानों को सींचता है जिनमें हमारा जीवन परिवर्तित हो चुका है।

— सी. एस. लुईस

## विभाग द्वारा पीएच.डी. विद्यार्थियों के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम:

- रिसर्च मेथडोलॉजी (HS31101)
- लिटरेरी थ्योरी - I (HS31102)
- लिटरेरी थ्योरी - II (HS31103)
- जेंडर एंड लिटरेचर (HS31104)
- डूइंग जेंडर एंड व्हाई डज़ इट मैटर? (HS31105)

- हेल्थ अक्रॉस जेंडर स्पेक्ट्रम (HS31106)
- एनवायरनमेंट एंड डेवलपमेंट (HS31107)
- नैरेटिव मोड एंड फिक्शन (HS31108)
- पोस्टमॉडर्निज़्म इन लिटरेचर (HS31109)
- इफेक्टिव राइटिंग (HS31110)
- हिंदुइज़्म थ्रू इट्स स्क्रिप्ट्स (HS31111)
- पोस्टह्यूमनिज़्म: एन इंट्रोडक्शन (HS31112)

## शोध क्षेत्र

विषय	मुख्य शोध के प्रमुख क्षेत्र
अंग्रेजी	<ul style="list-style-type: none"> <li>आधुनिक भारतीय कथा साहित्य</li> <li>शेक्सपियरियन नाटकों में फिल्म अध्ययन</li> <li>उत्तर-पूर्वी साहित्य</li> <li>लिंग अध्ययन और साहित्य</li> <li>साहित्यिक समालोचना</li> <li>मिथक और उसके पुनर्कथन</li> <li>भारतीय अंग्रेज़ी लेखन</li> <li>साहित्य में सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की स्थान-कालिकता</li> <li>मानव स्थिति</li> <li>असुरक्षा अध्ययन</li> <li>पोस्टह्यूमनिज़्म</li> <li>दक्षिण एशियाई विज्ञान कथा और पारिस्थितिक कथा</li> </ul>
अर्थशास्त्र	<ul style="list-style-type: none"> <li>औद्योगिक अर्थशास्त्र और उद्यमिता</li> <li>वित्तीय प्रबंधन</li> <li>बिग डेटा एनालिटिक्स</li> <li>प्रबंधकीय अर्थशास्त्र</li> </ul>

## शोधार्थी

### डिग्री प्रदान किया गया

क्रम सं.	नाम	पर्यवेक्षक	प्रबंध का शीर्षक
1	श्रीमती लक्ष्मी राय	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	बॉलीवुड में चयनित शेक्सपियरियन त्रासदियों के सिनेमाई रूपांतरण
2	श्री भास्कर छेत्री	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	चयनित राज उपन्यासों में बहुसंस्कृतिवाद
3	सुश्री अंकिता सरमाह	डॉ. धनंजय त्रिपाठी और डॉ. बेदब्रत सैकिया (सह-पर्यवेक्षक)	असम में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के अवसरों और चुनौतियों पर एक अध्ययन

## चल रहे शोध:

क्र. सं.	नाम	पर्यवेक्षक	शोध क्षेत्र
1	सुश्री संजना चक्रवर्ती (प्रबंध समीक्षा हेतु प्रस्तुत)	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	दक्षिण एशियाई साहित्य में पुरुष शरीर और पहचान की राजनीति प्रबंध शीर्षक: सबवर्सिव मैस्कुलिन आइडेंटिटीज़ — रिप्रेज़ेंटेशन्स ऑफ़ एडोलेसेंट मेल बॉडीज़ इन साउथ एशियन लिटरेचर थ्रू क्रियर सब्जेक्टिविटी
2	सुश्री अंकिता बारिक	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	साहित्य में सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की स्थान-कालिकता
3	सुश्री अंकिता दास	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	साहित्य में मानव स्थिति और असुरक्षा अध्ययन
4	सुश्री सृजिता सरकार	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	उत्तर-मानवतावाद, दक्षिण एशियाई विज्ञान कथा और पारिस्थितिक कथा

विभाग गर्वपूर्वक अपने डॉक्टरल समूह में एक नई सदस्य का स्वागत करता है। सुश्री सृजिता सरकार, जिन्होंने यूजीसी-नेट और गेट दोनों परीक्षाएं उत्तीर्ण की हैं, दिसंबर 2024 चक्र के अंतर्गत पूर्णकालिक पीएच.डी. शोधार्थी के रूप में विभाग से जुड़ी हैं, जिससे विभाग की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सुदृढ़ हुई है। सुश्री संजना चक्रवर्ती ने हाल ही में अपने प्रस्तावित प्रबंध "सबवर्सिव मैस्कुलिन आइडेंटिटीज़: रिप्रेज़ेंटेशन्स ऑफ़ एडोलेसेंट मेल बॉडीज़ इन साउथ एशियन लिटरेचर थ्रू क्रियर सब्जेक्टिविटी" पर अपना प्री-सिनॉप्सिस सेमिनार प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, दो चल रही शोधार्थिनियां — सुश्री अंकिता बारिक और सुश्री अंकिता दास — ने सफलतापूर्वक अपना कोर्सवर्क, व्यापक परीक्षा (कॉम्प्रिहेंसिव एग्ज़ामिनेशन) और स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट सेमिनार पूर्ण कर लिया है, और अब संस्थान की औपचारिक रूप से पंजीकृत पीएच.डी. शोधार्थी बन गई हैं।

## शोध परियोजनाएं

क्रम सं.	परियोजना शीर्षक	प्रधान अन्वेषक	निधीयन एजेंसी	स्थिति
1	द ओकल्ट ट्रेडिशन ऑफ़ शमनिज़्म इन सिक्किम: ए स्टडी ऑफ़ इट्स कोर बिलीफ़ एंड ट्राइबल नेचर।	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	आईसीएसएसआर	पूर्ण
2	कोविड-19 एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन सिक्किम: ए स्टडी ऑफ़ हाउ एंड व्हाई सिक्किम बिकेम एन एक्सेप्शन।	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	आईसीएसएसआर	पूर्ण

## संकाय विवरण

### डॉ. धनंजय त्रिपाठी

एसोसिएट प्रोफेसर

डी.फिल (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2013), एम.ए. (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2006), पीजीसीटीई, (ईएफएल्यू, हैदराबाद)

**अनुसंधान क्षेत्र:** साहित्यिक समालोचना, मिथक और उसका पुनर्कथन, भारतीय अंग्रेज़ी लेखन, फिलोमिलोजी, जेन्डर एवं क्रिसिस स्टडीज़

### डॉ. ऋचा मिश्रा

असिस्टेंट प्रोफेसर (अस्थायी)

डी.फिल (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2016), एम.ए. (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2011)

**अनुसंधान क्षेत्र:** भारतीय अंग्रेज़ी लेखन, पौराणिक पुनर्कथन।

### डॉ. मार्क्सिया ओली सिगो

असिस्टेंट प्रोफेसर (अस्थायी)

पीएच.डी. (भारथिदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, 2019), एम.बी.ए. (बीएसएमईडी - भारथियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, 2006)

**अनुसंधान क्षेत्र:** वित्तीय प्रबंधन, बिग डेटा एनालिटिक्स, प्रबंधकीय अर्थशास्त्र।

## स्नातक विद्यार्थियों के लिए भाषा प्रयोगशाला

विद्यार्थियों की भाषा अधिगम आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ओरेल टॉक डिजिटल लैंग्वेज लैबोरेटरी — जो अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित है — की स्थापना दिसंबर 2019 में की गई।

सितंबर 2023 से प्रथम वर्ष के बी.टेक. पाठ्यक्रम में समाहित यह लैंग्वेज लैब विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मापनीय परिणामों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इस उन्नत सॉफ्टवेयर के माध्यम से विद्यार्थियों की भाषा दक्षता को सशक्त बनाया जाता है, साथ ही ग्रूमिंग और आत्म-सुधार से संबंधित मॉड्यूल के द्वारा उनके समग्र व्यक्तित्व विकास को भी प्रोत्साहित किया जाता है। ऑफलाइन गतिविधियों में विचार-विमर्श (डिबेट), मॉक इंटरव्यू, तात्कालिक भाषण, फ़िल्म और पुस्तक समीक्षा, मौखिक एवं डिजिटल प्रस्तुतियाँ शामिल हैं, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण में सहायक होती हैं।

### ओरेल टॉक सॉफ्टवेयर में निम्नलिखित घटक शामिल हैं:

- **एसएलए (एसआइएन स्पीकिंग एंड लिशनिंग):** शिक्षक विद्यार्थियों को बोलने और सुनने के संरचित कार्य सौंप सकते हैं।
- **इंटरकॉम:** शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच वास्तविक समय में द्विपक्षीय संवाद की सुविधा प्रदान करता है।
- **लाइव क्लासरूम:** लाइव सत्रों का संचालन करता है और विद्यार्थी सहभागिता एवं जुड़ाव की निगरानी करता है।



- **लेसन स्टूडियो:** शिक्षक वीडियो, ऑडियो और टेक्स्ट के माध्यम से मल्टीमीडिया अध्ययन सामग्री तैयार कर साझा कर सकते हैं।
- **ई-राइटर:** लेखन कार्यों को सौंपने और प्रस्तुत करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- **ई-रीडर:** अध्ययन सामग्री को व्यक्तिगत विद्यार्थियों या समूहों में वितरित करने की सुविधा प्रदान करता है।
- **ई-एग्जाम:** व्यक्तिगत या समूह स्तर पर मूल्यांकन और परीक्षाएँ आयोजित करता है।
- **स्क्रीन व्यूअर:** शिक्षक को सत्र के दौरान विद्यार्थियों की स्क्रीन को गोपनीय रूप से देखने और मॉनिटर करने की अनुमति देता है।
- **अलर्ट:** विद्यार्थी द्वारा शिक्षक से सहायता या समर्थन के लिए अनुरोध करने की सुविधा प्रदान करता है।
- विभाग का उद्देश्य पाठों को अधिक आकर्षक और संवादात्मक बनाना भी है। इसके लिए भाषा प्रयोगशाला के पाठ्यक्रम में विविध विषयों — जैसे फ़िल्म एवं पुस्तक समीक्षा से लेकर दार्शनिक चर्चाओं तक — पर पावरपॉइंट प्रस्तुतियाँ शामिल की गई हैं। ये मल्टीमॉडल प्रस्तुतियाँ भाषा अधिगम को समृद्ध बनाती हैं, क्योंकि वे दृश्य सहायता प्रदान करती हैं, मल्टीमीडिया का एकीकरण करती हैं, संरचित सामग्री प्रस्तुति को सक्षम बनाती हैं, संवादात्मक सहभागिता को बढ़ावा देती हैं, विविध अधिगम शैलियों को संबोधित करती हैं और बोलने के अभ्यास को प्रोत्साहित करती हैं।



## विभागीय संकाय सदस्यों के हालिया प्रकाशन

सिगो, एम. ओ., सेल्वम, एम., वेंकटेश्वर, एस., मनियम, बी., सुब्रमण्यम, जी., और कन्नैया, डी. (2024)। एप्लिकेशन्स ऑफ़ न्यूरो डीप लर्निंग मॉडल्स इन प्रेडिक्टिव डेटा एनालिटिक्स फॉर द मूवमेंट्स एंड ट्रेन्स ऑफ़ द इंडियन

स्टॉक मार्केट: फाइनेंशियल डेटा माइनिंग, नॉनलाइनियरिटी, एंड क्वांटम फाइनेंस। जर्नल ऑफ़ इकोह्यूमनिज़्म, 3(6), 2184-2202। [https://doi.org/10.62754/joe.v3i6.4505]

चक्रवर्ती, एस., और त्रिपाठी, डी. (2024)। शरीफ़ डी. रंगनेकर द्वारा रचित "क्रीयरसैपियन" की समीक्षा। इंटरडिसिप्लिनरी लिटरेरी स्टडीज़, 26(3), 491-495।

सिगो, एम. ओ., सेल्वम, एम., वेंकटेश्वर, एस., लिंगराजा, के., अमिर्धवसानी, एस., और धनसेकर, डी. (2024)। एजाइल आंत्रप्रेन्योरशिप: एवोल्यूशन एंड ग्रोथ ऑफ़ कॉरपोरेट इंडिया। जर्नल ऑफ़ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लिकेशन्स, 32(5), 23-28।

बारिक, ए., और त्रिपाठी, डी. (2025)। इंद्रनील आचार्य और उज्ज्वल कुमार पांडा द्वारा रचित जियोग्राफिकल इमेजिनेशन: लिटरेचर एंड द 'स्पेशियल टर्न' की समीक्षा। इंटरडिसिप्लिनरी लिटरेरी स्टडीज़। (प्रकाशनाधीन)।

चक्रवर्ती, एस., और त्रिपाठी, डी. (2025)। मैस्कुलिनिटीज़ एट द क्रॉसरोड्स: थियोरिटिकल इनसाइट्स इंटू जेंडर्ड वायलेंस एंड सोशल क्लास इन तसलीमा नसरीन'स लज्जा। एटलांटिस: क्रिटिकल स्टडीज़ इन जेंडर, कल्चर एंड सोशल जस्टिस। (प्रकाशनाधीन)।

चक्रवर्ती, एस., और त्रिपाठी, डी. (2025)। डिसिप्लिन ऑर एब्यूज़: पुलिसिंग द जेंडर नैरेटिव्स ऑफ़ क्वीयर आइडेंटिटीज़ एंड बॉडी इमेज थू द फनी बॉय एंड द कार्पेट वीवर। डी. पत्रिकोट और तनुप्रिया (संपा.) में, क्वीयर रिप्रेजेंटेशन इन लिटरेचर एंड पॉपुलर कल्चर। वर्नन प्रेस। (आगामी प्रकाशन)।

## विभागीय संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए हालिया व्याख्यान एवं संगोष्ठियाँ

- डॉ. धनंजय त्रिपाठी ने 21-25 अक्टूबर, 2024 को IIM रायपुर में हुए फैकल्टी लीडरशिप प्रोग्राम "नर्वीरिंग फ्यूचर लीडरशिप" में एक एक्सपर्ट टॉक दी।
- डॉ. धनंजय त्रिपाठी ने 12.03.2025 को दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के मानविकी विभाग द्वारा आयोजित 'कम्युनिकेशन

लेक्चर सीरीज़ में "नील्सो एंड द गीता: एन एक्सप्लोरेशन ऑफ़ शेयर्ड फिलॉसॉफिकल नोशन" शीर्षक से एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- डॉ. धनंजय त्रिपाठी ने 25.03.2025 को एसआरएम चेन्नई में "रिसर्च मेथड्स इन लिटरेचर" शीर्षक से एक अकादमिक व्याख्यान दिया।

### विभागीय समितियाँ

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	समिति/पद का नाम
1	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	विभागाध्यक्ष
2	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	अधिष्ठाता (संकाय कल्याण)
3	डॉ. धनंजय त्रिपाठी डॉ. ऋचा मिश्रा डॉ. मार्क्सिया ओली. सिगो	एफआईसी डिपार्टमेंट फैकल्टी बोर्ड, एफआईसी, एनुअल रिपोर्ट, बी.टेक फर्स्ट ईयर कोऑर्डिनेटर
4	डॉ. धनंजय त्रिपाठी (कन्वीनर) डॉ. ऋचा मिश्रा डॉ. मार्क्सिया ओली. सिगो डॉ. अचिंतेश एन बिस्वास (एक्सटर्नल) डॉ. राजीव रंजन द्विवेदी (एक्सटर्नल) डॉ. संग्राम रे (एक्सटर्नल)	विभागीय स्नातकोत्तर समिति
5	डॉ. धनंजय त्रिपाठी डॉ. ऋचा मिश्रा डॉ. मार्क्सिया ओली. सिगो	एफआईसी, भारतीय भाषा और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रचार
6	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	प्रभारी संकाय – प्रशिक्षण एवं नियुक्ति प्रकोष्ठ
7	डॉ. ऋचा मिश्रा	विभागीय वार्षिक प्रतिवेदन समिति
8	डॉ. मार्क्सिया ओली. सिगो	केंद्रीय पुस्तकालय समिति
09	डॉ. धनंजय त्रिपाठी डॉ. ऋचा मिश्रा डॉ. मार्क्सिया ओली. सिगो	विभागीय ग्रेड संयोजन समिति
10	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	मुख्य जन सूचना अधिकारी
11	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	प्रभारी संकाय – मुद्रण एवं प्रकाशन

# लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं वार्षिक लेखा

---





कार्यालय लेखाकार (लेखापरीक्षा)  
लेखापरीक्षा भवन, देवराली, सिक्किम  
गंगतोक - 737102

Office of the Accountant General (Audit),  
Lekha Pariksha Bhawan, Deorali, Sikkim  
Gangtok - 737 102.

No: Comm./NIT/24-25/25-26/189  
Dated: 28<sup>th</sup> October 2025.

सेवा में,  
निदेशक,  
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
रावंगला: दक्षिण सिक्किम - 737139

विषय: वर्ष समाप्त 31 मार्च 2025 के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की राय तथा पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन अग्रेषित करने के संबंध में।

महोदय/महोदया,

मैं यहां पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की राय तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रावंगला के 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों पर आधारित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन संलग्न कर अग्रेषित कर रहा/रही हूँ।

संलग्नक: उपर्युक्त अनुसार

भवदीय,

उप लेखा महानियंत्रक (लेखापरीक्षा)

## 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रावंगला, सिक्किम के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की राय

### राय

हमने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रावंगला, सिक्किम के वित्तीय विवरणों का लेखा परीक्षण किया है, जिसमें 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार वित्तीय स्थिति विवरण, उस वर्ष की आय एवं व्यय लेखा, प्राप्त एवं भुगतान लेखा, तथा वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां शामिल हैं। इन टिप्पणियों में मुख्य लेखांकन नीतियों का सारांश भी सम्मिलित है। यह लेखा परीक्षण नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 2007 की धारा 22(2) के अंतर्गत किया गया है।

यह लेखा परीक्षा प्रतिवेदन केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं के अनुरूपता, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि से संबंधित लेखांकन उपचार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ सम्मिलित करता है। कानून, नियमों और विनियमों के अनुपालन (नैतिकता एवं नियमितता) तथा दक्षता एवं प्रदर्शन से संबंधित वित्तीय लेनदेन पर लेखा टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, तो उन्हें निरीक्षण प्रतिवेदनों या नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लेखा प्रतिवेदनों में पृथक रूप से प्रस्तुत किया जाता है।

हमारी राय में, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रावंगला, सिक्किम के संलग्न वित्तीय विवरण, उनके साथ दिए गए टिप्पणियों तथा आगामी प्रारूप पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में उल्लिखित विषयों को साथ पढ़ने पर, 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार इस स्वायत्त निकाय की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन तथा उस वर्ष के अंत में हुई नकद प्रवाह की वास्तविक और निष्पक्ष तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

### राय का आधार

हमने यह लेखा परीक्षा नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) के लेखा परीक्षा विनियमों, मानकों, पुस्तिकाओं, दिशानिर्देशों, परामर्श टिप्पणियों, आदेशों एवं परिपत्रों आदि के अनुसार की है। हमारी जिम्मेदारियाँ इस प्रतिवेदन के "वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण हेतु लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियाँ" अनुभाग में और अधिक विस्तार से वर्णित हैं। हम वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण से संबंधित नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार इस स्वायत्त निकाय से स्वतंत्र हैं, और इन आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियाँ भी पूरी की हैं। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य हमारी राय के लिए पर्याप्त और उपयुक्त आधार प्रदान करते हैं।

### वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रावंगला, सिक्किम वित्तीय विवरणों की तैयारी और उनके निष्पक्ष प्रस्तुतीकरण के लिए उत्तरदायी है। यह तैयारी भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन मानकों तथा स्वायत्त निकायों के लिए लागू एकरूप लेखा प्रारूप के अनुसार की जानी आवश्यक है। संस्थान का प्रबंधन आंतरिक नियंत्रण की स्थापना और उसका पालन भी उतना ही आवश्यक मानता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वित्तीय विवरण किसी भी प्रकार की भौतिक त्रुटि, चाहे वह धोखाधड़ी से हो या भूलवश, से मुक्त रहें।

**वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण हेतु लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियाँ**

हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वित्तीय विवरण संपूर्ण रूप से किसी भी भौतिक त्रुटि, चाहे वह धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटिवश, से मुक्त हैं, इस पर यथोचित आश्वासन प्राप्त किया जा सके। साथ ही, नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) के लेखा परीक्षा विनियमों, मानकों, पुस्तिकाओं, दिशानिर्देशों, परामर्श टिप्पणियों, आदेशों एवं परिपत्रों आदि के अनुसार हमारी राय सहित लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी की जाए।

स्थान: गंगटोक

दिनांक: \_\_\_\_\_

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से



महालेखाकार

**राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रवंगला, सिक्किम के लेखों पर 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन****छ. आंतरिक नियंत्रणों का मूल्यांकन**

- (i) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता: वाउचर के रखरखाव, नकद पुस्तिका के प्रमाणीकरण तथा वाहनों से संबंधित अभिलेखों (ब्लू बुक और लॉग बुक) के संदर्भ में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त पाई गई।
- (ii) आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता: संस्थान ने आंतरिक लेखा परीक्षा के संचालन हेतु एक चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म को नियुक्त किया था, और यह व्यवस्था संस्थान के आकार एवं कार्य के स्वरूप के अनुरूप है।
- (iii) स्थायी परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली: वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा परिसंपत्तियों का कोई भौतिक सत्यापन नहीं किया गया।
- (iv) भंडार के भौतिक सत्यापन की प्रणाली: वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा भंडार का कोई भौतिक सत्यापन नहीं किया गया।
- (v) वैधानिक देयों के भुगतान की नियमितता: प्राधिकरण निर्विवाद वैधानिक देयों के जमा करने में नियमित है।

**ज. अनुदान सहायता**

वर्ष के दौरान प्राप्त ₹134.32 करोड़ की अनुदान सहायता में से संगठन ने ₹45.50 करोड़ का उपयोग किया, जबकि ₹88.88 करोड़ की राशि 31 मार्च 2025 तक अप्रयुक्त अनुदान के रूप में शेष रही।

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

31.03.2025 को बैलेंस शीट

कोष का स्रोत	अनुसूची संख्या	राशि रुपये में	
		चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
कोष/पूँजीगत कोष	1	623,808,693.00	426,121,376.00
नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती कोष	2	9,424,289.00	9,411,134.00
वर्तमान दायित्व एवं प्रावधान	3	985,915,953.00	921,768,177.00
<b>कुल</b>		<b>1,619,148,935.00</b>	<b>1,357,300,687.00</b>
कोष का अनुप्रयोग			
स्थाई सम्पत्ति	4		
मूर्त सम्पत्ति		296,632,342.00	322,146,447.00
अमूर्त सम्पत्ति		6,586,697.00	4,416,276.00
कैपिटल कार्य - प्रगति पर (नया कैपस)		146,211,763.00	5,237,275.00
परियोजनाओं के अंतर्गत अर्जित संपत्तियाँ		33,315,885.00	-
निर्धारित/बंदोबस्ती कोष से निवेश	5		
दीर्घकालिक		-	-
अल्पकालिक		-	-
निवेश - अन्य	6		
चालू सम्पत्ति	7	237,792,098.00	214,076,006.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	898,610,150.00	811,424,683.00
		<b>1,619,148,935.00</b>	<b>1,357,300,687.00</b>
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं एवं नोट्स	24		

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के लिए और उसकी ओर से

mgf

निदेशक

HBash

कुलसचिव

Jais

सहायक कुलसचिव



दिनांक:

स्थान: रावंगला, दक्षिण सिक्किम

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची संख्या	राशि रुपये में	
		चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
<b>आय</b>			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	49,999,306.00	37,538,085.00
अनुदान/सब्सिडी	10	270,099,851.00	248,796,136.00
निवेश से आय	11	9,737,564.00	6,528,913.00
अर्जित ब्याज	12	391,784.00	239,655.00
अन्य आय	13	4,382,314.00	1,664,000.00
पूर्वावधि आय	14	535,274.00	2,781,887.00
<b>कुल (क)</b>		<b>335,146,093.00</b>	<b>297,548,676.00</b>
<b>व्यय</b>			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15	181,243,609.00	151,764,617.84
शैक्षणिक व्यय	16	40,092,090.00	37,866,278.00
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	55,512,074.00	57,847,464.00
परिवहन व्यय	18	1,548,431.00	1,469,625.00
मरम्मत एवं रख रखाव	19	9,989,942.00	10,285,182.00
वित्त लागत	20	19,320.00	27,118.00
मूल्यहास	4	67,258,684.00	59,270,392.00
अन्य व्यय	21	-	-
पूर्वावधि व्यय	22	-	400,244.00
<b>कुल (ख)</b>		<b>355,664,150.00</b>	<b>318,930,920.84</b>
शेष जो की व्यय पर आय का अधिशेष (क - ख) है		-20,518,057.00	-21,382,244.84
निर्दिष्ट निधि से/में अंतरण		-	-
भवन निधि		-	-
आस्थगित राजस्व आय - मूल्यहास		67,258,684.00	59,270,392.00
शेष अधिशेष/घाटा आगे ले जाया गया			
पूँजी निधि		<b>46,740,627.00</b>	<b>37,888,147.16</b>
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं एवं नोट्स	24		

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के लिए और उसकी ओर से

mgf

निदेशक

HBash

कुलसचिव

Jais

सहायक कुलसचिव



दिनांक:

स्थान: रावंगला, दक्षिण सिक्किम

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष
	31.03.2025	31.03.2024		31.03.2025	31.03.2024
1. प्रारम्भिक शेष			1. व्यय		
क) नकद शेष	50,000.00	50,000.00	क) स्थापना व्यय	171,124,540.00	133,653,119.84
ख) नकद शेष - परियोजना	24,926.00	24,277.00	ख) शैक्षणिक व्यय	37,290,200.00	35,132,738.00
ग) बैंक शेष			ग) प्रशासनिक व्यय	51,807,587.00	55,345,965.00
i) चालू खाता	16,467,635.00	8,363,129.00	घ) परिवहन व्यय	1,417,669.00	1,469,625.00
ii) जमा खातों में	132,039,225.00	97,382,622.00	ङ) मरम्मत एवं रखरखाव	9,989,942.00	9,775,852.00
iii) बचत खाता	62,226,859.00	21,384,308.00	च) पूर्वावधि व्यय	-	400,244.00
iv) परियोजना खाता	-	-	छ) वित्त लागत	19,320.00	27,118.00
iv) ग्रांट इन ट्रांजिट	-	-			
2. अनुदान प्राप्त					
क) भारत सरकार से	545,100,000.00	1,072,800,000.00	2. चिन्हित/बंदोबस्ती निधि के प्रति भुगतान	2,643,875.00	5,661,583.00
ख) अन्य स्रोतों से (विवरण)	-	-			
(पूँजी एवं राजस्व व्यय के लिए अनुदान, जिसे उपलब्ध होने पर पृथक रूप में दिखाया जाये)			3. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति भुगतान	18,017,714.00	9,165,158.00
3. शैक्षणिक प्राप्ति	47,378,035.00	39,901,830.00	4. प्रायोजित फेलोशिप/छात्रवृत्तियों के प्रति भुगतान	-	-
4. चिन्हित/बंदोबस्ती निधि के प्रति प्राप्ति	2,657,030.00	5,658,428.00			
5. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति प्राप्ति	8,223,005.00	19,062,233.00	5. निवेश एवं जमा		
			क) चिन्हित/बंदोबस्ती निधियों से	-	-
			ख) स्व - निधियों से	-	-
6. प्रायोजित फेलोशिप/छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्ति	-	-	6. अनुसूचित बैंकों में सावधिक जमा	55,000,000.00	-
7. निम्न निवेश पर आय			7. अनुदानों की वापसी	149.00	3,073,131.00
क) चिन्हित निधियां	-	-	8. स्थिर परिसम्पत्तियों एवं अमूर्त स्थिर परिसम्पत्तियों पर व्यय		
			कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	3,502,927.00	-
			पूँजी कार्य प्रगति	24,814,353.00	1,371,275.00
			अमूर्त स्थिर परिसंपत्तियां		
8. ब्याज प्राप्ति			क) कम्प्यूटर एवं पेरिफेरल्स	21,478,320.00	339,499.00
क) बैंक जमा	9,737,564.00	6,528,913.00	ख) कार्यालय उपकरण	426,558.00	125,383.00
ख) फ्लोक्सी डिपॉजिट	-	-	ग) पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	547,993.00	668,276.00
ग) बचत बैंक खाता	391,784.00	239,655.00	घ) वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	2,091,700.00	2,619,162.00
			ङ) संयंत्र एवं मशीनरी	132,600.00	-
9. निवेश नकदीकरण	-	-	च) अन्य स्थिर परिसंपत्तियां	7,698.00	19,500.00
			छ) फर्नीचर, फिक्सचर एवं फिटिम्स	5,341,414.00	3,497,654.00
10. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा नकदीकरण	15,000,000.00	10,000,000.00	ज) ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	-	12,000.00
			झ) अस्थायी शेड	-	-
			ट) श्रव्य दृश्य उपकरण	2,633,100.00	3,831,118.00
			ठ) विद्युत अधिष्ठापन एवं उपकरण	1,956,860.00	839,170.00

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष
	31.03.2025	31.03.2024		31.03.2025	31.03.2024
			ड) ई पत्रिका	3,058,625.00	6,066,803.00
			ढ) वाहन	2,737,205.00	2,674,446.00
			ण) खेल उपकरण	-	182,800.00
			9. सांविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान	49,010,940.00	26,457,581.00
			10. जमा एवं अग्रिम	208,426,515.00	803,105,919.00
11. अन्य आय (पूर्वावधि सहित)	4,382,314.00	1,664,000.00			
			11. अन्य भुगतान (शिक्षा मंत्रालय में अंतरण)	-	-
12. जमा, देनदार एवं अग्रिम	3,218,500.00	4,532,237.84	12. अंतिम शेष		
			क) नकद शेष	50,000.00	50,000.00
13. वैधानिक प्राप्ति सहित विविध प्राप्तकर्ता	58,333,128.00	22,271,213.00	ख) बैंक शेष		
			i) चालू खाता	17,120,465.00	16,467,635.00
14. जमानती जमा राशि	1,929,260.00	6,142,625.00	ii) जमा खाता	184,176,429.00	132,039,225.00
			iii) बचत खाता	32,464,553.00	62,226,859.00
15. अन्य कोई प्राप्ति	556,062.00	318,294.00	iv) परियोजना खाता	426,076.00	24,926.00
			iv) ग्रांट-इन-ट्रांजिट	-	-
	<b>907,715,327.00</b>	<b>1,316,323,764.84</b>		<b>907,715,327.00</b>	<b>1,316,323,764.84</b>

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के लिए और उसकी ओर से

mgf

निदेशक

Rash

कुलसचिव

Jais

सहायक कुलसचिव



दिनांक:

स्थान: रावंगला, दक्षिण सिक्किम

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

## बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची अनुसूची-1 : कॉर्पस/पूँजी निधि

कॉर्पस फंड	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
वर्ष के प्रारम्भ में शेष	88,723,286.00	425,115,379.00
जोड़ें: कॉर्पस/केपिटल फंड में योगदान	1.00	1.00
जोड़ें: पूँजी व्यय के लिए प्रयुक्त तक यूजीसी, भारत सरकार एवं राज्य सरकार से अनुदान	-	-
जोड़ें: चिन्हित निधि से क्रय की गयी परिसंपत्तियां	-	-
जोड़ें: प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गयी परिसंपत्तियां जहाँ संस्थानों में स्वामित्व निहित है	-	-
जोड़ें: परिसंपत्तियां दान/उपहार प्राप्त	-	-
जोड़ें: अन्य अधिशेष	5,598,092.00	-
घटाव: पूँजीगत निधि में पूँजीकृत परिसंपत्तियों का स्थानांतरण	-	374,280,241.00
जोड़ें: व्यय पर आय का अधिशेष आय एवं व्यय लेखा से अंतरित	46,740,627.00	37,888,147.00
वर्ष के अंत में शेष (क)	<b>141,062,006.00</b>	<b>88,723,286.00</b>

कॉर्पस फंड	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
वर्ष के प्रारम्भ में शेष	337,398,090.00	374,280,241.00
जोड़ें: कॉर्पस/केपिटल फंड में योगदान	-	-
जोड़ें: पूँजी व्यय के लिए प्रयुक्त तक यूजीसी, भारत सरकार एवं राज्य सरकार से अनुदान	183,002,097.00	22,247,087.00
जोड़ें: चिन्हित निधि से क्रय की गयी परिसंपत्तियां	-	-
जोड़ें: प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गयी परिसंपत्तियां जहाँ संस्थानों में स्वामित्व निहित है	33,315,885.00	-
घटाव: अन्य विलोपन (पिछला वर्ष)	5,598,092.00	-
घटाव: पूँजीगत संपत्तियों पर मूल्यहास	65,371,293.00	59,129,238.00
जोड़ें: व्यय पर आय का अधिशेष आय एवं व्यय लेखा से अंतरित	482,746,687.00	337,398,090.00
वर्ष के अंत में शेष (ख)	482,746,687.00	337,398,090.00
<b>कुल (क+ख)</b>	<b>623,808,693.00</b>	<b>426,121,376.00</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची अनुसूची-2 : निर्दिष्ट/चिन्हित/बंदोबस्ती निधि

विवरण	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
क) प्राथमिक शेष	9,411,134.00	9,424,289.00
ख) वर्ष के दौरान परिवर्धन	2,657,030.00	5,658,428.00
ग) निधियों से निर्मित निवेश से आय	-	-
घ) निवेश/अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-	-
ङ) बचत बैंक खाते पर ब्याज	-	-
च) अन्य परिवर्धन (नियोक्ता योगदान)	-	-
<b>कुल (क)</b>	<b>12,068,164.00</b>	<b>15,082,717.00</b>
ख) निधियों के उद्देश्य के लिए उपयोग एवं व्यय	-	-
i) पूँजीगत व्यय	-	-
ii) राजस्व व्यय	2,643,875.00	5,671,583.00
iii) वापसी	-	-
<b>कुल (ख)</b>	<b>2,643,875.00</b>	<b>5,671,583.00</b>
वर्ष के अंत में शेष (क - ख)	9,424,289.00	9,411,134.00
<b>निम्न द्वारा प्रस्तुत</b>		
नकद एवं बैंक शेष	9,424,289.00	9,411,134.00
निवेश	-	-
ब्याज अर्जित लेकिन देय नहीं	-	-
<b>कुल</b>	<b>9,424,289.00</b>	<b>9,411,134.00</b>

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

## बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

### अनुसूची-2A : बंदोबस्ती निधि

बंदोबस्ती निधि का नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान परिवर्धन		कुल		वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय		प्रारंभिक शेष		कुल (10+11)
	बंदोबस्ती	संचित ब्याज	बंदोबस्ती	ब्याज	बंदोबस्ती	संचित ब्याज	बंदोबस्ती	संचित ब्याज	बंदोबस्ती	संचित ब्याज	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
क)											
ख)											
ग)											
घ)											
ङ)											
च)											

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

## बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

### अनुसूची-3 : वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान

	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
<b>अ वर्तमान देयताएं</b>		
1 आपूर्तिकर्ताओं से जमा	2,399,910.00	2,599,910.00
2 विद्यार्थियों से जमा	17,361,331.00	14,431,820.00
<b>3 विविध लेनदार</b>		
क) माल एवं सेवाओं के लिए	4,348,071.00	4,598,730.00
ख) अन्य	1,695,786.00	599,140.00
4 जमा - अन्य (ईएमडी, सिक्कोरिटी डिपॉजिट सहित)	3,255,020.00	9,039,387.00
5 वैधानिक देयताएं (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूसी कर, सीपीएफ, जीआइएस, एनपीएस)		
क) अतिदेय	-	-
ख) अन्य	8,286,812.00	20,749,297.00
6 अन्य चालू देयताएं		
क) वेतन एवं मजदूरी	-88,214.00	9,412,703.00
ख) प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	2,373,744.00	11,607,544.00
ग) प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियां	-	-
घ) अनुपयोगी अनुदान	888,794,158.00	798,683,646.00
ड.) मेडिकल बोर्ड निधि	371,001.00	371,001.00
च) सीपीएफ फण्ड	411,455.00	411,455.00
छ) देय फेलोशिप/छात्रवृत्ति	2,325,987.00	2,791,658.00
ज) चीफ वार्डन निधि	6,634,301.00	4,151,389.00
झ) अन्य देयताएं	1,281,088.00	777,521.00
ञ) एलुमिनी एसोसिएशन शुल्क	125,805.00	125,805.00
ट) छात्रावास मेस एवं कर्मचारी कल्याण निधि	1,118,055.00	1,118,055.00
ठ) सोसाइटी शुल्क	600,801.00	368,257.00
ड) अग्रिम शुल्क	5,422,117.00	5,652,406.00
ढ) फीस माफी देय	-	2,674,768.00
ण) परियोजना निधि	-	736,093.00
प) छात्र गतिविधियाँ निधि	-	43,014.00
फ) मंत्रालय को देय बचत ब्याज	-	-
<b>कुल (क)</b>	<b>946,717,228.00</b>	<b>890,943,599.00</b>
<b>ख) प्रावधान</b>		
1 कराधान के लिए	-	-
2 प्रेच्युटी	21,805,258.00	17,829,999.00
3 सुपरएनुशन पेंशन	-	-
4 संचित अवकाश नकदीकरण	17,393,467.00	12,994,579.00
5 ट्रेड वारंटियां/दावे	-	-
6 अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
<b>कुल (ख)</b>	<b>39,198,725.00</b>	<b>30,824,578.00</b>
<b>योग (क + ख)</b>	<b>985,915,953.00</b>	<b>921,768,177.00</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुसूची-3क : प्रायोजित परियोजनाएं

राशि रुपये में

क्र. सं.	परियोजना का नाम	प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान प्राप्ति/वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	अंतिम शेष	
		3	4				8	8
		क्रेडिट	डेबिट				क्रेडिट	डेबिट
1	सीसीबीटी- परियोजना निधि	736,093.00		1,973,000.00	2,709,093.00	2,669,774.00	39,319.00	
2	अन्य	295,758.00		-	295,758.00	295,758.00		
3	एसईआरबी - टी कुडू	200,000.00		-	200,000.00		200,000.00	
5	आईहब दिव्यसंपर्क	8,774,023.00		-	8,774,023.00	7,319,907.00	1,454,116.00	
6	विश्वेश्वरया		317,117.00	-	-317,117.00			317,117.00
7	एमडूआईटीबाय - सीसीबीटी	68.00		71.00	139.00	139.00		
8	यूडीएचडी परियोजना	73,318.00		-	73,318.00	73,318.00		
9	डीएसटी - अचिंतेश नारायण	2,112.00		48.00	2,160.00	2,160.00		
10	एनएमएचएस परियोजना		216,181.00	223,473.00	7,292.00		7,292.00	
11	एनएमपीआईटी	611,636.00		1,000,000.00	1,611,636.00	1,611,636.00		
12	एसईआरबी परियोजना	27,778.00		700,000.00	727,778.00	768,775.00		40,997.00
13	डीआरडीओ परियोजना	19,971.00		403,268.00	423,239.00	403,793.00		19,446.00
14	डीएसटी परियोजना (डॉ. प्रदीप कुमार)	1,557,880.00		-	1,557,880.00	1,096,823.00		461,057.00
15	ईडी और आईसी प्रोजेक्ट	45,000.00		421,246.00	466,246.00	273,732.00		192,514.00
16	एसएमडीपी सीडी परियोजना			3,501,899.00	3,501,899.00	3,501,899.00		
	<b>कुल</b>	<b>12,343,637.00</b>	<b>533,298.00</b>	<b>8,223,005.00</b>	<b>20,033,344.00</b>	<b>18,017,714.00</b>	<b>2,373,744.00</b>	<b>358,114.00</b>

#### अनुसूची-3ख : प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति

राशि रुपये में

क्र. सं.	प्रायोजक का नाम	प्रारम्भिक शेष 01.04.2024 को		वर्ष के दौरान लेन देन		अंतिम शेष 31.03.2025 को	
		3	4	5	6	3	4
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट
	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग मंत्रालय						
	अजजा के लिए शीर्ष वर्ग छात्रवृत्ति						
	अजा के लिए शीर्ष वर्ग छात्रवृत्ति						
	अन्य क्षेत्रीय राज्य						
	अन्य (निर्दिष्ट करें)						
	<b>कुल</b>						

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुसूची-3 ग: यू जी सी, भारत सरकार, राज्य सरकार से अप्रयुक्त अनुदान

राशि रुपये में

	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
<b>क योजना अनुदान: भारत सरकार</b>		
शेष अग्रणीत	798,683,646.00	-
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्ति	545,100,000.00	1,072,800,000.00
घटाएँ: वापसी	149.00	3,073,131.00
घटाएँ: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	270,099,851.00	248,796,136.00
घटाएँ: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	184,889,488.00	22,247,087.00
<b>अप्रयुक्त अग्रणीत कुल (क)</b>	<b>888,794,158.00</b>	<b>798,683,646.00</b>
<b>ख यूजीसी अनुदान: योजना</b>		
शेष अग्रणीत	-	-
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्ति		
घटाएँ: वापसी		
घटाएँ: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त		
<b>अप्रयुक्त अग्रणीत कुल (ख)</b>		
<b>ग यूजीसी अनुदान: गैर योजना</b>		
शेष अग्रणीत		
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्ति		
घटाएँ: वापसी		
घटाएँ: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त		
<b>अप्रयुक्त अग्रणीत कुल (ग)</b>		
<b>घ राज्य सरकार से अनुदान</b>		
शेष अग्रणीत		
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्ति		
घटाएँ: वापसी		
घटाएँ: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त		
<b>अप्रयुक्त अग्रणीत कुल (घ)</b>		
<b>कुल (क + ख + ग + घ)</b>	<b>888,794,158.00</b>	<b>798,683,646.00</b>

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

## बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

### अनुसूची-4क : अचल संपत्तियां

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	दर (%)	सकल खर्च		मूल्यहास		निवल खर्च			
			प्रारम्भिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन/विलोपन	कटौती	प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	वर्ष के लिए मूल्यहास	विलोपन/समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2025	31.03.2025 को
1	भूमि		1.00	-	-	-	1.00	-	1.00	
2	साइट विकास		56,491,485.00	-	-	-	56,491,485.00	-	56,491,485.00	
3	भवन	2%	34,836,595.00	-	-	-	7,304,842.80	-	28,228,484.00	
4	सड़के एवं पुल	2%	17,366,015.00	-	-	-	1,389,280.00	-	16,324,055.00	
5	अस्थायी शेड	33%	19,805,702.00	-	-	-	19,805,702.00	-	-	
6	फ़ीस	20%	149,084,855.00	-	-	-	146,077,465.00	-	32,824,361.00	
7	व्यवहारे एवं जलापूर्ति	2%	436,809.00	-	-	-	116,260,494.00	-	375,494.00	
8	सीवररेज एवं ड्रेनेज	2%	-	-	-	-	87,360.00	-	-	
9	विद्युत आपान एवं उपकरण	5%	51,110,906.00	1,956,860.00	-	-	19,128,646.00	-	34,635,648.00	
10	संरचना एवं मशीनरी	5%	3,342,681.00	132,600.00	-	-	1,408,700.10	-	2,107,745.00	
11	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	8%	106,377,629.00	2,091,700.00	-	-	49,358,647.00	-	65,696,528.00	
12	कार्यालय/सेवा उपकरण	7.50%	16,236,043.00	426,558.00	-	-	12,861,088.08	-	4,631,862.00	
13	श्रम हथ उपकरण	7.50%	24,280,353.00	2,633,100.00	-	-	26,913,453.00	-	16,694,716.00	
14	कम्प्यूटर एवं परिप्रेक्ष्य	20%	114,274,894.00	21,478,320.00	1,000,480.00	-	91,904,744.00	-	31,831,548.00	
15	फर्नीचर, फिक्स्चर एवं फिटिंग्स	10%	58,867,832.00	5,341,414.00	-	-	32,020,387.80	-	26,847,444.00	
16	खेत उपकरण	100%	2,748,828.00	-	-	-	2,160,545.45	-	588,283.00	
17	पुस्तकालय, पुस्तक एवं वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य	10%	11,663,846.00	547,993.00	886,911.00	-	11,718,645.00	-	443,164.00	
18	वाहन	100%	9,745,356.00	2,737,205.00	7,698.00	-	5,319,727.00	-	4,425,629.00	
19	कम मूल्य की परिसम्पत्तियां	100%	399,659.00	7,698.00	-	-	399,659.00	-	-	
20	कुल (क)		<b>677,069,489.00</b>	<b>37,353,448.00</b>	<b>1,887,391.00</b>	-	<b>354,923,042.23</b>	<b>62,867,553.00</b>	<b>415,903,204.23</b>	<b>322,146,447.00</b>
21	पूर्वी कार्य प्रगति - भवन (नया स्थायी परिसर)		-	118,992,135.00	-	-	-	-	-	-
22	पूर्वी कार्य प्रगति - भवन (नया स्थायी परिसर)		5,237,275.00	24,814,353.00	2,832,000.00	-	27,219,628.00	-	5,237,275.00	-
	<b>कुल (ख)</b>		<b>5,237,275.00</b>	<b>143,806,488.00</b>	<b>2,832,000.00</b>	-	<b>146,211,763.00</b>	-	<b>146,211,763.00</b>	<b>5,237,275.00</b>
23	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	5,247,447.00	3,502,927.00	-	-	5,247,446.00	-	6,648,617.00	1.00
24	ई - जर्नल	40%	46,421,945.00	3,058,625.00	-	-	42,005,670.00	-	44,995,630.00	4.416,276.00
	<b>कुल (ग)</b>		<b>51,669,392.00</b>	<b>6,561,552.00</b>	-	-	<b>47,253,116.00</b>	-	<b>51,644,247.00</b>	<b>4,416,276.00</b>
	<b>कुल (क+ख+ग)</b>		<b>733,976,156.00</b>	<b>187,721,488.00</b>	<b>4,719,391.00</b>	-	<b>402,176,158.23</b>	<b>67,258,684.00</b>	<b>467,547,451.23</b>	<b>331,799,998.00</b>

टीईक्यूआईपी प्रोजेक्ट के तहत हासिल की गई अचल संपत्तियां

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	दर (%)	सकल खर्च		मूल्यहास		निवल खर्च		
			प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	परिवर्धन/विलोपन	कटौती	प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	वर्ष के लिए मूल्यहास	कटौती/समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2025
1	संरचना एवं मशीनरी	5%	89,230.00	-	-	-	22,310.00	-	66,920.00
2	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	8%	62,017,053.00	-	-	-	29,509,183.00	-	32,507,870.00
3	कार्यालय उपकरण	7.50%	1,185,750.00	-	-	-	444,655.00	-	741,095.00
4	कम्प्यूटर एवं परिप्रेक्ष्य	20%	3,972,990.00	-	-	-	3,972,990.00	-	-
5	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	32,608,640.00	-	-	-	32,608,640.00	-	-
	<b>कुल (क)</b>		<b>99,873,663.00</b>	-	-	-	<b>66,557,778.00</b>	-	<b>33,315,885.00</b>

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

## बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

### अनुसूची-4क : योजना

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	दर (%)	सकल खर्च		मूल्यहास		निवल खर्च			
			प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	परिवर्धन/विलोपन	कटौती	प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	वर्ष के लिए मूल्यहास	कटौती/समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2025	31.03.2025 को
1	भूमि		1.00	-	-	-	1.00	-	1.00	
2	साइट विकास		56,491,485.00	-	-	-	56,491,485.00	-	56,491,485.00	
3	भवन	2%	34,836,595.00	-	-	-	7,304,842.80	-	28,228,484.00	
4	सड़के एवं पुल	2%	17,366,015.00	-	-	-	1,389,280.00	-	16,324,055.00	
5	अस्थायी शेड	33%	19,805,702.00	-	-	-	19,805,702.00	-	-	
6	फ़ीस	20%	149,084,855.00	-	-	-	146,077,465.00	-	32,824,361.00	
7	व्यवहारे एवं जलापूर्ति	2%	436,809.00	-	-	-	70,051.00	-	375,494.00	
8	सीवररेज एवं ड्रेनेज		-	-	-	-	-	-	-	
9	विद्युत आपान एवं उपकरण	5%	51,110,906.00	1,956,860.00	-	-	19,128,646.00	-	34,635,648.00	
10	संरचना एवं मशीनरी	5%	3,342,681.00	132,600.00	-	-	1,408,700.10	-	2,107,745.00	
11	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	8%	106,377,629.00	2,091,700.00	-	-	49,358,647.00	-	65,696,528.00	
12	कार्यालय उपकरण	7.50%	16,236,043.00	426,558.00	-	-	12,861,088.08	-	4,631,862.00	
13	श्रम हथ उपकरण	7.50%	24,280,353.00	2,633,100.00	-	-	26,913,453.00	-	16,694,716.00	
14	कम्प्यूटर एवं परिप्रेक्ष्य	20%	114,274,894.00	21,478,320.00	1,000,480.00	-	91,904,744.00	-	31,831,548.00	
15	फर्नीचर, फिक्स्चर एवं फिटिंग्स	7.50%	58,867,832.00	5,341,414.00	-	-	36,836,080.80	-	26,847,444.00	
16	खेत उपकरण	100%	2,748,828.00	-	-	-	2,160,545.45	-	588,283.00	
17	पुस्तकालय, पुस्तक एवं वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य	10%	11,663,846.00	547,993.00	886,911.00	-	11,718,645.00	-	443,164.00	
18	वाहन	100%	9,745,356.00	2,737,205.00	7,698.00	-	5,319,727.00	-	4,425,629.00	
19	कम मूल्य की परिसम्पत्तियां	100%	399,659.00	7,698.00	-	-	399,659.00	-	-	
20	कुल (क)		<b>677,069,489.00</b>	<b>37,353,448.00</b>	<b>1,887,391.00</b>	-	<b>354,923,042.23</b>	<b>62,867,553.00</b>	<b>415,903,204.23</b>	<b>322,146,447.00</b>
21	पूर्वी कार्य प्रगति - भवन		-	118,992,135.00	-	-	-	-	-	-
22	निर्माण से पहले का खर्च (नया कैम्पस)		5,237,275.00	24,814,353.00	2,832,000.00	-	27,219,628.00	-	5,237,275.00	-
	<b>कुल (ख)</b>		<b>5,237,275.00</b>	<b>143,806,488.00</b>	<b>2,832,000.00</b>	-	<b>146,211,763.00</b>	-	<b>146,211,763.00</b>	<b>5,237,275.00</b>
23	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	5,247,447.00	3,502,927.00	-	-	5,247,446.00	-	6,648,617.00	1.00
24	ई - जर्नल	40%	46,421,945.00	3,058,625.00	-	-	42,005,670.00	-	44,995,630.00	4.416,276.00
	<b>कुल (ग)</b>		<b>51,669,392.00</b>	<b>6,561,552.00</b>	-	-	<b>47,253,116.00</b>	-	<b>51,644,247.00</b>	<b>4,416,276.00</b>
	<b>कुल (क+ख+ग)</b>		<b>733,976,156.00</b>	<b>187,721,488.00</b>	<b>4,719,391.00</b>	-	<b>402,176,158.23</b>	<b>67,258,684.00</b>	<b>467,547,451.23</b>	<b>331,799,998.00</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची अनुसूची-4ख : गैर योजना

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	दर (%)	सकल खण्ड		मूल्यहास		निवल खंड				
			प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	परिवर्धन/विलोपन	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2025	प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	वर्ष के लिए मूल्यहास	कटौती/समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2025	31.03.2024 को
1	भूमि										
2	साइट विकास										
3	मन										
4	सड़के एवं पुल										
5	व्यवहार एवं जलापूर्ति										
6	सीवरज एवं ड्रेनेज										
7	विद्युत आपूर्ति एवं उपकरण										
8	संघन एवं मशीनरी										
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण										
10	कार्यालय उपकरण										
11	श्रम हथ उपकरण										
12	कम्प्यूटर एवं परिफेरल										
13	फर्निचर, फिक्चर एवं फिटिंग्स										
14	वाहन										
15	पुरालाप्य पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं										
16	कम मूल्य की परिसंपत्तियां										
	कुल (क)										
17	पूरी कार्य प्रगति										
	कुल (ख)										
18	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर										
19	ई - जर्नल										
20	पेटेंट										
	कुल (ग)										
	कुल (क+ख+ग)										

### अनुसूची-4ग : अमूर्त परिसंपत्तियां

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	दर (%)	सकल खण्ड		मूल्यहास		निवल खंड				
			प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	परिवर्धन/विलोपन	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2025	प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	वर्ष के लिए मूल्यहास	कटौती/समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2025	31.03.2024 को
1	पेटेंट एवं कॉपीराइट	40%	5,247,447.00	3,502,927.00		8,750,374.00	5,247,446.00	1,401,171.00	6,648,617.00	2,101,757.00	100
2	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	46,421,945.00	3,058,625.00		49,480,570.00	42,005,670.00	2,989,960.00	44,995,630.00	4,484,940.00	4,416,275.00
	कुल (क)	40%	51,669,392.00	6,561,552.00	-	58,230,944.00	47,253,116.00	4,391,131.00	51,644,247.00	6,586,697.00	4,416,276.00

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची अनुसूची-4ग (i): पेटेंट एवं कॉपीराइट

क्र. सं.	विवरण	प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	परिवर्धन	कुल	परिशोधन	निवल खंड 31.03.2025	निवल खंड 31.03.2024
क	स्वीकृत पेटेंट्स						
1	..... में प्राप्त पेटेंट्स का 31.03.2024 को शेष (वास्तविक मूल्य रूपसे .....)						
2	..... में प्राप्त पेटेंट्स का 31.03.2024 को शेष (वास्तविक मूल्य रूपसे .....)						
3	..... में प्राप्त पेटेंट्स का 31.03.2024 को शेष (वास्तविक मूल्य रूपसे .....)						
4	चालू वर्ष के दौरान स्वीकृत पेटेंट्स						
	<b>कुल (क)</b>						

### अनुसूची-4ग (i): पेटेंट एवं कॉपीराइट

क्र. सं.	विवरण	प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	परिवर्धन	कुल	परिशोधन	निवल खंड 31.03.2025	निवल खंड 31.03.2024
ख	अविदेन किये गए पेटेंट्स के सम्बन्ध में लंबित पेटेंट्स						
1	..... के दौरान किया गया व्यय						
2	..... के दौरान किया गया व्यय						
3	..... के दौरान किया गया व्यय						
	<b>कुल (ख)</b>						
	<b>कुल (क+ख)</b>						

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

## बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

### अनुसूची-4घ : गैर योजना

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	दर (%)	सकल खपड		कटौती	मूल्यहास		निचल खंड
			प्रारम्भिक शेष 31.03.2024	परिवर्धन/तिलोपन		वर्ष के लिए मूल्यहास	अंतिम शेष 31.03.2025	
1	भूमि							
2	साइट विकास							
3	भवन							
4	सड़कें एवं पुल							
5	व्यवस्थापन एवं जलापूर्ति							
6	सीवरेंज एवं ड्रेनेज							
7	विद्युत आपूर्ति एवं उपकरण							
8	संयंत्र एवं मशीनरी							
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण							
10	कार्यालय उपकरण							
11	श्रव्य दृश्य उपकरण							
12	कम्प्यूटर एवं परिफेरल्स							
13	फर्निचर, फिक्स्चर एवं फिटिंग्स							
14	वाहन							
15	पुरस्कालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं							
16	कम मूल्य की परिसम्पत्तियां							
17	कुल (क)							
	पूरी कार्य प्राप्ति							
	कुल (ख)							

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

## बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

### अनुसूची-5: निर्धारित बंदोबस्ती निधि से निवेश

	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
1 केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में		
2 राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में		
4 अन्य स्वीकृत प्रतिभूति		
3 शेषर्स		
4 डिबेंचर्स एवं बांड्स		
5 बैंकों में सावधि जमा		
6 अन्य (निर्दिष्ट करें)		
<b>कुल (क + ख + ग)</b>	-	-

### अनुसूची-5क: निर्धारित बंदोबस्ती निधि से निवेश (निधिवार)

	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
1		
2		
4		
3		
4		
5		
बंदोबस्ती निधि निवेश		
<b>कुल</b>	-	-

### अनुसूची-6: निवेश - अन्य

	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
1 केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में		
2 राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में		
4 अन्य स्वीकृत प्रतिभूति		
3 शेषर्स		
4 डिबेंचर्स एवं बांड्स		
5 बैंकों में सावधि जमा		
6 अन्य (निर्दिष्ट करें)		
<b>कुल</b>	-	-

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुसूची-7: चालू परिसंपत्तियां

	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
<b>1 भंडार</b>		
क) स्टोर एवं पुर्जे	-	-
ख) खुले औजार (टूल्स)	-	-
ग) प्रकाशन	-	-
घ) प्रयोगशाला रसायन, उपभोग्य एवं कांच के बने पदार्थ	-	-
ड.) भवन सामग्री	908,547.00	907,985.00
च) विद्युत सामग्री	-	-
छ) स्टेशनरी	-	-
ज) जलापूर्ति सामग्री	-	-
झ) दवाइयां	140,041.00	246,963.00
<b>2 विविध देनदार</b>		
क) छ: महीने की अवधि के लिए बकाया ऋण	115,005.00	45,779.00
ख) अन्य	2,390,982.00	2,066,634.00
<b>3 नकद एवं बैंक शेष</b>		
क) अनुसूचित बैंकों में		
- चालू खाते में	17,120,465.00	16,467,635.00
- सावधि जमा खाते में	184,176,429.00	132,039,225.00
- बचत खाते में	32,890,629.00	62,251,785.00
- ग्रांट इन ट्रॉजिट	-	-
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में		
- सावधि जमा खातों में	-	-
- बचत खाते में	-	-
ग) नकद	50,000.00	50,000.00
<b>4 डाकघर बचत खाता</b>		
कुल	<b>237,792,098.00</b>	<b>214,076,006.00</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुलग्नक - क

	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
<b>I) बचत खाता</b>		
1 शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	-	-
2 विश्विद्यालय प्राप्ति खाता	31,266,310.00	55,391,222.00
3 छात्रवृत्ति खाता	-	-
4 शैक्षणिक शुल्क प्राप्ति खाता	32,184.00	31,665.00
5 विकास (योजना) खाता	-	-
6 संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीबीटी) खाता	-	-
7 यूजीसी योजना फेलोशिप खाता	-	-
8 कॉर्पस निधि खाता (ईएमएफ)	-	-
9 प्रायोजित परियोजनाएं निधि खाता	426,076.00	24,926.00
10 प्रायोजित फेलोशिप खाता	-	-
11 बंदोबस्ती एवं चेयर खाता (ईएमएफ)	-	-
12 यूजीसी जेआरएफ फेलोशिप खाता (ईएमएफ)	-	-
13 एचबीए निधि खाता (ईएमएफ)	-	-
14 परिवहन खाता (ईएमएफ)	-	-
15 यूजीसी राजीव गांधी नेशनल फेलोशिप खाता (ईएमएफ)	-	-
16 शैक्षणिक विकास निधि खाता (ईएमएफ)	-	-
17 जमा खाता (नामित निधि)	-	-
18 विद्यार्थी निधि खाता	1,166,059.00	6,803,972.00
19 विद्यार्थी सहायता निधि खाता	-	-
20 सीपीएफ खाता	-	-
<b>II) चालू खाता</b>	17,120,465.00	16,467,635.00
<b>III) अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा</b>	184,176,429.00	134,794,884.00
	<b>234,187,523.00</b>	<b>213,514,304.00</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुसूची-8: ऋण, अग्रिम एवं जमा

	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
1 कर्मचारियों को अग्रिम (बिना ब्याज वाला)		
क) वेतन		
ख) ल्योहार		
ग) चिकित्सा अग्रिम		
घ) एलटीसी अग्रिम		
ड.) अन्य (निर्दिष्ट करें)	53,736.00	65,707.00
2 कर्मचारियों को दीर्घकालिक अग्रिम (ब्याज वाला)		
क) वाहन ऋण		
ख) गृह ऋण		
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
3 नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशि		
क) पूंजी खाते पर - एनबीसीसी	888,118,026.00	804,373,646.00
- सीपीडब्ल्यूडी	5,690,000.00	-
ख) आपूर्तिकर्ता को	10,000.00	10,000.00
ग) एनआईटी कालीकट	118,150.00	118,150.00
ग) टीडीएस कटौती	85,631.00	95,268.00
घ) अटल एफडीपी	100,000.00	-
ड) अनक्लियर्ड चेक / ज्यादा टीडीएस रिक्वरी	81,250.00	6,781.00
4 पूर्वदात व्यय		
क) बीमा		
ख) अन्य व्यय (वार्षिक रखरखाव शुल्क)	-	-
5 जमा		
क) टेलीफोन		
ख) लीज रेंट		
ग) बिजली		
घ) एआईसीटीई, यदि हों		
च) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
6 आय		
क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि के निवेश पर		
ख) अन्य निवेश पर	3,995,243.00	6,221,833.00
ग) ऋण एवं अग्रिम पर		
घ) अन्य (बसूल न हुई आय) पर		
7 यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त अन्य - चालू परिसंपत्तियां		
क) प्रायोजित परियोजनाओं में ऋण शेष	358,114.00	533,298.00
ख) प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्ति में ऋण शेष		
ग) प्राप्य अनुदान		
घ) यूजीसी से अन्य प्राप्य		
8 प्राप्य दावे		
<b>कुल</b>	<b>898,610,150.00</b>	<b>811,424,683.00</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुसूची-9: शैक्षणिक प्राप्तियां

	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष 31.03.2025	विगत वर्ष 31.03.2024
विद्यार्थियों से शुल्क		
क) शैक्षणिक		
1 ट्यूशन शुल्क	27,483,862.00	18,131,395.00
2 नामांकन शुल्क	148,779.00	138,803.00
3 छात्र कल्याण शुल्क	72,567.00	-
4 प्रयोगशाला शुल्क	1,312,783.00	1,188,331.00
5 पुस्तकालय शुल्क	1,526,993.00	1,086,631.00
6 ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम शुल्क	335,000.00	-
7 पंजीकरण शुल्क	674,327.00	411,683.00
<b>कुल (क)</b>	<b>31,554,311.00</b>	<b>20,956,843.00</b>
ख) परीक्षा		
1 प्रवेश शुल्क	-	-
2 वार्षिक परीक्षा शुल्क	1,296,912.00	1,003,077.00
3 मार्कशीट, प्रमाणपत्र शुल्क	53,260.00	-
<b>कुल (ख)</b>	<b>1,350,172.00</b>	<b>1,003,077.00</b>
ग) अन्य शुल्क		
1 पहचान पत्र शुल्क	-	-
2 जुर्माना/विविध शुल्क	27,778.00	61,420.00
3 चिकित्सा शुल्क	504,416.00	609,528.00
4 प्रशिक्षण और नियुक्ति	683,596.00	473,168.00
5 छात्रावास शुल्क	9,186,256.00	8,909,000.00
6 छात्रावास प्रवेश शुल्क	475,839.00	371,060.00
7 पूर्व छात्र शुल्क	98,500.00	69,000.00
<b>कुल (ग)</b>	<b>10,976,385.00</b>	<b>10,493,176.00</b>
घ) अन्य शुल्क		
1 प्रकाशन की बिक्री	-	-
2 प्रवेश पत्र की बिक्री	-	-
3 विषय सूची, प्रश्न पत्र, आदि की बिक्री	-	-
4 प्रवेश पत्र सहित प्रॉस्पेक्टस की बिक्री	-	-
<b>कुल (घ)</b>	<b>-</b>	<b>-</b>
ड) अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां		
1 देर से जुर्माना और सत्यापन शुल्क	176,251.00	257,901.00
2 ग्रेड कार्ड शुल्क	271,311.00	205,862.00
3 विकास शुल्क	2,409,152.00	1,962,988.00
4 मेस स्थापना शुल्क	147,750.00	121,500.00
5 छात्र गतिविधि शुल्क	1,275,464.00	1,138,769.00
6 दीक्षांत समारोह	258,011.00	214,266.00
7 बीमा शुल्क	771,838.00	548,484.00
8 इंटरनेट शुल्क	768,661.00	547,562.00
9 अन्य	40,000.00	87,657.00
<b>कुल (ड)</b>	<b>6,118,438.00</b>	<b>5,084,989.00</b>
<b>कुल (क to ड)</b>	<b>49,999,306.00</b>	<b>37,538,085.00</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुसूची-10: अनुदान/सब्सिडी (गैर वसूली योग्य अनुदान प्राप्त)

राशि रुपये में

विवरण	योजना		कुल योजना	गैर योजना यूजीसी	चालू वर्ष	विगत वर्ष
	भारत सरकार	यूजीसी योजना				
पिछले पृष्ठ से अग्रहित शेष	798,683,646.00	-	798,683,646.00	-	798,683,646.00	-
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	545,100,000.00	-	545,100,000.00	-	545,100,000.00	1,072,800,000.00
<b>कुल</b>	<b>1,343,783,646.00</b>	<b>-</b>	<b>1,343,783,646.00</b>	<b>-</b>	<b>1,343,783,646.00</b>	<b>1,072,800,000.00</b>
घटाएं: शिक्षा मंत्रालय को वापस	149.00	-	149.00	-	149.00	3,073,131.00
शेष	1,343,783,497.00	-	1,343,783,497.00	-	1,343,783,497.00	1,069,726,869.00
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (क)						
अस्थायी परिसर	43,915,000.00	-	43,915,000.00	-	43,915,000.00	22,247,087.00
नया परिसर - खामडोंग	140,974,488.00	-	140,974,488.00	-	140,974,488.00	-
<b>शेष</b>	<b>1,158,894,009.00</b>	<b>-</b>	<b>1,158,894,009.00</b>	<b>-</b>	<b>1,158,894,009.00</b>	<b>1,047,479,782.00</b>
घटाएं: राजस्व के लिए प्रयुक्त व्यय (ख)	270,099,851.00	-	270,099,851.00	-	270,099,851.00	248,796,136.00
<b>शेष C/f (ग)</b>	<b>888,794,158.00</b>	<b>-</b>	<b>888,794,158.00</b>	<b>-</b>	<b>888,794,158.00</b>	<b>798,683,646.00</b>

#### अनुसूची-11: नवेश से आय

राशि रुपये में

विवरण	निर्धारित/बंदोबस्ती निधियां		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	विगत वर्ष	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूति				
ख) अन्य बांड/डिबेंचर				
2. सावधि जमा पर ब्याज	-	-	5,742,321.00	265,216.00
3. सावधि जमा/कर्मचारियों को अग्रिम पर ब्याज पर आय प्रोद्दत लेकिन बकाया नहीं	-	-	3,995,243.00	6,233,080.00
4. बचत बैंक खाता पर ब्याज	-	-	-	-
5. अन्य (आईटी रिफंड पर ब्याज)	-	-	-	30,617.00
	-	-	9,737,564.00	6,528,913.00
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि में स्थानांतरित				
<b>शेष</b>			<b>9,737,564.00</b>	<b>6,528,913.00</b>

#### अनुसूची-12: अर्जित ब्याज

राशि रुपये में

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
	1. अनुसूचित बैंकों में बचत खाते पर	391,784.00
2. ऋण पर		
क) कर्मचारीगण/स्टाफ	-	-
ख) अन्य	-	-
3. अन्य देनदार और अन्य प्राप्य	-	-
<b>शेष</b>	<b>391,784.00</b>	<b>239,655.00</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुसूची-13: अन्य आय

राशि रुपये में

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
क भूमि एवं भवन से आय		
1 छात्रावास कमरा किराया	-	-
2 लाइसेंस शुल्क	72,740.00	69,150.00
3 ऑडिटोरियम/खेल मैदान का किराया प्रभार कन्वेंशन सेंटर आदि का किराया प्रभार	-	-
4 बिजली शुल्क वसूल	610,592.00	332,142.00
5 जल प्रभार वसूल	1,000,800.00	-
<b>कुल (क)</b>	<b>1,684,132.00</b>	<b>401,292.00</b>
ख संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-	-
<b>कुल (ख)</b>	<b>-</b>	<b>-</b>
ग कार्यक्रमों के आयोजनों से आय	-	-
1 वार्षिक समारोह/खेल/कार्निवल से सकल प्राप्तियां	-	-
घटाएं: वार्षिक कार्यक्रम/खेल/कार्निवल पर प्रत्यक्ष व्यय	-	-
2 उत्सवों से सकल प्राप्तियां	-	-
घटाएं: उत्सवों पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय	-	-
3 शैक्षणिक यात्रा के लिए सकल प्राप्तियां	-	-
घटाएं: यात्राओं पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय	-	-
4 अन्य (विद्यार्थी योगदान)	-	-
<b>कुल (ग)</b>	<b>-</b>	<b>-</b>
D अन्य		
1 कंसल्टेन्सी से आय	1,590,322.00	-
2 आरटीआई शुल्क	-	-
3 रॉयल्टी से आय	-	-
4 आवेदन पत्र (भर्ती) की बिक्री	-	321,025.00
5 विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, वेस्टर पेपर आदि की बिक्री)	-	-
6 परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ	-	-
क) स्वाधिकृत परिसंपत्तियां	-	-
ख) निशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	-	-
7 संस्थानों, कल्याण निकायों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अनुदान	-	-
8 वेतन की वसूली	96,756.00	348,969.00
9 पीएचडी नामांकन शुल्क	-	108,655.00
10 निविदा शुल्क	-	125,000.00
11 परिवहन शुल्क वसूली	30,672.00	-
12 जुर्माना एवं अर्थदंड	2,700.00	151,960.00
13 अन्य आय	41,514.00	25,013.00
14 स्क्रैप की बिक्री	-	-
15 प्रोजेक्ट्स से ओवरहेड्स	936,218.00	182,086.00
<b>कुल (घ)</b>	<b>2,698,182.00</b>	<b>1,262,708.00</b>
<b>कुल (क + ख + ग + घ)</b>	<b>4,382,314.00</b>	<b>1,664,000.00</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुसूची-14: पूर्वावधि आय

	राशि रुपये में	
	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1 शैक्षणिक प्राप्तियां	-	-
2 निवेश से आय	-	-
3 अर्जित ब्याज	295,758.00	-
4 अन्य आय	239,516.00	2,781,887.00
5 चेक से व्युत्क्रम	-	-
6 एचआरए को वसूली	-	-
<b>कुल</b>	<b>535,274.00</b>	<b>2,781,887.00</b>

#### अनुसूची-15: कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

विवरण	राशि रुपये में					
	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
क) वेतन एवं मजदूरी	93,367,808.00	93,367,808.00	84,339,479.00	84,339,479.00		
ख) भत्ते एवं बोनस	48,854,535.00	48,854,535.00	36,833,210.00	36,833,210.00		
ग) भविष्य निधि में योगदान	-	-	-	-		
घ) अन्य निधि (एनपीएस) में योगदान	14,612,978.00	14,612,978.00	11,428,611.84	11,428,611.84		
ङ) कर्मचारी कल्याण व्यय	5,617,556.00	5,617,556.00	683,612.00	683,612.00		
च) सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ	5,720,181.00	5,720,181.00	8,698,795.00	8,698,795.00		
छ) एलटीसी सुविधा	2,466,593.00	2,466,593.00	2,412,011.00	2,412,011.00		
ह) चिकित्सा सुविधा	3,045,139.00	3,045,139.00	1,206,216.00	1,206,216.00		
इ) बाल शिक्षा भत्ता	2,050,869.00	2,050,869.00	621,000.00	621,000.00		
ज) मानदेय	99,400.00	99,400.00	277,400.00	277,400.00		
क) टीए/डीए	3,682,438.00	3,682,438.00	3,152,230.00	3,152,230.00		
ल) बकाया	1,129,041.00	1,129,041.00	1,830,510.00	1,830,510.00		
म) संकायों को सीपीडीए	597,071.00	597,071.00	281,543.00	281,543.00		
<b>कुल</b>	<b>181,243,609.00</b>	<b>181,243,609.00</b>	<b>151,764,617.84</b>	<b>151,764,617.84</b>		

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुसूची-15क: कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

विवरण	राशि रुपये में			
	पेंशन	ग्रेच्युटी	अवकाश नकदीकरण	कुल
01.04.2024 को प्रारंभिक शेष		17,829,999.00	12,994,579.00	30,824,578.00
जोड़ें: अन्य संगठनों से प्राप्त योगदान का पूंजीकृत मूल्य		-	-	-
<b>कुल (क)</b>		<b>17,829,999.00</b>	<b>12,994,579.00</b>	<b>30,824,578.00</b>
घटाएं: वर्ष के दौरान किये गए भुगतान		-	-	-
31.03.2025 को उपलब्ध शेष		21,805,258.00	17,393,467.00	39,198,725.00
जीवनांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2025 को आवश्यक प्रावधान		3,975,259.00	4,398,888.00	8,374,147.00
क) चालू वर्ष में किये जाने वाले प्रावधान		-	-	-
ख) नयी पेंशन योजना में योगदान	14,612,978.00	-	-	14,612,978.00
ग) सेवानिवृत्त कर्मचारी को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-	-	-	-
घ) गृहनगर सेवानिवृत्ति के लिए यात्रा	-	-	-	-
ङ) लिंक बीमा भुगतान जमा	-	-	-	-
<b>कुल (क + ख + ग + घ + ङ)</b>	<b>14,612,978.00</b>	<b>3,975,259.00</b>	<b>4,398,888.00</b>	<b>62,185,850.00</b>

#### अनुसूची-16: शैक्षणिक व्यय

विवरण	राशि रुपये में					
	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
क) प्रयोगशाला व्यय	583,105.00		583,105.00	599,776.00		599,776.00
ख) पाठ्यचर्या विकास कार्यशाला व्यय	16,173.00		16,173.00	171,010.00		171,010.00
ग) संगोष्ठियों/कार्यशालाओं पर व्यय	108,985.00		108,985.00	552,096.00		552,096.00
घ) विजिटिंग फेकल्टी हेतु भुगतान	913,796.00		913,796.00	1,897,001.00		1,897,001.00
ङ) परीक्षा कक्ष व्यय	191,405.00		191,405.00	139,200.00		139,200.00
च) विद्यार्थी चिकित्सा बीमा	689,197.00		689,197.00	605,399.00		605,399.00
छ) कंप्यूटर सेंटर का खर्च	41,226.00		41,226.00	-		-
ज) दीक्षांत समारोह का खर्च	1,198,513.00		1,198,513.00	1,679,271.00		1,679,271.00
झ) प्रकाशन और सदस्यता व्यय	19,500.00		19,500.00	55,245.00		55,245.00
ञ) वृत्ति/मीन्स-कम मेरिट छात्रवृत्ति/पीएचडी छात्रवृत्ति			-	-		-
ट) उद्गम व्यय	949,399.00		949,399.00	-		-
ठ) गेट आवेदन शुल्क	90,500.00		90,500.00	-		-
ड) शैक्षणिक व्यय	562,050.00		562,050.00	106,605.00		106,605.00
ढ) खेलकूद गतिविधियां			-	-		-
ण) एम् टेक /पीएचडी फेलोशिप	33,204,362.00		33,204,362.00	30,513,665.00		30,513,665.00
त) पुस्तकालय व्यय	23,836.00		23,836.00	-		-
थ) सांस्कृतिक गतिविधियां	1,051,633.00		1,051,633.00	1,201,094.00		1,201,094.00
द) पंजीकरण शुल्क	83,474.00		83,474.00	205,268.00		205,268.00
ध) प्रशिक्षण एवं नियोजन	28,112.00		28,112.00	101,340.00		101,340.00
न) पीएचडी अध्येता आकस्मिक व्यय	336,824.00		336,824.00	-		-
प) अन्य विविध शैक्षणिक व्यय			-	39,308.00		39,308.00
<b>कुल</b>	<b>40,092,090.00</b>		<b>40,092,090.00</b>	<b>37,866,278.00</b>		<b>37,866,278.00</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुसूची-17: प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

विवरण	चालू वर्ष			राशि रुपये में		
	विगत वर्ष		कुल	विगत वर्ष		कुल
	योजना	गैर योजना		योजना	गैर योजना	
क) आधारभूत ढांचा						-
क) विद्युत एवं ऊर्जा	2,542,318.00		2,542,318.00	1,974,990.00		1,974,990.00
ख) जल प्रभार	5,580.00		5,580.00	6,120.00		6,120.00
ग) बीमा	-		-	-		-
घ) किराया, दरें एवं कर (संपत्ति कर सहित)	2,986,360.00		2,986,360.00	2,967,760.00		2,967,760.00
ख) संचार	-		-	-		-
ड) डाक एवं स्टेशनरी	-		-	704,810.00		704,810.00
च) टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट शुल्क	4,192,495.00		4,192,495.00	4,646,727.00		4,646,727.00
स) अन्य	-		-	-		-
छ) मुद्रण एवं स्टेशनरी (उपभोग)	537,208.00		537,208.00	-		-
ज) यात्रा एवं यातायात व्यय	3,321,720.00		3,321,720.00	2,986,442.00		2,986,442.00
झ) हॉस्पिटैलिटी	587,127.00		587,127.00	490,954.00		490,954.00
ञ) लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	378,960.00		378,960.00	610,960.00		610,960.00
ट) वार्षिक रख रखाव शुल्क	618,064.00		618,064.00	905,280.00		905,280.00
ठ) विज्ञापन एवं प्रचार	-		-	49,195.00		49,195.00
ड) बीडब्ल्यूसी बैठक	176,000.00		176,000.00	115,000.00		115,000.00
ढ) कार्यालय व्यय	10,018,365.00		10,018,365.00	10,567,909.00		10,567,909.00
ण) बाहरी विशेषज्ञों को मानदेय	-		-	-		-
त) कैंपस मेंटेनेंस एवं हाउस कीपिंग	23,700,133.00		23,700,133.00	24,342,537.00		24,342,537.00
थ) बागवानी एवं लैंडस्केप	-		-	-		-
द) सुरक्षा सेवाएं एवं अन्य	4,018,040.00		4,018,040.00	3,512,348.00		3,512,348.00
ध) सामुदायिक विकास	-		-	-		-
न) चिकित्सा केंद्र व्यय	1,450,072.00		1,450,072.00	1,441,034.00		1,441,034.00
प) कंप्यूटर सेंटर व्यय	-		-	-		-
फ) भर्ती व्यय	319,459.00		319,459.00	1,934,070.00		1,934,070.00
ब) बीओजी एवं एफसी बैठक	594,177.00		594,177.00	591,328.00		591,328.00
भ) विविध व्यय	65,996.00		65,996.00	-		-
<b>कुल</b>	<b>55,512,074.00</b>		<b>55,512,074.00</b>	<b>57,847,464.00</b>		<b>57,847,464.00</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

#### अनुसूची-18: परिवहन व्यय

विवरण	चालू वर्ष			राशि रुपये में		
	विगत वर्ष		कुल	विगत वर्ष		कुल
	योजना	गैर योजना		योजना	गैर योजना	
1 वाहन (संस्थान स्वामित्व)						
क) संचालन व्यय	1,454,928.00		1,454,928.00	1,319,968.00		1,319,968.00
ख) बीमा व्यय	93,503.00		93,503.00	149,657.00		149,657.00
2 किराए/लीज पर वाहन	-		-	-		-
क) किराया/पट्टे पर व्यय	-		-	-		-
3 वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	-		-	-		-
<b>कुल</b>	<b>1,548,431.00</b>		<b>1,548,431.00</b>	<b>1,469,625.00</b>		<b>1,469,625.00</b>

#### अनुसूची-19: मरम्मत एवं रख रखाव

विवरण	चालू वर्ष			राशि रुपये में		
	विगत वर्ष		कुल	विगत वर्ष		कुल
	योजना	गैर योजना		योजना	गैर योजना	
क) भवन	8,654,461.00		8,654,461.00	8,448,723.00		8,448,723.00
ख) फर्नीचर एवं फिक्सचर	9,600.00		9,600.00	115,478.00		115,478.00
ग) कार्यशाला एवं यन्त्र	-		-	-		-
घ) कार्यालय उपकरण	216,153.00		216,153.00	183,966.00		183,966.00
ड.) नेटवर्क/इंटरनेट	-		-	-		-
च) निर्माण एवं परिसर का रखरखाव	-		-	-		-
छ) श्रव्य दृश्य उपकरण	-		-	-		-
ज) सफाई सामग्री एवं सेवाएं	-		-	-		-
झ) बुक बाइंडिंग शुल्क	-		-	-		-
ञ) बागवानी	-		-	-		-
ट) एस्टेट मेंटेनेंस	-		-	-		-
ठ) अन्य (छात्रावास व्यय)	73,185.00		73,185.00	23,600.00		23,600.00
ड) सड़क एवं अन्य की मरम्मत	-		-	-		-
ढ) विद्युतीय रखरखाव	209,848.00		209,848.00	914,071.00		914,071.00
ण) वाहन रखरखाव	826,695.00		826,695.00	599,344.00		599,344.00
<b>कुल</b>	<b>9,989,942.00</b>		<b>9,989,942.00</b>	<b>10,285,182.00</b>		<b>10,285,182.00</b>

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

## बैलेंस शीट का भाग वाली अनुसूची

### अनुसूची-20: वित्त लागत

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
क) बैंक शुल्क	19,320.00	-	19,320.00	27,118.00	-	27,118.00
ख) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-
<b>कुल</b>	<b>19,320.00</b>	<b>-</b>	<b>19,320.00</b>	<b>27,118.00</b>	<b>-</b>	<b>27,118.00</b>

राशि रुपये में

### अनुसूची-21: अन्य व्यय

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
क) अशोध एवं संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-
ख) अशोध शेष बट्टे खाते में	-	-	-	-	-	-
ग) अन्य संस्थानों/संगठनों को अनुदान/सब्सिडी	-	-	-	-	-	-
घ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-
<b>कुल</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>

राशि रुपये में

### अनुसूची-22: पूर्वावधि व्यय

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
1 स्थापना व्यय	-	-	-	-	-	-
2 शैक्षणिक व्यय	-	-	-	-	-	-
3 प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	-	-
4 जमानती जमा	-	-	-	-	-	-
5 मरम्मत एवं रखरखाव	-	-	-	-	-	-
6 अन्य व्यय	-	-	-	400,244.00	-	400,244.00
7 चेक का व्युत्पन्न	-	-	-	-	-	-
<b>कुल</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>400,244.00</b>	<b>-</b>	<b>400,244.00</b>

राशि रुपये में

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

## अनुसूची-23: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

- लेखा ऐतिहासिक लागत प्रथा के अंतर्गत तैयार की जाती हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो, और सामान्यतः प्रोन्नत पद्धति के अनुसार ही लेखांकन किया जाता है।
- राजस्व मान्यता**
  - विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क (सिर्फ ट्यूशन शुल्क और छात्रावास शुल्क को छोड़कर), प्रवेश फॉर्म की बिक्री, रॉयल्टी और बचत बैंक खाते पर ब्याज नकद आधार पर लेखांकित किए जाते हैं। प्रत्येक सेमेस्टर के लिए अलग से वसूले गए ट्यूशन शुल्क और हॉस्टल शुल्क प्रोन्नत पद्धति के अनुसार लेखांकित किए जाते हैं। 31 मार्च 2025 तक अग्रिम में प्राप्त ट्यूशन शुल्क और छात्रावास शुल्क को देयता के रूप में अग्रिम के अंतर्गत दिखाया गया है।
  - कर्मचारियों को हाउस बिलडिंग, वाहन और कंप्यूटर खरीद हेतु ब्याजयुक्त अग्रिम पर ब्याज हर वर्ष प्रोन्नत पद्धति के अनुसार लेखांकित किया जाता है, यद्यपि ब्याज की वास्तविक वसूली मुख्य राशि के पूर्ण भुगतान के बाद शुरू होती है।
- स्थायी परिसंपत्तियाँ और मूल्यहास**
  - स्थायी परिसंपत्तियाँ अधिग्रहण लागत पर दर्शाई जाती हैं, जिसमें आवक माल भाड़ा, शुल्क और कर, तथा अधिग्रहण, स्थापना और कमीशनिंग से संबंधित अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष खर्च शामिल हैं।
  - उपहार/दान की गई परिसंपत्तियाँ घोषित मूल्य पर मूल्यांकित की जाती हैं, यदि मूल्य उपलब्ध न हो तो वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर, परिसंपत्ति की भौतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए अनुमानित मूल्यांकन किया जाता है। इन्हें पूंजी निधि के क्रेडिट से स्थापित किया जाता है और संस्थान की स्थायी परिसंपत्तियों में सम्मिलित किया जाता है। परिसंपत्तियों पर मूल्यहास संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों के अनुसार लगाया जाता है।
  - स्थायी परिसंपत्तियाँ लागत में से संचयी मूल्यहास घटाकर मूल्यांकित की जाती हैं। स्थायी परिसंपत्तियों पर मूल्यहास सिधा रेखा पद्धति के अनुसार निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया जाता है:-

क्र. सं.	मूर्त परिसंपत्तियाँ	दर
1	भूमि	0%
2	स्थल विकास	0%
3	भवन	2%
4	सड़कें और पुल	2%
5	ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	2%
6	सीवर और जल निकासी	2%
7	विद्युत स्थापना और उपकरण	5%
8	संयंत्र और मशीनरी	5%
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%
10	कार्यालय उपकरण	7.5%
11	ऑडियो-विजुअल उपकरण	7.5%
12	कंप्यूटर और परिधीय उपकरण	20%
13	फर्नीचर, फिक्स्चर एवं फिटिंग्स	7.5%
14	खेल उपकरण	10%
15	पुस्तकालय की पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%
क्र. सं.	अमूर्त परिसंपत्तियाँ (परिशोधन)	दर
1	ई - जर्नल्स	40%
2	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3	पेटेंट	9 years

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

- 3.4 वर्ष के दौरान जो अतिरिक्त परिसंपत्तियाँ जोड़ी गई हैं, उन पर पूरे वर्ष का मूल्यहास प्रदान किया जाता है।
- 3.5 जहाँ किसी परिसंपत्ति का पूरा मूल्यहास हो चुका है, उसे तुलन पत्र में शेष मूल्य 1 रूपया पर दर्शाया जाएगा और आगे कोई मूल्यहास नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक वर्ष की अतिरिक्त परिसंपत्तियों पर संबंधित परिसंपत्ति के लिए लागू मूल्यहास दर के अनुसार मूल्यहास गणना किया जाता है।
- 3.6 विशेष निधि और प्रायोजित परियोजनाओं से निर्मित परिसंपत्तियाँ, जिनका स्वामित्व संस्थान के पास होता है, पूंजी निधि के क्रेडिट से स्थापित की जाती हैं और संस्थान की स्थायी परिसंपत्तियों में सम्मिलित की जाती हैं। परिसंपत्तियों पर संबंधित दरों के अनुसार मूल्यहास लगाया जाता है। प्रायोजित परियोजनाओं से निर्मित परिसंपत्तियाँ, जिनका स्वामित्व प्रायोजकों के पास रहता है लेकिन संस्थान द्वारा धारण और उपयोग की जाती हैं, उन्हें लेखा पर टिप्पणियाँ में अलग से प्रकट किया जाता है।
- 3.7 जिन परिसंपत्तियों का व्यक्तिगत मूल्य ₹2,000 या उससे कम है (पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर), उन्हें सूक्ष्म मूल्य परिसंपत्तियाँ माना जाता है और ऐसे परिसंपत्तियों पर 100% मूल्यहास उनके अधिग्रहण के समय प्रदान किया जाता है। हालांकि, इन परिसंपत्तियों के धारक भौतिक लेखांकन और नियंत्रण जारी रखते हैं।

### 4. अमूर्त परिसंपत्तियाँ

- 4.1 पेटेंट और कॉपीराइट, ई-जर्नल और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त परिसंपत्तियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।
- 4.2 ई-जर्नल को पुस्तकालय की पुस्तकों से अलग रखा गया है, क्योंकि इनसे प्राप्त होने वाला लाभ सीमित है। ई-जर्नल ठोस रूप में नहीं होते, परंतु अस्थायी रूप से पूंजीकृत किए जाते हैं। इनके खर्च की महत्ता और शैक्षणिक एवं अनुसंधान कर्मचारियों द्वारा प्राप्त सतत ज्ञान के लाभ को ध्यान में रखते हुए, ई-जर्नल पर 40% की उच्च दर से मूल्यहास प्रदान किया जाता है, जबकि पुस्तकालय की पुस्तकों पर 10% मूल्यहास लागू किया जाता है।
- 4.3 कंप्यूटर और परिधीय उपकरणों से सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर होने वाला खर्च अलग किया गया है, क्योंकि ये अमूर्त होने के साथ-साथ शीघ्र अप्रचलित होने की संभावना रखते हैं। सॉफ्टवेयर पर 40% की उच्च दर से मूल्यहास प्रदान किया जाता है, जबकि कंप्यूटर और परिधीय उपकरणों पर 20% मूल्यहास लागू किया जाता है।

### 5. भंडार:

रासायनिक पदार्थ, कांच के बर्तन, प्रकाशन और अन्य स्टोर की खरीद पर होने वाला खर्च राजस्व व्यय के रूप में लेखांकित किया जाता है। 31 मार्च 2025 को समापन भंडार की राशि ₹10,48,588.00 है।

### 6. सेवानिवृत्ति लाभ

संस्थान ने अपने सभी नियमित कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना अपनाई है। निदेशक एमएनआईटी जयपुर से प्रेषण पर हैं, और उनके सेवानिवृत्ति लाभ एमएनआईटी जयपुर को भुगतान किए जाते हैं, जब भी एमएनआईटी जयपुर मांग करता है।

### 7. विशेष/धरोहर निधि

विशेष उद्देश्यों के लिए प्राप्त निधियों को विशेष निधि के रूप में रखा गया है। प्राप्ति और व्यय नकद आधार पर लेखांकित किए जाते हैं। अप्रयुक्त शेष राशि बैंक खाते में रखी जाती है।

#### 7.1 कॉर्पस/पूंजी निधि

संस्थान कॉर्पस निधि और पूंजी निधि का रखरखाव करता है। पूंजी निधि स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद के लिए उपयोग की गई अनुदानों की राशि से बनी होती है, और परिसंपत्तियों पर लगाए गए मूल्यहास से घटाई जाती है। कॉर्पस निधि 31 मार्च को आय और व्यय में अधिशेष से बनी होती है, अर्थात् यह मुख्यतः संस्थान की अप्रयुक्त आंतरिक राजस्व सृजन (आईआरजी) और अन्य योगदानों का प्रतिनिधित्व करती है।

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### 8. बंदोबस्ती निधि

संस्थान द्वारा कोई धरोहर निधि नहीं रखी गई है।

### 9. सरकार और यूजीसी अनुदान

- 9.1 सरकारी अनुदान और यूजीसी अनुदान प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किए जाते हैं। यदि किसी वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान जारी करने का अनुमोदन 31 मार्च से पहले प्राप्त हो जाता है, लेकिन अनुदान वास्तविक रूप से अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, तो इसे नकद आधार पर लेखांकित किया जाता है और उस वर्ष में उपयोग किए गए हिस्से तक मान्यता दी जाती है। 31 मार्च 2025 को आरबीआई खाते में अप्रयुक्त अनुदान की राशि ₹149.00 शेष है, जिसे समाप्त कर मंत्रालय को लौटा दिया गया।
- 9.2 पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग किए गए हिस्से तक (प्रोद्भवन पद्धति के अनुसार) सरकारी और यूजीसी अनुदान को पूंजी निधि में स्थानांतरित किया जाता है।
- 9.3 राजस्व व्यय को पूरा करने के लिए (प्रोद्भवन पद्धति के अनुसार) प्राप्त सरकारी और यूजीसी अनुदान को उस वर्ष की आय के रूप में माना जाता है, जिस वर्ष में उनका वास्तविक उपयोग होता है।
- अप्रयुक्त अनुदान (जिसमें ऐसे अनुदानों से भुगतान किए गए अग्रिम भी शामिल हैं) आगे ले जाया जाता है और तुलन पत्र में देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

### 10. चिन्हित निधियों में निवेश और जमा ब्याज

तत्काल व्यय के लिए आवश्यक न होने वाली राशि को बैंक में निश्चित अवधि के लिए जमा किया जाता है, जबकि शेष राशि संचय खाता में रखी जाती है।

ऐसे निधियों पर प्राप्त ब्याज, संचित ब्याज और देय ब्याज, तथा संचित परन्तु देय न हुआ ब्याज को संस्थान की आय नहीं माना जाता।

### 11. प्रायोजित परियोजनाएँ

- 11.1 संचालित प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त राशियों को "वर्तमान देयताएँ और प्रावधान - वर्तमान देयताएँ - अन्य देयताएँ - प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्तियाँ" के अंतर्गत जमा किया जाता है। जब ऐसे परियोजनाओं पर व्यय किया जाता है या अग्रिम भुगतान किया जाता है, या परियोजना से संबंधित आवंटित ओवरहेड चार्जस डेबिट किए जाते हैं, तो देयता खाता डेबिट किया जाता है।
- 11.2 यूजीसी द्वारा वित्तपोषित जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए विशेष निधि के अतिरिक्त, विभिन्न संस्थाएँ फेलोशिप और छात्रवृत्ति भी प्रायोजित करती हैं। इन्हें प्रायोजित परियोजनाओं की तरह ही लेखांकित किया जाता है, सिवाय इसके कि व्यय आमतौर पर केवल फेलोशिप और छात्रवृत्ति के भुगतान पर होता है, जिसमें फेलो और छात्र के आकस्मिक व्यय के भत्ते भी शामिल हो सकते हैं।
- 11.3 संस्थान स्वयं भी फेलोशिप और छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जिन्हें शैक्षणिक व्यय के रूप में लेखांकित किया जाता है।

### 12. आयकर

संस्थान की आय धारा 10(23c)(iiiab) के तहत आयकर से मुक्त है, इसलिए खातों में कर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

## अनुसूची-24: लेखा संबंधित टिप्पणियां

- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम' संसद द्वारा पारित अधिनियम "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 2009" के माध्यम से स्थापित किया गया। वित्तीय विवरण 'केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए वित्तीय विवरण का प्रारूप' के आधार पर तैयार किए गए हैं, जैसा कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रदत्त किया गया है।
- कराधान:**  
संस्थान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(23C)(iiiab) के प्रावधानों के अनुसार आयकर से मुक्त है।
- स्थायी परिसंपत्तियाँ**
  - स्थायी परिसंपत्तियाँ अधिग्रहण लागत पर अंकित की जाती हैं, जिसमें आवागमन भाड़ा, कर और शुल्क, तथा अधिग्रहण, स्थापना और कमीशनिंग से संबंधित अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष खर्च शामिल हैं।
  - नए भवनों और संरचनाओं के नवीनीकरण और निर्माण पर किए गए पूंजीगत व्यय अस्थायी परिसर के लिए राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए भूमि पर किए गए हैं। इस भूमि का स्वामित्व राज्य सरकार के पास है।
  - अस्थायी परिसर में किए गए सूक्ष्म नवीनीकरण और परिवर्तन को मरम्मत और रखरखाव के रूप में लेखांकित किया गया और इसे आय एवं व्यय खाता में चार्ज किया गया।
- मूल्यहास :**
  - स्थायी परिसंपत्तियों पर मूल्यहास सिधी रेखा पद्धति (स्ट्रेट लाइन मेथड) से निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया जाता है:

क्र. सं.	मूर्त परिसंपत्तियां	दर
1	भूमि	0%
2	स्थल विकास	0%
3	भवन	2%
4	सड़क और पुल	2%
5	ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	2%
6	सीवर और नालियां	2%
7	विद्युत स्थापना और उपकरण	5%
8	प्लॉट और मशीनरी	5%
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%
10	कार्यालय उपकरण	7.5%
11	ऑडियो-विजुअल उपकरण	7.5%
12	कंप्यूटर और परिधीय उपकरण	20%
13	फर्नीचर, फिटिंग और फर्निशिंग	7.5%
14	खेल उपकरण	10%
15	पुस्तकालय की पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%

क्र. सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां (परिशोधन)	दर
1	ई - जर्नल्स	40%
2	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3	पेटेंट	9 years
  - वर्ष के दौरान की गई परिसंपत्तियों की वृद्धि पर पूरे वर्ष का मूल्यहास प्रदान किया गया है।
  - जिन परिसंपत्तियों का प्रत्येक का मूल्य ₹2,000.00 या उससे कम है (पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर), उन्हें लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ माना गया है और ऐसी परिसंपत्तियों पर 100% मूल्यहास उनके अधिग्रहण के समय प्रदान किया गया है।

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

- संस्थान ने अस्थायी शोड तैयार किया है, जिसकी अनुमानित आयु तीन वर्ष है, क्योंकि संस्थान अस्थायी परिसर से कार्य कर रहा है। अतः इस परिसंपत्ति को भवनों में जोड़ा नहीं गया है। इसके अनुसार 33% वार्षिक दर से मूल्यहास लगाया गया है।
- संस्थान ने प्रीफैब भवन निर्मित किए हैं, जिनकी अनुमानित आयु पांच वर्ष है, क्योंकि संस्थान अस्थायी परिसर से कार्य कर रहा है। अतः इन परिसंपत्तियों को भवनों में जोड़ा नहीं गया है। इसके अनुसार 20% वार्षिक दर से मूल्यहास लगाया गया है।
- टेक्निकल एजुकेशन कालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम (टीक्यूआईपी) के अंतर्गत संस्थान ने ₹9,98,73,663.00 मूल्य की परिसंपत्तियाँ अधिग्रहित की हैं। परिसंपत्तियों को संस्थान के खातों में मूल्यहास घटाने के बाद शामिल किया गया और कॉर्पस फंड के तहत पूंजी निधि/स्थायी परिसंपत्तियों में दर्शाया गया। 31 मार्च 2025 को मूल्यहास के बाद पूंजी निधि और स्थायी परिसंपत्तियों में अंकित मूल्य ₹3,33,15,885/- है।
- प्रायोजित परियोजनाओं से अधिग्रहित पूंजीगत परिसंपत्तियों का मूल्य 31 मार्च 2025 को ₹93.61 लाख है, जिनमें से स्वामित्व अभी संस्थान को हस्तांतरित नहीं किया गया है।
- पूंजीगत प्रतिबद्धता**  
संस्थान ने मार्च 2025 में एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के साथ स्थायी परिसर के निर्माण के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। एमओयू के तहत किए जाने वाले कार्यों का अनुमानित मूल्य ₹560 करोड़ है।
- आकस्मिक देयता**  
पिछले वर्षों में संस्थान में किए गए कार्यों के लिए सीपीडब्ल्यूडी से ₹1.67 करोड़ की मांग प्राप्त हुई है। पिछले 5 वर्षों में ऐसी कोई मांग नहीं आई थी और इन कार्यों को एमपीआर में दर्शाए गए व्यय के अनुसार संस्थान के खातों में पूंजीकृत किया गया है। यह मांग संस्थान के एस्टेट सेक्शन द्वारा समीक्षा के अधीन है।
- परियोजना खाते**  
परियोजना खाते वित्तीय विवरणों के अनुलग्नक में दिखाए गए हैं और 31 मार्च 2025 को प्रत्येक परियोजना का शेष चालू देयताओं में शामिल किया गया है।
- चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और जमा**  
प्रबंधन के अनुसार, चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और जमा का मूल्य सामान्य कार्यवाही में वास्तविक रूप से प्राप्त करने पर कम से कम तुलन पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर है।  
एनबीसीसी लिमिटेड को ₹88,81,18,026.00 का अग्रिम भुगतान किया गया है, जो खमडोंग, गंगटोक में नए परिसर के निर्माण के लिए पूंजी अग्रिम के अंतर्गत है और इसमें चल रहे बिलों के समायोजन के बाद राशि शामिल है। इसके अतिरिक्त, उक्त राशि को स्वीप जमा में रखा गया है और 31 मार्च 2025 तक ₹5,54,89,999/- का ब्याज संचित हुआ है।
- अनुलग्नक I से 24 तक 31 मार्च 2025 के तुलन पत्र और उसी दिन समाप्त हुए वर्ष के आय एवं व्यय खाते का अभिन्न अंग हैं और इनके साथ संलग्न किए गए हैं।
- पुनः वर्गीकरण**  
पिछले वर्षों के आंकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनर्वर्गीकृत और पुनः व्यवस्थित किया गया है।

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### एनपीएस टियर-1 खाते

31 मार्च, 2025 तक तुलन पत्र

राशि	देयताएं	राशि	राशि परिसंपत्ति	राशि रुपये में राशि
	<b>एनपीएस टियर-1 खाता</b>		<b>एनपीएस टियर-1 खाता</b>	
	प्रारंभिक शेष	1,861,803.23	3/25 और दूसरे इंस्टिट्यूट बैंक अकाउंट्स के लिए सब्सक्रिप्शन और कंट्रीब्यूशन देना बाकी है	1,992,394.85
	जोड़ें: सब+इंस्टिट्यूट कंट्रीब्यूशन जोड़ें: ब्याज जमा हो गया	24,733,329.62	निवेश ब्याज अर्जित हुआ लेकिन देय नहीं बैंक में शेष राशि	
	घटाव: एनएसडीएल को ट्रांसफर			
	घटाव: एनएसडीएल को ट्रांसफर अंतिम शेष	24,602,738.00		
	आय का व्यय से अधिक होना शेष 1.4.2024 तक जोड़ें: वर्षों के दौरान	1,992,394.85		
	<b>कुल</b>	<b>1,992,394.85</b>	<b>कुल</b>	<b>1,992,394.85</b>

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

### एनपीएस टियर-1 खाते

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय और व्यय खाता

राशि	व्यय	राशि	राशि आय	राशि रुपये में राशि
	सब्सक्राइबर के अकाउंट में जमा किया गया ब्याज बैंक चार्ज	-	निवेश पर अर्जित ब्याज	-
	आय का व्यय से अधिक होना	-	घटाव: ब्याज अर्जित 31/03/25 ब्याज अर्जित परंतु देय नहीं।	-
	<b>कुल</b>		<b>कुल</b>	

वरिष्ठ अधीक्षक

सहायक कुलसचिव

कुलसचिव

वरिष्ठ अधीक्षक

सहायक कुलसचिव

कुलसचिव

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

## एनपीएस टियर-1 खाते

### वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्राप्ति और भुगतान खाता

प्राप्तियाँ	राशि	भुगतान	राशि	रूपये में
			राशि	
01/04/2024 तक प्रारंभिक बैलेंस (इंस्टीट्यूट के बैंक अकाउंट में)	1,861,803.23	निवेश		
एनपीएस टियर-1 खाते स्वयं की सदस्यता	10,120,351.80	एनएसडीएल में निकासी/रिफंड	24,602,738.00	
विश्वविद्यालय का योगदान	14,612,977.82			
		31/03/2025 को अंतिम शेष (इंस्टीट्यूट बैंक अकाउंट में)	1,992,394.85	
निवेश पर प्राप्त ब्याज बचत बैंक खाते पर ब्याज निवेश भुनाया गया				
<b>कुल</b>	<b>26,595,132.85</b>	<b>कुल</b>	<b>26,595,132.85</b>	

वरिष्ठ अधीक्षक

सहायक कुलसचिव

कुलसचिव

# वार्षिक प्रतिवेदन



**राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम**  
**National Institute of Technology Sikkim**